



38 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष

38th ANNUAL REPORT

YEAR ENDED 31st MARCH 2024

2024



दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION COMPANY LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)



प्रयागराज में, गंगा नदी के पार, झूसी-दारागंज स्टेशन, उत्तर प्रदेश के बीच रेलवे ब्रिज नं. 111
Railway Bridge no. 111 at Prayagraj, across Ganga river
between Jhusi – Daraganj station, Uttar Pradesh



खोंगसांग स्टेशन से नोनी स्टेशन, मणिपुर के बीच इरिंग नदी पर रेलवे ब्रिज नंबर 130
Railway Bridge no.130 over river Iring in between
Khongsang Station to Noney Station, Manipur

निदेशक मंडल / BOARD OF DIRECTORS



कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)
CMDE. RAKESH CHHILLAR (Retd.)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

पूर्णकालिक निदेशक / WHOLE TIME DIRECTOR



श्री राजीव कुमार सिंह
SHRI RAJIV KUMAR SINGH
निदेशक (तकनीकी) / Director (Technical)



श्री सुजीत कुमार घोष
SHRI SUJIT KUMAR GHOSH
निदेशक (वित्त) / Director (Finance)

सरकारी नॉमिनी निदेशक / GOVERNMENT NOMINEE DIRECTOR



श्री आदित्य कुमार घोष
SHRI ADITYA KUMAR GHOSH

स्वतंत्र निदेशक / INDEPENDENT DIRECTOR



श्रीमती सरला देवी
SMT. SARLA DEVI

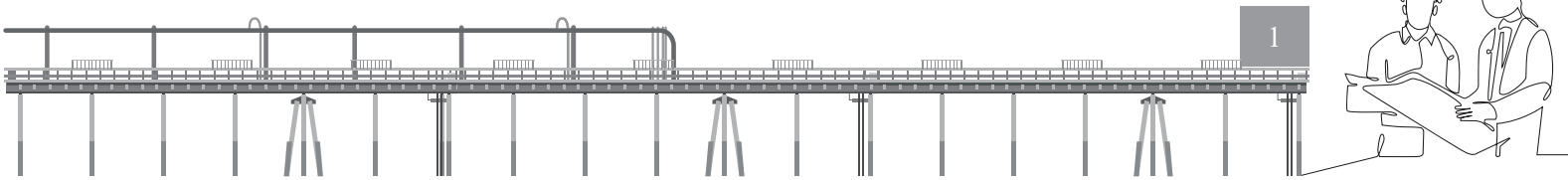
वार्षिक प्रतिवेदन
(हिंदी)

विषय सूची

Sl No.	Particulars	Page No.
1.	निदेशक मंडल	1
2.	शेयरधारकों को सूचना	2
3.	अध्यक्ष का संदेश	5
4.	निदेशकों का प्रतिवेदन	7
5.	स्वतन्त्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	35
6.	लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का उत्तर	49
7.	नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ	53
8.	तुलन पत्र	56
9.	लाभ एवं हानि का विवरण	58
10.	नकद प्रवाह का विवरण	59
11.	इक्विटी में परिवर्तन का विवरण	61
12.	कंपनी सूचना, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां	62

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान परिवर्तन सहित निदेशकों की अद्यतन सूची

	नाम	अवधि
निदेशक मंडल	: कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक निदेशक (वित्त) - अतिरिक्त प्रभार	पूरे वर्ष 06.06.2024 तक
	श्री राजीव कुमार सिंह निदेशक (तकनीकी)	पूरे वर्ष
	श्री सुजीत कुमार घोष निदेशक (वित्त)	07.06.2024 से
	श्री आदित्य कुमार घोष सरकार नामांकित निदेशक	पूरे वर्ष
	श्रीमती सरला देवी स्वतंत्र निदेशक	पूरे वर्ष
मुख्य सतर्कता अधिकारी	: सुश्री चंद्राणी गुप्ता	पूरे वर्ष
लेखा परीक्षक:	: बी.मुखर्जी एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स	
सॉलिसिटर	: फॉक्स एंड मंडल कोलकाता फॉक्स मंडल एंड एसोसिएट एल एल पी , कोलकाता फॉक्स एंड मंडल एल एल पी, नई दिल्ली	
बैंकर्स:	: भारतीय स्टेट बैंक कैनरा बैंक एचडीएफसी बैंक एक्सिस बैंक	
पंजीकृत कार्यालय:	: 27, आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता-700001, पश्चिमबंगाल	



38वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के सदस्यों की 38 वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) शनिवार, 31 अगस्त, 2024 को 11:30 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय, 27, आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता - 700001, पश्चिम बंगाल में निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए आयोजित की जाएगी: -

साधारण काम-काज :

- 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 31 मार्च 2024 की तुलन-पत्र, लाभ और हानि लेखा का विवरण, नकदी प्रवाह और टिप्पणियाँ आदि सहित इक्विटी में परिवर्तन, निदेशक मंडल के प्रतिवेदन, स्वतंत्र लेखापरीक्षक के प्रतिवेदन तथा उस पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों को ग्रहण करना, उस पर विचार करना और उसे पारित करना।
- वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए लाभांश की घोषणा करना।
- वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त किये जाने वाले स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक निर्धारित करने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल को अधिकृत करना।
- सरकारी आदेश द्वारा की गई निदेशकों की नियुक्ति पर ध्यान देना।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार

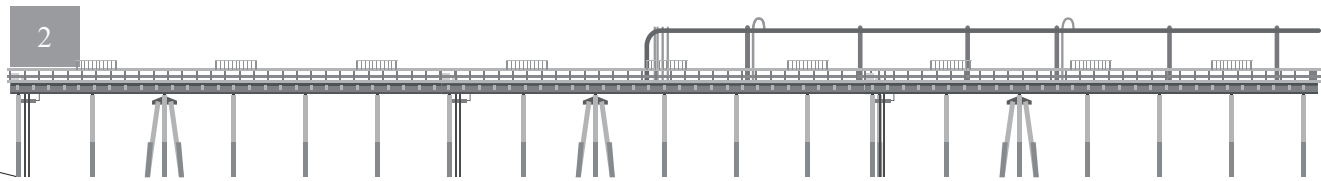
(नवीन कुमार मिश्रा)
कंपनी सचिव

पंजीकृत कार्यालय :

27, आर.एन. मुखर्जी रोड,
कोलकाता- 700001

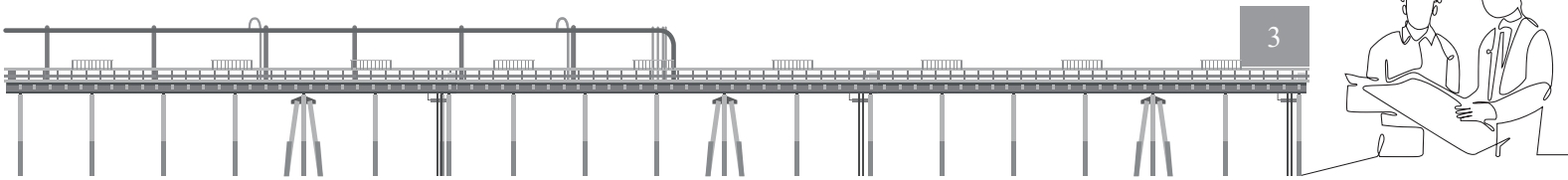
दिनांक : 08 अगस्त, 2024

प्रतिलिपि: सभी निदेशकों और सांविधिक लेखा परीक्षकों को



द्रष्टव्य:

1. बैठक में भाग लेने और मतदान करने का हकदार सदस्य स्वयं के बजाय भाग लेने और मतदान करने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करने का हकदार है और इस तरह के प्रॉक्सी को कंपनी का सदस्य होने की आवश्यकता नहीं है। प्रॉक्सी फॉर्म इस नोटिस के साथ संलग्न है।
2. कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अपने परिपत्र संख्या (फाइल संख्या नीति - 17/57/2021 सीएल-एमसीए दिनांक 05.05.2022) के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंस या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों के माध्यम से वार्षिक आम बैठक आयोजित करने के विषय में स्पष्टीकरण दिया है - वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों के माध्यम से एजीएम आयोजित करने की अनुमति दी गई है और तदनुसार कंपनी की 38 वीं एजीएम आयोजित की जाएगी। यदि आवश्यक हो तो सदस्यों को वीसी / ओएवीएम के माध्यम से भाग लेने का विकल्प दिया जाएगा।
3. वार्षिक आम बैठक की सूचना में निर्दिष्ट स्थल पर 38वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित होगी।



प्रतिपुरुष प्रपत्र

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 105 (6) और कंपनियों (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 19(3) के अनुसरण में]

सीआईएन : यू70100डब्ल्यूबी 1986जीओआई041286
कंपनी का नाम : दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 27, आर. एन. मुखर्जी रोड, मोदी बिल्डिंग, कोलकाता, पं.बं. 700001, भारत

सदस्य (यों) के नाम	:	
पंजीकृत पता	:	
ईमेल आईडी	:	
फोलियो नं. / ग्राहक आईडी डीपी आईडी	:	
डीपी आईडी	:	लागू नहीं

मैं / हम उपर्युक्त नाम की कंपनी में शेयर के धारक होने के नाते कंपनी के सदस्य के रूप में एतद्वारा निम्नलिखित

- नाम: पता: : ईमेल आईडी:
हस्ताक्षर:....., या उसके चूकने पर
- नाम: पता: : ईमेल आईडी:
हस्ताक्षर:....., या उसके चूकने पर
- नाम: पता: : ईमेल आईडी:
हस्ताक्षर:....., या उसके चूकने पर
- नाम: पता: : ईमेल आईडी:
हस्ताक्षर:....., या उसके चूकने पर

को मेरे / हमारे तथा मेरी / हमारी ओर से,, 2024 को, कंपनी की पंजीकृत कार्यालय, कोलकाता में आयोजित कंपनी के सदस्यों की 38 वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लेने और मतदान करने (मतदान में) के लिए प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करता/ते हूँ/ हूँ और इस तरह के संकल्पों के संबंध में इसके किसी भी स्थगन निम्न रूप में दिए गए हैं।

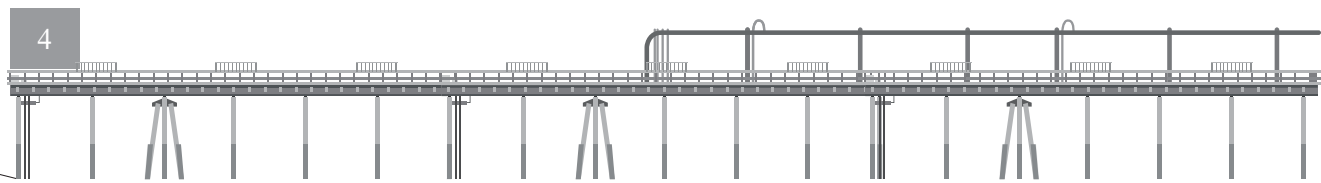
संकल्प संख्या

- 1
- 2
- 3
- 4

.....2024केवें दिन हस्ताक्षरित।

हस्ताक्षर: (शेयरधारक के हस्ताक्षर)

द्रष्टव्य : इस प्रॉक्सी फार्म के प्रभावी होने के लिए इसे विधिवत रूप से पूरा भर कर एवं बैठक के प्रारंभ होने के पूर्व कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए।



अध्यक्ष का संदेश

प्रिय शेयरधारकों,

निदेशक मंडल की ओर से, मुझे कंपनी के सदस्यों की 38वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। निदेशकों की रिपोर्ट, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों के साथ 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण वाली वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति पहले ही वितरित की जा चुकी है।

आज की बैठक के औपचारिक एजेंडे को आगे बढ़ाने से पहले, मैं आपके साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान आपकी कंपनी के प्रदर्शन को संक्षेप में साझा करूंगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 26074.99 लाख की कुल आय अर्जित की, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान यह 30822.87 लाख थी। उक्त अवधि के लिए शुद्ध लाभ (कर के बाद लाभ) ₹ 2063.03 लाख (पिछले वित्त वर्ष ₹ 885.85 लाख) है।

पूरे वर्ष कंपनी में औद्योगिक संबंध मधुर बने रहे।

कंपनी डीपीई, सरकार द्वारा जारी कॉर्पोरेट प्रशासन दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की कॉर्पोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देशों के तहत त्रैमासिक और वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट बिना किसी देरी के निर्धारित नियत तारीख के भीतर डीपीई के पास दाखिल की जाती है। डीपीई द्वारा जारी सीपीएसई की ग्रेडिंग रिपोर्ट के अनुसार, बीबीजे ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस अनुपालन के लिए लगातार 'उत्कृष्ट' ग्रेड हासिल किया है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी के निदेशकों की रिपोर्ट के अनुलग्नक में कॉर्पोरेट प्रशासन पर विस्तृत रिपोर्ट अलग से दी गई है।

निरंतर विकास और भविष्य की वृद्धि के लिए, आपकी कंपनी मुख्य खंड (ईपीसी/पीएमसी) में व्यवसाय को मजबूत करने के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों में अवसरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

निजी संस्थाओं से कड़ी प्रतिस्पर्धा, रिवर्स नीलामी की शुरुआत, बड़े मूल्य वाले ईपीसी टेंडर, बढ़ी हुई साख (तकनीकी और वित्तीय क्षमता) की आवश्यकता आदि ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। आपकी कंपनी उच्च मूल्य वाले ईपीसी/अन्य अनुबंधों में भाग लेने के साथ-साथ भारत के उत्तर/पूर्वोत्तर क्षेत्र के कठिन इलाकों में जटिल परियोजनाओं को शुरू करने की अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों के साथ लगातार नए टाई-अप/एमओयू की खोज कर रही है। इसके अलावा, कंपनी बोली, खरीद, संचालन, निष्पादन और परियोजना के तेज कारोबार में दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम बहुत आशावादी हैं कि ये पहल हमें मौजूदा/नई चुनौतियों के लिए 'भविष्य के लिए तैयार' बनाएगी। हम कंपनी की सकारात्मक वृद्धि को लेकर आश्वस्त हैं।

मैं इस अवसर पर कंपनी के समग्र प्रबंधन में उनके बहुमूल्य समर्थन और सहयोग के लिए निदेशक मंडल में अपने सहयोगियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ।



मैं भारी उद्योग मंत्रालय, रेल मंत्रालय और सरकार के अन्य मंत्रालयों/विभागों से मिले पूरे दिल से समर्थन के लिए भी आभारी हूँ। भारत की, राज्य सरकारों, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट, आरवीएनएल, इस्कॉन, वित्तीय संस्थान, बैंक, नियामक और वैधानिक प्राधिकरणों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षकों, लेखा परीक्षकों, कानूनी सलाहकारों और सलाहकारों, संयुक्त उद्यम भागीदारों और सभी हितधारकों से प्राप्त पूरे दिल से समर्थन के लिए भी आभारी हूँ। हम कंपनी के भावी प्रयासों में उनके निरंतर समर्थन की कामना करते हैं।

मैं, पूरे निदेशक मंडल की ओर से, सभी स्तरों पर बीबीजे के कर्मचारियों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ और उनकी प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए अपनी प्रशंसा दर्ज करना चाहता हूँ।

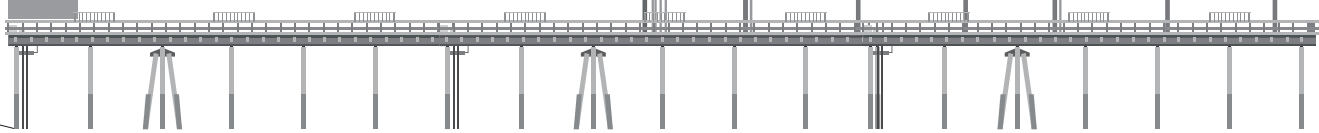
आप सभी को धन्यवाद

जय हिन्द

कोमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

दिनांक: 08 अगस्त, 2024

स्थान: कोलकाता



निदेशकों की रिपोर्ट

सेवा में
शेयरधारकगण,
दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

आपके निदेशकों को 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों के साथ कंपनी के संचालन और प्रदर्शन पर 38वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में खुशी हो रही है।

1 वित्तीय विशिष्टताएं

- 1.1.1 कंपनी के वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) के अनुपालन में लेखांकन के संचय और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अधिसूचित सीमा तक और लागू प्रावधानों के बाद के संशोधनों के आधार पर तैयार किए जाते हैं।
- 1.1.2 वित्तीय वर्ष 2022-2023 की तुलना में 2023-2024 के लिए कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन का सारांश नीचे दिया गया है: -

(₹ लाख में)

व्यौरा	2023-2024	2022-2023
संचालन से राजस्व	25010.37	30178.97
अन्य आय	1064.61	643.90
मूल्यहास से पहले लाभ/हानि, वित्त लागत, असाधारण वस्तुएं और कर व्यय	3014.33	1522.20
कम : मूल्यहास/ परिशोधन / क्षति	149.72	122.14
वित्त लागत, असाधारण वस्तुओं और कर व्यय से पहले लाभ / हानि	2864.61	1400.06
कम : वित्त लागत	69.29	90.63
कर व्यय से पहले लाभ / हानि	2795.32	1309.43
कम : कर व्यय (वर्तमान और स्थगित)	732.29	423.57
वर्ष के लिए लाभ / हानि	2063.03	885.85

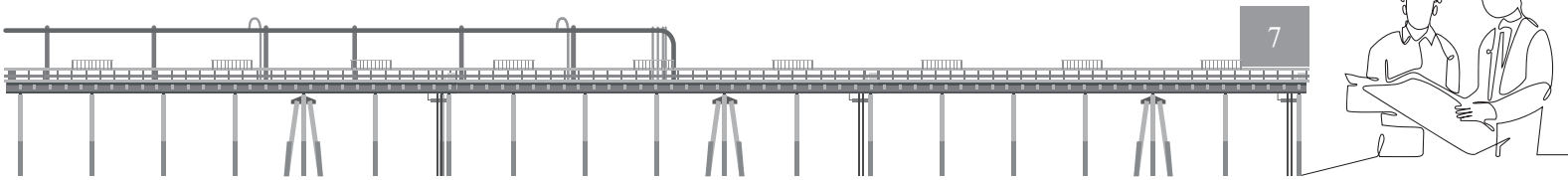
- 1.1.3 वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए कंपनी की कुल आय ₹26074.99 लाख है, जबकि वित्त वर्ष 2022-2023 के दौरान कंपनी की कुल आय ₹30822.87 लाख थी। उक्त अवधि के लिए शुद्ध लाभ (कर के बाद लाभ) ₹ 2063.03 लाख है (पिछला वित्त वर्ष ₹ 885.85 लाख)।
- 1.1.4 बाधाओं के बावजूद आपकी कंपनी ने परिचालन और लाभप्रदता दोनों के संदर्भ में विकास को गति देने का लक्ष्य रखते हुए सतर्कता से रेलवे और अन्य ग्राहकों से लाभकारी ऑर्डरों को लक्षित किया। आपकी कंपनी ने लगातार लाभ कमाने वाले सीपीएसई का ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखा है।

2 पूंजी संरचना

- 2.1 वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कंपनी की पूंजी संरचना में कोई बदलाव नहीं हुआ। 31 मार्च, 2024 को अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 34810 लाख है और प्रदत्त शेयर पूंजी ₹ 12086.05 लाख थी।

3 सामान्य आरक्षित

- 3.1 31 मार्च, 2024 को सामान्य आरक्षित निधि (प्रतिधारित आय को छोड़कर) ₹ 1473.65 लाख (पिछला वित्त वर्ष 2022-2023 - ₹ 1473.65 लाख) है।



4 लाभांश

- 4.1 लाभांश बोर्ड द्वारा अपनी सिफारिश और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा आगामी वार्षिक आम बैठक, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यकताओं के अनुसार आगामी वार्षिक आम बैठक आयोजित किया जाएगा, में, अनुमोदन के बाद भारत सरकार को देय हो जाएगा।
- 4.2 लाभांश भुगतान केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के पूंजी पुनर्गठन पर दिशानिर्देशों के अनुसार और भारत सरकार/निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के निर्देशानुसार, या छूट यदि कोई हो, जो दीपम द्वारा दी जा सकती है, के अनुसार होगा।

5 प्रबंधन, चर्चा और विश्लेषण

5.1 कंपनी की संक्षिप्त रूपरेखा

- 5.1.1 17 सितंबर, 1986 को एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीपीएसई) के रूप में शामिल, भारत के राष्ट्रपति भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के माध्यम से, भारत सरकार अपनी संपूर्ण 100% इक्विटी शेयर पूंजी रखती है। कंपनी एमएचआई के तहत एक अनुसूची 'सी' सीपीएसई है।
- 5.1.2 कंपनी के कारोबार में शामिल हैं:
- इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) व्यवसाय - रेलवे के लिए स्टील ब्रिज,
 - परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) व्यवसाय - सिविल निर्माण,
 - औद्योगिक संरचनाएँ
 - कंपनी अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी विविधता लाने का प्रयास कर रही है
- 5.1.3 कंपनी द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में फैली हुई हैं।
- 5.1.4 बीबीजे की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली गुणवत्ता नीति की आवश्यकताओं के अनुसार है और आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन के तहत प्रमाणित है।

5.2 बीबीजे की परिभाषित दृष्टि मिशन और उद्देश्य :

5.2.1 दृष्टि

- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और लागत प्रभावी प्रथाओं के माध्यम से उच्च इंजीनियरिंग मानक के साथ पुलों और अन्य इंजीनियरिंग चमत्कारों का नवप्रवर्तन, डिजाइन और निर्माण करना।
- हितधारकों के लिए देखभाल और चिंता के साथ लाभदायक, उत्पादक, रचनात्मक, आज्ञाकारी और वित्तीय रूप से सुदृढ़ बने रहना।

5.2.2 मिशन और उद्देश्य

- एक विश्व स्तरीय प्रमुख इंजीनियरिंग परियोजना कार्यान्वयन संगठन बनना।
- देश के भीतर और बाहर सिग्नेचर ब्रिज और इंजीनियरिंग चमत्कारों का निर्माण करना।
- नवोन्मेषी, उद्यमशील होना, लगातार मूल्य सृजन करना और वैश्विक मानक प्राप्त करना।
- नवाचार और कौशल उन्नयन के माध्यम से संगठन और कर्मचारियों की कुल ग्राहक संतुष्टि और लगातार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध।

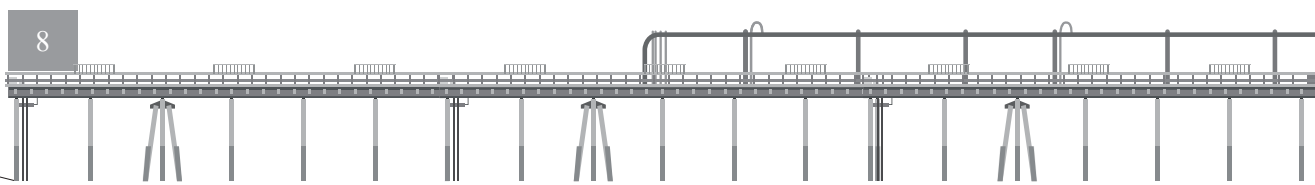
5.3 उद्योग संरचना और विकास

5.3.1 अर्थव्यवस्था की स्थिति - वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय रिज़र्व बैंक की 5 से 7 जून, 2024 की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के कार्यवृत्त में बताए गए अनुसार मूल्यांकन और दृष्टिकोण नीचे दिया गया है:

“आकलन और दृष्टिकोण

6. वैश्विक आर्थिक गतिविधि पुनर्संतुलन कर रही है और 2024 में स्थिर गति से बढ़ने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति असमान गति से कम हो



रही है, साथ ही सेवाओं की मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई है और लक्ष्यों की दिशा में प्रगति धीमी हो रही है। केंद्रीय बैंकों द्वारा नीतिगत धुरी की गति और समय पर अनिश्चितता वित्तीय बाजारों को अस्थिर बनाए हुए है। उन्नत और उभरते दोनों बाजार अर्थव्यवस्थाओं में इक्विटी बाजारों ने नई ऊँचाइयों को छुआ है। गैर-ऊर्जा वस्तुओं की कीमतें मजबूत हो गई हैं, जबकि अमेरिकी डॉलर और बांड आय उभरते बाजार मुद्राओं में स्पिलओवर के साथ दो-तरफा चाल प्रदर्शित कर रहे हैं। सुरक्षित निवेश मांग के कारण सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुंच गई हैं।

7. 31 मई, 2024 को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी अंतिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 की चौथी तिमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जबकि तीसरी तिमाही में यह 8.6 प्रतिशत थी। 2023-24 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत रखी गई। आपूर्ति पक्ष पर, 2023-24 की चौथी तिमाही में वास्तविक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) 6.3 प्रतिशत बढ़ गया। 2023-24 में वास्तविक जीवीए में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

5.3.2 भारतीय बुनियादी ढाँचा क्षेत्र और सरकार की पहल

5.3.2.1 सरकार की पहल निम्नलिखित के माध्यम से बुनियादी ढाँचा क्षेत्र में समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी:

मजबूत मांग

आकर्षक अवसर

नीति समर्थन

निवेश बढ़ाना

बीबीजे के लिए संभावनाएँ

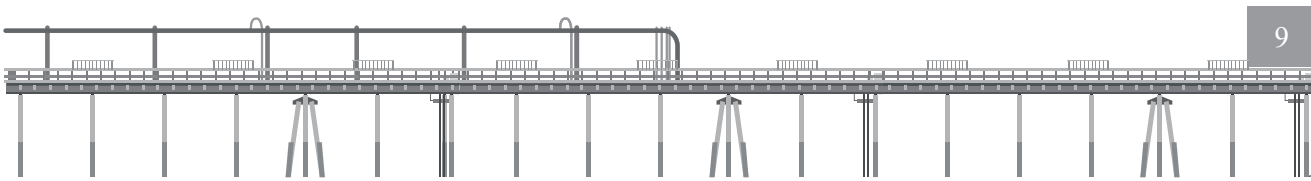
5.3.2.2 बुनियादी ढाँचे और रेलवे के विकास के लिए सरकार की दृष्टि से उत्कृष्ट विकास अवसरों के साथ निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आपकी कंपनी, पुल निर्माण, सिविल निर्माण और औद्योगिक संरचनाओं में अपने अनुभव, विशेषज्ञता और योग्यता/क्षमता के साथ, अपनी ताकत का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। स्थिरता और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्थापित संस्थाओं के साथ गठजोड़ के माध्यम से बाजार विकास और क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करने की आपकी कंपनी की रणनीति, इसे सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्यवान बनाने में सक्षम बनाएगी। आपकी कंपनी उद्देश्य-आधारित और भविष्य के अनुकूल होने पर ध्यान देना जारी रखेगी।

5.3.2.3 आपकी कंपनी आने वाले वर्षों में रेलवे की महत्वाकांक्षी योजना से और अधिक की खोज के अलावा आधुनिक इन्फ्रा परियोजनाओं के प्रसार और पीएमसी व्यवसाय में विविधीकरण के माध्यम से अन्य व्यावसायिक अवसरों की खोज के माध्यम से अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करने के लिए भी तैयार है।

5.3.2.4 आपकी कंपनी द्वारा उठाए गए कदमों से इसके प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार होगा, जो कि पारंपरिक व्यापार प्रक्षेपवक्र से विविध क्षेत्र में वादा की गई विकास दर के साथ होगा।

5.3.2.5 सरकार द्वारा बुनियादी ढाँचे पर निरंतर जोर और भारत के उत्तर पूर्व, जम्मू और कश्मीर आदि जैसे कठिन क्षेत्रों में काम करने की आपकी कंपनी की क्षमता के परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में व्यापार में वृद्धि होने की उम्मीद है।

5.3.2.6 आपकी कंपनी द्वारा पिछले 10 वर्षों में शुरू की गई और वर्तमान में प्रगति पर कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

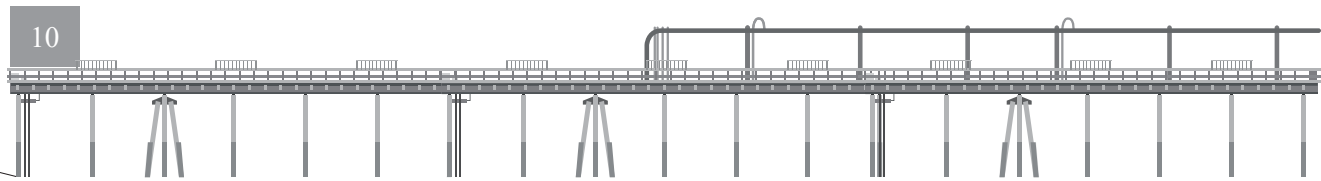


क्र.सं.	प्रोजेक्ट का नाम	स्थान	अभियांत्रिकी विवरण
1.	मुंगेर परियोजना: 4 किमी लंबा रेल-सह-सड़क पुल	मुंगेर, बिहार	<ul style="list-style-type: none"> ➤ स्पैन व्यवस्था: 1x33.74m+29x125m+1x33.74m ➤ स्टील की आवश्यकता: 61,000 एम टी (लगभग)
2.	जम्मू एवं कश्मीर ब्रिज नं. 1, 2, 3 और 61	रियासी और बनिहाल के बीच, कटरा-काजीगुंड खंड, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला	<ul style="list-style-type: none"> ➤ स्पैन व्यवस्था: ब्रि.सं. 1 - 1 x 30 मी, ब्रि. सं. 2 - 11 x 40.8 मी, ब्रि.सं. 3 - 8 x 40.8 मी, ब्रि.सं. 61 - 2x30.5 मीटर + 1x24.4 मीटर ➤ स्टील की आवश्यकता: 5,500 एम टी (लगभग)
3.	ब्रिज नं. 164 इरिंग नदी के पार, मणिपुर	खोंगसांग स्टेशन से नोनी स्टेशन के बीच, मणिपुर	<ul style="list-style-type: none"> ➤ स्पैन व्यवस्था: 1x69 मीटर + 5x103.5 मीटर + 1x69 मीटर + 1x28.5 मीटर ➤ स्टील की आवश्यकता: 5,600 एम टी (लगभग)
4.	ब्रिज नं. 130 इरिंग नदी के पार, मणिपुर	खोंगसांग स्टेशन से नोनी स्टेशन के बीच, मणिपुर	<ul style="list-style-type: none"> ➤ स्पैन व्यवस्था: 1x69 मीटर + 5x103.5 मीटर + 1x69 मीटर ➤ स्टील की आवश्यकता: 5,500 एम टी (लगभग)
5.	मिजोरम परियोजना: 07 पुल (पुल संख्या 15, 19, 64, 78, 104, 161, 167)	बैराबी स्टेशन और सैरांग स्टेशन के बीच, मिजोरम	<ul style="list-style-type: none"> ➤ स्पैन व्यवस्था: ब्रि.सं. 15 - 4 x 61मी, ब्रि.सं. 19 - 4 x 61 मी, ब्रि.सं. 64 - 3 x 61 मी, ब्रि.सं. 78 - 6 x 78.8 मी, ब्रि.सं. 104 - 1 x 61मी, ब्रि. सं. 161 - 8 x 78.8मी, ब्रि.सं. 167 - 6 x 78.8मी ➤ स्टील की आवश्यकता: 15,000 एम टी (लगभग)
6.	इलाहाबाद परियोजना: यूपी के प्रयागराज में गंगा नदी पर पुल संख्या 111	झूसी और दारागंज स्टेशन के बीच, प्रयागराज, यूपी.	<ul style="list-style-type: none"> ➤ स्पैन व्यवस्था: 24 x 76.20 मी ➤ स्टील की आवश्यकता: 13,440 एम टी (लगभग)

5.4 शक्ति और कमजोरी

5.4.1 शक्ति

- मजबूत ब्रांड जागरूकता और प्रतिष्ठा, भारत में महत्वपूर्ण/महत्वपूर्ण पुलों में समृद्ध अनुभव। पुल, सिविल निर्माण और औद्योगिक संरचना परियोजनाओं में काम करता है



- दशकों का अनुभव और सुदूर और दुर्गम क्षेत्र में काम करने का अनुभव
- जटिल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड
- हमारे ग्राहकों, उप-ठेकेदारों, वित्तीय संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ आपसी विश्वास और सम्मान पर बने स्थायी रिश्ते
- अत्यधिक योग्य और अनुभवी इंजीनियरों/कार्यकारियों और अन्य कुशल कर्मचारियों के साथ सुव्यवस्थित संगठन
- सकारात्मक निवल मूल्य
- कठिन और दूरदराज के क्षेत्रों में विशिष्ट निर्माण परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में सक्षम योग्य और अनुभवी श्रमशक्ति का होना
- अल्पावधि में A1+ और दीर्घकालिक साधन में A+ की क्रेडिट रेटिंग सुविधाएं होना

5.4.2 कमजोरी

- उच्च स्तर और कंपनी में प्रमुख पद पर सेवानिवृत्ति के कारण अनुभवी कर्मचारियों की संख्या में कमी
- चूँकि कंपनी को अपने छोटे आकार के कारण वित्तीय बाधा का सामना करना पड़ता है, इसलिए, बड़े कार्यों को प्राप्त करने के लिए प्रमुख परियोजनाओं की लिए प्रत्यय पत्र उपलब्ध नहीं होते हैं, जिससे पुल, सड़क और सिविल निर्माण आदि मूल्यवान व्यवसाय के काम हाथ से निकल जाते हैं
- वित्तीय और अन्य सीमाओं के कारण बीओटी/बीओओ और अन्य प्रमुख परियोजना निष्पादन में प्रवेश करने में असमर्थता

5.5 अवसर, जोखिम और बाधाएँ

5.5.1 अवसर

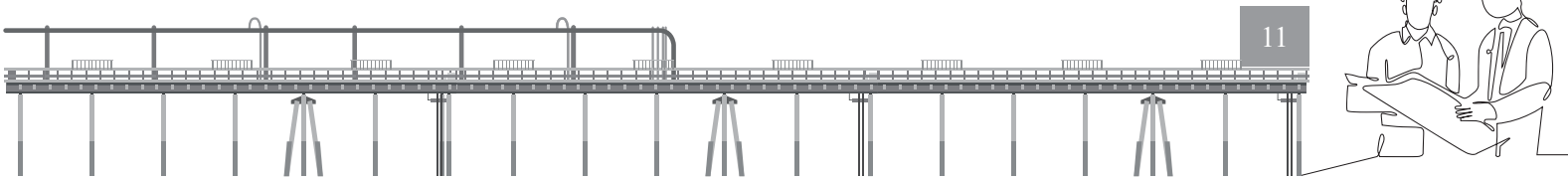
- भारत सरकार की घोषित नीतियां, 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया', 'स्मार्ट सिटीज मिशन' और विभिन्न अन्य पहलों के परिणामस्वरूप सड़क और नागरिक निर्माण आदि में मांग बढ़ेगी, जिससे निर्माण कंपनियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे
- भारत सरकार द्वारा बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए उच्च बजटीय आवंटन
- उद्योग समर्थक नीतियां और पहल जैसे कॉर्पोरेट टैक्स को कम करना, आरईआईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की स्थापना से बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा
- भारत सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे के काम पर जोर और सीमा क्षेत्र में विकास कार्य और उत्तर पूर्वी राज्य के विकास कार्य
- भूतल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर
- प्रमुख भारतीय परियोजनाओं के लिए संयुक्त उद्यम/सहयोग

5.5.2 जोखिम

- बुनियादी ढांचे में भारी निवेश ने बड़ी संख्या में निजी क्षेत्र के निर्माताओं को आकर्षित किया है जिससे प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है
- निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लाभ मार्जिन कम हो सकता है
- नामांकन के आधार पर कारोबार में कमी

5.5.3 बाधाएँ

- 5.5.3.1 सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई होने के कारण कंपनी में निजी क्षेत्र के प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कम लचीलापन है। छोटे आकार और वित्तीय सीमाओं के बावजूद, आपकी कंपनी ने अपनी मुख्य दक्षताओं के साथ लाभप्रदता बनाए रखी है और भारत के उत्तर और उत्तर पूर्व भाग सहित बुनियादी ढांचे की पहल में मामूली योगदान करते हुए, सरकार को लगातार लाभांश का भुगतान किया है



- 5.5.3.2 प्रमुख परियोजनाओं की लंबी निर्माण अवधि के कारण वित्तीय परिसंपत्तियां अवरोधित हो जाती हैं, जिससे नई परियोजनाओं में भागीदारी सीमित हो जाती है
- 5.5.3.3 उच्च वृद्धि वाली सिविल निर्माण परियोजनाओं के लिए प्रमाण पत्र का अभाव
- 5.5.4 जोखिम और चिंताएँ
- 5.5.4.1 नामांकन से कारोबार में प्रतिबंध, निजी क्षेत्र द्वारा कड़ी प्रतिस्पर्धा और आक्रामक बोली, सीमित वित्तीय क्षमता/कारोबार की तुलना में बड़े मूल्य के ईपीसी अनुबंध और प्राइवेट की तुलना में कम परिचालन लचीलापन, क्षेत्र की प्रतिस्पर्धाएँ भविष्य के व्यावसायिक अवसरों को प्रभावित कर सकती हैं
- 5.5.4.2 जोखिम भरे भौगोलिक भूभाग में संचालन के दौरान कंपनी के कर्मचारियों और परियोजनाओं को जोखिम और जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के खतरों से अवगत कराया गया है। हालाँकि, यह राष्ट्रीय निर्माण कार्य में प्रतिष्ठित कार्यों को अंजाम देने में गर्व महसूस करता है। कंपनी ने पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के उपाय किए हैं
- 5.5.4.3 वित्तीय विवरणों पर नोट्स के अंतर्गत जोखिम संबंधी विवरणों का भी उल्लेख किया गया है

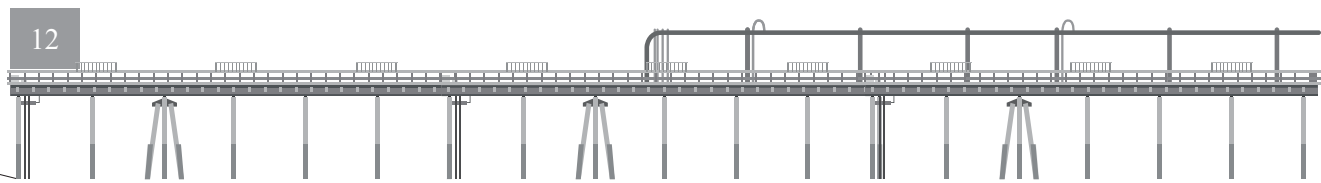
5.6 वर्तमान संचालन, मामलों की स्थिति और भविष्य के लिए दृष्टिकोण

- 5.6.1 कारोबारी माहौल को निजी क्षेत्र से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है जहां आमतौर पर मार्जिन से नीचे की बोली का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, रिवर्स ऑक्शन की शुरुआत ने भी अवसरों को सीमित कर दिया है। बड़े मूल्य वाले ईपीसी टेंडरों के लिए बढ़ी हुई साख (तकनीकी और प्रारंभिक वित्तीय क्षमता) की आवश्यकता होती है। इस बदले हुए परिदृश्य में मार्जिन काफी कम हो गया है।
- 5.6.2 बढ़ी हुई दक्षता की दिशा में उपरोक्त पहलों के परिणामस्वरूप, आपकी कंपनी निकट भविष्य में ऑर्डर बुक को सुरक्षित रखने और उसमें महत्वपूर्ण सुधार लाने को लेकर बहुत आशावादी है। हम लगातार बोली लगाने, संचालन, खरीद, निष्पादन और परियोजनाओं के तेजी से कारोबार में अपनी दक्षता बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं।
- 5.6.3 आपकी कंपनी उत्तर और उत्तर पूर्वी भारत के कठिन इलाकों में जटिल परियोजनाओं को शुरू करने की अपनी क्षमता का लाभ उठाते हुए उच्च मूल्य वाले ईपीसी और अन्य अनुबंध की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ नए संयुक्त उद्यम और गठजोड़ की भी खोज कर रही है।

5.7 परिचालन प्रदर्शन के संबंध में वित्तीय प्रदर्शन पर चर्चा

- 5.7.1 बीबीजे रेलवे के लिए इस्पात पुलों के निर्माण और स्थापन के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कार्य में लगा हुआ है; इस एकल ग्राहक निर्भरता के परिणामस्वरूप अतीत में वित्तीय प्रदर्शन में उच्च परिवर्तनशीलता रही है।
- 5.7.2 कंपनी के वर्तमान व्यावसायिक कार्यक्षेत्र नीचे दिए गए हैं:

क्रमांक	विवरण	उत्पाद और सेवाएं	ग्राहक / क्लाइंट
(क)	इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) - व्यवसाय - स्टील ब्रिज	निर्माण कार्य : स्टील ब्रिज, केबल स्टे ब्रिज, पुराने पुलों का पुनर्वास, ब्रिज गर्डर का निर्माण और आपूर्ति	भारतीय रेलवे और अन्य सीपीएसई
(ख)	परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) - व्यवसाय - सिविल निर्माण कार्य	निर्माण कार्य : भवन, स्कूल परिसर, सड़क	केन्द्रीय विद्यालय संगठन, उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी)



क्रमांक	विवरण	उत्पाद और सेवाएं	ग्राहक / क्लाइंट
(ग)	औद्योगिक संरचना	इस्पात संरचना का निर्माण एवं स्थापन	मेकॉन और अन्य सीपीएसई

5.7.3 परिचालन प्रदर्शन

5.7.3.1 31 मार्च, 2024 को प्रभावी ऑर्डर बुक स्थिति रेलवे ब्रिज परियोजनाओं से ₹ 27028.97 लाख और औद्योगिक संरचना कार्य सहित सिविल और औद्योगिक परियोजनाओं से ₹ 2289.52 लाख है, जो कुल मिलाकर ₹ 29318.49 लाख है।

5.7.3.2 वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रोड ओवरब्रिज के लिए ₹ 7260.31 लाख का ऑर्डर प्राप्त किया।

5.7.4 विविधीकरण और भविष्य का दृष्टिकोण

5.7.4.1 भविष्य के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक है और कंपनी के आगामी वर्ष में और बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना है।

5.7.4.2 आपकी कंपनी द्वारा दो व्यवसाय मॉडल के तहत उत्पाद श्रृंखला के विविधीकरण के लिए कदम उठाए गए हैं नामतः : परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) और इंजीनियरिंग खरीद और अनुबंध (ईपीसी)। मौजूदा उत्पाद मिश्रण के अलावा, सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण परियोजनाएं, आपकी कंपनी के व्यवसाय मॉडल के अंतर्गत आती हैं और सीमित साधनों और संसाधनों के साथ कार्य की आवश्यकता के अनुरूप अनुभव, विशेषज्ञता और दक्षता से हमने सड़क, पुल और सिविल निर्माण कार्यों के स्तर के निर्माण के लिए पहले ही ऑर्डर निष्पादित कर दिए हैं।

कंपनी साख (तकनीकी और वित्तीय पात्रता) बढ़ाने और उच्च मूल्य वाले पीएमसी/ईपीसी/दर अनुबंधों के लिए “भविष्य में तैयार” होने की आवश्यकता के प्रति सचेत है।

कंपनी द्वारा मौजूदा उत्पाद श्रृंखला के समेकन के साथ-साथ अतीत में कंपनी की व्यापक उत्पाद श्रृंखला को फिर से सक्रिय करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

इस दिशा में, कंपनी उच्च मूल्य के ऑर्डर और अधिक अवसरों के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ लगातार संयुक्त उद्यम/टाई अप की खोज कर रही है।

एलिवेटेड कॉरिडोर, केबल स्टेड ब्रिज, एफओबी, आरओबी, औद्योगिक संरचना आदि जैसे संबंधित क्षेत्रों में विविधीकरण किया जा रहा है। गतिविधियों के संपूर्ण स्पेक्ट्रम में दक्षता बढ़ाई जा रही है।

मौजूदा कार्य को पूरा करने और वित्तीय परिसंपत्तियों को खाली करने और भविष्य के कार्यों के लिए इसका लाभ उठाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सक्रिय दृष्टिकोण और संभावित चुनौतियों का जोखिम कम करने कोशिश की जा रही है। हम भविष्य में उत्पादन और लाभप्रदता में महत्वपूर्ण सुधार के प्रति आशावादी हैं।

5.7.4.3 आपकी कंपनी उच्च मूल्य की निविदाओं के लिए निर्माण उद्योग के अन्य प्रमुख निर्माताओं के साथ एमओयू/कंसोर्टियम के रूप में रणनीतिक गठजोड़ पर विचार कर रही है। इस नीतिगत पहल का मुख्य उद्देश्य एमओयू प्रक्रिया के माध्यम से कंपनियों के बीच तकनीकी-आर्थिक तालमेल के लाभ का पता लगाना है। तकनीकी रूप से अनुकूल होने के अलावा, यह प्रक्रिया समय के साथ कंपनियों और कंसोर्टियम के लिए फायदेमंद हो जाएगी और इसके परिणामस्वरूप मूल मूल्य में वृद्धि होगी।

5.7.5 कंपनी की अपनी मुख्य क्षमता को मजबूत करने और निम्नलिखित तरीके से नए व्यावसायिक क्षेत्रों में उद्यम करने की योजना है:

1) ईपीसी व्यवसाय में विपणन प्रयासों में वृद्धि

क) संयुक्त उद्यम के माध्यम से: उच्च मूल्य वाले सरकारी निविदाएं में भाग लेने के लिए अन्य एजेंसियों के साथ गठजोड़/ संयुक्त उद्यम (जेवी)



इस उद्देश्य के लिए, बीबीजे ने क्रमशः आईटीडी सीमेंटेशन और एबीसीआई के साथ संयुक्त उद्यम बनाए हैं जो वर्तमान में परिचालन में हैं।

ख) राज्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं के तहत स्टील पुलों के निर्माण, रेलवे के विभिन्न खंडों की नई लाइन/दोहरीकरण लाइन परियोजनाओं के निर्माण आदि के लिए रेलवे, आरवीएनएल, इस्कॉन आदि द्वारा आमंत्रित बोलियों में नियमित भागीदारी।

2) पीएमसी व्यवसाय में विपणन प्रयासों में वृद्धि

पीएमसी व्यवसाय में विविधीकरण की दिशा में पीएमसी अनुबंध हासिल करने और निष्पादित करने के अवसरों का पता लगाया गया है। पीएमसी व्यवसाय में परियोजना को हाल ही में बीबीजे द्वारा निष्पादन के लिए शुरू किया गया है। इस कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धी अन्य सीपीएसई हैं।

5.8 आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

5.8.1 कंपनी के पास आंतरिक नियंत्रण और आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्त प्रणाली है जो प्रबंधन को वित्तीय और परिचालन नियंत्रण की प्रभावशीलता की समीक्षा करने में मदद करती है। यह यह भी सुनिश्चित करता है कि सभी लेनदेन अधिकृत, रिकॉर्ड किए गए और सही तरीके से रिपोर्ट किए गए हैं।

5.9 मानव संसाधन, औद्योगिक संबंध पर विकास

5.9.1 इस अनुभाग पर निदेशकों की रिपोर्ट में अलग से चर्चा की गई है।

5.10 पर्यावरण रक्षण और संरक्षण, तकनीकी संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा विकास, विदेशी मुद्रा संरक्षण:

5.10.1 इस अनुभाग पर निदेशकों की रिपोर्ट में अलग से चर्चा की गई है।

5.11 नैगम सामाजिक जिम्मेदारी :

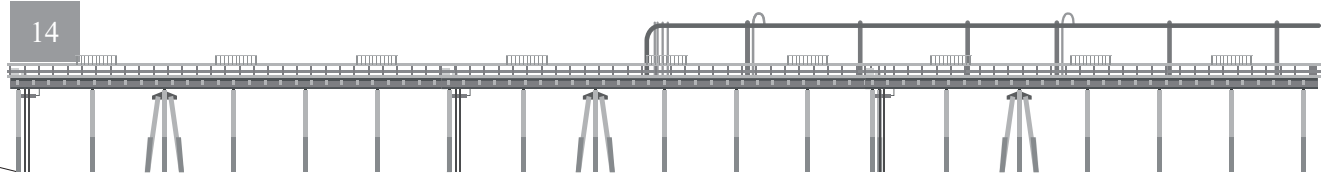
5.11.1 इस अनुभाग पर निदेशकों की रिपोर्ट में अलग से चर्चा की गई है।

5.12 सावधानी विवरण

5.12.1 इस प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में कंपनी के उद्देश्यों, अनुमानों और अपेक्षाओं का वर्णन करने वाले विवरण लागू कानूनों और विनियमों के अर्थ में 'भविष्य उन्मुख बयान' हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम व्यक्त या निहित परिणामों से काफी हद तक या भौतिक रूप से भिन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण घटनाक्रम जो कंपनी के संचालन को प्रभावित कर सकते हैं उनमें बुनियादी ढांचा क्षेत्र में गिरावट, भारत और विदेशों में आर्थिक माहौल में महत्वपूर्ण बदलाव, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव, कर कानून, मुकदमे और श्रम संबंध शामिल हैं।

5.12.2 इस खंड के तहत सूचना का सामान्य स्रोत इस प्रकार हैं :

- आरबीआई मौद्रिक नीति समिति की बैठक का कार्यवृत्त एवं इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (आईबीईएफ) - भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग द्वारा स्थापित ट्रस्ट।



6 समझौता ज्ञापन (एमओयू)

6.1 आपकी कंपनी को दिनांक 25-10-2022 के ओएम संख्या एम-03/0021/2022-23-डीपीई(एमओयू) के माध्यम से एमओयू प्रक्रिया से छूट दी गई है। हालाँकि, डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार एक आंतरिक समझौता ज्ञापन तैयार किया गया था और बोर्ड द्वारा इसकी पुष्टि की गई थी।

7 बोर्ड, समितियाँ और संबंधित जानकारी/प्रकटीकरण

7.1 निदेशक मंडल

- 7.1.1 बोर्ड और अन्य समिति की बैठकों की संरचना का विवरण, बैठकों की तारीख, उक्त बैठकों में निदेशकों/सदस्यों की उपस्थिति सहित अवधि के दौरान बैठकों की संख्या और अन्य आवश्यक विवरण, कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट के तहत अलग से कवर किए गए हैं जो कि इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है और संलग्न है।
- 7.1.2 श्रीमती सरला देवी को 15 फरवरी, 2022 से कंपनी के निदेशक मंडल में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। स्वीकृत पदों में से, गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का एक पद अभी भरा जाना बाकी है और इस संबंध में एमएचआई के आदेश की प्रतीक्षा है।

7.2 प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

7.2.1 31 मार्च 2024 को कार्यात्मक निदेशक और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक निम्नलिखित थे: -

- कोमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त) - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त) अतिरिक्त प्रभार
- श्री राजीव कुमार सिंह- निदेशक (तकनीकी)
- श्री नवीन कुमार मिश्रा - कंपनी सचिव (सीएस)

श्री सुजीत कुमार घोष एमएचआई आदेश संदर्भ क्रमांक 12(2)/2022.PE.III दिनांक 06 जून 2024 के माध्यम से 07 जून 2024 से निदेशक (वित्त) के रूप में शामिल हुए।

7.3 बोर्ड मूल्यांकन एवं बोर्ड सदस्यों का प्रशिक्षण

- 7.3.1 कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 463(ई) ने सरकारी कंपनियों को अपने निदेशकों के वार्षिक मूल्यांकन से छूट दी है।
- 7.3.2 गैर-कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों की नियुक्ति सरकारी आदेश द्वारा की जाती है और वे उद्योग, वाणिज्य और प्रशासन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाले प्रख्यात व्यक्तित्व हैं। बोर्ड में उनकी उपस्थिति व्यावसायिक निर्णय लेने में फायदेमंद और फलदायी रही है। निदेशकों को कंपनी के व्यवसाय और अन्य गतिविधियों से परिचित कराने के उद्देश्य से कंपनी के अवलोकन पर प्रस्तुतियां दी जाती हैं। बोर्ड को वित्तीय निष्पादन, चालू परियोजनाओं की स्थिति और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक संचालन से संबंधित मामलों के संबंध में एजेंडा पत्रों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ब्रीफिंग के माध्यम से कंपनी के समग्र मामलों के बारे में अद्यतित रखा जाता है।

7.4 निदेशकों की जिम्मेदारी का बयान

7.4.1 अधिनियम की धारा 134 के अनुसार, निदेशक प्रमाणित करते हैं कि:

- वार्षिक खातों की तैयारी में, सामग्री विचलन, यदि कोई हो, से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है;
- उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन किया गया है और उन्हें लगातार लागू किया गया है और ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए गए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं, ताकि 31 मार्च, 2024 तक कंपनी के मामलों की स्थिति और लाभ और हानि का सही और निष्पक्ष दृश्य दिया जा सके।



- (ग) कंपनी की संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की गई है;
- (घ) वार्षिक खाते चालू व्यवस्था के आधार पर तैयार किए गए हैं;
- (ङ) सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियां तैयार की गई हैं और ऐसी प्रणालियां पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं।

7.5 स्वतंत्र निदेशकों द्वारा घोषणा

7.5.1 धारा 149 के तहत घोषणा सहित कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित घोषणा स्वतंत्र निदेशक से प्राप्त की गई है।

7.6 लेखापरीक्षा समिति, पारिश्रमिक समिति और सीएसआर समिति:

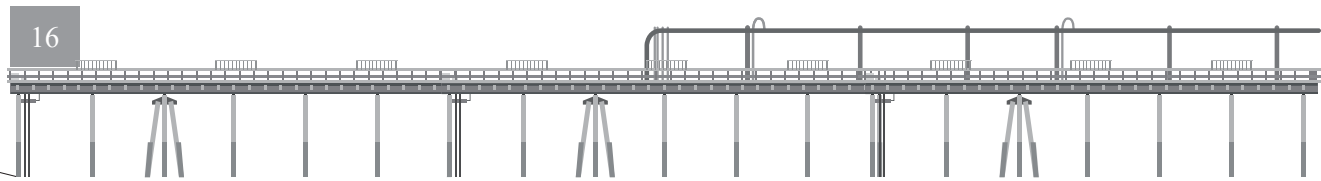
- 7.6.1 आपकी कंपनी कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर निर्धारित डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार पारदर्शिता, जवाबदेही, सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के लिए नियमित अंतराल पर ऑडिट और अन्य बोर्ड स्तरीय समिति की बैठक आयोजित करती रहती है।
- 7.6.2 बोर्ड द्वारा गठित विभिन्न समितियों के गठन, बैठकों, उपस्थिति और अन्य विवरणों का विवरण कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट के अंतर्गत शामिल है, जो इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है और इसका हिस्सा है।
- 7.6.3 सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश 2010 (कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देश) के तहत आवश्यकतानुसार बोर्ड की ऑडिट समिति का गठन किया गया है।
- 7.6.4 लेखा परीक्षा समिति के लिए संदर्भ की शर्तें कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के तहत 'ऑडिट समिति की भूमिका' पर खंड 4.2 के तहत शासित होती हैं।
- 7.6.5 श्रीमती. सरला देवी को 15 फरवरी, 2022 से कंपनी के निदेशक मंडल में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। स्वीकृत पद के अनुसार, गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का एक पद अभी भरा जाना बाकी है और इस संबंध में एमएचआई के आदेश की प्रतीक्षा है, गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक बोर्ड स्तर की समितियों का अध्यक्ष है। अन्य दो सदस्य सरकार द्वारा नामित निदेशक और बीबीजे से एक कार्यात्मक निदेशक हैं।

7.7 संबंधित पार्टी लेनदेन

- 7.7.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी ने संबंधित पक्षों के साथ कोई अनुबंध/व्यवस्था/लेन-देन नहीं किया था, जिसे कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188(1) में निर्दिष्ट संबंधित पक्ष लेनदेन के प्रावधानों के अनुसार महत्वपूर्ण माना जा सकता है।
- 7.7.2 संबंधित पक्ष के अंतर्गत आने वाले नियमित लेन-देन, यदि कोई हों, का इस रिपोर्ट के वित्तीय विवरण अनुभाग में खुलासा और व्याख्या की गई है।

7.8 कंपनी (प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के अनुसार प्रकटीकरण

- 7.8.1 कंपनी को, भारत सरकार का उद्यम होने के नाते, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 (12) के तहत निर्धारित पारिश्रमिक और अन्य विवरणों से संबंधित प्रकटीकरण आवश्यकताओं से छूट प्राप्त है, जिसे कंपनी (प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5 (1) के साथ पठित किया गया है।
- 7.8.2 इसके अलावा, आपकी कंपनी ने कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5(2) और 5(3) के प्रावधानों के तहत कोई पारिश्रमिक नहीं दिया है।



8 सूचना एवं सतर्कता ढाँचा, नीतियाँ, प्रक्रियाएँ:

8.1 गुणवत्ता आश्वासन/गुणवत्ता नियंत्रण एवं सुरक्षा

8.1.1 आपकी कंपनी वांछित गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अनुबंध में निर्दिष्ट गुणवत्ता मानदंडों और मानकीकृत विशिष्ट प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। निरंतर अवगत कराने और कार्यात्मक आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए, अभ्यास के रूप में गुणवत्ता आश्वासन/गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया का पालन किया जाता है। निर्माण में सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वास्तव में, हर समय निर्माण के हर पहलू में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कंपनी की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली गुणवत्ता नीति की आवश्यकताओं के अनुरूप आईएसओ 9001:2015 के तहत प्रमाणित है।

8.1.2 वार्षिक आधार पर, प्रधान कार्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है, जिसका आयोजन गुणवत्ता सेल द्वारा किया जाता है और परियोजना स्थलों पर सुरक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर पर जागरूकता के लिए सुरक्षा के लिए सामान्य दिशानिर्देश पढ़े जाते हैं।

8.2 कंपनी के लिए जोखिम प्रबंधन नीति के विकास और कार्यान्वयन का संकेत देने वाला विवरण, जिसमें जोखिम के तत्वों की पहचान, यदि कोई हो, शामिल है, जो बोर्ड की राय में कंपनी के अस्तित्व को खतरा हो सकता है।

8.2.1 जोखिम प्रबंधन प्रणाली कॉर्पोरेट और परिचालन उद्देश्यों के साथ एक एकीकृत और संरेखित प्रणाली है। जोखिम प्रबंधन सामान्य व्यावसायिक अभ्यास के हिस्से के रूप में किया जाता है, न कि निर्धारित समय पर एक अलग कार्य के रूप में। एक अभिन्न अंग होने के नाते, कामकाज की प्रक्रिया में जहां भी आवश्यक और जरूरी हुआ, जोखिम प्रबंधन को सुरक्षित करने के लिए नीतिगत पहल की गई।

8.3 कॉर्पोरेट प्रशासन:

8.3.1 आपकी कंपनी अपने समग्र कामकाज में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का लगातार प्रयास करती है। कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन पर प्रमाण पत्र के साथ जमा की जाती है, जिसे डीपीई कॉर्पोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देशों के अनुसार वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत प्रमाणित किया जाता है।

8.3.2 आपकी कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण है और ऐसे नियंत्रणों का समय-समय पर बोर्ड द्वारा नामित सदस्यों द्वारा गठित लेखा परीक्षा समिति की प्रक्रिया के माध्यम से परीक्षण किया जाता है।

8.4 सतर्कता तंत्र/व्हिसल ब्लोअर नीति

8.4.1 कंपनी ने अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी या कंपनी की आचार संहिता के उल्लंघन के बारे में वास्तविक चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए निदेशकों और कर्मचारियों के लिए एक अच्छी तरह से व्यावसायिकता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और नैतिक व्यवहार के उच्चतम मानकों को अपनाकर पारदर्शी तरीके से, निगरानी तंत्र स्थापित किया है, जिसमें निष्पक्ष तरीके से मामलों के संचालन के लिए विधिवत अपनाई गई व्हिसल ब्लोअर नीति शामिल है।

8.4.2 नीति का लक्ष्य एक भयमुक्त वातावरण बनाना है। व्हिसल ब्लोअर नीति कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की गई है और <https://www.bbjconst.com/rti/bbj-whistle-blower-policy.pdf> पर उपलब्ध है।

8.5 सूचना का अधिकार

8.5.1 कंपनी के पास सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के लिए



उचित तंत्र है

8.5.2 वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान कुल 21 आवेदन (आरटीआई अधिनियम के तहत एक प्रथम अपील सहित) प्राप्त हुए थे। एक प्रथम अपील सहित सभी आवेदनों का उत्तर उक्त अधिनियम के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर दिया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-2024 के अंत में उत्तर के लिए 1 आवेदन लंबित था जिसका जवाब बाद में निर्धारित समय सीमा के भीतर दिया गया।

8.6 सतर्कता

8.6.1 सुश्री चंद्राणी गुप्ता, आईईएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, बीबीजे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान सतर्कता गतिविधियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया गया।

8.7 लेखांकन नीति/मानक का अनुपालन

8.7.1 कंपनी के वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार लागू लेखांकन मानकों और नियमों के अनुसार तैयार किए गए थे और इसके अपनाने के बाद से इसका पालन किया जा रहा है।

8.7.2 वित्तीय विवरण का हिस्सा बनने वाले टिप्पणियों के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का विवरण पर्याप्त रूप से समझाया गया है।

8.7.3 कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उपधारा (1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट लागत रिकॉर्ड का रखरखाव निरंतर किया जाता है और बनाए रखा जाता है।

8.8 आंतरिक लेखापरीक्षा और आंतरिक नियंत्रण

8.8.1 कंपनी के पास अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है, जिसमें अनुपालन के लिए और अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन के लिए कंपनी की नीतियों का पालन, अपनी संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी की रोकथाम, सटीक और त्वरित वित्तीय रिपोर्टिंग, और जोखिम की प्रभावशीलता में सुधार शामिल है।

8.8.2 कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि व्यवसाय कानूनी, वैधानिक और नियामक अनुपालन आवश्यकताओं के अनुसार संचालित किया जाए।

8.8.3 कंपनी में आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य करने और उस पर रिपोर्टिंग करने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा चार्टर्ड अकाउंटेंट की फर्म को नियुक्त किया जाता है। आंतरिक लेखापरीक्षा निष्कर्षों की रिपोर्ट समय-समय पर कंपनी के प्रबंधन और लेखापरीक्षा समिति को प्रस्तुत की जाती है। आंतरिक लेखा परीक्षकों के सुझावों के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है और इस प्रकार समग्र नियंत्रण प्रणाली को मजबूत किया जाता है।

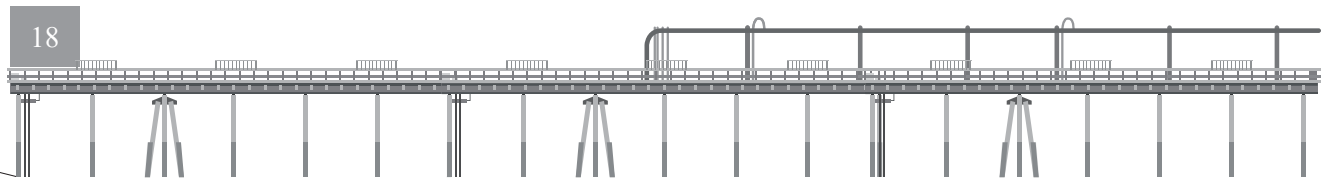
8.8.4 कंपनी के पास प्रबंधन द्वारा जारी स्थापित कार्यालय प्रक्रियाओं के रूप में पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण उपाय हैं जो सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों जैसे विपणन, खरीद और कार्य, सामग्री, स्टोर, खाते और व्यक्तिगत मैन्युअल आदि को कवर करते हैं।

8.8.5 आंतरिक लेखापरीक्षा का दायरा, योजना, आंतरिक नियंत्रण तंत्र और वित्तीय और परिचालन प्रणाली के मुद्दों को भविष्य की सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक संरचित बनाया गया है।

8.8.6 प्रबंधन उचित सावधानी बरतता है और परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटि की रोकथाम और पता लगाना, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सुनिश्चित करता है।

9 लेखा परीक्षक

9.1 2023-2024 के खातों पर वैधानिक लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन



- 9.1.1 मेसर्स बी. मुखर्जी एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (एफआरएन 302096ई), कोलकाता को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के तहत, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के आदेश द्वारा वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था।
- 9.1.2 वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए वार्षिक लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण पर वैधानिक लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन में अवलोकन को खातों पर टिप्पणियों में पर्याप्त रूप से समझाया गया है। इस वार्षिक प्रतिवेदन के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण अनुभाग में वैधानिक लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन के साथ लेखापरीक्षकों के अवलोकन पर प्रबंधन का उत्तर भी रखा गया है।
- 9.1.3 जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (सीए) के तहत आवश्यक है, धोखाधड़ी के संबंध में धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत लेखा परीक्षकों द्वारा कोई प्रतिकूल रिपोर्टिंग नहीं की गई है।
- 9.2 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ
- 9.2.1 सी ए जी ने 31 जुलाई 2024 को अपनी टिप्पणियों में कहा है कि उन्होंने अधिनियम की धारा 143 (6) (ए) के तहत 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों का पूरा ऑडिट नहीं करने का निर्णय लिया है। सी ए जी की टिप्पणियों की प्रति वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।
- 9.3 सचिवीय लेखा परीक्षक और लेखा परीक्षा रिपोर्ट
- 9.3.1 सचिवीय लेखापरीक्षा के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
- 9.3.2 कंपनी ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) द्वारा जारी लागू/अनिवार्य सचिवीय मानकों का अनुपालन प्राप्त कर लिया है।

10 मानव संसाधन, महिला सशक्तिकरण और कल्याण गतिविधियाँ

10.1 मानव संसाधन

- 10.1.1 परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से, संगठन की अपेक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ बदलते औद्योगिक परिदृश्य के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कठोर और निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।
- 10.1.2 कर्मचारी केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से संगठन में कर्मचारियों को एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में मान्यता देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए पुरानी नीतियों को संशोधित किया गया। कुशल मानव संसाधन प्रणालियों के निर्माण की दिशा में कई पहल की गईं, जिससे कंपनी में पारदर्शिता और प्रभावी संचार प्रणाली में वृद्धि हुई और उचित प्रणाली के माध्यम से समझौता ज्ञापन (एमओयू) मापदंडों को उचित रूप से संबोधित किया गया।
- 10.1.3 कर्मचारी से संबंधित किसी भी शिकायत को समय पर समाधान के लिए शिकायत समिति द्वारा उठाया जाना चाहिए। कर्मचारियों के कार्यात्मक और व्यवहारिक कौशल को ध्यान में रखते हुए, दक्षता बढ़ाने और कर्मचारियों के बीच स्व-शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर विभिन्न मॉड्यूल के तहत प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई थी।
- 10.1.4 इसके अलावा, वर्तमान नवीन और चुनौतीपूर्ण बाजार को देखते हुए, आपकी कंपनी ने अधिकारियों/कर्मचारियों को नवीनतम रुझानों/ तकनीकों और होने वाले परिवर्तनों से अवगत कराने के लिए अपने संबंधित कार्यात्मक क्षेत्रों में और अपने ज्ञान के आधार को बढ़ाने के लिए आवश्यकता आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था की। ताकि वे एक टीम के रूप में समग्र संगठनात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहतर क्षमता और उत्साह के साथ काम करें। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण बने रहे।

- 10.2 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व; वर्ष के दौरान कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल पर कंपनी द्वारा विकसित और कार्यान्वित नीति के बारे में विवरण



10.2.1 कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के तहत आवश्यक सीएसआर पर वार्षिक रिपोर्ट इस रिपोर्ट के अनुलग्नक के रूप में रखी गई है, जिसमें रिपोर्टिंग अवधि के दौरान सीएसआर फंड और इसके उपयोग का विवरण दिया गया है।

10.2.2 कंपनी की सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट <https://www.bbconst.com/rti/bbj-csr-policy.pdf> पर उपलब्ध है।

10.3 महिलाओं का सशक्तिकरण

10.3.1 कंपनी लैंगिक समानता को उचित महत्व देना जारी रखती है। वेतन भुगतान, काम के घंटे, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कल्याण पहलुओं और मातृत्व लाभ आदि जैसे मुद्दों में महिला कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपायों/वैधानिक प्रावधानों का कंपनी द्वारा अक्षरशः पालन किया जा रहा है।

10.4 समाज के कमजोर वर्गों का कल्याण

10.4.1 मौजूदा श्रम कानूनों और उनके तहत बनाए गए नियमों में शामिल वैधानिक कल्याण सुविधाएं कंपनी द्वारा सरकारी नीतियों और दिशानिर्देशों के अनुरूप क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस और दिव्यांगों के लिए आरक्षण नीति के कल्याण और सामाजिक न्याय के प्रावधानों के अलावा कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रशासित की जाती हैं।

10.5 एमएसएमई को प्रोत्साहन/सहायता

10.5.1 समीक्षाधीन अवधि के लिए कुल खरीद में से अधिकांश एमएसएमई के माध्यम से की गई थी। वित्तीय वर्ष 2023-2024 के अंत में 45 दिनों से अधिक की अवधि के लिए एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं को कुछ भी बकाया नहीं है।

10.5.2 चरणबद्ध तरीके से जरूरतमंदों से सामग्री और सेवाओं की चयनात्मक सोर्सिंग/खरीद के माध्यम से सामाजिक कल्याण संगठनों को सहायता और समर्थन प्रदान की गई।

11 अन्य खुलासे

11.1 कानूनी अनुपालन

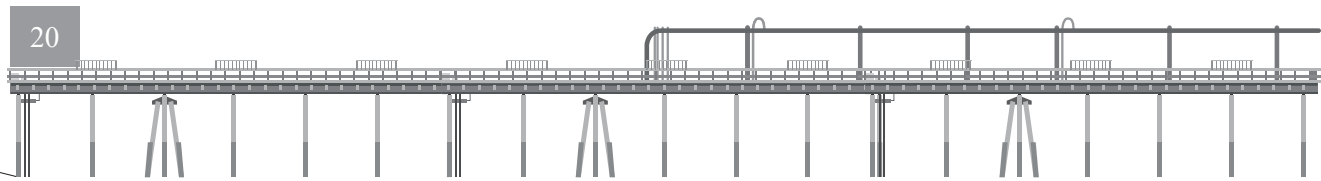
11.1.1 बोर्ड को कार्यसूची के टेम्पलिटों के माध्यम से नियमित आधार पर वैधानिक और अन्य अनिवार्य कानूनी अनुपालनों से अवगत कराया जाता है, जिसमें वैधानिक अधिकारियों से प्राप्त सूचना, यदि कोई हो, और उन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कंपनी द्वारा की गई उपचारात्मक कार्रवाई शामिल है।

11.2 कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के तहत खुलासे

11.2.1 कंपनी ने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति के गठन से संबंधित प्रावधान का अनुपालन किया है। आंतरिक शिकायत समिति को यौन उत्पीड़न के सभी शिकायतों पर गौर करने का और स्पष्ट समयसीमा के साथ स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच प्रक्रिया की सुविधा प्रदान करने का अधिकार दिया गया है।

11.2.2 कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक मामलों का विवरण यहां दिया गया है:

- (i) वित्तीय वर्ष के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या : शून्य
- (ii) वित्तीय वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या : शून्य
- (iii) वित्तीय वर्ष के अंत तक लंबित शिकायतों की संख्या : शून्य



11.3 ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

11.3.1 समीक्षाधीन अवधि के लिए, कंपनी द्वारा कोई ऋण, गारंटी और निवेश नहीं किया गया था, जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के तहत अनुमोदन की आवश्यकता होती है। ऋण, गारंटी और निवेश का विवरण वित्तीय विवरणों और उसके भाग वाले टिप्पणियों के अंतर्गत आता है।

11.4 बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए आचार संहिता

11.4.1 आपकी कंपनी के पास अच्छी तरह से परिभाषित नीतिगत ढांचा है जो कंपनी के व्यवसाय को नैतिक रूप से और जिम्मेदारी, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ संचालित करने के उद्देश्य से नैतिक पेशेवर आचरण के लिए सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा पालन की जाने वाली प्रक्रियाओं को निर्धारित करता है। कोड कंपनी की वेबसाइट <https://www.bbconst.com/rti/bbj-code-of-conduct.pdf> पर उपलब्ध है। सभी निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने समीक्षाधीन अवधि के लिए आचार संहिता का अनुपालन किया है।

11.4.2 डीपीई द्वारा सीपीएसई के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देशों के अनुरूप आचार संहिता के अनुपालन पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा घोषणा

आचार संहिता पर घोषणा

डीपीई द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश दिनांक 14 मई, 2010 के खंड 3.4.2 के संदर्भ में, मैं घोषणा करता हूँ कि सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए वार्षिक आधार पर उक्त दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

हस्ताक्षर :

कोमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 09832486

11.5 हिन्दी का प्रगतिशील प्रयोग

11.5.1 कंपनी में हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए किए गए उपाय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के उचित कार्यान्वयन के लिए अपना प्रयास जारी रखा। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने भारत सरकार के राजभाषा विभाग की राजभाषा नीति के उचित कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए अपना प्रयास जारी रखा। कुछ प्रमुख अनुपालन इस प्रकार हैं:

- कंपनी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठकें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में नियमित रूप से आयोजित की गयीं।
- त्रैमासिक हिन्दी कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं।
- कंपनी ने हिंदी भाषा में नराकास द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी सुनिश्चित की।
- समीक्षा के लिए नराकास द्वारा बुलाई गई बैठक में भागीदारी की।
- भारी उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में मसूरी में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की 7वीं बैठक में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।
- मई 2023 के दौरान कंपनी के कर्मचारियों के बीच कविता पाठ और अन्य विषयों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कृत भी किया गया।



- 14-15 सितंबर को भारी उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया गया।
- 14-29 सितंबर, 2023 के दौरान कंपनी में “हिंदी पखवाड़ा” आयोजित किया गया और उक्त पखवाड़े के दौरान कंपनी के कर्मचारियों के बीच विभिन्न हिंदी कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं के बीच पुरस्कार भी वितरित किये गये।

11.6 वार्षिक विवरणी का अंश

11.6.1 कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के साथ विधिवत दाखिल वार्षिक रिटर्न का वेब लिंक निम्नलिखित वेब-लिंक - <https://www.bbjconst.com/financials.html> पर उपलब्ध है। उपरोक्त पहले पैरा में बताए गए प्रावधानों के मद्देनजर, फॉर्म संख्या एमजीटी-9 में ‘वार्षिक विवरणी का अंश’ समीक्षाधीन अवधि के लिए बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा नहीं है।

11.7 वर्ष के दौरान सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम कंपनियों का प्रदर्शन

11.7.1 भागीरथी ब्रिज कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (बीबीसीसीपीएल) संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसे बीबीजे और गैमन इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तित किया गया है। नामांकित निदेशक की स्थिति को ‘निष्क्रिय’ के रूप में दर्ज करने के बाद, बीबीजे द्वारा अपने निदेशक के संशोधन या बीबीसीसीपीएल के गठन के लिए एसोसिएशन के लेखों और संयुक्त उद्यम समझौते के संदर्भ में निदेशकों का नया नामांकन करने का अनुरोध किया गया था। कई अनुस्मारक के बावजूद, जीआईएल द्वारा निदेशकों का कोई सुधार या नया नामांकन नहीं किया गया है। इस कारण से, निदेशकों या शेयरधारकों की बैठकें आयोजित करने में गतिरोध है क्योंकि बोर्ड या शेयरधारकों की उक्त बैठकें आयोजित करने के लिए कोई कोरम नहीं है। इस संबंध में कोई नई प्रगति नहीं हुई है।

11.7.2 फॉर्म संख्या 22ए, सक्रिय उक्त गतिरोध के कारण दाखिल नहीं किया जा सका और इसलिए, कंपनी की वर्तमान स्थिति निष्क्रिय, गैर-अनुपालक है।

11.7.3 बीबीसीसीपीएल वस्तुतः निष्क्रिय संयुक्त उद्यम कंपनी है, दूसरे हुगली ब्रिज के निर्माण के उद्देश्य के पूरा होने के बाद इसका आधार खो गया है, जिसके लिए इसे शामिल किया गया था। वर्तमान में, बीबीसीसीपीएल के रोल पर कोई कर्मचारी नहीं है।

11.7.4 भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल), एक सहायक कंपनी कोलकाता में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा समापन आदेश पारित होने पर परिसमापन के अधीन है। परिसमापन की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

11.7.5 निष्क्रिय जेवी/सहायक कंपनी का वित्तीय विवरण उपलब्ध न होने के कारण समेकित वित्तीय विवरण तैयार नहीं किया गया है।

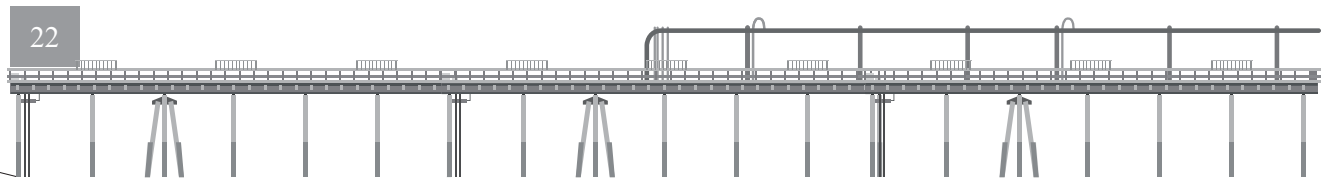
11.8 पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी का संरक्षण और विदेशी मुद्रा आय और व्यय

11.8.1 ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण

11.8.1.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा। आंतरिक तंत्र के माध्यम से, विभिन्न स्थानों पर परियोजना स्थलों पर उपयोग में आने वाले संयंत्रों से कार्बन और अन्य गैसों के उत्सर्जन के स्तर की निगरानी के लिए सिस्टम और इसकी नीति की समय-समय पर जांच के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

11.8.1.2 अपने संसाधनों की सीमित तैनाती, अनुबंधों की प्रकृति और विभिन्न स्थलों पर चल रही अपनी परियोजनाओं की छोटी अवधि के साथ, उक्त स्थलों पर ऊर्जा संरक्षण उपकरणों में पूंजी निवेश के माध्यम से वैकल्पिक स्रोत का उपयोग फिलहाल संभव नहीं है। हालाँकि, भविष्य में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का व्यवहार्य तरीके से उपयोग करने के रास्ते तलाशे जा रहे हैं।

11.8.1.3 सभी नई निर्माण परियोजनाओं में उपलब्ध सर्वोत्तम बिजली बचत तकनीकों को अपनाकर ऊर्जा की खपत को कम करने पर जोर दिया गया है, एलसीडी से एलईडी लाइटिंग पर स्विच करना पहले ही पूरा किया जा चुका है। निष्पादित अधिकांश परियोजनाएं ऊर्जा मानदंडों के अनुरूप होने के अलावा, उपयोग किए गए सभी उपकरण ऊर्जा कुशल हैं।



- 11.8.1.4 आपकी कंपनी समुदाय और उसके बड़े पैमाने पर लोगों के लिए पर्यावरण-अनुकूल बनी रही। प्रासंगिक कानूनों के किसी भी गैर-अनुपालन के लिए अधिकारियों या नियामकों से कभी कोई नोटिस या कारण बताओ प्राप्त नहीं हुआ।
- 11.8.2 प्रौद्योगिकी समावेश
- 11.8.2.1 वित्तीय वर्ष 2023-2024 की शुरुआत से पिछले तीन वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा प्रौद्योगिकी का कोई आयात नहीं किया गया था।
- 11.8.2.2 नई प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के उपयोग के लिए वरिष्ठ प्रबंधन को जागरूकता प्रदान की जा रही है। नई और नवीन प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतियाँ आयोजित की जा रही हैं। विभिन्न कारकों के कारण जैसे. नौकरी की पारंपरिक प्रकृति, लागत और आकार की बाधाएं आदि के कारण, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां वर्तमान में कंपनी द्वारा नहीं की जाती हैं।
- 11.8.3 विदेशी मुद्रा आय और व्यय
- 11.8.3.1 समीक्षाधीन अवधि के दौरान आपकी कंपनी द्वारा कोई विदेशी मुद्रा लेनदेन नहीं किया गया।

12 कंपनी अधिनियम 2013 के तहत निर्धारित अन्य खुलासे :

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणियाँ
1)	कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं, यदि कोई हों, जो कंपनी के वित्तीय वर्ष के अंत के बीच हुई हैं, जिससे वित्तीय विवरण संबंधित हैं और रिपोर्ट की तारीख	शून्य
2)	बोर्ड द्वारा अपने स्वयं के प्रदर्शन और इसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों का औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन किस तरह से किया गया है, इसका विवरण।	लागू नहीं। बीबीजे एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जिसमें 100% सरकारी शेयरधारिता है। इसके अलावा, निर्दिष्ट सरकारी कंपनियों को दी गई छूट के कारण, ये प्रावधान बीबीजे पर लागू नहीं होते हैं।
3)	निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक पर कंपनी की नीति	लागू नहीं। बीबीजे एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जिसमें 100% सरकारी शेयरधारिता है। इसके अलावा, निर्दिष्ट सरकारी कंपनियों को दी गई छूट के कारण, ये प्रावधान बीबीजे पर लागू नहीं होते हैं।
4)	वर्ष के दौरान कंपनी की पूंजी संरचना में कोई परिवर्तन	शून्य
5)	शेयर या अन्य परिवर्तनीय प्रतिभूतियां जारी करना	शून्य
6)	कर्मचारी स्टॉक विकल्प या स्वेट इक्विटी शेयर जारी करना	शून्य
7)	डिबेंचर, बांड या किसी गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियां जारी करना	शून्य
8)	वारंट जारी करना	शून्य
9)	जमा का विवरण	शून्य
10)	निवेशक शिक्षा और सुरक्षा कोष (आईईपीएफ)	पिछले सात वर्षों के संबंध में कोई अवैतनिक लाभांश नहीं है।
11)	व्यवसाय की प्रकृति में परिवर्तन, यदि कोई हो;	शून्य



क्र. सं.	विवरण	टिप्पणियाँ
12)	उन कंपनियों के नाम जो वर्ष के दौरान इसकी सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम या सहयोगी कंपनियां बन गई हैं या समाप्त हो गई हैं;	शून्य
13)	जमा से संबंधित विवरण, जो अधिनियम के अध्याय V के अंतर्गत आते हैं	शून्य
14)	उन जमाराशियों का विवरण जो अधिनियम के अध्याय V की आवश्यकताओं के अनुपालन में नहीं हैं;	शून्य
15)	नियामकों या अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण और भौतिक आदेशों का विवरण, जो भविष्य में कंपनी के संचालन की स्थिति और कंपनी के संचालन को प्रभावित करते हैं	शून्य

स्वीकृति

निदेशक सभी स्तरों पर कर्मचारियों के अथक प्रयासों की सराहना करते हैं जिन्होंने रिपोर्ट के दौरान कंपनी के विकास में बहुत योगदान दिया है। उनका समर्पण और प्रतिबद्धता संगठन को भविष्य में चुनौतियों का सामना करने में अच्छी स्थिति में खड़ा करेगी।

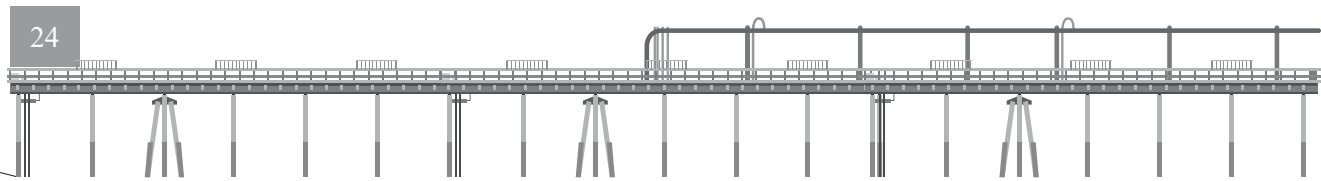
बीबीजे को भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, विशेष रूप से भारी उद्योग मंत्रालय, राज्य सरकारों आदि से भी निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन मिला है। सभी हितधारकों, विशेष रूप से आपूर्तिकर्ताओं, ग्राहकों और व्यापार भागीदारों ने संगठन की सफलता के लिए जबरदस्त समर्थन दिया है।

निदेशक आपकी कंपनी को जिम्मेदारीपूर्वक नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उसकी रणनीतिक योजनाओं पर अपना अटूट ध्यान केंद्रित करने का आश्वासन देते हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से,
दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

कोमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 09832486

दिनांक: 08 अगस्त, 2024
कोलकाता



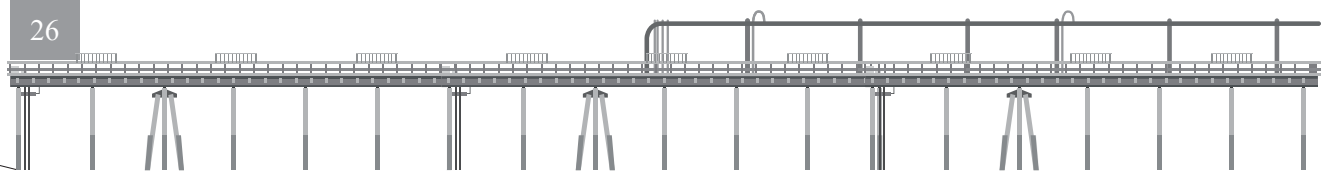
कॉर्पोरेट प्रशासन संबंधी रिपोर्ट

यह रिपोर्ट सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर जारी दिशानिर्देशों के अनुसार है।

<p>कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों पर कंपनी का दर्शन</p>	<p>कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर कंपनी के दर्शन का उद्देश्य निम्नलिखित के माध्यम से धन उत्पन्न करने के लिए कंपनी के दीर्घकालिक शेयरधारकों के मूल्य और क्षमता को बढ़ाना है:</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अच्छे व्यावसायिक निर्णय लेने और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन में शीर्ष प्रबंधन की सहायता करना ● कंपनी के सभी निर्णयों और गतिविधियों में पारदर्शिता और व्यावसायिकता प्राप्त करना ● प्रकटीकरण आवश्यकता के अनुपालन का पालन करना ● निम्नलिखित द्वारा कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता प्राप्त करना : <ol style="list-style-type: none"> 1. कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर प्रचलित दिशानिर्देशों के अनुरूप होना और जहां भी संभव हो उत्कृष्ट प्रदर्शन करना 2. कानूनों और विनियमों का अनुपालन करते हुए व्यवसाय के संचालन में उच्च नैतिक मानक स्थापित करना 3. आगे के सुधारों के लिए मौजूदा प्रणाली और नियंत्रणों की समय-समय पर समीक्षा करना 																			
<p>निदेशक मंडल</p>	<p>कंपनी के बोर्ड के सभी निदेशकों को भारी उद्योग मंत्रालय, सरकार द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नियुक्त किया जाता है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशकों का विवरण इस प्रकार है:</p>																			
<p>बोर्ड संरचना</p>	<table border="1" data-bbox="447 1100 1498 1428"> <thead> <tr> <th>निदेशकों का डीआईएन</th> <th>नाम</th> <th>श्रेणी</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>09832486</td> <td>कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)</td> <td>अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त)/ अतिरिक्त प्रभार</td> </tr> <tr> <td>09222808</td> <td>श्री आदित्य कुमार घोष</td> <td>उप सचिव - (सरकारी नामित निदेशक)</td> </tr> <tr> <td>09614219</td> <td>श्री राजीव कुमार सिंह</td> <td>निदेशक (तकनीकी)- कार्यात्मक निदेशक</td> </tr> <tr> <td>09299169</td> <td>श्रीमती सरला देवी</td> <td>गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक</td> </tr> </tbody> </table> <p>वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान निदेशक मंडल में निम्नलिखित परिवर्तन हुए, जिसमें 31 मार्च, 2024 के बाद से रिपोर्ट की तारीख तक की अवधि भी शामिल है:</p> <table border="1" data-bbox="447 1537 1498 1749"> <tbody> <tr> <td>1.</td> <td>भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने आदेश संदर्भ संख्या 12 (2) / 2022.PE.III दिनांक 06 जून 2024, द्वारा श्री सुजीत कुमार घोष को दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के बोर्ड में पद के कार्यभार संभालने की तारीख से पांच साल या उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक, जो भी पहले हो, की अवधि के लिए निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया। श्री सुजीत कुमार घोष ने 07.06.2024 से निदेशक (वित्त) के पद का कार्यभार संभाला।</td> </tr> </tbody> </table> <p>कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के लिए स्वीकृत दो पदों के लिए, गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का एक पद भरा जाना बाकी है और इस संबंध में एमएचआई के आदेश की प्रतीक्षा है।</p>			निदेशकों का डीआईएन	नाम	श्रेणी	09832486	कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त)/ अतिरिक्त प्रभार	09222808	श्री आदित्य कुमार घोष	उप सचिव - (सरकारी नामित निदेशक)	09614219	श्री राजीव कुमार सिंह	निदेशक (तकनीकी)- कार्यात्मक निदेशक	09299169	श्रीमती सरला देवी	गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक	1.	भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने आदेश संदर्भ संख्या 12 (2) / 2022.PE.III दिनांक 06 जून 2024, द्वारा श्री सुजीत कुमार घोष को दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के बोर्ड में पद के कार्यभार संभालने की तारीख से पांच साल या उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक, जो भी पहले हो, की अवधि के लिए निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया। श्री सुजीत कुमार घोष ने 07.06.2024 से निदेशक (वित्त) के पद का कार्यभार संभाला।
निदेशकों का डीआईएन	नाम	श्रेणी																		
09832486	कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशक (वित्त)/ अतिरिक्त प्रभार																		
09222808	श्री आदित्य कुमार घोष	उप सचिव - (सरकारी नामित निदेशक)																		
09614219	श्री राजीव कुमार सिंह	निदेशक (तकनीकी)- कार्यात्मक निदेशक																		
09299169	श्रीमती सरला देवी	गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक																		
1.	भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने आदेश संदर्भ संख्या 12 (2) / 2022.PE.III दिनांक 06 जून 2024, द्वारा श्री सुजीत कुमार घोष को दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के बोर्ड में पद के कार्यभार संभालने की तारीख से पांच साल या उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक, जो भी पहले हो, की अवधि के लिए निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया। श्री सुजीत कुमार घोष ने 07.06.2024 से निदेशक (वित्त) के पद का कार्यभार संभाला।																			



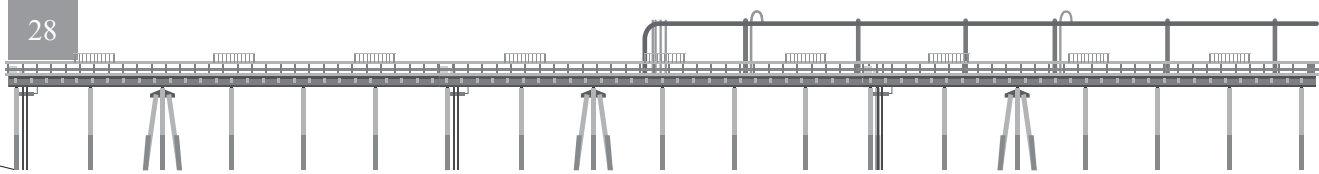
आयोजित बैठकें (बोर्ड और लेखा परीक्षा समिति)	वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठकें	बैठक संख्या और बैठक की तिथि	निदेशकों / सदस्यों की उपस्थिति	
		162वीं बोर्ड बैठक 27-06-2023 को	श्री आदित्य कुमार घोष को छोड़कर सभी उपस्थित	
		163वीं बोर्ड बैठक 12-07-2023 को	सभी उपस्थित	
		164वीं बोर्ड बैठक 30-09-2023 को	सभी उपस्थित	
		165वीं बोर्ड बैठक 16-12-2023 को	सभी उपस्थित	
	वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की बैठकें	166वीं बोर्ड बैठक 22-03-2024 को	सभी उपस्थित	
		68वीं बैठक 27-06-2023 को	श्री आदित्य कुमार घोष को छोड़कर सभी उपस्थित	
		69वीं बैठक 12-07-2023 को	सभी उपस्थित	
		70वीं बैठक 30-09-2023 को	सभी उपस्थित	
		71वीं बैठक 16-12-2023 को	सभी उपस्थित	
लेखा परीक्षा समिति	72वीं बैठक 22-03-2024 को	सभी उपस्थित		
	<p>बोर्ड ने कुल 3 सदस्यों की ऑडिट समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें अध्यक्ष के रूप में 1 गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक शामिल है। अन्य 2 सदस्य सरकार द्वारा नामित निदेशक और कार्यात्मक निदेशक हैं।</p> <p>यह पुनर्गठन तब तक जारी रहेगा जब तक एमएचआई से एक और स्वतंत्र निदेशक का नामांकन प्राप्त नहीं हो जाता।</p>			
लेखा परीक्षा समिति	संदर्भ की भूमिका और शर्तें:	<ul style="list-style-type: none"> सार्वजनिक उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश के पैरा 4.2 और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के तहत निर्दिष्ट मामलों पर ध्यान देना। प्रबंधन, वैधानिक और आंतरिक लेखा परीक्षकों और निदेशक मंडल के बीच कड़ी के रूप में कार्य करना वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणाली और जोखिम संबंधी मामलों का आकलन करना 		
बोर्ड की संरचना, बैठकें और उपस्थिति	निदेशकों का नाम	वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बोर्ड बैठकों में उपस्थिति		
	कमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त)	बैठक आयोजित -05	उपस्थिति- 05	
	श्री आदित्य कुमार घोष	बैठक आयोजित -05	उपस्थिति- 04	
	श्री राजीव कुमार सिंह	बैठक आयोजित -05	उपस्थिति- 05	
	श्रीमती सरला देवी	बैठक आयोजित -05	उपस्थिति- 05	
	लेखा परीक्षा समिति की संरचना, बैठकें और उपस्थिति	श्री राजीव कुमार सिंह	बैठक आयोजित -05	उपस्थिति- 05
		श्री आदित्य कुमार घोष	बैठक आयोजित -05	उपस्थिति- 04
श्रीमती सरला देवी		बैठक आयोजित -05	उपस्थिति - 05	
<p>वित्तीय वर्ष 2023-24 में बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई सभी सिफारिशों, जो अनिवार्य रूप से आवश्यक थीं, निदेशक मंडल द्वारा स्वीकार कर ली गईं।</p>				



	<p>कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के लिए स्वीकृत दो पदों के लिए, गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का एक पद भरा जाना बाकी है और इस संबंध में एमएचआई के आदेश की प्रतीक्षा है।</p> <p>बोर्ड ने कुल 3 सदस्यों की ऑडिट समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें अध्यक्ष के रूप में 1 गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक शामिल है। अन्य 2 सदस्य सरकार द्वारा नामित निदेशक और एक कार्यात्मक निदेशक, बीबीजे हैं।</p> <p>यह पुनर्गठन तब तक जारी रहेगा जब तक एमएचआई से एक और स्वतंत्र निदेशक का नामांकन प्राप्त नहीं हो जाता।</p>
सीएसआर और अन्य समिति की बैठकें	<p>वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, एक बैठक यानी 12वीं सीएसआर समिति की बैठक 16 दिसंबर, 2023 को आयोजित की गई थी। इस बैठक में सभी सदस्य उपस्थित थे।</p>
स्वतंत्र निदेशक	<p>अपने संबंधित क्षेत्र/पेशे में विशेषज्ञता/अनुभव रखने वाले स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति सरकारी आदेश द्वारा की जाती है। स्वतंत्र निदेशक न तो प्रमोटरों से जुड़े हुए हैं और न ही संबंधित हैं और उनका कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध नहीं है और इसके अलावा कंपनी की कुल वोटिंग शक्ति का दो प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा नहीं रखते हैं।</p> <p>स्वतंत्र निदेशकों से घोषणा प्राप्त हुई है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 के तहत आवश्यकता के अनुसार स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।</p> <p>स्वतंत्र निदेशकों की बैठक शुल्क बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है और यह कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित सीमा के भीतर है।</p>
आचार संहिता	<p>बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए निर्धारित आचार संहिता का मसौदा लागू कर दिया गया है।</p> <p>डीपीई द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश 2010 के खंड 3.4.2 के संदर्भ में, सी एंड एमडी की घोषणा कि सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक आधार पर कोड के अनुपालन की पुष्टि की है, निदेशकों की रिपोर्ट के प्रासंगिक भाग के अंतर्गत दिया गया है।</p>



आम सभा की बैठकें	वित्त वर्ष	बैठक संख्या और दिनांक	समय और स्थान	विशेष संकल्प
पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) का विवरण	2020-2021	35वीं एजीएम, 28 सितंबर, 2021	15:30 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में, आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता - 700 001, पश्चिम बंगाल	शून्य
	2021-2022	36वीं एजीएम, 30 सितंबर, 2022	15:30 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में, आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता - 700 001, पश्चिम बंगाल	शून्य
	2022-2023	37वीं एजीएम, 30 सितंबर, 2023	11:00 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में, आरएन मुखर्जी रोड, कोलकाता - 700 001, पश्चिम बंगाल	शून्य
सभी एजीएम कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर आयोजित की गईं।				
वार्षिक आम बैठक - 2024	कंपनी के सदस्यों की 38वीं वार्षिक आम बैठक कंपनी अधिनियम 2013 की आवश्यकता के अनुसार निर्धारित अवधि यानी सितंबर, 2024 के भीतर आयोजित होने वाली है।			



अन्य खुलासे	निदेशक या उनके रिश्तेदार के साथ भौतिक प्रकृति के लेनदेन जिनका कंपनी के हित के साथ संभावित टकराव हो सकता है	शून्य
	संबंधित पार्टी लेनदेन	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए खातों के तहत खुलासा किया गया
	कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन या उस पर लगाए गए प्रतिबंधों का विवरण	शून्य
	व्हिसल ब्लोअर नीति और पुष्टि है कि किसी भी कर्मचारी को लेखापरीक्षा समिति तक पहुंच से वंचित नहीं किया गया	पुष्टि की जाती है कि किसी को भी लेखापरीक्षा समिति तक पहुंच से वंचित नहीं किया गया
	इन दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं के अनुपालन का विवरण	अनुपालन किया। कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक के लिए स्वीकृत दो पदों के लिए, आज की तारीख में गैर-आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक का एक पद भरा जाना बाकी है।
	केंद्र सरकार द्वारा जारी राष्ट्रपति के निर्देशों का विवरण और उनका अनुपालन एवं वर्ष और पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुपालन	अनुपालन हेतु कोई भी निर्देश लंबित नहीं हैं
	खातों से आहरित व्यय की मर्दे व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं हैं	शून्य
	व्यय जो प्रकृति में व्यक्तिगत हैं और निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए किए गए हैं।	शून्य
संचार के साधन	<p>एक असूचीबद्ध सरकारी कंपनी होने के नाते, तिमाही परिणामों को समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं है।</p> <p>वार्षिक लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाते हैं।</p> <p>पत्राचार के लिए पता: दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, 27, राजेंद्र नाथ मुखर्जी रोड, कोलकाता - 700001</p> <p>वेब साइट : www.bbjconst.com</p> <p>ई-मेल : info@bbjconst.com</p> <p>टेलीफोन : 91 33 2248 5841-44 (ईपीबीएक्स)</p> <p>91 33 2210 3961 (फैक्स) फैक्स</p>	
लेखा परीक्षा योग्यता	<p>कंपनी का प्रयास अयोग्य वित्तीय विवरणों की व्यवस्था की ओर बढ़ना है। यदि कोई योग्यता होनी चाहिए, तो समर्थन में पर्याप्त स्पष्टीकरण दिए जाते हैं अन्यथा प्रबंधन उत्तरों के माध्यम से योग्यता को पूरक किया जाता है।</p> <p>इस वार्षिक रिपोर्ट के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण अनुभाग में वैधानिक लेखापरीक्षकों की प्रतिवेदन के साथ लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का उत्तर भी रखा गया है।</p>	
प्रशिक्षण	<p>बोर्ड सदस्यों के प्रशिक्षण की नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित है और कंपनी द्वारा इसका पालन किया जा रहा है</p>	
कॉर्पोरेट प्रशासन लेखा परीक्षा	<p>कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर वैधानिक लेखा परीक्षकों का प्रमाणपत्र प्राप्त हो गया है और निदेशकों की रिपोर्ट के साथ संलग्न है</p>	



कॉरपोरेट गवर्नेंस पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

सेवा में
सदस्यगण,
दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
27, आर.एन. मुखर्जी रोड,
कोलकाता-700001

हमने भारत सरकार, भारी एवं लोक उद्यम मंत्रालय, लोक उद्यम विभाग एवं उसके अनुलग्नकों (यहां तत्पश्चात “मार्गनिर्देशों” के रूप में संदर्भित) द्वारा जारी किए गए केंद्रीय लोक उद्यमों (सीपीएसई) 2010 के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देशों के खंड 8.2.1 के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (इसके बाद “कंपनी ” के रूप में संदर्भित) द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस के अनुपालन की शर्तों की जांच की है।

कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारी जांच, कंपनी द्वारा स्वीकृत किए गए दिशा-निर्देशों में बताए कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन सुनिश्चित करने के तरीके की पुनरीक्षा एवं उसके कार्यान्वयन तक ही सीमित थी। यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर विचार की अभिव्यक्ति है।

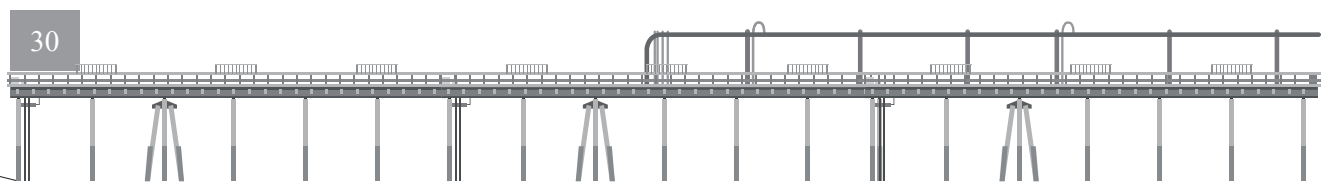
हमारी राय में एवं हमारी जानकारी एवं हमें दी गई स्पष्टीकरणों के मुताबिक, हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने विहित दिशानिर्देशों का वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान कॉरपोरेट गवर्नेंस शर्तों का अनुपालन किया है।

हमें आगे यह कहना है कि ऐसा अनुपालन कंपनी की भविष्य की जीवनक्षम के बारे में न कोई आश्वासन है, न ही कंपनी के मामलों में प्रबंधन द्वारा संचालित कार्यक्षमता या प्रभावोत्पादकता है।

कृते बी.मुखर्जी एंड कं. के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म की पंजीकरण संख्या: 302096ई

सीए तपन कुमार चट्टोपाध्याय
साझेदार
सदस्यता संख्या 053195

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 28 जून-2024



निदेशकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक

1 अप्रैल, 2020 को या उसके बाद शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल की जाने वाली सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट का प्रारूप

[कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के तहत निर्धारित अनुबंध-II]

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा।

कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप, बीबीजे ने अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से, पहली बार सितंबर, 2012 को आयोजित बोर्ड बैठक में सीएसआर नीति को मंजूरी दी और उसके बाद समय-समय पर किए गए गतिशील परिवर्तनों के साथ तालमेल रखने के लिए बाद में संशोधन किए। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सीएसआर से संबंधित मामले, इसके तहत बनाए गए नियमों के साथ, पढ़े जाते हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों को संबोधित करते हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं :

- सीएसआर परियोजना की योजना
- आधारभूत सर्वेक्षण
- कार्यान्वयन की प्रक्रिया
- कार्यान्वयन एजेंसी के लिए फंडिंग, निगरानी और योग्यता मानदंड
- कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत अधिसूचित फंड में योगदान सहित स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य आदि के क्षेत्रों में।

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत निर्धारित दिशानिर्देशों के साथ पठित सार्वजनिक उद्यम विभाग के सीएसआर दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया है।

2. सीएसआर समिति की संरचना:

सीएसआर समिति की संरचना इस प्रकार है :-

क्र. सं.	निदेशक का नाम	पदनाम / निदेशक पद की प्रकृति
1.	श्रीमती सरला देवी	स्वतंत्र निदेशक – अध्यक्ष
2.	श्री आदित्य कुमार घोष	सरकार द्वारा नामित निदेशक - सदस्य
3.	श्री राजीव कुमार सिंह	निदेशक (तकनीकी) - सदस्य

वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या : वित्तीय वर्ष 2023-24 में, 1(एक) सीएसआर समिति की बैठक आयोजित की गई।

वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या में भाग लिया: सीएसआर समिति की बैठक में उपस्थिति नीचे दी गई है:

i. 16-12-2023 को आयोजित 12वीं सीएसआर समिति की बैठक में सभी सदस्यों ने निम्नानुसार भाग लिया:

क्र. सं.	नाम	पदनाम / निदेशक पद की प्रकृति
1.	श्रीमती सरला देवी	स्वतंत्र निदेशक - अध्यक्ष
2.	श्री आदित्य कुमार घोष	सरकार द्वारा नामित निदेशक, सदस्य
3.	श्री राजीव कुमार सिंह	निदेशक (तकनीकी) - सदस्य

3. वेब-लिंक प्रदान करें जहां कंपनी की वेबसाइट पर सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा किया गया है।

- वेबलिंक: <https://bbjconst.com/rti.html>

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014, यदि लागू हो, के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें (रिपोर्ट संलग्न करें)।



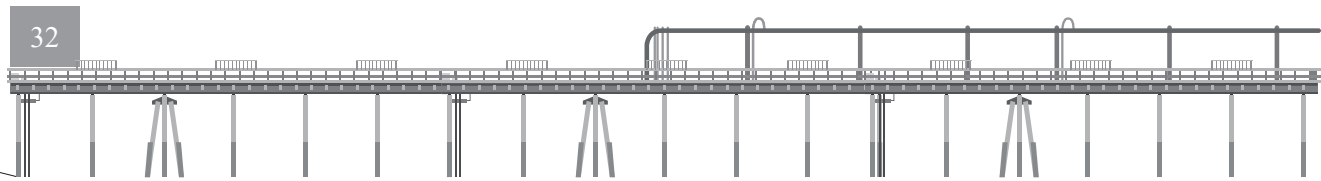
- लागू नहीं।
5. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि का विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो

- लागू नहीं।
6. धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ
धारा 135(5) के अनुसार तत्काल पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के लिए कंपनी का औसत शुद्ध लाभ इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष	कर पूर्व लाभ (लाख रुपये)
2020-21	1507
2021-22	494
2022-23	1309
औसत शुद्ध लाभ	1103

7. (क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत
रु. 22.07 लाख (जो वित्त वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के औसत शुद्ध लाभ का 2% है)
- (ख) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष कोई भी नहीं
- (ग) वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो।
कोई भी नहीं
- (घ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7 क+7ख -7 ग)।
वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल सीएसआर दायित्व रु.22.07 लाख है।
8. (क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या अव्ययित सीएसआर राशि:

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (रुपये में)	अव्ययि राशि (रुपये में)				
	धारा 135(6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि। (रुपये में)		धारा 135(5) के दूसरे परंतुक के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड को हस्तांतरित राशि। (रुपये में)		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	फंड का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
22.07 लाख* (वित्त वर्ष 2023-24)	शून्य		पीएम केयर्स फंड	07.09 लाख	02.02.2024



(ख) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के खिलाफ खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण:

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
क्र. सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6) (रुपये में) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां/ नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
1.	महिलाओं और युवाओं को सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर जीविका सृजन के साथ सशक्त बनाना	विशेषकर महिलाओं में व्यावसायिक कौशल बढ़ाने वाले रोजगार को बढ़ावा देना	हाँ	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	-	14,98,000/-	14,98,000/-	लागू नहीं	नहीं	सौंदर्य एवं कल्याण क्षेत्र कौशल परिषद	CSR00002449

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण :

- लागू नहीं।

(घ) प्रशासनिक उपरिव्यय में खर्च की गई राशि- शून्य

(ङ) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो- लागू नहीं

(च) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (8ख+8ग+8घ+8ङ)- रु. 14.98 लाख

(छ) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो- शून्य

क्र. सं.	विशिष्ट	राशि (रुपये में)
(i)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	22.07 लाख (वित्त वर्ष 2023-24)
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि *	22.07 लाख (वित्त वर्ष 2023-24)
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	शून्य
(iv)	सीएसआर परियोजनाओं या पिछले वित्तीय वर्षों के कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो	शून्य
(v)	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	शून्य



9. (क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण:

क्र. सं.	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6), यदि कोई हो, के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में स्थानांतरित राशि			आगामी वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली शेष राशि। (रुपये में)
				फंड का नाम	राशि (रुपये में)	स्थानांतरण की तिथि	
1.	2020-21	शून्य	29.00 लाख	पीएम केयर निधि	29.00 लाख	23.09.2020	शून्य
2.	2021-22	शून्य	12.15 लाख	शून्य			0.48 लाख
3.	2022-23	शून्य	15.34 लाख	पीएम केयर निधि 0.48 लाख 18.05.2022 पीएम केयर निधि 14.86 लाख 30.03.2023			शून्य

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चल रही परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण :

- लागू नहीं।

10. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से इस प्रकार बनाई या अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें (संपत्ति-वार विवरण)- शून्य

(क) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि - शून्य

(ख) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि- शून्य

(ग) इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि-शून्य

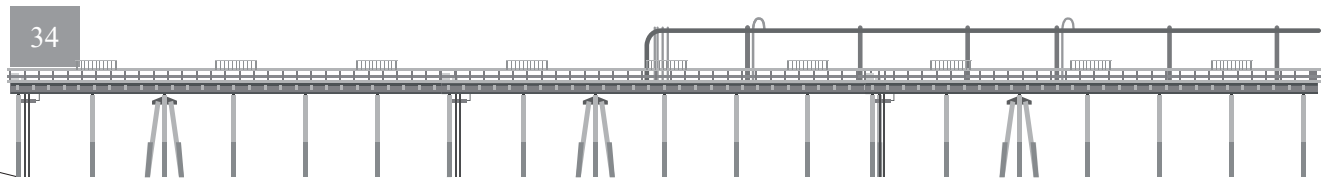
(घ) सृजित या अर्जित (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) का विवरण प्रदान करें - शून्य

11. कारण निर्दिष्ट करें, यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है।

- उपरोक्त बिंदु 6 को देखते हुए लागू नहीं है।

हस्ताक्षर:-----ह./..... (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक)	हस्ताक्षर:-----ह./..... (अध्यक्ष, सीएसआर समिति)
---	--

दिनांक: 08 अगस्त-2024



स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

के सदस्यों को

इंड एस स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

योग्य राय

हमने दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ("कंपनी") के स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च, 2024 का तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण, और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी शामिल है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013, संशोधित ("अधिनियम") द्वारा अपेक्षित तरीके से आवश्यक जानकारी देते हैं और 31 मार्च, 2024 समाप्त वर्ष तक कंपनी के मामलों की स्थिति, इसके मुनाफे और कुल व्यापक आय, इक्विटी में बदलाव और इसके नकदी प्रवाह के बारे में भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण भी देते हैं।

योग्य राय का आधार

- नोट संख्या 7 वर्तमान परिसंपत्तियों (ऋण और अग्रिम) में भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल), एक पूर्व सहायक कंपनी को दिया गया 207.25 लाख रुपये (पिछले वर्ष 207.25 लाख रुपये) का ऋण शामिल है, जिसकी वसूली कैबिनेट के अनुसार संदिग्ध है। आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने रेलवे को स्थानांतरण के बाद अगस्त, 2017 में इसे बंद करने की मंजूरी दे दी। कंपनी द्वारा किए गए आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर कहा गया है कि ऋण लागत पर दिया गया है। 2025 तक तीन समान अनुपात में ऋण माफ करने के लिए मार्च, 2023 को बोर्ड के निर्णय के अनुसार, मार्च, 2024 तक खातों में 138.16 लाख रुपये (पिछले वर्ष 69.08 लाख रुपये) का हानि भत्ता प्रदान किया गया। आज तक बीडब्ल्यूईएल को संदिग्ध ऋण के रूप में 69.09 लाख रुपये (पिछले वर्ष 138.16 लाख रुपये) के परिणामस्वरूप लाभ को अधिक बताया गया और वर्तमान परिसंपत्तियों (ऋण और अग्रिम) को उस राशि से अधिक बताया गया।
- नोट संख्या 7 की वर्तमान संपत्ति में भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) को दिया गया 5932.96 लाख रुपये (पिछले वर्ष 5932.96 लाख रुपये) का ऋण और 33656.29 लाख रुपये (पिछले वर्ष 33656.29 लाख रुपये) और सहायक कंपनी की सहायक कंपनी वेबर्ड इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूआईएल) को 656.03 लाख रुपये (पिछले वर्ष 656.03 लाख रुपये) का ऋण और अर्जित ब्याज 350.26 लाख रुपये (पिछले वर्ष 350.26 लाख रुपये) का अर्जित ब्याज शामिल है। नोट नंबर-16, उधार में भारत सरकार से लिया गया रु. 6588.99 लाख (पिछले वर्ष रु. 6588.99 लाख) का ऋण शामिल है और नोट नंबर 20, अन्य वित्तीय देनदारियां, इसमें भारत सरकार द्वारा लिया गया कथित ऋण और देय



ब्याज रु. 34006.55 लाख (पिछले वर्ष रु. 34006.55 लाख) शामिल है | बीपीएमईएल 2004 से कंपनी के स्वीकृत दावों रु. 39898.01 लाख (पिछले वर्ष रु. 39898.01 लाख)के साथ परिसमापन के अधीन है। और डब्ल्यूआईएल सभी परिसमापन कार्यवाही के पूरा होने के बाद 2020 में भंग हो गया।

उपरोक्त सहायक कंपनियों की स्थिति के बावजूद, तथ्यों के आधार पर कि कंपनी द्वारा किए गए आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार, उक्त सहायक कंपनियों को ब्याज के साथ देय ऋण और भारत सरकार से अर्जित ब्याज के साथ ऋण को लागत पर ले जाया गया है। वर्ष के वित्तीय विवरण में ऋणों और अर्जित ब्याज की हानि भत्ते के लिए कोई मूल्यांकन और परिणामी प्रावधान नहीं किया गया है।

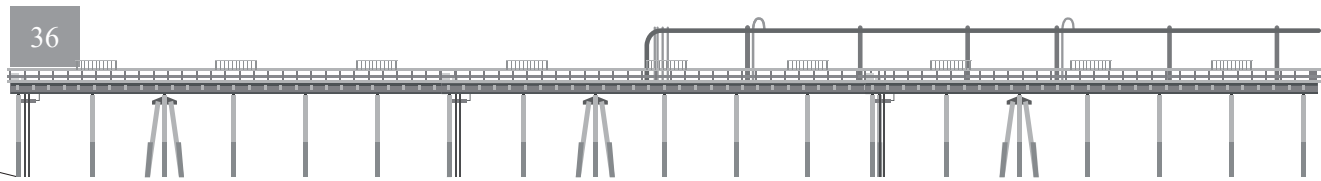
- नोट संख्या 7 अन्य वित्तीय संपत्ति, लेनदारों को दिए गए अग्रिम में विभिन्न पक्षों को दिए गए 571.56 लाख रुपये (पिछले वर्ष 571.56 लाख रुपये) शामिल हैं, जिसके विरुद्ध आज की तारीख में 885.25 लाख रुपये (पिछले वर्ष 885.25 लाख रुपये) की देनदारी बनती है। कंपनी ने इसे अच्छा माना और वर्ष के दौरान कोई समायोजन नहीं किया गया। लेनदारों को अग्रिम और संबंधित देनदारियों के साथ ऐसे समायोजन लंबित होने के कारण, वर्ष के लिए कंपनी की लाभप्रदता और देनदारियों/परिसंपत्तियों पर विशिष्ट वित्तीय प्रभाव अज्ञात है।
- नोट संख्या 5 निवेश में पूर्व सहायक कंपनी भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) में 486.30 लाख रुपये (पिछले वर्ष 486.30 लाख रुपये), जेसप एंड कंपनी लिमिटेड, में 2558.01 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2558.01 लाख रुपये) शामिल हैं। दोनों परिसमापन के अधीन हैं, और लगन जूट मशीनरी कंपनी लिमिटेड में रु. 42.20 लाख (पिछले वर्ष रु. 42.20 लाख) हैं। प्रबंधन द्वारा किए गए आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर, रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार उपरोक्त संस्थाओं की स्थिति के बावजूद, कहा गया है कि निवेश लागत पर किया गया है। वर्ष के दौरान वित्तीय विवरण में ऐसे निवेशों के मूल्य में हानि के लिए कोई मूल्यांकन और परिणामी प्रावधान नहीं किया गया है।

हमने अपना लेखापरीक्षा अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानक (एसए) के अनुसार किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण के लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों अनुभाग में आगे वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के साथ-साथ अधिनियम के प्रावधानों और नियमों के तहत वित्तीय विवरण के हमारे लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं। इसके तहत, और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय विवरण पर हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मामले का ज़ोर

हम वित्तीय विवरणों के टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों पर ध्यान आकर्षित करते हैं :

- नोट संख्या 7 अन्य वित्तीय संपत्ति-वर्तमान में विभिन्न प्राधिकरणों/पार्टियों को जारी किए गए 26.21 लाख रुपये (पिछले वर्ष 26.21 लाख रुपये) के अन्य अग्रिम शामिल हैं जो बहुत पुराने हैं। न तो कंपनी उक्त अग्रिमों के संबंध में कोई रिकॉर्ड और दस्तावेज उपलब्ध करा सकी और न ही वर्ष के दौरान उक्त अग्रिमों की वसूली के लिए कोई कदम उठाए गए।
- नोट संख्या 13 अन्य वर्तमान परिसंपत्तियों में सरकार और वैधानिक प्राधिकारियों के पास अग्रिम के रूप में जमा राशि 21.84 लाख रुपये (पिछले वर्ष 21.84 लाख रुपये) शामिल हैं जो बहुत पुरानी हैं। न तो कंपनी उक्त अग्रिमों के संबंध में कोई रिकॉर्ड और दस्तावेज उपलब्ध करा सकी और न ही वर्ष के दौरान उक्त अग्रिमों की वसूली के लिए कोई कदम उठाए गए।



- नोट संख्या, 58, कंपनी ने दोनों यानी भारत प्रोसेस और मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड, एक सहायक कंपनी जो परिसमापन के अधीन है, और वेबर्ड इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूआईएल) सहायक कंपनी की सहायक कंपनी, जिसे कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 07 फरवरी, 2020 के अनुसार गैर-वसूली के कारण बंद कर दिया गया है, को दिए गए 6588.99 लाख रुपये (पिछले वर्ष 6588.99 लाख रुपये) तथा भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल) पूर्व सहायक कंपनी, जो रेलवे को स्थानांतरण के बाद बंद हो गई को दिए गए 207.25 लाख रुपये (पिछले वर्ष 207.25 लाख रुपये) के ऋण पर चालू वित्तीय वर्ष के लिए अर्जित किसी भी ब्याज पर विचार नहीं किया है।
साथ ही, कंपनी ने भारत सरकार से प्राप्त 6588.99 लाख रुपये (पिछले वर्ष 6588.99 लाख रुपये) के ऋण पर चालू वित्तीय वर्ष के लिए देय किसी भी ब्याज पर विचार नहीं किया है, जिसका उपयोग उपरोक्त सहायक कंपनियों को ऋण देने के लिए किया गया था।
- नोट संख्या 54, प्रासंगिक सहायक रिकॉर्ड में दिखाई देने वाले शेष के अनुसार पुस्तकों में शामिल कुछ व्यापार प्राप्य, व्यापार देय, ऋण और अग्रिम आदि के शेष, संबंधित पक्षों से पुष्टि के अधीन हैं और समाधान से उत्पन्न होने वाले परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं। हालाँकि, कंपनी का मानना है कि इस संबंध में कोई महत्वपूर्ण विसंगतियाँ नहीं होंगी।

इन मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

“अन्य सूचना”

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में वार्षिक रिपोर्ट में शामिल जानकारी शामिल है लेकिन इसमें स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

स्टैंडअलोन इंड एएस एफ वित्तीय वक्तव्यों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करते समय, इस पर विचार करना है कि क्या ऐसी अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है, या ऑडिट में प्राप्त हमारा ज्ञान अन्यथा या भौतिक रूप से गलत बताया जाना प्रकट होता है। यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी में कोई महत्वपूर्ण गलतबयानी हुई है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में हमारे पास रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

कंपनी का निदेशक मंडल इन स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में अधिनियम की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए जिम्मेदार है जो स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की इक्विटी और नकदी प्रवाह में परिवर्तन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं। इस जिम्मेदारी में कंपनी की संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और भौतिक गलतबयानी से



मुक्त, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, भी शामिल है

स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन कंपनी की एक चालू कंपनी के रूप में जारी रहने की क्षमता का आकलन करने, लागू होने वाली चिंता से संबंधित मामलों का खुलासा करने और लेखांकन के चालू चिंता के आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि प्रबंधन कंपनी को समाप्त करने का इरादा न रखता हो या संचालन बंद कर देना चाहता हो, या उसके पास ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं हो।

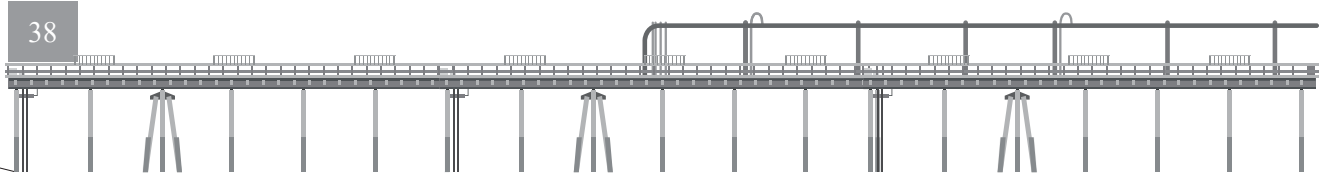
निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक ऑडिटर की रिपोर्ट जारी करना है जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसएस के अनुसार आयोजित ऑडिट हमेशा मौजूद होने पर एक महत्वपूर्ण गलतबयानी का पता लगाएगा। गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती है और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, उनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार ऑडिट के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे ऑडिट के दौरान पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। साथ ही हम :

- स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों को पहचानना और उनका आकलन करना, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करना, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हो, करते हैं। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप हुई किसी महत्वपूर्ण गलतबयानी का पता न चल पाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप हुई किसी सामग्री की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए ऑडिट से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करते हैं। अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता क्या है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करते हैं।
- प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, लेखांकन के चालू चिंता के आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकालते हैं और क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की चालू चिंता के रूप में जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने ऑडिटर की रिपोर्ट में स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासों पर ध्यान आकर्षित करना होता है या, यदि ऐसे खुलासे पर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करना होता है। हमारे निष्कर्ष हमारे ऑडिटर की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर आधारित हैं। हालाँकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी एक चालू संस्था के रूप में काम करना बंद कर सकती है।



- खुलासे सहित स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना, और क्या स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस तरह से प्रतिनिधित्व करते हैं जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त होती है।
हम, ऑडिट के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों के संबंध में, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमी सहित, जिसे हम अपने ऑडिट के दौरान पहचानते हैं, शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं।
हम उन शासन के प्रभारी लोगों को एक बयान भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन सभी रिश्ते और अन्य मामले जो उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर असर डालने वाले हो सकते हैं, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय, के बारे में संवाद भी करते हैं।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (ऑडिटर की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") द्वारा आवश्यक है, हम "अनुलग्नक क" में, आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर जहाँ तक संभव हो, एक बयान देते हैं।
2. हम अधिनियम की धारा 143(5) के संदर्भ में, कंपनी की पुस्तकों और रिकॉर्डों की जांच के आधार पर, जैसा हमें उचित लगा और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, "अनुलग्नक ख" में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों और उप-निर्देशों पर अपनी रिपोर्ट संलग्न कर रहे हैं।
3. अधिनियम की धारा 143(3) के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:
 - (क) हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगी और प्राप्त की जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे ऑडिट के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे;
 - (ख) हमारी राय में, जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से पता चलता है, कंपनी द्वारा कानून द्वारा अपेक्षित उचित खाते की किताबें रखी गई हैं;
 - (ग) तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण, नकदी प्रवाह विवरण और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण खाते की किताबों के अनुरूप है;
 - (घ) हमारी राय में, उपरोक्त स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, जो कि संशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पढ़ा जाता है;
 - (ङ) 31 मार्च, 2024 को निदेशक मंडल द्वारा, निदेशकों से प्राप्त लिखित अभ्यावेदन को रिकॉर्ड पर लेने के आधार पर, कोई भी निदेशक 31 मार्च, 2024 को, अधिनियम की धारा 164(2) के संदर्भ में निदेशक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य नहीं है।
 - (च) कंपनी के वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, "अनुलग्नक ग" में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।
 - (छ) कंपनी (ऑडिट और ऑडिटर) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार ऑडिटर की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारी राय में संशोधित :



- i. कंपनी ने अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए नोट 31 और नोट 43 देखें।
- ii. कंपनी ने दीर्घकालिक निर्माण अनुबंध में प्रवेश किया है और लंबी अवधि के अनुबंधों के गैर-निष्पादित हिस्से पर वित्तीय वर्ष के अंत में शून्य लाख (पिछले वर्ष रु. 57.03 लाख) रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है। कंपनी ने कोई डेरिवेटिव अनुबंध नहीं किया है।
- iii. कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में ऐसी कोई राशि स्थानांतरित करने की आवश्यकता नहीं है।
- iv. हमारी जांच के आधार पर जिसमें परीक्षण जांच भी शामिल है, कंपनी ने अपने खातों की पुस्तकों को बनाए रखने के लिए लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है जिसमें ऑडिट ट्रेल (लॉग संपादित करें) सुविधा को रिकॉर्ड करने की सुविधा है और इसे एप्लिकेशन में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए वर्ष के दौरान संचालित किया गया है। हमारे ऑडिट के दौरान, हमें अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर के संबंध में ऑडिट ट्रेल फीचर से छेड़छाड़ का कोई उदाहरण नहीं मिला है।

के लिए बी.मुखर्जी एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म का रजि. नंबर: 302096ई

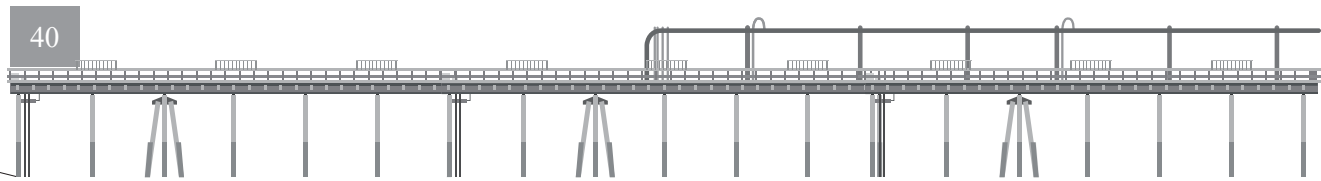
सीए एस. के. मुखर्जी

साझेदार

सदस्यता संख्या 006601

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 28.06.2024



लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक “क”

दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के सदस्यों के लिए 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरण पर, हमारे स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में उल्लिखित अनुलग्नक का

ऐसी जाँचों के आधार पर जिन्हें हमने उचित समझा और हमारे ऑडिट के दौरान हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

- I. (ए) कंपनी ने मात्रात्मक विवरण और अचल संपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दिखाते हुए यथोचित रिकॉर्ड कायम रखा है।
 - (बी) वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा संयंत्र की संपत्ति और उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया था और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार ऐसे सत्यापन पर कोई महत्वपूर्ण विसंगतियां नहीं देखी गईं। हमारे ऑडिट के दौरान यह देखा गया है कि वर्ष के दौरान नई खरीद के मामलों को छोड़कर, प्लांट, संपत्ति और उपकरण के स्थानों का उल्लेख अचल संपत्ति रजिस्टर में नहीं किया गया है।
 - (सी) श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ट्रस्ट (पहले कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट) से लाइसेंस/किराया समझौते के तहत प्राप्त सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कोलकाता में भूमि पर, भवन में रुपये 131.46 लाख (पिछले वर्ष 131.46 लाख रुपये) की स्थायी संरचनाएं शामिल हैं। कंपनी किराये के भुगतान में नियमित है लेकिन हमारे सत्यापन के लिए विलेख/समझौते की प्रति हमें प्रस्तुत नहीं की गई है।
 - (डी) कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान किसी भी संपत्ति संयंत्र और उपकरण या अमूर्त संपत्ति या दोनों का कोई पुनर्मूल्यांकन नहीं किया गया है।
 - (ई) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है।
- II (ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, प्रबंधन ने नियमित अंतराल पर भंडार का भौतिक सत्यापन किया है और ऐसे भौतिक सत्यापन पर कोई महत्वपूर्ण विसंगतियां नहीं देखी गईं।
 - (बी) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को वर्तमान परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर बैंक से वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 5 करोड़ रुपये से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत/नवीनीकृत की गई है। कंपनी द्वारा ऐसे बैंकों में दाखिल किए गए त्रैमासिक रिटर्न और विवरण खातों की किताबों के अनुरूप हैं ।
- III. वर्ष के दौरान हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने किसी भी कंपनी या किसी सहायक कंपनी को कोई सुरक्षित या असुरक्षित ऋण या अग्रिम या स्थायी गारंटी नहीं दी है, जो वर्तमान में परिसमापन के अधीन हैं। इसलिए, आदेश के खंड 3(iii) (ए) से (एफ) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
- IV. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कोई ऋण नहीं दिया है, कोई निवेश नहीं किया है, कोई गारंटी नहीं दी है और कोई सुरक्षा नहीं दी है, जिस पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधान लागू होते हैं। अतः आदेश की धारा 3(iv) लागू नहीं होती।
- V. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार , कंपनी ने अधिनियम की धारा 73 से 76 या कंपनी अधिनियम 2013 के किसी भी अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम 2014 के तहत कोई भी जमा स्वीकार नहीं किया है। एवं तदनुसार आदेश का पैरा 3(v) लागू नहीं होता है।



VI. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार भारत सरकार ने कंपनी द्वारा प्रदान की गई किसी भी सेवा के लिए कंपनी अधिनियम की धारा 148(1) के तहत रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए लागत निर्धारित नहीं किया है।

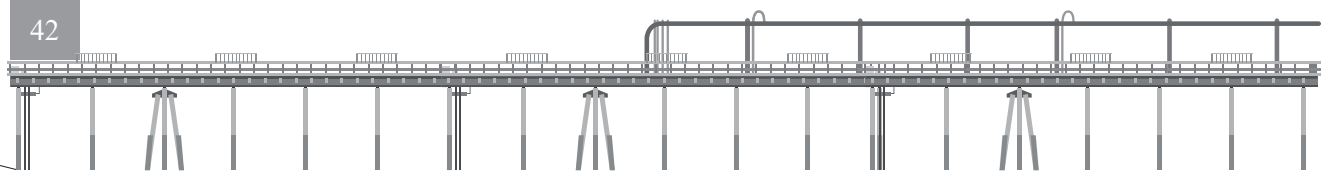
VII. (ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और हमारे द्वारा जांच की गई पुस्तकों और अभिलेखों के अनुसार, कंपनी अविवादित वैधानिक से सम्बंधित बकाया : भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, संपत्ति कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, वस्तु एवं सेवा कर, उपकर उचित अधिकारियों के पास जमा करने में नियमित है। और लागू अन्य वैधानिक बकाया, कुछ मामलों में देरी को छोड़कर, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान उचित अधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा किया गया है।

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, 31 मार्च 2024 तक आयकर, सेवा कर, माल और सेवा कर, उपकर और अन्य महत्वपूर्ण वैधानिक बकाया के संबंध में कोई भी निर्विवाद देय राशि, जिस तारीख से वे देय हो गए हैं, नीचे बताए अनुसार को छोड़कर, छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया नहीं थी :

क्र.सं	देय राशि की प्रकृति	राशि (लाख रुपये में)	वह अवधि जिससे यह संबंधित है (वित्तीय वर्ष)
1	वृत्ति कर	0.66	पुराना बकाया
2	स्रोत पर एकत्रित कर	0.16	पुराना बकाया
3	सेवा कर देय (बीबीयूएनएल)	1.94	पुराना बकाया
4	स्रोत पर कर कटौती	1.45	पुराना बकाया
5	बिक्री कर	1.54	पुराना बकाया
6	आयकर	4.57	2006-07
7	आयकर	2.35	2008-09
8	आयकर	0.08	2012-13

(बी) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे द्वारा जांच की गई पुस्तकों और रिकॉर्ड के आधार पर, जैसा लागू हो, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, भविष्य निधि के बकाया और जिस मंच पर विवाद लंबित है का विवरण नीचे दिया गया है, जो विवादों के कारण जमा नहीं किए गए हैं :

क्र. सं.	अधिनियम का नाम	देय राशि की प्रकृति	जिस अवधि (वित्त वर्ष) से संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित/खारिज है	मात्रा (लाख रुपये में)
1	डब्ल्यूबी मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003	कार्य अनुबंध कर	2011-12	संयुक्त आयुक्त वाणिज्यिक कर	4.30
2	बिहार मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005	कार्य अनुबंध कर	2010-11	संयुक्त आयुक्त वाणिज्यिक कर	33.25
3	बिहार मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005	कार्य अनुबंध कर	2011-12	संयुक्त आयुक्त वाणिज्यिक कर	30.98

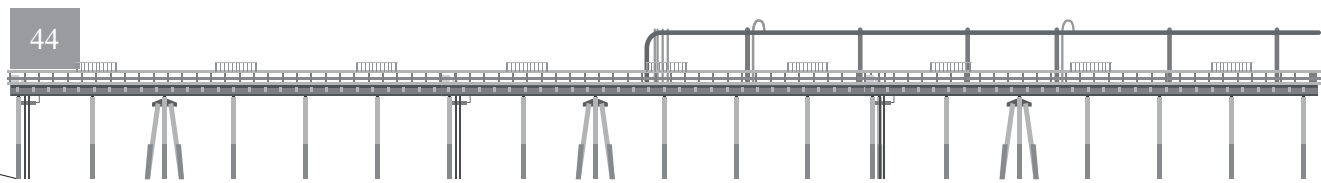


क्र. सं.	अधिनियम का नाम	देय राशि की प्रकृति	जिस अवधि (वित्त वर्ष) से संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित/खारिज है	मात्रा (लाख रुपये में)
4	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर मांग, धारा 75 के तहत उस पर ब्याज (राशि योग्य नहीं) और जुर्माना लगाया गया	2007-08 से 2011-12	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण	154.45
5	कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम 1952	हर्जाना/ब्याज देय	03/2000 से 04/2008 तक	भविष्य निधि आयुक्त, आरओ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने मांग उठाई है। कंपनी ने कर्मचारी भविष्य निधि अपीलीय न्यायाधिकरण नई दिल्ली और माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के समक्ष अपील दायर की है। मांग राशि रु. 96.10 लाख और बीबीयूएनएल भविष्य निधि ट्रस्ट संगठन के पास फंड रु. 41.96 लाख	54.14
6	दिल्ली मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2004	कार्य अनुबंध कर	2004-05	वाणिज्यिक कर विभाग	19.36
7	बिहार जीएसटी	ट्रान 1 ब्याज	2017-18	अपीलीय न्यायाधिकरण	12.55
8	डब्ल्यूबी मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2003	कार्य अनुबंध कर	2016-17	अपीलीय प्राधिकरण	0.21
9	झारखण्ड जी.एस.टी	अतिरिक्त आईटीसी का दावा किया गया	01/07/2017 से 30/11/2018 तक	उपायुक्त (चाईबासा क्षेत्राधिकार)	11.55
10	आयकर	आयकर मांग	2009-10	आयकर आयुक्त (अपील)	10.65
11	आयकर	आयकर मांग	2010-11	क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी	0.96
12	आयकर	आयकर मांग	2011-12	आयकर आयुक्त (अपील)	69.95
13	आयकर	आयकर मांग	2012-13	क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी	285.31



क्र. सं.	अधिनियम का नाम	देय राशि की प्रकृति	जिस अवधि (वित्त वर्ष) से संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित/खारिज है	मात्रा (लाख रुपये में)
14	आयकर	आयकर मांग	2013-14	क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी	66.80
15	आयकर	आयकर मांग	1999-2000	आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण	58.67
16	आयकर	आयकर मांग	2014-15	क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी	4.94

- VIII. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी की पुस्तकों में कोई भी लेनदेन दर्ज नहीं किया गया है, जिसे आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में सॉर्टर या खुलासा किया गया हो।
- IX. (ए) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान किसी भी ऋणदाता को ऋण या अन्य उधार के पुनर्भुगतान या उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।
- (बी) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को वर्ष के दौरान किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या सरकारी प्राधिकरण द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।
- (सी) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया है और वर्ष की शुरुआत में कोई सावधि ऋण बकाया नहीं है और इसलिए, खंड 3 (ix)(c) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (डी) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, और कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के अनुसार, अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी द्वारा दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया है।
- (ई) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच से पता चलता है कि कंपनी ने सहायक, संयुक्त उद्यम या सहयोगी कंपनियों के तरफ अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी इकाई या व्यक्ति से कोई धनराशि नहीं ली है।
- (एफ) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम या सहयोगी कंपनियों में रखी प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर ऋण नहीं उठाया है।
- X. (ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने प्रारंभिक या आगे के सार्वजनिक प्रस्ताव या सावधि ऋण के माध्यम से धन नहीं जुटाया है। तदनुसार, कंपनी (ऑडिटर की रिपोर्ट) आदेश, 2020 के खंड 3(ix) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- (बी) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान शेरों या परिवर्तनीय डिबेंचर (पूर्ण या आंशिक या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय) का कोई तरजीही आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(x)(बी) के तहत रिपोर्टिंग कंपनी पर लागू नहीं होती है।
- XI. (ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हमारे ऑडिट के दौरान कंपनी पर या उसके द्वारा कोई धोखाधड़ी देखी या रिपोर्ट नहीं की गई है।
- (बी) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 की उपधारा (12) के तहत कोई भी रिपोर्ट कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, २०१४ के नियम 13 के तहत निर्धारित फॉर्म एडीटी-4 में केंद्र सरकार के साथ दायर नहीं की गई है।
- (सी) जैसा कि प्रबंधन ने हमें बताया है, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई विहिसिल ब्लोअर शिकायत प्राप्त नहीं हुई।
- XII. हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xii) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।



- XIII. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की जांच के आधार पर कंपनी में संबंधित पक्षों के साथ किए गए सभी लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के अनुपालन में हैं, जहां लागू हो और लागू भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण आदि में प्रकट किया गया है।
- XIV.(ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी के पास उसके व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है।
(बी) हमने ऑडिट के तहत अवधि के लिए आज तक जारी आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट पर विचार किया है।
- XV. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान निदेशकों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है। तदनुसार, आदेश का खंड 3(xv) लागू नहीं होता है।
- XVI. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की जांच के आधार पर, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड (xvi) (ए), (बी), (सी) और (डी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।
- XVII. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और रिकॉर्ड की जांच के आधार पर कंपनी को वित्तीय वर्ष और ठीक पिछले वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई है।
- XVIII. वर्ष के दौरान कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षकों का कोई इस्तीफा नहीं हुआ है।
- XIX. वित्तीय अनुपात, उम्र बढ़ने और वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति और वित्तीय देनदारियों के भुगतान की अपेक्षित तिथियों के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ जुड़ी अन्य जानकारी और निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी और समर्थन करने वाले साक्ष्यों की हमारी जांच के आधार पर, धारणाओं के अनुसार, हमारे ध्यान में कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें यह विश्वास हो कि ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक कोई भी भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, जो यह दर्शाता है कि कंपनी तुलन पत्र की तारीख में मौजूद अपनी देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है, जब भी वे देय होती हैं। हालाँकि, हम कहते हैं कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर कंपनी द्वारा आने वाली सभी देनदारियों का भुगतान किया जाएगा, जब भी उनका बकाया हो।
- XX (ए) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की जांच के आधार पर, कंपनी अधिनियम 2013, उक्त अधिनियम की धारा 135 की उपधारा 5 के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में, चल रही परियोजना के अलावा कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के लिए कोई भी अव्ययित राशि नहीं है, जिसे अनुसूची VII में निर्दिष्ट फंड में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। तदनुसार, आदेश का खंड 3(xx)(ए) लागू नहीं होता है।
(बी) चूंकि कंपनी के पास कोई चालू सीएसआर परियोजना नहीं है, तदनुसार, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 उपधारा (6) के अनुपालन में, विशेष खाते में अव्ययित राशि के हस्तांतरण के संबंध में आदेश का खंड 3 (xx) (बी) लागू नहीं है।
- XXI. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, समेकित वित्तीय विवरण सहित केरो 2020 में संबंधित लेखा परीक्षक द्वारा कोई योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है। इसलिए आदेश के खंड 3 (xxi) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

के लिए बी.मुखर्जी एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

फर्म का रजि. नंबर: 302096ई

सीए। एस. के. मुखर्जी

साझेदार

सदस्यता संख्या 006601

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 28.06.2024



लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक-ख

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के अधीन सामान्य दिशानिर्देश

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत निर्देश	निर्देशों पर की गई कार्रवाई पर ऑडिटर का जवाब	वित्तीय विवरणों पर प्रभाव
(I) लेखांकन सॉफ्टवेयर क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने की प्रणाली है? यदि हां, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के वित्तीय निहितार्थ के साथ-साथ खातों की अखंडता पर प्रभाव, यदि कोई हो, बताया जा सकता है।	कंपनी टैली प्राइम नामक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रही है और स्टॉक को छोड़कर सभी अकाउंटिंग लेनदेन को इसके माध्यम से संसाधित करती है, जिसका हिसाब मैनुअल रूप से किया जाता है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कोई भी लेखांकन लेनदेन उपरोक्त लेखांकन सॉफ्टवेयर के बाहर संसाधित नहीं किया जाता है, जो वर्तमान में कंपनी द्वारा उपयोग में है।	लागू नहीं।
(II) ऋण पुनर्गठन क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा मौजूदा ऋणों का कोई पुनर्गठन किया गया है या ऋणों/ऋणों/ब्याज आदि को माफ/बट्टे खाते में डालने का कोई मामला है? यदि हां, तो वित्तीय प्रभाव बताया जा सकता है।	भारत सरकार, जो कंपनी की प्रवर्तक है, से ऋण के अलावा कंपनी पर कोई उधार नहीं है, इसलिए यह खंड लागू नहीं है।	शून्य
(III) सरकारी निधि/अनुदान का व्यवहार क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजना के लिए प्राप्त/प्राप्य धनराशि का इसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजना के लिए कोई धनराशि प्राप्त/प्राप्त नहीं हुई।	शून्य

के लिए बी.मुखर्जी एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म का रजि. नंबर: 302096ई

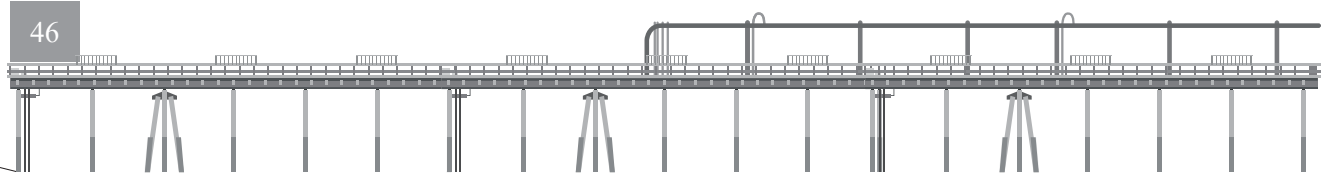
सीए। एस. के. मुखर्जी

साझेदार

सदस्यता संख्या 006601

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 28.06.2024



लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक - "ग"

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ("कंपनी") की 31 मार्च, 2024 तक उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का ऑडिट कंपनी के स्टैंडअलोन इंड एस वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के साथ किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन "वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण" के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जो कंपनी द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया" द्वारा जारी मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करता है। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो कंपनी की नीतियों का पालन, इसकी संपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाने और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत आवश्यक लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी सहित इसके व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

लेखापरीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करना है। हमने जहां तक संभव हो सके, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट ("मार्गदर्शन नोट") और कंपनी अधिनियम, 2013, की धारा 143(10) के तहत माना जाने वाला और निर्धारित आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के ऑडिट पर लागू होते हैं और दोनों, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए जाते हैं।

उन मानकों और मार्गदर्शन नोट के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि : क्या इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किया गया है और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक दृष्टि में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारे ऑडिट में इन वित्तीय विवरणों और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के बारे में ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं निष्पादित करना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर मूल्यांकन किए गए जोखिमों आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, भौतिक कमजोरी मौजूद होने के जोखिम का आकलन करना और आंतरिक नियंत्रण आधारों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चयनित प्रक्रिया ऑडिटर के निर्णय पर निर्भर करती है, जिसमें वित्तीय विवरण के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिम का आकलन भी शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी ऑडिट राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर किसी कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता और बाहरी उद्देश्यों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए बनाई गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर किसी कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल होती हैं :

- (1) जो उन रिकॉर्ड्स के रखरखाव से संबंधित है, जो उचित विवरण में, कंपनी की संपत्तियों के लेनदेन और स्वभाव को सटीक और निष्पक्ष रूप से दर्शाते हैं;
- (2) जो उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति देने के लिए लेनदेन को आवश्यक रूप से दर्ज किया जाता है, और कंपनी की प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरण के अनुसार किए जा रहे हैं; और
- (3) जो कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगाने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें, जिसका वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।



इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, नियंत्रणों की मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण गलत विवरण हो सकते हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता है।

इसके अलावा, भविष्य की अवधि के लिए इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन का अनुमान इस जोखिम के अधीन है कि इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में बदलाव के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की डिग्री खराब हो सकती है।

राय

हमारी राय में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के पास सभी भौतिक मामलों में, इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं। चार्टर्ड इंस्टीट्यूट द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2024 तक प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

के लिए बी.मुखर्जी एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म का रजि. नंबर: 302096ई

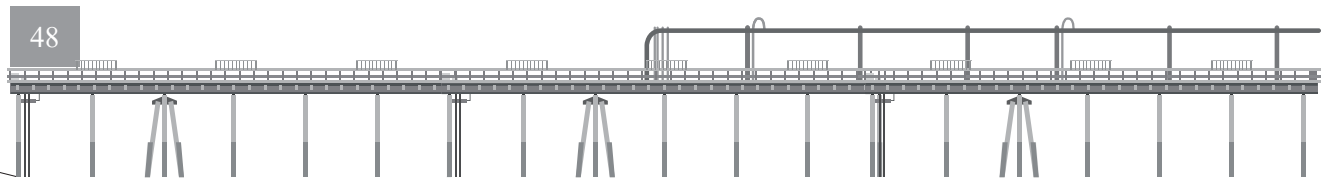
सीए। एस. के. मुखर्जी

साझेदार

सदस्यता संख्या 006601

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 28.06.2024

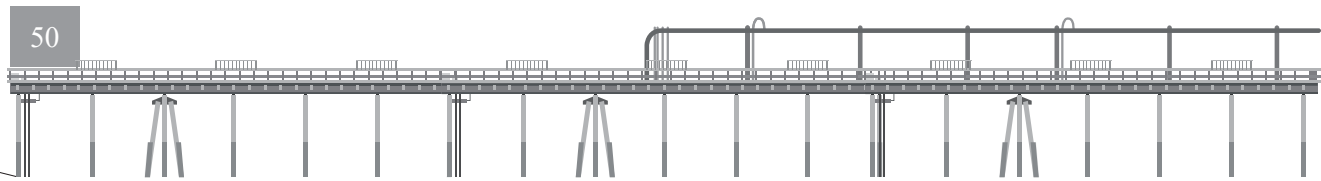


लेखा परीक्षकों के अवलोकन पर प्रबंधन का जवाब

क्रमांक	लेखापरीक्षा अवलोकन	प्रबंधन जवाब
	योग्य राय	
1	<p>वर्तमान परिसंपत्तियों के संबंध में नोट संख्या 7 में भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल) को दिया गया 207.25 लाख रुपये का ऋण शामिल है, जो एक पूर्व सहायक कंपनी है, जिसकी वसूली संदिग्ध है क्योंकि आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने रेलवे को इसके स्थानांतरण के बाद, अगस्त, 2017 में इसे बंद करने की मंजूरी दे दी थी। कंपनी द्वारा किए गए आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर कहा गया है कि ऋण लागत पर दिया गया है। मार्च, 2023 को बोर्ड के निर्णय के अनुसार 2025 तक तीन समान अनुपात में ऋण माफ करने के लिए खातों में 69.08 लाख रुपये का हानि भत्ता प्रदान किया गया। इस प्रकार आज तक बीडब्ल्यूईएल को संदिग्ध ऋण के लिए 69.09 लाख रुपये (पिछले वर्ष 138.16 लाख रुपये) के छोटे प्रावधानों के परिणामस्वरूप लाभ को अधिक बताया गया और वर्तमान परिसंपत्तियों (ऋण और अग्रिम) को उस राशि से अधिक बताया गया।</p>	<p>भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल) भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) थी और पूर्ववर्ती भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) की सहायक कंपनी थी। भारत वैगन एंड एंग कंपनी लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल) का प्रशासनिक नियंत्रण अगस्त 2008 से भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग मंत्रालय से रेल मंत्रालय को स्थानांतरित कर दिया गया था। अगस्त 2017 में, नीति आयोग की सिफारिश पर, कैबिनेट समिति ने आर्थिक मामलों ने घाटे में चल रही बीडब्ल्यूईएल को बंद करने की घोषणा की और अंततः जून, 2022 में इसे बंद कर दिया गया।</p> <p>बीबीजे की वर्तमान संपत्ति में बीबीयूएनएल (अब बीबीजे) द्वारा बीडब्ल्यूईएल को प्रदान किया गया 207.25 लाख रुपये का ऋण शामिल है। उक्त राशि में से, भारत सरकार (GOI) ने 1989 से 1995 की अवधि के दौरान बीबीयूएनएल के माध्यम से बीडब्ल्यूईएल को 167.39 रुपये का ऋण प्रदान किया, 2008-09 से 2014-15 के दौरान बीबीयूएनएल द्वारा बीडब्ल्यूईएल को सीधे 39.86 लाख रुपये प्रदान किए गए, बीबीयूएनएल ने नवंबर 2000 में भारत सरकार को 167.39 लाख रुपये का ऋण चुकाया। लेकिन बीडब्ल्यूईएल ने न तो बीबीयूएनएल के माध्यम से प्राप्त भारत सरकार का ऋण चुकाया और न ही बीबीयूएनएल से सीधे प्राप्त ऋण को चुकाया। चूंकि 2008 में एमएचआई से एमओआर में स्थानांतरित होने पर बीडब्ल्यूईएल को जून, 2022 में बंद कर दिया गया था, इसलिए उक्त ऋण 'वसूली योग्य नहीं' हो गया और सी एंड एजी की सिफारिश के आधार पर बीबीजे से 207.25 लाख रुपये के उक्त ऋण को 69.08 रुपये के नुकसान भत्ते के साथ माफ कर दिया गया। मार्च, 2023 को बोर्ड के निर्णय के अनुसार चालू वर्ष के खातों में 2025 तक तीन समान अनुपात में संपूर्ण ऋण माफ करने के लिए 69.08 लाख रुपये प्रदान किए गए।</p>



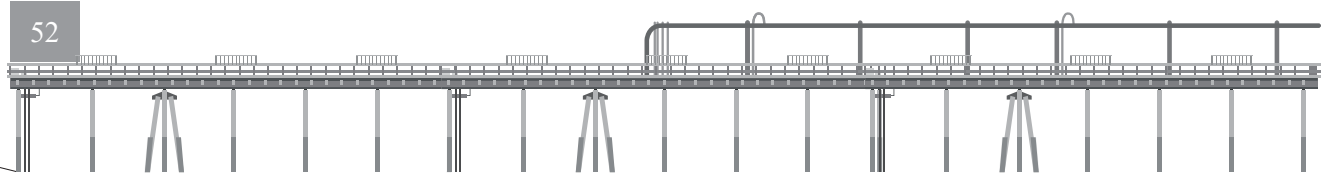
क्रमांक	लेखापरीक्षा अवलोकन	प्रबंधन जवाब
2	<p>नोट नंबर 7 की वर्तमान परिसंपत्तियों में भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल), एक सहायक कंपनी को दिया गया 5932.96 लाख रुपये का ऋण और 33656.29 लाख रुपये का अर्जित ब्याज और 656.03 लाख रुपये का ऋण और 350.26 लाख रुपये का अर्जित ब्याज शामिल है। वेबर्ड इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यू आई एल), कंपनी की सहायक कंपनी की सहायक कंपनी है। नोट संख्या-16, उधार में भारत सरकार से 6588.99 लाख रुपये का ऋण शामिल है। नोट संख्या 20, अन्य वित्तीय देनदारियां, में उक्त भारत सरकार के ऋणों पर देय ब्याज 34006.55 लाख रुपये शामिल हैं। बीपीएमईएल 2004 से कंपनी के 39898.01 लाख रुपये (पिछले वर्ष रु. 39898.01 लाख) के स्वीकृत दावों के साथ परिसमापन के अधीन है। और डब्ल्यू आई एल सभी परिसमापन कार्यवाही के पूरा होने के बाद 2020 में बंद हो गया है।</p> <p>उपरोक्त सहायक कंपनियों की स्थिति के बावजूद, तथ्यों के आधार पर कि कंपनी द्वारा किए गए आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार उक्त सहायक कंपनियों के कारण ब्याज के साथ ऋण और भारत सरकार से अर्जित ब्याज के साथ ऋण को लागत पर ले जाया गया है। वर्ष के वित्तीय विवरण में ऋणों और अर्जित ब्याज की हानि भत्ते के लिए कोई मूल्यांकन और परिणामी प्रावधान नहीं किया गया है।</p>	<p>योजना और गैर-योजना उद्देश्यों के लिए बीबीयूएनएल (अब बीबीजे) की पूर्ववर्ती सहायक कंपनियों को भारत सरकार के ऋण संबंधित सहायक कंपनियों को संवितरण के लिए बीबीयूएनएल (तत्कालीन होल्डिंग कंपनी) के माध्यम से दिए जाते थे। सहायक कंपनियों की स्थिति के बावजूद, ऐसे ऋण और उस पर ब्याज की वसूली न होने की किसी भी स्थिति में, इसे भारत सरकार के उचित निर्देशों के साथ भारत सरकार को देय ऋण और ब्याज की संबंधित राशि के साथ समायोजित किया जाना चाहिए। लागत पर सहायक कंपनियों को ऐसे ऋण देने के संबंध में पैरा.17 में कंपनी की महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों पर आधारित है और वर्षों से इसका लगातार पालन किया जा रहा है।</p>
3	<p>नोट संख्या 7 अन्य वित्तीय संपत्ति, लेनदारों को दिए गए अग्रिम में विभिन्न पक्षों को दिए गए 571.56 लाख रुपये (पिछले वर्ष 571.56 लाख रुपये) शामिल हैं, जिसके विरुद्ध आज की तारीख में 885.25 लाख रुपये (पिछले वर्ष 885.25 लाख रुपये) की देनदारी बनती है। कंपनी ने इसे अच्छा माना और वर्ष के दौरान कोई समायोजन नहीं किया गया। लेनदारों को अग्रिम और संबंधित देनदारियों के साथ ऐसे समायोजन लंबित होने के कारण, वर्ष के लिए कंपनी की लाभप्रदता और देनदारियों/परिसंपत्तियों पर विशिष्ट वित्तीय प्रभाव अज्ञात है।</p>	<p>परियोजनाओं के कार्यों को निष्पादित करने के लिए विभिन्न पक्षों को ऐसी अग्रिम राशि दी गई थी और उनके बिल आज तक समायोजित नहीं किए गए हैं। ऐसे मामलों में जहां ठेकेदारों के विरुद्ध क्रेडिट शेष असमायोजित पड़ा है, उसे तदनुसार समायोजित किया जाना चाहिए और बाकी के लिए, उनकी वसूली के लिए आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई की जानी चाहिए। वसूली न होने या किसी लंबित समायोजन के मामले में, मामले-दर-मामले के आधार पर उचित प्रावधान किया जाना चाहिए।</p>



क्रमांक	लेखापरीक्षा अवलोकन	प्रबंधन जवाब
4	नोट संख्या 5 निवेश में पूर्व सहायक कंपनी भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) में 486.30 लाख रुपये (पिछले वर्ष 486.30 लाख रुपये), जेसप एंड कंपनी लिमिटेड में 2558.01 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2558.01 लाख रुपये), दोनों परिसमापन के अधीन हैं और लगन जूट मशीनरी कंपनी लिमिटेड में रु. 42.20 लाख (पिछले वर्ष रु. 42.20 लाख), शामिल हैं। प्रबंधन द्वारा किए गए आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर, रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार उपरोक्त संस्थाओं की स्थिति के बावजूद, कहा गया है कि निवेश लागत पर किया गया है। वर्ष के दौरान वित्तीय विवरण में ऐसे निवेशों के मूल्य में हानि का कोई मूल्यांकन और परिणामी प्रावधान नहीं किया गया है।	सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम के इक्विटी उपकरणों में निवेश कंपनी की महत्वपूर्ण लेखा नीतियों पैरा.17 के अनुसार लागत पर किया जाता है। पूर्ववर्ती बीबीयूएनएल (अब बीबीजे) ने निर्दिष्ट सहायक कंपनी में संबंधित निवेश के लिए भारत सरकार द्वारा जारी इक्विटी फंड से ऐसी सहायक कंपनियों में निवेश किया था। सहायक कंपनियों की स्थिति के बावजूद, ऐसे निवेशों के वसूली योग्य मूल्य में किसी भी अंतर के मामले में, भारत सरकार के उचित निर्देशों के साथ, कंपनी संबंधित वर्ष में अपने खातों की पुस्तकों में आवश्यक समायोजन करेगी।
	विषय का महत्व	
1	नोट संख्या 7 अन्य वित्तीय संपत्ति-चालू में विभिन्न प्राधिकरणों/पार्टियों को जारी किए गए 26.21 लाख रुपये के अन्य अग्रिम शामिल हैं जो बहुत पुराने हैं। न तो कंपनी उक्त अग्रिमों के संबंध में कोई रिकॉर्ड और दस्तावेज उपलब्ध करा सकी और न ही वर्ष के दौरान उक्त अग्रिमों की वसूली के लिए कोई कदम उठाए गए।	ऐसे अग्रिमों की एक सूची वित्तीय विवरण का हिस्सा बनने वाले नोट्स के नोट संख्या 49 में दी गई है। कंपनी ऐसे सभी अग्रिमों की गहन जांच करेगी और जहां भी आवश्यक हो, इसकी वसूली/समायोजन के लिए अनुवर्ती कार्रवाई करेगी।
2	नोट संख्या 13 अन्य वर्तमान संपत्तियों में सरकार और वैधानिक प्राधिकारियों के पास अग्रिम के रूप में जमा 21.84 लाख रुपये शामिल हैं जो बहुत पुराने हैं। न तो कंपनी उक्त अग्रिमों के संबंध में कोई रिकॉर्ड और दस्तावेज उपलब्ध करा सकी और न ही वर्ष के दौरान उक्त अग्रिमों की वसूली के लिए कोई कदम उठाए गए।	ऐसी जमाओं की एक सूची वित्तीय विवरण का हिस्सा बनने वाले नोट्स के नोट संख्या 50 में दी गई है। कंपनी ऐसी सभी जमाओं की गहन जांच करेगी और जहां भी आवश्यक हो, उनकी वसूली/समायोजन के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी।



क्रमांक	लेखापरीक्षा अवलोकन	प्रबंधन जवाब
3	<p>नोट संख्या,58 कंपनी ने भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) की एक सहायक कंपनी, जो परिसमापन के अधीन है और वेबर्ड इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूआईएल) दूसरी परत की सहायक कंपनी ('सहायक कंपनियां'), (जो कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 07 फरवरी, 2020 के अनुसार गैर-वसूली के कारण बंद कर दी गई), को दिए गए 6588.99 लाख रुपये के ऋण पर और पूर्ववर्ती सहायक कंपनी भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल) को 207.25 लाख रुपये के ऋण पर (जो रेलवे में स्थानांतरण के बाद बंद कर दी गई), चालू वित्तीय वर्ष के लिए अर्जित किसी भी ब्याज पर विचार नहीं किया है।</p> <p>साथ ही, कंपनी ने भारत सरकार से प्राप्त 6588.99 लाख रुपये (पिछले वर्ष 6588.99 लाख रुपये) के ऋण पर चालू वित्तीय वर्ष के लिए देय किसी भी ब्याज पर विचार नहीं किया है, जिसका उपयोग उपरोक्त सहायक कंपनियों को ऋण देने के लिए किया गया था।</p>	<p>बीबीयूएनएल (अब बीबीजे) की पूर्ववर्ती सहायक कंपनियों को योजना और गैर-योजना उद्देश्य के लिए भारत सरकार के ऋण संबंधित सहायक कंपनियों को संवितरण के लिए बीबीयूएनएल (तत्कालीन होल्डिंग कंपनी) के माध्यम से भेजे जाते थे। सहायक कंपनियों की स्थिति के बावजूद, ऐसे ऋण और उस पर ब्याज की वसूली न होने की किसी भी स्थिति में, इसे भारत सरकार को उनके उचित निर्देशों के साथ देय ऋण और ब्याज की राशि के साथ समायोजित किया जाना चाहिए। चूंकि सहायक कंपनियाँ परिसमापन/बंद होने के अधीन हैं, ऐसे ऋण और अग्रिमों पर ब्याज को पुस्तकों में उपलब्ध नहीं कराया गया है। इसलिए सहायक कंपनियों से ब्याज की वसूली अनिश्चित है।</p>
4	<p>नोट संख्या 54 प्रासंगिक सहायक अभिलेखों में दिखाई देने वाले शेष के अनुसार पुस्तकों में शामिल कुछ व्यापार प्राप्त, व्यापार देय, ऋण और अग्रिम आदि के शेष, संबंधित पक्षों से पुष्टि और समाधान से उत्पन्न होने वाले परिणामी समायोजन के अधीन हैं, यदि कोई भी। हालाँकि, कंपनी का मानना है कि इस संबंध में कोई महत्वपूर्ण विसंगतियाँ नहीं होंगी।</p>	<p>कुछ पार्टियों से पुष्टि प्राप्त हो चुकी है और लेखा परीक्षकों को दिखाई जा चुकी है। हालाँकि, लेखा परीक्षकों की उक्त टिप्पणी को आगे के अनुपालन के लिए नोट किया गया है।</p>



31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ब्रेथवेट बर्न और जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) (बी) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के तहत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139 (5) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्धारित लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के तहत वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसा उनके द्वारा 28 जून 2024 की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 143(6)(ए) के तहत 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए दि ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का पूरा ऑडिट नहीं करने का निर्णय लिया है।

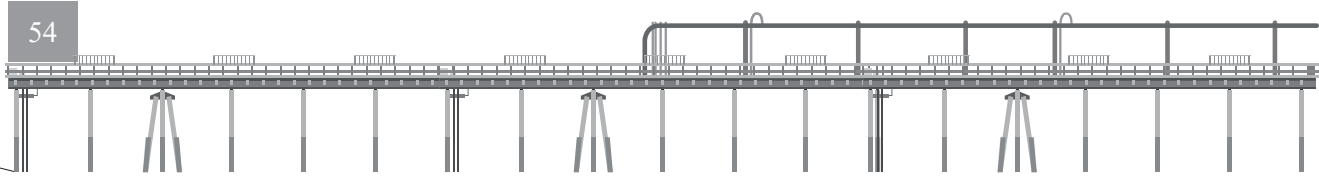
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए एवं उनकी ओर से

(बिभुदत्त बसंतिया)
महानिदेशक लेखापरीक्षा (खनि)
कोलकाता

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 31.07.2024





लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण



तुलन-पत्र

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

	टिप्पणी	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
परिसंपत्तियाँ			
गैर वर्तमान परिसंपत्तियाँ			
जायदाद, संयंत्र एवं उपकरण	2	572.94	667.67
अमूर्त परिसंपत्तियाँ	3	8.47	15.85
पूँजीगत कार्य प्रगतिधीन	4	-	-
वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
निवेश	5	3,174.47	3,170.30
व्यापार प्राप्य	6	-	-
अन्य	7	5,457.91	7,155.62
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ, शुद्ध	8	639.15	621.85
		9,852.53	1,16,311.29
वर्तमान परिसंपत्तियाँ			
भंडार	9	3,853.50	4,669.71
वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
व्यापार प्राप्य	6	2,343.28	2,776.63
नकद और नकदी के समतुल्य	10	2,280.41	3,107.15
अन्य बैंक बैलेंस	11	13,695.70	8,244.11
अन्य	7	43,769.24	44,338.89
वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ	12	456.29	593.05
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	13	982.49	1,433.57
		67,380.91	65,163.12
		77,233.83	76,794.41
कुल परिसंपत्तियाँ			
इक्विटी एवं देयताएँ			
इक्विटी			
इक्विटी शेयर पूँजी	14	12,086.05	12,086.05
अन्य इक्विटी	15	11,644.53	9,758.66
कुल इक्विटी		21,730.58	21,844.71
गैर वर्तमान देयताएँ			
वित्तीय देयताएँ			
उधारी	16	217.92	241.15
अन्य वित्तीय देयताएँ	20	121.49	121.49



	टिप्पणी	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
व्यापार देयताएँ	19		
- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि		323.55	321.70
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि (नोट 36 देखें)		-	-
प्रावधान	17	441.98	466.85
अन्य गैर-वर्तमान देयताएँ	18	4,156.89	4,545.65
		5,261.82	5696.84
वर्तमान देयताएँ			
वित्तीय देयताएँ			
उधारी	16	6,589.00	6,589.00
पट्टा देयताएँ		-	-
व्यापार देयताएँ	19		
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि		501.04	2,573.56
सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि (नोट 36 देखें)		-	-
अन्य वित्तीय देयताएँ	20	38,369.00	38,038.47
अन्य वर्तमान देयताएँ	18	2,701.14	2,028.62
वर्तमान कर देयताएँ	21	-	-
प्रावधान	17	81.26	23.20
		48,241.43	49,252.85
कुल देयताएँ		53,503.26	59,949.69
कुल इक्विटी और देयताएँ		77,233.83	76,794.41
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	1		
संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।			

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.मुखर्जी एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म की पंजीकरण संख्या: 302096E

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
सीआईएन: यू 70100 डब्ल्यूबी1986 जीओआई041286

सीए एस. के. मुखर्जी
साझेदार
सदस्यता संख्या 006601

कमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डी आई एन : 09832486

राजीव कुमार सिंह
निदेशक(तकनीकी)
डी आई एन : 09614219

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 28-06-2024

एसके घोष
निदेशक(वित्त)
डी आई एन : 10659781

एनके मिश्रा
कंपनी सचिव
पीएन : XXXXM3388P



लाभ और हानि का विवरण

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

विवरण	टिप्पणी	समाप्त वर्ष 31 मार्च 2024 के लिए	समाप्त वर्ष 31 मार्च 2023 के लिए
संचालन से राजस्व	22	25,010.37	30,178.97
अन्य आय	23	1,064.61	643.90
कुल आय		26,074.99	30,822.87
व्यय :			
उपभुक्त की गई सामग्री की लागत	24	6,449.10	8,091.78
भंडार में बदलाव और प्रगतिधीन कार्य	25	536.78	500.63
उपठेका और अन्य रूपांतरण शुल्क	25A	10,644.07	15,605.90
स्टोर, पुर्जों और ढीले उपकरणों की खपत	25B	453.02	632.69
कर्मचारी हित खर्च	26	3,325.23	2,805.60
वित्त लागत	27	69.29	90.63
मूल्यहास और परिशोधन व्यय	28	149.72	122.14
अन्य खर्चे	29	1,652.45	1,664.07
कुल खर्च		23,279.67	29,513.44
कर देने से पूर्व लाभ		2,795.32	1,309.43
कर व्यय			
वर्तमान कर	30	730.29	398.27
आस्थगित कर	30	1.99	25.30
कुल कर व्यय		732.29	423.57
वर्ष के लिए लाभ		2063.03	885.85
अन्य व्यापक आय			
वे मद जिन्हें लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		-	-
वे मद जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
आयकर प्रभाव	30	-	-
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय, कर के निवल		-	-
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय		2063.03	885.85
प्रति इक्विटी शेयर आय (1,000 भा.रु. का सांकेतिक मूल्य) भा.रु. में	37		
मूल		170.70	73.30
तनुकृत		170.70	73.30
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	1		

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.मुखर्जी एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म की पंजीकरण संख्या: 302096E

सीए.के. मुखर्जी
साझेदार
सदस्यता संख्या 006601

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 28-06-2024

कमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डी आई एन : 09832486

एसके घोष
निदेशक(वित्त)
डी आई एन : 10659781

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
सीआईएन: यू 70100 डब्ल्यूबी1986 जीओआई041286

राजीव कुमार सिंह
निदेशक(तकनीकी)
डी आई एन : 09614219

एनके मिश्रा
कंपनी सचिव
पीएन : XXXXM3388P



नकद प्रवाह का विवरण

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए
I. परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
कर देने से पूर्व लाभ	2,795.32	1,309.43
शुद्ध नकद प्रवाह से करपूर्व लाभ के मिलान के लिए समायोजन:		
मूर्त संपत्ति का मूल्यहास	142.33	117.57
अमूर्त संपत्ति का परिशोधन	7.38	4.57
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की विक्री पर लाभ (शुद्ध)	(2.03)	(51.96)
बैंक और सुरक्षा जमा पर ब्याज आय	(962.73)	(541.06)
आस्थागित परिसंपत्तियां	(19.29)	-
निवेश हानि	0.30	-
वित्त लागत	69.29	90.63
सरकारी अनुदान से विभाजित आय	-	-
ब्याज आय	(4.47)	(4.23)
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन लाभ	2026.11	924.95
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन:		
परिचालन परिसंपत्तियों में (वृद्धि)/कमी के लिए समायोजन		
व्यापार प्राप्य	433.35	(431.04)
भंडार	816.21	293.77
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां - वर्तमान	569.66	1,175.94
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	451.08	256.21
परिचालन देनदारियों में (वृद्धि)/कमी के लिए समायोजन		
व्यापार देनदारियाँ	(2070.67)	1693.95
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	330.53	(237.09)
अन्य वर्तमान देनदारियाँ	672.52	296.03
प्रावधान	33.18	(83.72)
संचालन से उत्पन्न नकदी	3,261.97	3,897.64
आयकर का भुगतान	(593.53)	(666.27)
प्रचालन क्रियाकलाप से/(में) उत्पन्न शुद्ध नकदी	2,668.44	3,231.37
II. निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण एवं अमूर्त (पूँजीगत कार्य प्रगतिधीन समेत) की खरीद	(47.64)	(352.26)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण एवं अमूर्त (पूँजीगत कार्य प्रगतिधीन समेत) का निपटान	2.06	82.50
बैंकों में 3 महीने से ज्यादा की मूल परिपक्वता वाली सावधि जमा का (निवेश) / विमोचन	(5,451.59)	(3,131.83)
प्राप्त ब्याज	962.73	541.06
तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष से अधिक परिपक्वता वाले बैंक में जमाराशियां	1697.71	(760.73)
निवेश गतिविधियों में उपयोग किया गया कुल नकद	(2836.72)	(3,621.26)



	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए
III. वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
लम्बी अवधि के उधार / (चुकौती) से प्राप्त शुद्ध आय	(411.99)	472.35
अल्प अवधि के उधार / (चुकौती) से प्राप्त शुद्ध आय	-	-
ब्याज का भुगतान किया	(69.29)	(90.63)
अंतिम लाभांश	(177.17)	(94.63)
अंतिम लाभांश पर कर	-	-
वित्तीय गतिविधियों द्वारा प्रदान की गई शुद्ध नकदी	(658.46)	287.10
नकद और नकद समकक्षों में शुद्ध वृद्धि (I+II+III)	(826.74)	(111.43)
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष	3107.15	3,218.58
वर्ष के अंत में नकद और नकद समकक्ष (नीचे टिप्पणी देखें)	2280.41	3,107.15
टिप्पणी:		
नकद और नकद समकक्ष में शामिल हैं:		
हाथ में नकद	2.57	3.80
बैंकों में नकद:		
- चालू खातों में	229.65	1,065.79
- तीन महीने से कम मूल परिपक्वता वाली रकम जमा खाते में	2,048.19	2,037.56
केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट	-	-
	2,280.41	3,107.15

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1

संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते बी.मुखर्जी एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म की पंजीकरण संख्या: 302096E

सीए एस. के. मुखर्जी
साझेदार
सदस्यता संख्या 006601

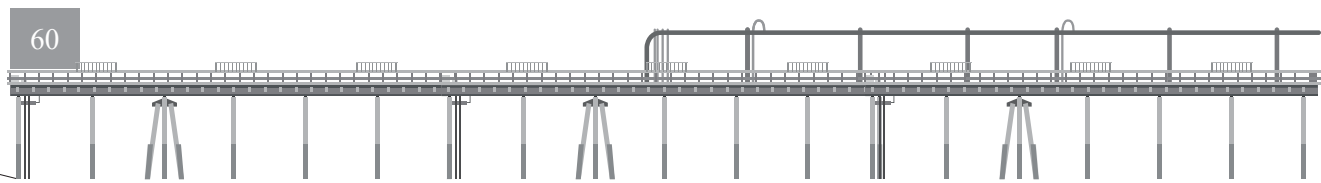
कमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डी आई एन : 09832486

राजीव कुमार सिंह
निदेशक(तकनीकी)
डी आई एन : 09614219

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 28-06-2024

एसके घोष
निदेशक(वित्त)
डी आई एन : 10659781

एनके मिश्रा
कंपनी सचिव
पीएन : XXXXM3388P



31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण
(शेयर डेटा को छोड़कर और जहां अन्यथा कहा गया हो, सभी राशि भारतीय रुपये में लाख)

क. इक्विटी शेयर पूंजी

	शेयरों की संख्या	राशि
1 अप्रैल, 2022 को शेष	12,08,605	12,086.05
31 मार्च, 2023 को शेष	12,08,605	12,086.05
जोड़ें: वर्ष के दौरान जारी किया गया	-	-
31 मार्च 2024 को शेष	12,08,605	12,086.05

ख. अन्य इक्विटी

विवरण	शेयर आवेदन राशि का आबंटन लंबित	पुनर्संरचना इक्विटी शेयर जमा	प्रारक्षित एवं अधिशेष				कुल
			प्रारक्षित पूंजी	सामान्य प्रारक्षित	प्रतिधारित आय	ऋणपत्र रिडेम्पशन रिजर्व	
31 मार्च 2022 को							
वर्ष का लाभ	-	-	0.06	1,473.65	7,377.57	116.16	8,967.43
प्रतिधारित आय से स्थानांतरण	-	-	-	-	885.85	-	885.85
अंतिम लाभांश	-	-	-	-	12.50	(12.50)	-
अंतिम लाभांश पर कर	-	-	-	-	(94.63)	-	(94.63)
अन्य व्यापक आय							
परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनः माप लाभ/ (हानि)	-	-	-	-	-	-	-
आयकर प्रभाव	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च, 2023 को			0.06	1,473.65	8,121.29	103.66	9,758.66
वर्ष का लाभ	-	-	-	-	2,063.03	-	2,063.03
अंतिम लाभांश	-	-	-	-	(177.17)	-	(177.17)
अंतिम लाभांश पर कर	-	-	-	-	-	-	-
प्रतिधारित आय में स्थानांतरण	-	-	-	-	12.50	(12.50)	-
अन्य व्यापक आय							
परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनर्माप लाभ/ (हानि), कर का निवल	-	-	-	-	-	-	-
आयकर प्रभाव	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2024 को शेष राशि			0.06	1,473.65	10,079.66	91.16	11,644.53

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1

संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते बी.मुखर्जी एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म की पंजीकरण संख्या: 302096E

सीए एस. के. मुखर्जी
साझेदार
सदस्यता संख्या 006601

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 28-06-2024

कमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डी आई एन : 09832486

एसके घोष
निदेशक(वित्त)
डी आई एन : 10659781

कृते एवं निदेशक मण्डल की ओर से
दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
सीआईएन: यू70100डब्ल्यूबी1986जीओआई041286

राजीव कुमार सिंह
निदेशक(तकनीकी)
डी आई एन : 09614219

एनके मिश्रा
कंपनी सचिव
पीएन : XXXXM3388P



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

1. कंपनी की जानकारी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

क. कंपनी ओवरव्यू :

दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ("कंपनी") भारत में अवस्थित एवं शेयरों (सीआईएन: यू70100डब्ल्यूबी1986 जीओआई 041286) द्वारा सीमित एक कंपनी है। कंपनी की पंजीकृत कार्यालय का पता 27, आर.एन. मुखर्जी रोड, मोदी बिल्डिंग, कोलकाता-700001 है। कंपनी फैब्रिकेशन समेत मुख्य रूप से निर्माण के व्यापार में युक्त है।

ख. वित्तीय विवरण की तैयारी का आधार :

1. अनुपालन का विवरण

ये वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रयोज्य प्रावधानों और कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिसूचित एवं प्रयोज्य के विस्तार तक), कंपनी (भारतीय लेखांकन मानकों) नियम 2015 व तदन्तर उनमें संशोधन के अधीन अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (भार ले मा) के अनुपालन तथा लेखांकन के प्रोद्भवन आधार पर तैयार किये गये हैं।

2. माप का आधार

ये वित्तीय विवरण अन्यथा उल्लिखित मदों को छोड़कर, भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) के अनुसार, कंपनी अधिनियम के प्रावधान के अनुसार ऐतिहासिक लागत परंपरा और प्रोद्भवन के आधार पर तैयार किए गए हैं।

3. वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण

तुलन-पत्र और लाभ व हानि का विवरण कंपनी अधिनियम 2013 ('अधिनियम') की अनुसूची III में निर्धारित प्रारूप में तैयार और प्रस्तुत किये जाते हैं। नकद प्रवाह का विवरण भारतीय लेखांकन मानक 7 के "नकद प्रवाह का विवरण" की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार और प्रस्तुत किया है। अधिनियम की अनुसूची III में निर्धारित अनुसार, तुलन-पत्र और लाभ और हानि के विवरण में वस्तुओं के संबंध में प्रकटीकरण आवश्यकताओं को वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाले नोट्स के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।

4. कार्यमूलक मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपयों में प्रस्तुत किए जाते हैं, जो कंपनी की कार्यमूलक मुद्रा है। किसी इकाई की कार्यमूलक मुद्रा प्राथमिक आर्थिक वातावरण की मुद्रा है जिसमें इकाई संचालित होती है।

भारतीय रुपये में प्रस्तुत की गई सभी वित्तीय जानकारी को निकटतम लाख (दो दशमलव तक) में पूर्णांकित किया गया है, अन्यथा बताए गए को छोड़कर।

5. प्रचालन चक्र

सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को कंपनी के सामान्य परिचालन चक्र और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III में निर्धारित अन्य मानदंडों के अनुसार वर्तमान या गैर-वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

परिसंपत्तियां :

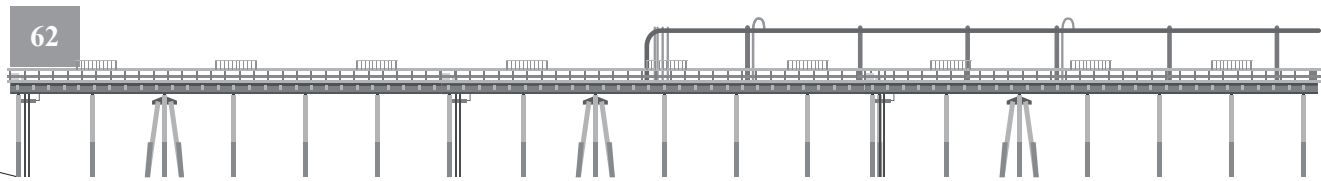
एक परिसंपत्ति को चालू के रूप में वर्गीकृत की जाती है जब वह निम्नलिखित मानदंडों में से किसी एक को पूरा करती हो :

क) कंपनी के सामान्य परिचालन चक्र में इसकी प्राप्ति की उम्मीद है, या बिक्री या उपभोग के लिए इरादा है;

ख) इसे प्राथमिक तौर पर व्यापार करने के उद्देश्य से रखा जाता है ;

ग) रिपोर्टिंग तिथि के बाद बारह महीने के अंदर उगाही का आशा की जाती है ; या

घ) यह नकद या नकद समतुल्य है, जब तक कि इसे रिपोर्टिंग तिथि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए किसी दायित्व का निपटान करने के लिए आदान-प्रदान या उपयोग करने से प्रतिबंधित न किया जाए।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

देयताएँ :

एक देयता को चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब वह निम्नलिखित मानदंडों में से किसी एक को पूरा करती हो :

- क) इसका कंपनी के सामान्य परिचालन चक्र में निपटान होने की उम्मीद है;
- ख) इसे प्राथमिक तौर पर व्यापार करने के उद्देश्य से रखा जाता है ;
- ग) इसका निपटान रिपोर्टिंग तिथि के बाद बारह महीने के भीतर किया जाना है; या
- घ) कंपनी के पास रिपोर्टिंग तिथि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए देनदारी के निपटान को स्थगित करने का बिना शर्त अधिकार नहीं है। देनदारी की शर्तें, जो प्रतिपक्ष के विकल्प पर, इक्विटी उपकरणों के मुद्दे के माध्यम से इसके निपटान में परिणत हो सकती हैं, इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करती हैं।

चालू परिसंपत्तियों / देयताओं में क्रम से अप्रचलित परिसंपत्तियों/ देयताओं के चालू अंश शामिल हैं। अन्य सभी परिसंपत्तियों / देयताओं को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों/देनदारियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

6. महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय तथा अनुमान अनिश्चितता के प्रमुख स्रोत

इंड एस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, अनुमान और धारणाएं बनाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और संपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की गई मात्रा और आकस्मिक देनदारियों और आकस्मिक संपत्तियों के प्रकटीकरण को प्रभावित करती हैं। वित्तीय विवरण की तारीख और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान संचालन के परिणाम और वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान और अंतर्निहित धारणाओं की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है जिसमें अनुमान संशोधित किए जाते हैं और भविष्य की कोई भी अवधि प्रभावित होगी। लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण निर्णयों के बारे में जानकारी, जिनका वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशियों पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, लेखांकन नीतियों और/या वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में शामिल हैं।

वित्तीय विवरणों की समझ बढ़ाने के लिए, लेखांकन नीतियों को लागू करने में अनुमान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों, अनिश्चितता और महत्वपूर्ण निर्णयों के बारे में जानकारी, जिनका वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशियों पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, इस प्रकार है:

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की पहचान – जिस सीमा तक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को पहचाना जा सकता है वह भविष्य की कर योग्य आय की संभावना के आकलन पर आधारित है जिसके तहत आस्थगित कर परिसंपत्तियों का उपयोग किया जा सकता है।

परिसंपत्तियों के हानि हेतु सूचकों का मूल्यांकन – परिसंपत्तियों की हानि के संकेतकों की प्रयोज्यता के मूल्यांकन के लिए कई बाहरी और आंतरिक कारकों के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है जिसके परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों की वसूली योग्य राशि में गिरावट हो सकती है।

वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि – प्रत्येक तुलन-पत्र में, अपेक्षित जीवन में देखी गई ऐतिहासिक डिफॉल्ट दरों के आधार पर, प्रबंधन बकाया वित्तीय परिसंपत्तियों पर अपेक्षित क्रेडिट हानि का आकलन करता है।

प्रावधान – प्रत्येक तुलन - पत्र की तारीख पर प्रबंधन निर्णय, तथ्यों और कानूनी पहलुओं में परिवर्तन, कंपनी बकाया आकस्मिक देयताओं के प्रति प्रावधानों की आवश्यकता का आकलन करती है। हालाँकि, वास्तविक भावी परिणाम अनुमान से भिन्न हो सकते हैं।

मूल्यहास योग्य/परिशोधन योग्य परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवन - प्रबंधन परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता के आधार पर, प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मूल्यहास योग्य/परिशोधन योग्य परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवन के अपने अनुमान की समीक्षा करता है। इन अनुमानों में अनिश्चितताएं तकनीकी और आर्थिक अप्रचलन से संबंधित हैं जो परिसंपत्तियों की उपयोगिता को बदल सकती हैं।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) – डीबीओ का प्रबंधन का अनुमान कई अंतर्निहित धारणाओं जैसे मुद्रास्फीति की मानक दरें, मृत्यु दर, छूट दर और भविष्य में वेतन वृद्धि की प्रत्याशा पर आधारित है। इन धारणाओं में भिन्नता डीबीओ राशि और वार्षिक परिभाषित लाभ व्यय पर पर्याप्त प्रभाव डाल सकते हैं।

उचित मूल्य मापन – प्रबंधन वित्तीय साधनों (जहां सक्रिय बाजार बोलियां उपलब्ध नहीं हैं) के उचित मूल्य का निर्धारण करने के लिए मूल्यांकन तकनीकों का प्रयोग करता है, इसमें ऐसे अनुमान और धारणाएं विकसित करना शामिल है जो बाजार सहभागियों द्वारा उपकरण की कीमत तय करने के अनुरूप हों।

7. उचित मूल्यों का मापन

कतिपय कंपनी की लेखांकन नीतियों तथा प्रकटीकरण में उचित मूल्यों का मापन, वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों व देयताओं दोनों हेतु आवश्यक है।

मूल्यांकन तकनीकों में उपयोग किए गए इनपुट के आधार पर उचित मूल्यों को उचित मूल्य पदानुक्रम में विभिन्न स्तरों में वर्गीकृत किया गया है:

- स्तर 1 : समान परिसंपत्तियों या देयताओं हेतु सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतें (असमायोजित)
- स्तर 2 : स्तर 1 में शामिल उद्धृत कीमत के अलावा अन्य इनपुट जो परिसंपत्तियों या देयताओं, के लिए प्रत्यक्ष रूप से (यानी कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (यानी कीमतों से प्राप्त) ध्यान देने योग्य हैं।
- स्तर 3 : परिसंपत्ति या देयता हेतु इनपुट जो ध्यान देने योग्य बाजार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (न ध्यान देने योग्य इनपुट)

किसी परिसंपत्ति या देयता के उचित मूल्य को मापते समय, कंपनी जहां तक संभव हो अवलोकन योग्य बाजार डेटा का उपयोग करती है। यदि किसी परिसंपत्ति या देयता के उचित मूल्य को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले इनपुट उचित मूल्य पदानुक्रम के विभिन्न स्तरों में आते हैं, तो उचित मूल्य माप को उचित मूल्य पदानुक्रम के समान स्तर में निम्नतम स्तर के इनपुट के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। संपूर्ण माप के लिए महत्वपूर्ण है।

कंपनी रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्य पदानुक्रम के स्तरों के बीच स्थानांतरण को मान्यता देती है, जिसके दौरान परिवर्तन हुआ है।

ग. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

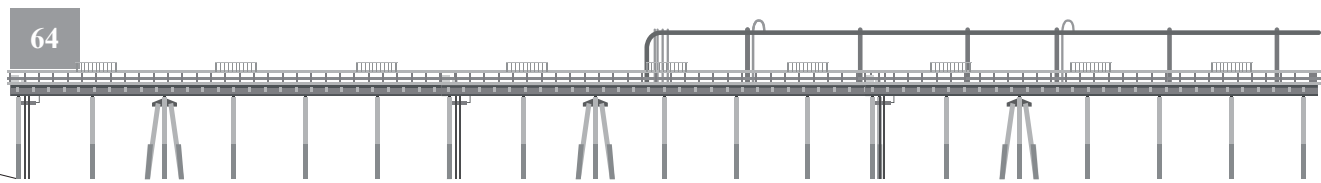
1. राजस्व मान्यता

क) निर्माण क्रियाकलापों से राजस्व निम्नानुसार प्रतिचिह्नित किये जाते हैं :

निर्माण अनुबंध से राजस्व निम्नानुसार पहचाना जाता है, इंड ए एस 115 “ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व” के अनुसार, निर्माण और सेवा गतिविधियों से राजस्व की पहचान “समय के साथ” पद्धति पर आधारित होती है और कंपनी डिलीवरी की प्रगति को मापने के लिए आउटपुट पद्धति का उपयोग करती है। जब व्यक्तिगत अनुबंधों के नतीजे का अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है, तो रिपोर्टिंग तिथि पर पूरा होने के चरण के संदर्भ में अनुबंध राजस्व और अनुबंध लागत को क्रमशः राजस्व और व्यय के रूप में पहचाना जाता है। लागतों को खर्च के रूप में मान्यता दी जाती है और राजस्व को अनुबंध की अनुमानित कुल लागत के लिए रिपोर्टिंग तिथि पर कुल लागत के अनुपात के आधार पर मान्यता दी जाती है।

किसी अनुबंध का अनुमानित परिणाम तब विश्वसनीय माना जाता है जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी होती हैं:

- i. राजस्व की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है;
- ii. यह संभावना है कि अनुबंध से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे;



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

iii. रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अनुबंध के पूरा होने के चरण को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है; और

iv. अनुबंध के संबंध में होने वाली या होने वाली लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

किसी अनुबंध पर अपेक्षित हानि, यदि कोई हो, तो अनुबंध के पूरा होने के चरण पर ध्यान दिए बिना, उसको उस अवधि में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें यह अनुमानित है।

ऐसे किए गए कार्य जिनके लिए बिल की गई राशि लेकिन जिसका अभी तक ग्राहक द्वारा भुगतान किया जाना है, उनका तुलन पत्र में व्यापार प्राप्य के रूप में प्रकट किया गया है। ग्राहकों द्वारा रखे गए प्रतिधारण धन की राशि को अन्य मौजूदा परिसंपत्तियों के हिस्से के रूप में प्रकट किया जाता है और भुगतान के लिए देय होने पर व्यापार प्राप्तियों के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।

ख) माल की बिक्री : माल की बिक्री से प्राप्त राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी ने खरीदार को माल के स्वामित्व के महत्वपूर्ण जोखिम और पुरस्कार हस्तांतरित कर दिए हैं, यह अब बेचे गए माल पर नियंत्रण बरकरार नहीं रखता है, राजस्व की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है, यह संभव है कि लेनदेन से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी में प्रवाहित होंगे और लेनदेन के संबंध में होने वाली या होने वाली लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

ग) सेवा प्रदान : सेवा प्रदान से राजस्व प्रतिचिह्नित किया जाता है जब लेन-देन का परिणाम लेन-देन के संपूर्ण चरण के संदर्भ द्वारा विश्वसनीय रूप में अनुमानित किया जा सकता है। लेन-देन का परिणाम विश्वसनीय रूप में अनुमानित किया जा सकता है जब निम्नलिखित सभी शर्तें संतुष्ट करती हों :

1. राजस्व की राशि विश्वसनीय रूप में मापी जा सकती है,
2. यह संभव है कि लेन-देन से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी की ओर प्रवाहित होंगे,
3. रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लेन-देन संपूर्ण चरण विश्वसनीय रूप से मापे जा सकते हैं, तथा
4. लेन-देन के संबंध में उपगत या उपगत होने वाली लागत विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है।

संपूर्ण चरण लेन-देन की अनुमानित कुल लागत के लिए आज तक उपगत वास्तविक लागत के समानुपात द्वारा निर्धारित किया जाता है, गैर बिलकृत राजस्व ठेका शर्तों के अनुरूप की गयी सेवा लेकिन विकृत नहीं के मूल्य को दर्शाती है।

सेवाएँ प्रदान करना: सेवाएँ प्रदान करने से होने वाले राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब लेन-देन के परिणाम का अनुमान लेन-देन के पूरा होने के चरण के संदर्भ में विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है। लेन-देन के परिणाम का अनुमान विश्वसनीय रूप से तब लगाया जा सकता है जब निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी होती हैं:

1. राजस्व की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है;
2. यह संभव है कि लेन-देन से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे;
3. रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लेनदेन के पूरा होने के चरण को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है; और
4. लेन-देन के संबंध में हो चुके या होने वाली लागत को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

समापन का चरण लेनदेन की अनुमानित कुल लागत के लिए आज तक की गई वास्तविक लागत के अनुपात से निर्धारित होता है। बिना बिल किया गया राजस्व अनुबंध की शर्तों के अनुसार निष्पादित सेवाओं के मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन बिल नहीं किया जाता है।

घ) ब्याज से आय : वित्तीय परिसंपत्तियों से ब्याज आय की पहचान की जाती है जब यह संभव हो कि आर्थिक लाभ कंपनी को प्रवाहित हो तथा आय की राशि विश्वसनीय रूप से मापी जा सकती है। ब्याज आय मूल बकाया संदर्भ तथा प्रयोज्य प्रभावी ब्याज दर द्वारा, समय समानुपात के आधार पर प्रोद्भूत किया जाता है, यह वह दर है जो प्रारंभिक पहचान पर परिसंपत्तियों की निवल वाहक राशि को वित्तीय परिसंपत्तियों के, प्रत्याशित जीवन के माध्यम अनुमानित भावी नकद प्राप्तियों को वास्तव में कम करता है।

ब्याज आय: किसी वित्तीय परिसंपत्ति से ब्याज आय को तब मान्यता दी जाती है जब यह संभव हो कि कंपनी को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा और आय



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

की मात्रा को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

ब्याज आय समय अनुपात के आधार पर, बकाया मूलधन और लागू प्रभावी ब्याज दर के संदर्भ में अर्जित की जाती है, यह वह दर है जो वित्तीय परिसंपत्तियों के अपेक्षित जीवन के माध्यम से अनुमानित भविष्य की नकदी प्राप्तियों को प्रारंभिक पर उस परिसंपत्ति की शुद्ध वहन राशि से छूट देती है। मान्यता।

यह वह दर है जो प्रारंभिक मान्यता पर उस परिसंपत्ति की शुद्ध वहन राशि, वित्तीय परिसंपत्तियों के अपेक्षित जीवन के माध्यम से अनुमानित भविष्य की नकद प्राप्तियों को पहचान लेती है।

ड) लाभांश आय : लाभांश आय को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी का लाभांश प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है।

2 पट्टे

पट्टों का हिसाब इंड ए एस 116 के अनुसार किया जाता है जो 1 अप्रैल, 2019 से अनिवार्य हो गया है।

पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों के रूप में दर्ज किया जाता है और संबंधित पट्टे की देनदारी को पट्टे की शुरुआत की तारीख पर दर्ज किया जाता है।

प्रारंभ में उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति को लागत पर मापा जाता है जिसमें प्रारंभ तिथि पर या उससे पहले किए गए किसी भी पट्टे के भुगतान के लिए समायोजित पट्टा देयता की प्रारंभिक राशि शामिल होती है, साथ ही कोई भी प्रारंभिक प्रत्यक्ष खर्च और अंतर्निहित परिसंपत्ति को खोलना और हटाने या अंतर्निहित परिसंपत्ति या जिस साइट पर यह स्थित है उसे बहाल करने की लागत का अनुमान होता है, प्राप्त किसी भी पट्टे के प्रोत्साहन को घटाकर।

पट्टे देयता को शुरू में कंपनी की वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करके छूट देने के बाद पट्टे भुगतान के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। इसे तब दोबारा मापा जाता है जब सूचकांक या दर में बदलाव, या गारंटीकृत अवशिष्ट मूल्य के अनुमान में बदलाव, या खरीद, विस्तार या समाप्ति विकल्प के मूल्यांकन में बदलाव से उत्पन्न होने वाले भविष्य के पट्टा भुगतान में कोई बदलाव होता है। जब पट्टे की देनदारी को इस तरह से दोबारा मापा जाता है, तो उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति की अग्रणीत राशि के अनुरूप समायोजन किया जाता है, या यदि उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति की अग्रणीत राशि को शून्य कर दिया गया है तो इसे लाभ और हानि के विवरण में दर्ज किया जाता है।

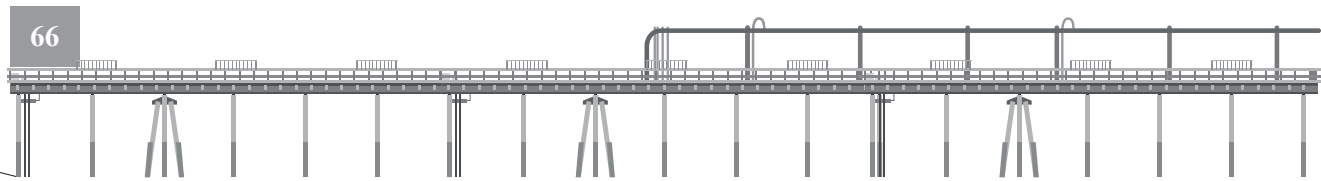
लागत मॉडल के प्रयोग करके संपत्ति के उपयोग का अधिकार मापा जाता है यानी लागत पर सम्पत्ति के उपयोग के अधिकार में से मूल्यहास और संचयी हानि घटाकर किया जाता है।

सीधी-रेखा विधि के प्रयोग से सम्पत्ति के उपयोग के अधिकार का मूल्यहास पट्टे की प्रारंभ की तारीख से पट्टे की समाप्त अवधि तक या अंतर्निहित परिसंपत्ति की उपयोग की अवधि जो भी पहले हो, निकाला जाता है। पट्टे की देयता की वहन राशि पट्टे की देयता पर ब्याज द्वारा बढ़ जाती है और पट्टे की भुगतान से कम हो जाती है।

निम्नलिखित पट्टों के साथ जुड़े पट्टे के भुगतान को सीधी-रेखा के आधार पर व्यय के रूप में पहचान की जाती है : (i) कम मूल्य के पट्टे, और (ii) पट्टे जो अल्पकालिक हैं।

पट्टे पर दी गई संपत्तियों को या तो परिचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। किसी पट्टे को वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित स्वामित्व के लिए सभी आनुषंगिक जोखिमों और प्रतिफलों को पर्याप्त रूप से स्थानांतरित करता है। शुरुआत में वित्त पट्टे के अधीन रखी सम्पत्तियां तुलन-पत्र में पहचान की जाती है और और पट्टे में शुद्ध निवेश के बराबर राशि के तौर पर प्राप्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। पट्टे की अवधि में वित्त आय की पहचान की जाती है, यह एक पैटर्न के आधार पर होता है जो पट्टे में कंपनी के शुद्ध निवेश पर निरंतर आवधिक दर को दर्शाता है। पट्टा जिसे वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया हो वह एक परिचालन पट्टा है।

कंपनी प्रचालन पट्टे पर दी गयी परिसंपत्तियों के मामले में सीधी रेखा आधार पर पट्टे से प्राप्तियों को आय के रूप में मानती है। कंपनी संपत्ति से संबंधित वर्ग के तहत अपनी तुलन-पत्र में परिचालन पट्टे के साथ अंतर्निहित परिसंपत्तियां प्रस्तुत करती है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

3 विदेशी मुद्रा

कंपनी का वित्तीय विवरण तैयार करने में, कंपनी की कार्यकारी मुद्रा के अलावा (विदेशी मुद्रा) किसी भी मुद्रा में लेनदेन, लेनदेन की तिथियों पर प्रचलित मुद्रा दरों पर प्रतिचिह्नित किये जाते हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक वस्तुओं को उस तिथि पर प्रचलित दरों पर पुनः प्रतिचिह्नित किया जाता है। विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के संदर्भ में मापी जाने वाली गैर-मौद्रिक वस्तुओं को दोबारा प्रतिचिह्नित नहीं किया जाता है। मौद्रिक वस्तुओं पर विनिमय अंतर को उस अवधि में लाभ या हानि में पहचाना जाता है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

4. उधारी लागत

किसी अर्हताप्राप्त परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए जिम्मेदार विशिष्ट उधार लागत को ऐसी परिसंपत्ति की लागत के हिस्से के रूप में तब तक पूंजीकृत किया जाता है जब तक कि परिसंपत्ति अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार न हो जाए और उधार लेने की लागत खर्च न हो जाए।

एक अर्हक परिसंपत्ति एक ऐसी परिसंपत्ति है जिसे अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने में आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लगता है। अन्य सभी उधार लागतों को उस अवधि में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें वे खर्च किए गए हैं।

उधार लेने की लागत में ब्याज व्यय, छूट का परिशोधन, धन उधार लेने के संबंध में होने वाली सहायक लागत और विदेशी मुद्रा उधार से उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर शामिल हैं, जिन्हें ब्याज लागत के समायोजन के रूप में माना जाता है।

5 आयकर

आयकर व्यय चालू और आस्थगित कर मिलकर बनता है। आयकर व्यय को आय विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि यह सीधे इक्विटी में मान्यता प्राप्त वस्तुओं से संबंधित है, जिस स्थिति में इसे इक्विटी में मान्यता दी जाती है।

चालू कर

चालू कर वर्तमान कर वर्ष के लिए रिपोर्टिंग तिथि पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित कर दरों का उपयोग करते हुए, और पिछले वर्षों के संबंध में देय कर में कोई समायोजन हो तो करते हुए, कर योग्य आय पर देय अपेक्षित कर है।

आस्थगित कर

आस्थगित कर तुलन-पत्र पद्धति का व्यवहार कर, वित्तीय रिपोर्टिंग उद्देश्यों हेतु परिसंपत्तियों और देयताओं की संवाहक राशि तथा कराधान उद्देश्यों हेतु व्यहृत राशि के बीच अस्थायी अंतर प्रावधानित कर प्रतिचिह्नित किया जाता है। आस्थगित कर निम्नलिखित अस्थायी अंतरों हेतु प्रतिचिह्नित नहीं किया जाता है : लेनदेन में परिसंपत्तियों या देयताओं की प्रारंभिक प्रतिचिह्नित जो एक व्यापार संयोजन नहीं है और वह न तो लेखांकन न ही कर योग्य लाभ को प्रभावित करता है; सहायक कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में निवेश से संबंधित मतभेद इस हद तक कि यह संभव है कि वे निकट भविष्य में उलट नहीं होंगे; और सद्भावना की प्रारंभिक मान्यता पर उत्पन्न होने वाले कर योग्य अस्थायी अंतर

आस्थगित कर उन कर दरों पर मापा जाता है जिन्हें, अस्थायी अंतरों पर लागू किया जाता है, जो कि कानूनों के आधार पर लागू किये गये या पर्याप्त रूप से अधिनियमित किये गये कानूनों के आधार पर होते हैं।

यदि वर्तमान कर देनदारियों और परिसंपत्तियों की भरपाई करने का कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार है, तो स्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों की भरपाई की जाती है, और वे एक ही कर योग्य इकाई पर या विभिन्न कर संस्थाओं पर एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए आयकर से संबंधित होते हैं, लेकिन वे वर्तमान कर देनदारियों और परिसंपत्तियों को शुद्ध आधार पर निपटाने का इरादा रखते हैं या उनकी कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को एक साथ वसूल किया जाएगा।

एक आस्थगित कर परिसंपत्ति को इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभावना है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके प्रति अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों की समीक्षा की जाती है और उन्हें इस हद तक कम कर दिया जाता है कि संबंधित कर लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं रह जाती है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

6 प्रति शेयर आय

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए प्रति शेयर मूल और तनुकृत आय (“ईपीएस”) डेटा प्रस्तुत करती है। प्रति शेयर मूल कमाई की गणना वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से इक्विटी शेयरधारकों पर अधिरोप्य निवल लाभ को विभाजित करके की जाती है।

प्रति शेयर तनुकृत आय की गणना, तनुकृत संभावित इक्विटी शेयरों से संबंधित वर्ष के लिए इक्विटी शेयरधारकों पर अधिरोप्य निवल लाभ को प्रति शेयर मूल आय प्राप्त करने के लिए विचार किए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। सभी तनुकृत संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किया जा सकता था | संभावित इक्विटी शेयरों को केवल तभी तनुकृत माना जाता है जब उनके इक्विटी शेयरों में रूपांतरण से प्रति शेयर शुद्ध लाभ कम हो जाए।

7 संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण

पीपीई की प्रारंभिक लागत में इसका खरीद मूल्य शामिल है, जिसमें आयात शुल्क और गैर-वापसीयोग्य खरीद कर शामिल हैं, और किसी संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए काम करने की स्थिति और स्थान पर लाने की कोई भी प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार लागत, जिसमें प्रासंगिक उधार लागत और डिकमीशनिंग की कोई अपेक्षित लागत, कम संचित मूल्यहास और संचित हानि, यदि कोई हो, शामिल है।

पीपीई को परिचालन में लाने के बाद किए गए व्यय, जैसे कि मरम्मत और रखरखाव, उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में शामिल किए जाते हैं, जिसमें लागत खर्च की जाती है।

यदि पीपीई की किसी वस्तु के महत्वपूर्ण हिस्सों का उपयोगी जीवन अलग-अलग है, तो उन्हें पीपीई की अलग-अलग वस्तुओं (प्रमुख घटकों) के रूप में गिना जाता है।

अतिरिक्त पुर्जे, स्टैंड-बाय उपकरण और सेवा उपकरण जैसी सामग्री वस्तुओं को पीपीई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब वे इंडस्ट्रीज 16 - संपत्ति, संयंत्र और उपकरण में निर्दिष्ट पीपीई की परिभाषा को पूरा करते हैं। 10,000/- रुपये या उससे कम लागत वाली संपत्ति, संयंत्र और उपकरण अधिग्रहण के वर्ष में पूरी तरह से मूल्यहास हो गए हैं |

7.1 निर्माण अवधि के दौरान व्यय

निर्माण अवधि के दौरान व्यय (योग्य पीपीई के निर्माण या अधिग्रहण के लिए उधार ली गई धनराशि से संबंधित वित्तपोषण लागत सहित) को पूंजीगत कार्य-प्रगति के तहत शामिल किया गया है, और इसे उनके निर्माण के पूरा होने पर संबंधित पीपीई को आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर बकाया पीपीई के अधिग्रहण या निर्माण के लिए दिए गए अग्रिमों को “अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों” के तहत पूंजीगत अग्रिम के रूप में प्रकट किया जाता है।

7.2 मूल्यहास

मूल्यहास पीपीई की उसके उपयोगी जीवन पर मूल्यहास राशि का व्यवस्थित आवंटन है और अधिनियम की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी जीवन पर लिखित डाउन वैल्यू विधि के अनुसार प्रदान किया जाता है।

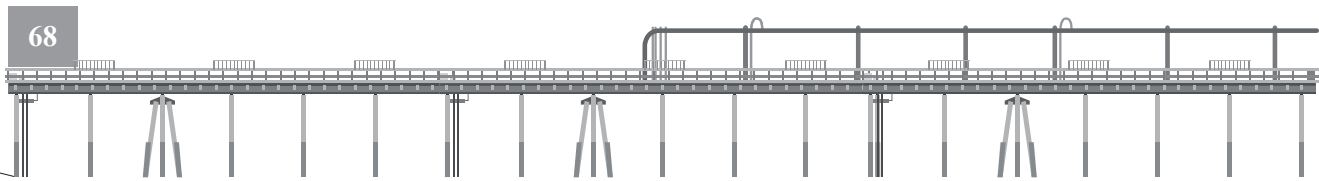
पीपीई के लिए मूल्यहास राशि पीपीई की अनुमानित अवशिष्ट मूल्य को घटाकर उसकी लागत है। पीपीई का उपयोगी जीवन वह अवधि है जिसके दौरान पीपीई कंपनी द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है, या कंपनी द्वारा परिसंपत्ति से प्राप्त होने वाले उत्पादन या समान इकाइयों की संख्या।

अतिरिक्त पर मूल्यहास स्थापना या अधिग्रहण के माह से समानुपातिक आधार पर प्रावधान किया जाता है। कटौती/निस्तारण पर मूल्यहास कटौती/निस्तारण की तिथि तक समानुपातिक आधार पर प्रावधानित किया जाता है।

निपटान पर लाभ और हानि का निर्धारण आय की वहन राशि के साथ तुलना करके किया जाता है। ये लाभ और हानि के विवरण में शामिल हैं।

8 अमूर्त परिसंपत्तियां और परिशोधन

अमूर्त संपत्तियों को लागत से कम संचित परिशोधन और हानि पर बताया गया है। अमूर्त संपत्तियों का उनके उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख से सीधी रेखा के आधार पर उनके संबंधित अनुमानित उपयोगी जीवन पर परिशोधन किया जाता है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

परिशोधन

एक पहचाने जाने योग्य अमूर्त संपत्ति का अनुमानित उपयोगी जीवन कई कारकों पर आधारित है, जिसमें अप्रचलन, मांग, प्रतिस्पर्धा और अन्य आर्थिक कारकों (जैसे उद्योग की स्थिरता और ज्ञात तकनीकी प्रगति) के प्रभाव और परिसंपत्ति से अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह प्राप्त करने के लिए आवश्यक रखरखाव व्यय का स्तर शामिल है।

कंपनी 3 साल की अवधि में सीधी-रेखा पद्धति का उपयोग करके कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का परिशोधन करती है

9 सामान-सूची

सामान-सूची अप्रचलन हेतु प्रावधानित करने के बाद मूल्यांकित की जाती है, जो निम्नानुसार है :

- कच्चे माल, घटक, निर्माण सामग्री, भंडार, पुर्जे व खुले यंत्र भारत औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य से कम पर। हालांकि, इन वस्तुओं को लागत पर वसूली योग्य माना जाता है यदि तैयार उत्पाद जिसमें उनका उपयोग किया जाएगा, लागत पर या उससे ऊपर बेचे जाने की उम्मीद है।
- विशिष्ट पहचान योग्य लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य से कम पर निर्माण गतिविधि के संबंध में पूर्ण संपत्ति/कार्य प्रगति पर है।

शुद्ध वसूली योग्य मूल्य (एनआरवी) का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किया जाता है और जब वे परिस्थितियां जिनके कारण पहले लागत से नीचे माल को लिखा जाता था, अब मौजूद नहीं हैं या जब बदली हुई आर्थिक परिस्थितियों के कारण शुद्ध वसूली योग्य मूल्य में वृद्धि का स्पष्ट सबूत है, तो पिछली अवधि में राइट-डाउन, यदि कोई हो, को लिखी गई मूल राशि की सीमा तक उलट दिया जाता है ताकि परिणामी वहन राशि लागत और संशोधित शुद्ध वसूली योग्य मूल्य से कम हो।

10 नकद और नकद समतुल्य

तुलन-पत्र में नकद और नकद समकक्षों में बैंक और हाथ में नकदी और बैंकों के पास अल्पकालिक जमा शामिल होते हैं जो आसानी से नकदी में परिवर्तनीय होते हैं जो मूल्य में परिवर्तन के महत्वहीन जोखिम के अधीन होते हैं और अल्पकालिक नकदी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के उद्देश्य से रखे जाते हैं।

11 नकद प्रवाह का विवरण

नकदी प्रवाह का विवरण नकदी प्रवाह को परिचालन, निवेश और वित्तपोषण गतिविधियों में अलग करके तैयार किया जाता है। परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित प्रभावों के लिए असाधारण वस्तुओं को छोड़कर कर से पहले लाभ को समायोजित किया जाता है:

नकद प्रवाह का विवरण प्रचालन, निवेश और वित्तीय क्रियाकलापों में नकद प्रवाह को अलग कर तैयार किया जाता है। परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह को अप्रत्यक्ष विधि का उपयोग करके रिपोर्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित प्रभावों के लिए असाधारण वस्तुओं को छोड़कर कर से पहले लाभ को समायोजित किया जाता है:

- अवधि के दौरान इन्वेंट्री और परिचालन प्राप्य और गैर-नकद प्रकृति के देय लेनदेन में परिवर्तन;
- गैर-नकद मद जैसे मूल्यहास, प्रावधान, अप्राप्त विदेशी मुद्रा लाभ और हानि; और
- अन्य सभी मद जिनके लिए नकदी प्रभाव निवेश या नकदी प्रवाह का वित्तपोषण कर रहे हैं।

नकदी प्रवाह के विवरण में दिखाए गए नकदी और नकदी समतुल्य (बैंक शेष सहित) उन मदों को शामिल नहीं करते हैं जो तुलन-पत्र की तारीख के तिथि को आम व्यवहार हेतु उपलब्ध नहीं है।

12 सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान वहीं प्रतिचिह्नित होता है जहां पर यह तर्कसंगत आश्वासन हो कि अनुदान प्राप्त किया जाएगा तथा सभी संलग्न शर्तें पूरी की जाएंगी।

जहां कंपनी गैर-नकदी अनुदान प्राप्त करती है, परिसंपत्ति और अनुदान उचित मूल्य पर गिने जाते हैं तथा परिसंपत्ति के प्रत्याशित उपयोगी जीवन में लाभ और हानि के विवरण में प्रतिचिह्नित किया जाता है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

13 गैर वित्तीय परिसंपत्तियों का हास

कंपनी की गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों, सूची और आस्थगित कर परिसंपत्तियों की अग्रणीत राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि हानि का कोई संकेत है या नहीं। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाया जाता है।

किसी परिसंपत्ति या नकदी पैदा करने वाली इकाई की वसूली योग्य राशि (जैसा कि नीचे परिभाषित किया गया है) उपयोग में इसके मूल्य से अधिक है और बेचने की लागत से इसका उचित मूल्य कम है।

उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को कर-पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो पैसे के समय मान के वर्तमान बाजार आकलन और परिसंपत्ति या नकदी पैदा करने वाली इकाई के लिए विशिष्ट जोखिमों को दर्शाता है।

हास परीक्षण के प्रयोजन के लिए, परिसंपत्तियों को परिसंपत्तियों के सबसे छोटे समूह में एक साथ समूहीकृत किया जाता है जो निरंतर उपयोग से नकदी प्रवाह उत्पन्न करता है जो अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्तियों के समूहों ("नकदी पैदा करने वाली इकाई") के नकदी प्रवाह से काफी हद तक स्वतंत्र होता है।

यदि किसी परिसंपत्ति या उसकी नकदी पैदा करने वाली इकाई की अनुमानित वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम है, तो आय विवरण में हासित हानि को मान्यता दी जाती है। पूर्व अवधियों में पहचानी गई हासित हानियों का मूल्यांकन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किसी भी संकेत के लिए किया जाता है कि हानि कम हो गई है या अब मौजूद नहीं है। यदि वसूली योग्य राशि निर्धारित करने के लिए उपयोग किए गए अनुमानों में कोई बदलाव हुआ है तो हासित हानि को उलट पुनरीक्षित किया जाता है। एक हासित हानि को केवल उस सीमा तक उलटा किया जाता है, जब परिसंपत्ति की वहन राशि उस वहन राशि से अधिक न हो जो निर्धारित की गई होती, मूल्यहास या परिशोधन को छोड़कर, यदि कोई हासित हानि की पहचान नहीं की गई होती। किसी सहयोगी में निवेश की वहन राशि का हिस्सा बनने वाली सद्भावना को अलग से मान्यता नहीं दी जाती है, और इसलिए हानि के लिए अलग से परीक्षण नहीं किया जाता है।

इसके बजाय, किसी सहयोगी में निवेश की पूरी राशि को एकल परिसंपत्ति के रूप में हास के लिए परीक्षण किया जाता है, जब वस्तुनिष्ठ साक्ष्य होता है कि किसी सहयोगी में निवेश खराब हो सकता है। इक्विटी खाते वाले निवेशिती के संबंध में हासित हानि को निवेश की वसूली योग्य राशि की उसकी अग्रणीत राशि के साथ तुलना करके मापा जाता है। हासित हानि को आय विवरण में पहचाना जाता है, और यदि वसूली योग्य राशि निर्धारित करने के लिए उपयोग किए गए अनुमानों में अनुकूल परिवर्तन हुआ है तो इसे उलट दिया जाता है।

14 कर्मचारी लाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ

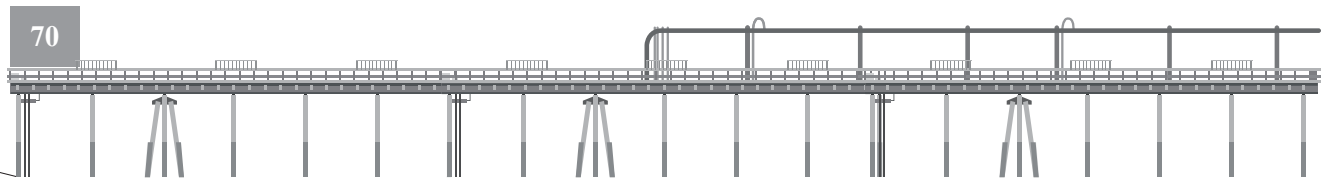
संबंधित सेवा प्रदान किए जाने पर अल्पकालिक कर्मचारी लाभ खर्च हो जाते हैं। भुगतान की जाने वाली अपेक्षित राशि के लिए एक दायित्व को मान्यता दी जाती है यदि कंपनी के पास कर्मचारी द्वारा प्रदान की गई पिछली सेवा के परिणामस्वरूप इस राशि का भुगतान करने का वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है और दायित्व का अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है।

परिभाषित योगदान योजनाएं

परिभाषित योगदान योजनाओं में कंपनी के योगदान को कर्मचारियों से सेवाएँ प्राप्त होने पर आय विवरण में शामिल किया जाता है।

परिभाषित लाभ योजनाएं

परिभाषित लाभ योजनाओं और रोजगार के बाद के अन्य लाभों के संबंध में देयता की गणना योग्य बीमांककों की सलाह के अनुरूप अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बांडों की ब्याज दरों का उपयोग करके अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जो उस मुद्रा में मूल्यवर्गित होते हैं जिसमें लाभ का भुगतान किया जाएगा, और जिनकी परिपक्वता की शर्तें संबंधित परिभाषित लाभ दायित्व का शर्तों के करीब होती हैं।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

कर्मचारी लाभ व्यय में आय विवरण में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ योजना की वर्तमान सेवा लागत, चालू वर्ष में कर्मचारी सेवा, लाभ परिवर्तन, कटौती और निपटान के परिणामस्वरूप परिभाषित लाभ दायित्व में वृद्धि को दर्शाती है। पिछली सेवा लागतों को आय में तुरंत पहचाना जाता है।

शुद्ध ब्याज लागत की गणना परिभाषित लाभ दायित्व के शुद्ध शेष और योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य पर छूट दर लागू करके की जाती है।

यह लागत आय विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय में शामिल है। अनुभव समायोजन और बीमाकिक धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले बीमाकिक लाभ और हानि को उस अवधि में अन्य व्यापक आय में इक्विटी में चार्ज या जमा किया जाता है, जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

समाप्ति लाभ

समाप्ति लाभों को एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जब कंपनी स्पष्ट रूप से वापसी की वास्तविक संभावना के बिना, सामान्य सेवानिवृत्ति की तारीख से पहले रोजगार समाप्त करने के लिए एक औपचारिक विस्तृत योजना के लिए प्रतिबद्ध होती है, या स्वैच्छिक अतिरेक को प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रस्ताव के परिणामस्वरूप समाप्ति लाभ प्रदान करती है।

स्वैच्छिक अतिरेक के लिए समाप्ति लाभ को एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है यदि कंपनी ने स्वैच्छिक अतिरेक को प्रोत्साहित करने वाला प्रस्ताव दिया है, तो यह संभव है कि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा, और स्वीकृतियों की संख्या का अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है।

समाप्ति लाभों को एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जब कंपनी, आहरण की बिना यथार्थवादी संभावना के, या तो सामान्य सेवानिवृत्ति की तिथि के पूर्व नियोजन समाप्त करने की एक औपचारिक विस्तृत योजना के लिए या स्वैच्छिक बारम्बारता प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रस्ताव के परिणाम स्वरूप समाप्ति लाभ प्रावधानित करने के लिए एक निदर्शन रूप में समर्पित है। स्वैच्छिक बारम्बारता हेतु समाप्ति लाभों को एक व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है अगर कंपनी ने स्वैच्छिक बारम्बारता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रस्ताव की है, तो यह संभव है कि प्रस्ताव स्वीकार किया जाएगा, तथा स्वीकृतियों की संख्या को विश्वसनीय रूप से अनुमानित किया जा सकता है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के संबंध में कंपनी का शुद्ध दायित्व भविष्य के लाभ की वह राशि है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पिछली अवधि में अपनी सेवा के बदले अर्जित की है।

उस लाभ को उसके वर्तमान मूल्य को निर्धारित करने के लिए छूट दी जाती है। पुनः माप को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है जिसमें वे उत्पन्न होते हैं।

15 प्रावधान

एक प्रावधान को मान्यता दी जाती है यदि, किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप, कंपनी के पास वर्तमान कानूनी या रचनात्मक दायित्व है जिसका अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी।

यदि मुद्रा के समय मूल्य का प्रभाव महत्वपूर्ण है, तो प्रावधानों को कर-पूर्व दर पर अपेक्षित भविष्य के नकदी प्रवाह में छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जो पैसे के समय मूल्य के वर्तमान बाजार आकलन और देनदारी के लिए विशिष्ट जोखिमों को दर्शाता है।

जहां छूट का उपयोग किया जाता है, समय बीतने के कारण प्रावधान में वृद्धि को वित्त लागत के रूप में मान्यता दी जाती है।

16 आकस्मिक देयताएँ व आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

आकस्मिक दायित्व के लिए खुलासा तब किया जाता है जब कोई संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व होता है जिसके लिए संसाधनों के बहिर्प्रवाह की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन संभवतः नहीं।

जहां कोई संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के बहिर्प्रवाह की संभावना दूरस्थ है, कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया जाता है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

आकस्मिक संपत्तियों को वित्तीय विवरणों में मान्यता नहीं दी जाती है। हालाँकि, आकस्मिक संपत्तियों का मूल्यांकन लगातार किया जाता है और यदि यह वस्तुतः निश्चित है कि आर्थिक लाभ का प्रवाह उत्पन्न होगा, तो संपत्ति और संबंधित आय को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें परिवर्तन होता है।

17 वित्तीय उपकरण

वित्तीय संपत्तियों और/या वित्तीय देनदारियों को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी संबंधित वित्तीय उपकरणों को शामिल करने वाले अनुबंध में पार्टी बन जाती है।

वित्तीय परिसंपत्ति और / या वित्तीय देयताएँ प्रतिचिह्नित की जाती है जब कंपनी संबंधित वित्तीय उपकरण को सन्निविष्ट करते हुए ठेके की पार्टी बन जाती है। सभी वित्तीय परिसंपत्तियां, वित्तीय देयताएँ तथा वित्तीय गारंटी ठेकों को प्रारंभिक तौर पर लेनदेन मूल्यों पर मापित किया जाता है। जहां इस प्रकार के मूल्य उचित मूल्य से भिन्न हो, उचित मूल्य पर किया जाता है। लेनदेन लागत जो अधिग्रहण या वित्तीय परिसंपत्ति मद और वित्तीय देयताओं (लाभ या हानि के माध्यम उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं, के अन्यथा) पर अधिरोप्य होते हैं को ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों या देयताओं के उचित मूल्य द्वारा, प्रारंभिक मान्यता पर, जैसी स्थिति हो, जोड़ी या काटी जाती है। जो लाभ या हानि के माध्यम उचित मूल्य पर वित्तिय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयताओं के अधिग्रहण पर लेनदेन लागत सीधे अधिरोपित होती है, वे तत्काल लाभ या हानि में प्रतिचिह्नित होती है।

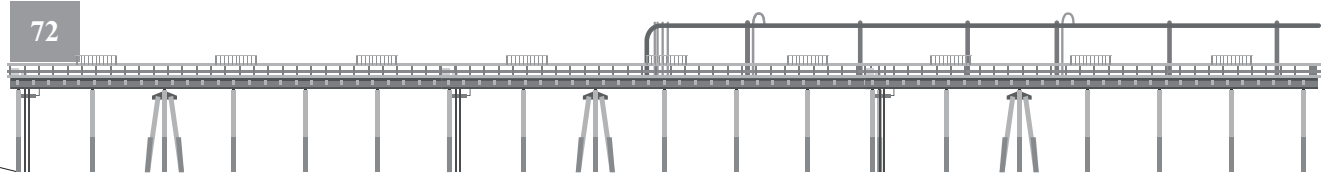
ब्याज मुक्त या छूट ऋणों और अधिमान्य शेषों के रूप में सहायक कंपनियों के रूप में वित्त पोषण के मामले में, प्रारंभिक तौर पर मापित उचित मूल्य पर वित्त पोषण की वास्तविक के आधिक्य को एक इक्विटी निवेश के रूप में गिना जाता है।

एक वित्तीय परिसंपत्ति और एक वित्तीय देयता अफसेट है तथा तुलन-पत्र में निवल आधार पर प्रदर्शित किये जाते हैं जब वहां प्रतिचिह्नित राशियों को अफसेट करने के लिए चालू विधिक प्रवर्तनीय अधिकार होता तथा यह या तो निवल आधार पर समायोजन या परिसंपत्ति की वसूली और साथ-साथ देयताओं को समायोजित करने के लिए आशयित होता है।

(i) वित्तीय परिसंपत्तियां

सभी मान्यताप्राप्त वित्तीय परिसंपत्तियां पर्याप्त रूप में वित्तीय परिसंपत्तियों के वर्गीकरण पर निर्भर उचित मूल्य पर या हासित लागत पर समग्र रूप से मापित की जाती है जो निम्नानुसार है :

1. ऋण उपकरणों में निवेश जो लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम उचित मूल्य के रूप में अभिहित किये जाते हैं – उचित मूल्य पर।
2. ऋण उपकरणों में निवेश जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं पर्याप्त रूप से मापित किये जाते हैं – हासित मूल्य पर (जब तक कि वह लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में अभिहित न हो)
 - i. परिसंपत्ति को व्यापार प्रतिमान के अंदर रखा जाता है जिसका उद्देश्य ठेकागत नकदी प्रवाहों में संग्रहण करने के क्रम में परिसंपत्तियों को रखा जाता है, और
 - ii. उपकरण की ठेकागत शर्तें प्रवाहों को विशिष्ट तिथि पर उत्थान प्रदान करते हैं जो मूल धन राशि बकाये पर केवल ब्याज और मूल का भुगतान है।
3. ऋण यंत्र में निवेश जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं उनका अन्य व्यापक आय के माध्यम उचित मूल्य पर साथ-साथ मापे जाते हैं (एफवीटीओसीआई) (जब तक कि वह लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में अभिहित न हो)
 - i. परिसंपत्ति को व्यापार प्रतिमान के अंतर्गत रखा जाता है जिसका उद्देश्य ठेकागत नकदी प्रवाह का संग्रहण और वित्तीय परिसंपत्तियों का विक्रय कर दोनों द्वारा प्राप्त किया जाता है; और
 - ii. यंत्र की ठेकागत शर्तें नकदी प्रवाहों में विशिष्ट तिथियों पर उत्थापन प्रदान करता है जो मूल धन राशि बकाये पर केवल ब्याज और मूल का भुगतान है,
4. एफवीटीपीएल पर ऋण यंत्र, ऋण यंत्रों हेतु एक अपशिष्ट संवर्ग है, अगर कोई, तथा सभी परिवर्तन लाभ या हानि पर प्रतिचिह्नित होते हैं।
5. सहायक कंपनी एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा जारी इक्विटी यंत्र में निवेश लागत से हास घटा मापे जाते हैं।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

6. सहायक कंपनियों के अधिमान्य शेयरों में निवेश इक्विटी यंत्र के रूप में व्यवहार किये जाते हैं अगर वे ऐसे निवेशों के प्रतिदान के उद्देश्य हेतु जारी इक्विटी शेयर यंत्रों की प्राप्ति प्रतिदान योग्य होती हैं या इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय होती है। उपर्युक्त शर्तों को पूरा न करने वाले अधिमान्य शेयरों में निवेश एफवीटीपीएल पर ऋण यंत्रों के रूप में वर्गीकृत किये जाते हैं।
7. इक्विटी यंत्रों में निवेश एफवीटीपीएल पर वर्गीकृत किये जाते हैं जब तक कि संबंधित यंत्र व्यापक आय में उचित मूल्य में तदन्तर परिवर्तनों को रोकने के लिए प्रारंभिक मान्यता पर कंपनी अपरिवर्तनीय रूप से नहीं चुनती है तथा व्यापार के लिए धारित नहीं करती।
8. वित्तीय परिसंपत्तियों हेतु जो एफवीटीओसीआई पर मापी जाती है, ब्याज और लाभांश के द्वारा आय, हास हेतु प्रावधान और परिवर्तन अंतर, अगर कोई हो (ऋण यंत्र पर) लाभ या हानि पर प्रतिचिह्नित किये जाते हैं तथा उचित मूल्य में परिवर्तन (उपर्युक्त आय या व्यय लेखे पर अन्यथा) अन्य व्यापक आय तथा अन्य इक्विटी में संचित में प्रतिचिह्नित किये जाते हैं। एफवीटीओसीआई पर ऋण यंत्रों के निस्तारण पर, अन्य इक्विटी में पहले संचित लाभ या हानि को लाभ है या हानि में वर्गीकृत किया जाता है। एफवीटीओसीआई पर इक्विटी यंत्रों के मामले में, ऐसे संचित लाभ या हानि को निवेशों के निस्तारण पर लाभ हानि के लिए वर्गीकृत नहीं किया जाता है।
9. एक वित्तीय संपत्ति बुनियादी तौर पर गैर मान्यता प्राप्त समझी जाती है जब :
 - i. परिसंपत्ति से नकद प्रवाह प्राप्त करने का अधिकार खत्म हो गया हो, या
 - ii. कंपनी ने व्यवस्था से गुजरते हुए, के अधीन तृतीय पहल को बिना सामग्री विलम्ब के पूर्ण रूप में प्राप्त नकद प्रवाह को भुगतान करने के लिए बाध्यता धारण की है या परिसंपत्ति में से नकद प्रवाह प्राप्त करने के लिए अपने अधिकार स्थानान्तरित किये; हों तथा
 - क) कंपनी में परिसंपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार पर्याप्त रूप से स्थानान्तरित कर दिये हैं ; या
 - ख) कंपनी में परिसंपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार पर्याप्त रूप से न तो स्थानान्तरित न ही पास रखें हैं, लेकिन परिसंपत्ति का नियंत्रण स्थानान्तरित कर दिया है।

अपनी इकाई की वित्तीय परिसंपत्ति की गैर मान्यता पर मान्यता प्राप्त होने की तिथि पर मापित धारणीय राशि तथा प्राप्त विचार को लाभ या हानि में विचार किया जाता है।
- 10) वित्तीय संपत्तियों का हास : कंपनी प्रत्याशित क्रेडिट हानि नमूने का व्यवहार कर प्राप्य व्यापार पर हास हानि प्रतिचिह्नित करता है, जिसमें भारतीय लेखांकन मानक 109 के अधीन यथा अनुज्ञा प्राप्त ऐतिहासिक क्रेडिट हानि अनुभव के आधार पर निर्मित एक प्रावधान मैट्रिक्स का उपयोग शामिल है। निवेशों पर हास हानि प्रतिचिह्नित की जाती है जब धारणीय राशि की वसूली योग्य राशि का पार कर जाती है।

(II) वित्तीय देयताएँ:

1. वित्तीय देयताएँ, व्युत्पन्न जड़ित व्युत्पन्न समेत, जो एफवीटीपीएल पर मापन हेतु पदनामित किये जाते हैं जो पर्याप्त रूप से उचित मूल्य पर मापे जाते हैं। वित्तीय गारंटी ठेके पर्याप्त रूप से हास हानि भत्ता की राशि या संचयी क्रमिक अपाकरण के प्रारंभिक निवल पर प्रतिचिह्नित राशि पर मापे जाते हैं, जो भी उच्चतर हो।

ऋण और उधारों सहित सभी वित्तीय देयताएँ प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करते हुए क्रमिक अपाकरण लागत पर मापे जाते हैं।

2. एक वित्तीय देयता को गैर-मान्यता प्राप्त किया जाता है जब संबंधित बाध्यता समाप्त हो जाती है या प्रभारित या निरस्त की जाती है।

एक वित्तीय परिसंपत्ति और एक वित्तीय दायित्व को बैलेंस शीट में शुद्ध आधार पर ऑफसेट और प्रस्तुत किया जाता है जब मान्यता प्राप्त राशियों को सेट-ऑफ करने के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार होता है और इसका उद्देश्य एक साथ दायित्व। या तो शुद्ध आधार पर निपटान करना या परिसंपत्ति और दायित्व निपटान करना है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

18 लाभांश

कंपनी के शेयरधारकों को भुगतान लाभांश अंतरिम लाभांश उस अवधि में इक्विटी में परिवर्तित रूप में चिह्नित किये जाते हैं जिसमें वे क्रम से शेयरधारकों की बैठक और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किये जाते हैं।

19 महत्वपूर्ण पूर्व अवधि त्रुटियां

महत्वपूर्ण पूर्व अवधि त्रुटियां पूर्व अवधियों हेतु तुलनात्मक राशि को पुनः उल्लेखन द्वारा पूर्वव्यापी रूप में संशोधित की जाती है जिसमें त्रुटि घटित होती है। अगर त्रुटि प्रदर्शित पूर्व अवधि के पहले घटित हुई तो प्रदर्शन पूर्व अवधि हेतु परिसंपत्तियों, देयताओं और इक्विटी के अथशेष पुनः उल्लिखित किये जाते हैं।

20 परिचालन खंड

भारतीय लेखा प्रणाली 108 के अनुरूप, विद्यमान खंड सूचना के लिए व्यवहृत परिचालन खंड, खंडों में संसाधन आवंटन के लिए एवं उनके कार्य-प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए कंपनी प्रबंधन द्वारा व्यवहृत आंतरिक प्रतिवेदनों के आधार पर प्रतिचिह्नित किये जाते हैं। निदेशक मंडल भारतीय लेखांकन प्रणाली के अर्थ के अंतर्गत कंपनी संयुक्त रूप से, के 'मुख्य परिचालनकर्ता' या 'सीओडीएम' हैं। आंतरिक रिपोर्टिंग उद्देश्यों हेतु व्यवहृत सूचक स्थल पर रखे गये कार्य-प्रदर्शन मूल्यांकन उपायों के संबंध में विकसित हो सकता है।

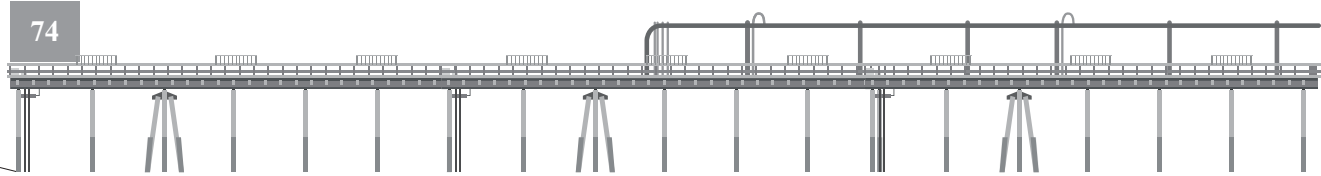
खंडों के परिणाम जो सीओडीएम को प्रतिवेदित किये जाते हैं, में खंड को सीधे अधिरोप्य मद तथा जिन्हें तर्कसंगत आधार पर आबंटित किया जा सकता है, शामिल है। गैर-आबंटित मद मुख्य रूप से नैगम व्यय, वित्तीय व्यय और आयकर व्यय में मिलकर बनते हैं।

खंड में सीधे अधिरोप्य राजस्व खण्ड राजस्व के रूप में विचारित होता है। खंडों में सीधी अधिरोप्य तथा तर्कसंगत आधार पर आबंटित आम व्ययों को खंड व्ययों के रूप में विचार किये जाते हैं।

खंड वित्त व्यय संपत्ति, संयंत्र व उपस्कर, तथा सदृच्छा के अलावा अमूर्त संपत्तियों को अधिग्रहण करने की अवधि के दौरान उपगत कुल लागत है।

संपत्ति, संयंत्र व उपस्कर अमूर्त परिसंपत्तियों, व्यापार और अन्य प्राप्य सामान सूची व अन्य परिसंपत्तियों से मिलकर गठित खंड परिसंपत्तियां सीधे या तर्कसंगत ढंग से खंडों में आबंटित की जा सकती है। वर्ष हेतु रिपोर्टिंग खंड के उद्देश्य हेतु, संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर को संबंधित खंडों में अधिरोप्य परिचालनों हेतु परिसंपत्तियों के व्यवहार के विस्तार पर आधारित खंडों को आबंटित किया जाता है। खंड परिसंपत्तियों में निवेश, आयकर परिसंपत्तियां, प्रगति पर कार्यचालक पूंजी, पूंजी अग्रिम, नैगम परिसंपत्तियां तथा अन्य चालू परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं उन्हें यथोचित रूप में खंडों में आबंटित नहीं किया जा सकता है।

खंड देयताओं में खंड से संबंधित सभी परिचालन देयताएँ शामिल हैं तथा मुख्य रूप से व्यापार और अन्य भुगतान, कर्मचारी लाभ एवं प्रावधान मिलकर हैं। खंड देयताओं में, इक्विटी, आयकर देयताएँ, ऋण व उधारी तथा अन्य देयताएँ तथा प्रावधान शामिल नहीं हैं, जिन्हें खंडों में तर्कसंगत ढंग से आबंटित नहीं किया जा सकता है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

2 सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण

विवरण	भवन	संयंत्र एवं मशीनरी	जलयान (स्पीड बोट)	कंप्यूटर	फर्निचर एवं फिक्चर्स	वाहन	कुल
लागत या मानित लागत (सकल वहन राशि)							
31 मार्च, 2022 तक	132.63	2,073.25	2.32	81.18	69.03	3.72	2,362.11
परिवर्धन	-	318.58	-	11.52	6.39	-	336.48
घटा: निपटान / समायोजन	-	(55.10)	-	-	-	-	(55.10)
31 मार्च, 2023 तक	132.63	2,336.73	2.32	92.69	75.41	3.72	2,643.49
	132.63	2,336.73	2.32	92.69	75.41	3.72	2,643.49
परिवर्धन	-	45.54	-	0.38	1.72	-	47.64
घटा: निपटान / समायोजन	-	(1.46)	-	-	-	-	(1.46)
31, 2024 मार्च	132.63	2,380.80	2.32	93.07	77.13	3.72	2,689.67
संचित मूल्यहास							
31 मार्च, 2022 तक	84.34	1,685.87	2.29	75.81	60.25	3.68	1,912.24
परिवर्धन	5.07	100.77	-	7.04	4.69	0.00	117.57
घटा: निपटान / समायोजन	-	(53.99)	-	-	-	-	(53.99)
31 मार्च, 2023 तक	89.40	1,732.64	2.29	82.85	64.95	3.68	1,975.82
	89.40	1,732.64	2.29	82.85	64.95	3.68	1,975.82
परिवर्धन	4.41	129.83	-	4.43	3.67	0.00	142.33
घटा: निपटान / समायोजन	-	(1.43)	-	-	-	-	(1.43)
31 मार्च, 2024 तक	93.81	1,861.04	2.29	87.29	68.62	3.68	2,116.73
कुल पुस्तक मूल्य							
31 मार्च, 2024 तक	38.82	519.76	0.02	5.78	8.52	0.04	572.94
31 मार्च, 2023 तक	43.22	604.08	0.02	9.84	10.46	0.04	667.67
टिप्पणी:							
क) भवन में सर्कुलर गार्डन रीच रोड, कोलकाता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह से पट्टे/किराए की भूमि पर स्थायी संरचनाओं के संबंध में 131.46 लाख (पिछले वर्ष - 131.46 लाख रुपये) शामिल हैं।							



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

3 अमूर्त संपत्ति

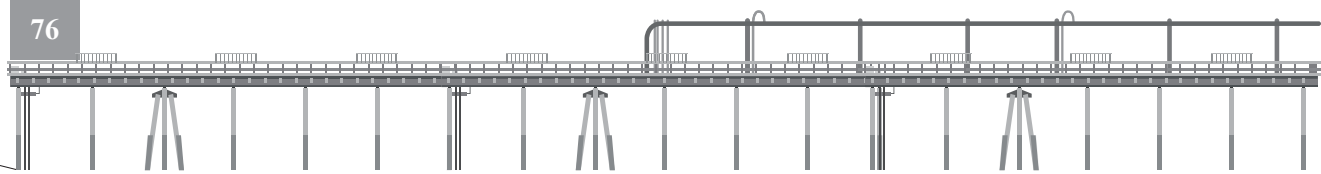
विवरण	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर
लागत या मानित लागत (सकल वहन राशि)	
31 मार्च, 2022 तक	30.56
परिवर्धन	15.77
31 मार्च, 2023 तक	46.33
परिवर्धन	46.33
31 मार्च, 2024 तक	-
संचित परिशोधन	46.33
31 मार्च, 2022 तक	25.91
परिवर्धन	4.57
31 मार्च, 2023 तक	30.48
परिवर्धन	30.48
31 मार्च, 2024 तक	7.38
कुल पुस्तक मूल्य	37.87
31 मार्च, 2024 तक	8.47
31 मार्च, 2023 तक	15.85

4 क. पूंजीगत कार्य प्रगति पर (सीडब्ल्यूआईपी)

विवरण	सीडब्ल्यूआईपी
31 मार्च, 2023 तक	-
परिवर्धन	-
(हस्तांतरण)	-
31 मार्च, 2024 तक	-

ख. पूंजीगत वृद्धि संबंधी (सीडब्ल्यूआईपी) काल प्रभावन अनुसूची

सीडब्ल्यूआईपी	अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				कुल
	एक वर्ष से कम	1-2 साल	2-3 साल	3 साल से अधिक	
31.03.2024 तक					
चालू परियोजनाएं	-	-	-	-	-
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-
31.03.2023 तक					
चालू परियोजनाएं	-	-	-	-	-
परियोजनाएं अस्थायी रूप से निलंबित	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

5 निवेश	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर-वर्तमान निवेश		
(अ) इक्विटी दस्तावेजों में निवेश		
(क) सहायक कंपनियां (अनउद्धृत, लागत पर मूल्यवान)		
भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड*	486.30	486.30
48,630 रुपये 1000/- के इक्विटी शेयर प्रत्येक पूरी तरह से चुकता		
(ख) संयुक्त उद्यम कंपनियां		
भागीरथी ब्रिज कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (अनउद्धृत, लागत पर मूल्यवान)	0.30	0.30
रु. 100/- के 300 इक्विटी शेयर प्रत्येक पूर्णतः चुकता		
कम: प्रावधान	(0.30)	-
(ग) अन्य कंपनियां		
लगन जूट मशीनरी कंपनी लिमिटेड (अनउद्धृत, लागत पर मूल्यवान)	42.20	42.20
4,22,000 रुपये 10/- के इक्विटी शेयर प्रत्येक पूरी तरह से चुकता		
जेसोप एंड कंपनी लिमिटेड (अनउद्धृत, लागत पर मूल्यवान)*	2,558.01	2,558.01
10/- रुपये के 2,55,80,122 इक्विटी शेयर प्रत्येक पूरी तरह से चुकता		
अनउद्धृत, लागत पर मूल्यवान		
3015 वुडलैंड्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल लिमिटेड का पूरी तरह से भुगतान किया गया इक्विटी शेयर (पहले "ईस्ट इंडिया क्लिनिक लिमिटेड का 5% गैर-प्रतिदेय पंजीकृत ऋणपत्र स्टॉक")	0.16	0.16
(ब) ऋणपत्र या बांड में निवेश		
99 नंबर आईसीआईसीआई रिडीमेबल मनी मल्टीप्लायर बॉन्ड-2026	87.79	83.32
कुल निवेश	3,174.47	3,170.30
कुल पुस्तक मूल्य		
- उद्धृत निवेश	-	-
- अनउद्धृत निवेश	3,174.47	3,170.30
उद्धृत निवेशों का कुल बाजार मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं
* भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) और जेसोप एंड कंपनी लिमिटेड, भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) की पूर्व सहायक कंपनियां, परिसमापन के अधीन हैं।		
6 व्यापार प्राप्य (असुरक्षित)	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर वर्तमान		
दीर्घकालिक व्यापार प्राप्य, शोध्य माना गया	1,108.42	1,108.42
कम: संदिग्ध प्राप्तियों के लिए भत्ते	(1,108.42)	(1,108.42)
	-	-
वर्तमान		
शोध्य माना गया	3,263.01	3,738.04
संदिग्ध माना गया	-	-
	3,263.01	3,738.04
कम: संदिग्ध प्राप्तियों के लिए भत्ता	(919.72)	(961.40)
कुल व्यापार प्राप्य	2,343.28	2,776.63

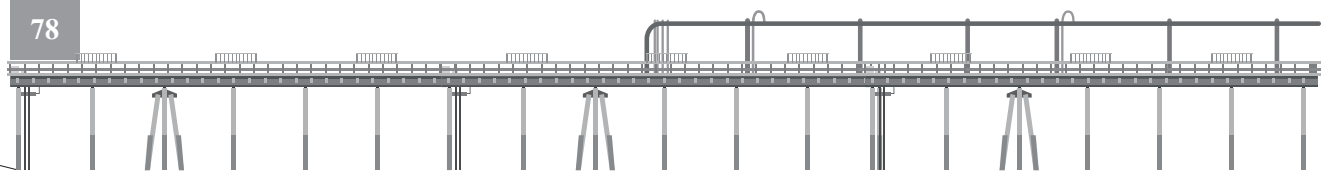


टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

6 व्यापार प्राप्य (जारी)

व्यापार प्राप्य काल प्रभावन अनुसूची		भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया							
क्र.सं	विवरण	देय नहीं	बकाया राशि	<6 महीने	6माह-1 वर्ष	1-2 साल	2-3 साल	> 3 साल	कुल
मार्च 31, 2024 तक									
i)	निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य माना गया	-	-	2,162.46	147.92	111.44	42.99	798.19	3,263.00
ii)	अविवादित व्यापार प्राप्य - जिनके ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	1,108.42	1,108.42
iii)	अविवादित व्यापार प्राप्य – बिगड़ा हुआ ऋण	-	-	-	6.39	37.03	22.99	1,906.61	1,973.02
iv)	विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य माना गया	-	-	-	-	-	-	-	-
v)	विवादित व्यापार प्राप्य - जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
vi)	विवादित व्यापार प्राप्य – बिगड़ा हुआ ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2023 तक									
i)	निर्विवाद व्यापार प्राप्य – शोध्य माना गया	-	-	2,032.23	520.27	360.52	135.27	689.75	3,738.04
ii)	अविवादित व्यापार प्राप्य - जिनके ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	1,108.42	1,108.42
iii)	अविवादित व्यापार प्राप्य – बिगड़ा हुआ ऋण	-	-	-	27.21	148.28	96.16	1,798.17	2,069.82
iv)	विवादित व्यापार प्राप्य – शोध्य माना गया	-	-	-	-	-	-	-	-
v)	विवादित व्यापार प्राप्य - जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
vi)	विवादित व्यापार प्राप्य – बिगड़ा हुआ ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

7 अन्य वित्तीय संपत्ति

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर वर्तमान		
तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक में जमाराशियां	591.00	2,288.60
अन्य		
सुरक्षा जमा/ईएमडी/ अन्य जमा	4,920.06	4,920.17
कम: संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	(53.15)	(53.15)
	5,457.91	7,155.62
वर्तमान		
ऋण और अग्रिम		
सहायक कंपनी और अन्य को ऋण पर भारत सरकार प्राप्त करने योग्य ऋण लेनदारों को अग्रिम	6,796.31	6,796.31
अन्य अग्रिम	1,079.22	1,315.20
घटा : प्रावधान	145.46	600.46
	(138.16)	(69.08)
प्राप्य/उपार्जित ब्याज		
सहायक कंपनी को ऋण पर निवेश, जमा और सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	34,006.55	34,006.55
	625.96	382.07
अन्य		
सुरक्षा जमा/ईएमडी/ अन्य जमा	1,262.31	1,307.35
घटा : संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	(8.44)	(0.71)
प्राप्य – अन्य	0.04	0.74
	43,769.24	44,338.89



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

8 आस्थगित कर परिसंपत्ति, शुद्ध

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
आस्थगित कर परिसंपत्ति		
- वित्तीय आस्तियों पर अपेक्षित साख हानि	506.54	534.31
- कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	118.17	115.41
कुल	624.71	649.72
विलम्बित कर देयता		
- मूर्त और अमूर्त संपत्ति	23.13	(20.24)
- परिशोधन लागत पर वित्तीय संपत्ति	(8.70)	(7.63)
आस्थगित कर परिसंपत्ति, शुद्ध	639.15	621.85

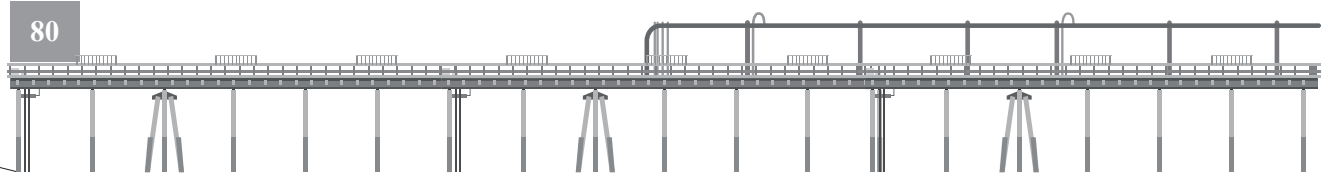
9 भंडार

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
कच्चे माल	669.76	892.13
स्टोर, स्पेयर पार्ट्स और उपभोग्य (शुद्ध)	23.74	70.61
फुटकर औजार	12.82	11.02
प्रगतिधीन कार्य	3,201.84	3,738.62
घटा : प्रावधान	(54.65)	(42.67)
कुल भंडार	3,853.50	4,669.71

10 नकद और नकदी के समतुल्य

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
बैंकों के साथ शेष राशि:		
- चालू खातों में	229.65	1,065.79
- तीन महीने से कम की मूल परिपक्वता वाले जमा खातों में*	2,048.19	2,037.56
नकद हाथ में	2.57	3.80
कुल नकद और नकद समकक्ष	2,280.41	3,107.15

* बैंक के पक्ष में चिह्नित ग्रहणाधिकार जमा रुपये 133.18 लाख शामिल हैं। (पिछले वर्ष - शून्य)



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

11 अन्य बैंक बैलेंस

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
3 महीने से अधिक की मूल परिपक्वता वाले बैंकों में सावधि जमा*	14,286.70	10,532.72
घटाएं: 12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली 'अन्य वित्तीय सम्पत्तियों' के अंतर्गत प्रकट बैंक में जमाराशियां	(591.00)	(2,288.60)
कुल अन्य बैंक शेष	13,695.70	8,244.11
* बैंक के पक्ष में चिह्नित ग्रहणाधिकार जमा रु. 6924.87 लाख (पिछले वर्ष -रु. 5984.32 लाख) शामिल हैं।		

12 वर्तमान कर संपत्ति

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
वर्तमान कर परिसंपत्तियां (प्रावधान का शुद्ध)	456.29	593.05
	456.29	593.05

13 अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
जीएसटी ए / सी - (इनपुट) - संपत्तियाँ	960.27	1,411.36
अन्य सरकार और सांविधिक प्राधिकारियों के साथ संतुलन	22.22	22.22
	982.49	1,433.57

14 शेयर पूंजी

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
अधिकृत शेयर पूंजी		
इक्विटी शेयर पूंजी		
34,81,000 (31 मार्च, 2022: 34,81,000) प्रति इक्विटी शेयर रुपये 1000/-	34810.00	34810.00
जारी किए गए,		
इक्विटी शेयर पूंजी		
12,08,605 (31 मार्च, 2022: 12,08,605) प्रति इक्विटी शेयर रुपये 1000/-	12086.05	12086.05
सब्सक्राइब्ड और पूरी तरह से चुकता शेयर पूंजी		
इक्विटी शेयर पूंजी		
12,08,605 (31 मार्च, 2022: 12,08,605) प्रति इक्विटी शेयर रुपये 1000/-	12086.05	12086.05
	12,086.05	12,086.05



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

(क) रिपोर्टिंग वर्ष की शुरुआत और अंत में बकाया शेयरों का मिलान

विवरण	31 मार्च, 2024 को इक्विटी शेयरों की संख्या	31 मार्च, 2023 को इक्विटी शेयरों की संख्या
साल की शुरुआत में बकाया	1,208,605	1,208,605
वर्ष के दौरान जारी	-	-
वर्ष के अंत में बकाया	1,208,605	1,208,605

(ख) इक्विटी शेयरों से जुड़ी शर्तें / अधिकार

कंपनी के इक्विटी शेयरों का मूल्य ₹ 1000 प्रति शेयर है। इक्विटी शेयरों का प्रत्येक धारक प्रति शेयर एक वोट का हकदार है। कंपनी भारतीय रुपये में लाभांश की घोषणा और भुगतान करती है। निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश (अंतरिम लाभांश को छोड़कर) वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, इक्विटी शेयरों के धारक सभी अधिमानीय राशियों के वितरण के बाद कंपनी की शेष संपत्ति प्राप्त करने के हकदार होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

(ग) होल्डिंग या अल्टीमेट होल्डिंग कंपनी के संबंध में शेयरहोल्डिंग पैटर्न

कंपनी की कोई होल्डिंग कंपनी या अल्टीमेट होल्डिंग कंपनी नहीं है।

(घ) कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2024 को धारित इक्विटी शेयरों की संख्या	31 मार्च, 2023 को धारित इक्विटी शेयरों की संख्या
भारत के राष्ट्रपति और उनके नामांकित व्यक्ति	1,208,605	1,208,605
	1,208,605	1,208,605

(ड) तुलन पत्र की तारीख के अनुसार शेयरों की बिक्री/विनिवेश के लिए विकल्प और अनुबंधों/प्रतिबद्धताओं के तहत जारी करने के लिए कोई सामान्य शेयर आरक्षित नहीं किया गया है।

(च) ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड ('बीसीएल'), बर्न स्टैंडर्ड कंपनी लिमिटेड ('बीएससीएल'), भारत ब्रेक्स एंड वाल्व के संबंध में औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआईएफआर) द्वारा स्वीकृत पूंजी पुनर्गठन योजनाओं के परिणामस्वरूप लिमिटेड ('बीबीवीएल') और आरबीएल लिमिटेड ('आरबीएल') और बीएससीएल, बीसीएल और बीबीजे के संबंध में ऋण और ब्याज को इक्विटी शेयर पूंजी और जीरो रेटेड ऋणपत्र में बदलने की अनुमति देने के लिए वित्तीय पुनर्गठन के लिए भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार उक्त राशि के लिए निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग के निर्देश को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने 28 अप्रैल, 2017 को भारत के राष्ट्रपति को इक्विटी शेयर जारी किए हैं।

(छ) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा इक्विटी/वरीयता शेयरों में परिवर्तनीय कोई प्रतिभूति जारी नहीं की गई है।

(ज) वर्ष के दौरान कंपनी के किसी निदेशक या अधिकारी द्वारा कोई भी कॉल अदत्त नहीं है।

15 अन्य इक्विटी

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
प्रारक्षित पूंजी	0.06	0.06
सामान्य रिजर्व	1,473.65	1,473.65
ऋणपत्र मोचन रिजर्व	91.16	103.66
प्रतिधारित आय	10,079.66	8,181.29
	11,644.53	9,758.66

(क) प्रारक्षित पूंजी

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
प्रारंभिक जमा	0.06	0.06
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
अंत शेष	0.06	0.06



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
(ख) सामान्य प्रारक्षित		
प्रारंभिक जमा	1,473.65	1,473.65
जोड़ें: वर्ष के दौरान स्थानान्तरण	-	-
अंत शेष	1,473.65	1,473.65
सामान्य रिजर्व कंपनी का मुफ्त रिजर्व होता है जिसे भविष्य की जरूरतें उत्पन्न होने पर पूरा करने के लिए कंपनी के मुनाफे से अलग रखा जाता है।		
(ग) ऋणपत्र मोचन रिजर्व*		
प्रारंभिक जमा	103.66	116.16
जोड़ें: वर्ष के दौरान स्थानान्तरण	(12.50)	(12.50)
अंत शेष	91.16	103.66
* कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 के तहत लागू प्रावधान के अनुसार ऋणपत्र की बकाया राशि के आधार पर ऋणपत्र रिडेम्पशन रिजर्व (डीआरआर) बनाया था।		
(घ) प्रतिधारित आय		
प्रारंभिक जमा	8,181.29	7,377.57
वर्ष के लिए लाभ/(हानि)	2,063.03	885.85
अन्य व्यापक आय	-	-
अंतिम लाभांश	(177.17)	(94.63)
अंतिम लाभांश पर कर	-	-
जोड़ें: ऋणपत्र मोचन रिजर्व से अंतरित	12.50	12.50
घटाएं: सामान्य रिजर्व में अंतरण	-	-
अंत शेष	10,079.66	8,181.29
कुल अन्य इक्विटी	11,644.53	9,758.66

16 उधारी

	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
गैर-वर्तमान उधार		
असुरक्षित ऋण		
पुनर्रचना ऋणपत्र जमा(जेड आर डी) * :	217.92	241.15
कुल गैर-वर्तमान उधार	217.92	241.15
वर्तमान उधार		
मांग पर चुकाने योग्य सुरक्षित ऋण		
- केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट **	-	-
भारत सरकार से अन्य ऋण और अग्रिम	6,589.00	6,589.00
कुल वर्तमान उधार	6,589.00	6,589.00



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

* पुनर्चना ऋणपत्र जमा :

2005 में भारत सरकार द्वारा द ब्रेथवेट बर्न एंड जेसप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे) के वित्तीय पुनर्गठन की अनुमोदित योजना के अनुसार, भारत सरकार के 3.88 करोड़ रुपये के ऋण को इक्विटी में बदलने की अनुमति दी गई, भारत सरकार के ऋण पर बकाया ब्याज को 10.00 करोड़ रुपये की इक्विटी में में परिवर्तित किया गया। भारत सरकार के ऋण पर बकाया ब्याज के रूप में 10.00 करोड़ रुपये जीरो रेट ऋणपत्र (जेडआरडी) के रूपांतरण के लिए। इसके अनुसरण में कंपनी जीरो रेटेड ऋणपत्र (जेडआरडी) को 2007-08 से 0.50 करोड़ रुपये की समान वार्षिक किश्तों में चुका रही है और 28 अप्रैल, 2017 को भारत के राष्ट्रपति को इक्विटी शेयर जारी किए हैं।

** केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट :

केनरा बैंक से ओवरड्राफ्ट मुख्य रूप से स्टॉक और बुक डेट के दृष्टिबंधक द्वारा सुरक्षित है और जहाज, संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और फिक्स्चर और वाहनों सहित अचल संपत्तियों के दृष्टिबंधक द्वारा सुरक्षित है और 22, ली रोड, कोलकाता - 700020 में कंपनी के फ्लैट के समान बंधक द्वारा सुरक्षित है। 11.50% ब्याज दर वाला ओवरड्राफ्ट मांग पर चुकाने योग्य है।

17 प्रावधान

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर-वर्तमान		
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
- ग्रेच्युटी	50.54	31.49
- छुट्टी नकदीकरण	391.44	435.36
	441.98	466.85
वर्तमान		
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
- ग्रेच्युटी	-	-
- छुट्टी नकदीकरण	81.26	23.20
	81.26	23.20

18 अन्य देनदारियाँ

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
गैर-वर्तमान		
पुनर्चना ऋणपत्र जमा (जेडआरडी)	69.94	94.38
अन्य गैर चालू देयताएँ	4,086.95	4,451.26
	4,156.89	4,545.65
वर्तमान		
सांविधिक बकाया	130.11	373.57
पुनर्चना ऋणपत्र जमा (जेडआरडी)	26.77	29.09
ग्राहकों से अग्रिम	247.23	561.01
अन्य गैर चालू देयताएँ	2,297.03	1,064.95
	2,701.14	2,028.62



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

19 व्यापार देनदारियाँ

31 मार्च, 2024 को 31 मार्च, 2023 को

गैर-वर्तमान

व्यापार देनदारियाँ

- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि

323.55 321.70

- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि (नोट 36 देखें)

- -

323.55 321.70

वर्तमान

व्यापार देनदारियाँ

- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों की कुल बकाया राशि

501.04 2,573.56

- सूक्ष्म उद्यमों और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि (नोट 36 देखें)

- -

501.04 2,573.56

19 व्यापार देय (जारी)

व्यापार देय काल प्रभावन अनुसूची

31 मार्च 2023 तक

भुगतान की देय तिथि (2022-23) से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया

क्र.सं.	विवरण	देय नहीं	बकाया राशि	<1 वर्ष	1-2 साल	2-3 साल	> 3 साल	कुल
i)	एमएसएमई							-
ii)	अन्य			501.04			323.55	824.59
iii)	विवादित बकाया-एमएसएमई							-
iv)	विवादित बकाया-अन्य							-
	कुल	-	-	501.04	-	-	323.55	824.59

31 मार्च 2023 तक

भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया

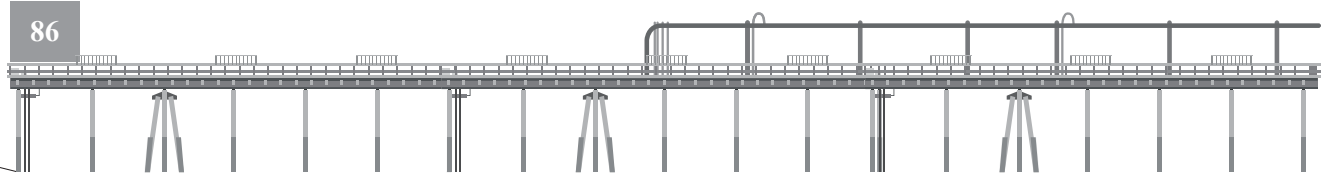
क्र.सं.	विवरण	देय नहीं	बकाया राशि	<1 वर्ष	1-2 साल	2-3 साल	> 3 साल	कुल
i)	एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
ii)	अन्य			2,573.57			321.70	2,895.27
iii)	विवादित बकाया-एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
iv)	विवादित बकाया-अन्य	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	-	-	2,573.57	-	-	321.70	2,895.27



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
20 अन्य वित्तीय देनदारियाँ		
गैर-वर्तमान		
व्यापार और सुरक्षा जमा	121.49	121.49
	<u>121.49</u>	<u>121.49</u>
वर्तमान		
कर्मचारी लाभ देय	121.48	112.39
भारत सरकार से उधार लेने पर अर्जित और देय ब्याज	34,016.12	34,016.12
पुनर्रचना ऋणपत्र जमा	50.00	50.00
व्यापार और सुरक्षा जमा	4,181.39	3,859.96
	<u>38,369.00</u>	<u>38,038.47</u>
21 वर्तमान कर देनदारियाँ		
वर्तमान कर देनदारियाँ (अग्रिम कर का शुद्ध)	-	-
	<u>-</u>	<u>-</u>
22 संचालन से राजस्व		
निर्माण अनुबंधों से आय	24,859.23	30,140.10
निर्माण अनुबंधों से सकल आय - रु.29,333.89 लाख (पिछले वर्ष - रु. 35,267.62 लाख)		
	<u>24,859.23</u>	<u>30,140.10</u>
अन्य परिचालन आय:		
परियोजना प्रबंधन परामर्श	-	-
स्ट्रैप की बिक्री	151.14	38.88
	<u>25,010.37</u>	<u>30,178.97</u>
23 अन्य आय		
ब्याज आय		
- बैंक और सुरक्षा जमा पर	962.73	541.06
- बांड पर	4.47	4.23
अन्य गैर-परिचालन आय	18.53	29.33
पूर्व अवधि समायोजन	21.97	12.06
बिक्री पर लाभ संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (शुद्ध)	2.03	51.96
वापस लिखी गई संदिग्ध प्राप्त राशियों के लिए भत्ता	41.68	-
बीजी का नकदीकरण / एसडी और ईएमडी की जब्ती	13.21	5.25
	<u>1,064.61</u>	<u>643.90</u>



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
24 उपभोग की गई सामग्री की लागत		
कच्चे माल और उपभोग्य सामग्रियों का प्रारंभिक स्टॉक जोड़ें : वर्ष के दौरान खरीदारी	892.13 6,117.46	732.13 8,007.77
कम : कच्चे माल और उपभोग्य सामग्रियों का अंतिम स्टॉक जोड़ें : वर्ष के दौरान अन्य व्यय	7,009.59 669.76 6,339.83 109.27	8,739.91 892.13 7,847.78 244.00
	6,449.10	8,091.78
25 भंडार में परिवर्तन और कार्य प्रगति पर कार्य प्रगति पर		
वर्ष की शुरुआत में भंडार घटा : वर्ष के अंत में भंडार	3,738.62 3,201.84	4,239.24 3,738.62
भंडार में (वृद्धि) / कमी	536.78	500.63
25A उप अनुबंध एवं अन्य रूपांतरण प्रभार		
उप अनुबंध व्यय निर्माण कार्य व्यय	8,579.54 2,064.53	13,564.75 2,041.15
	10,644.07	15,605.90
25B स्टोर, पुर्जों और ढीले उपकरणों की खपत		
स्टोर, पुर्जों और ढीले उपकरणों की खपत	453.02	632.69
	453.02	632.69
26 कर्मचारी लाभ व्यय		
वेतन, मजदूरी और बोनस भविष्य निर्धि एवं अन्य निधियों में योगदान कर्मचारी कल्याण खर्च	3,007.82 270.74 46.67	2,541.13 213.47 51.00
	3,325.23	2,805.60
27 वित्तीय लागत		
बैंक ब्याज और कमीशन	69.29	90.63
	69.29	90.63
28 मूल्यहास और परिशोधन व्यय		
मूल्यहास परिशोधन	142.33 7.38	117.57 4.57
	149.72	122.14



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

29 अन्य खर्चे	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
विज्ञापन	7.14	11.68
संदिग्ध ऋणों, संदिग्ध प्राप्तिओं के लिए भत्ता	89.10	364.12
बैंक प्रभार	15.20	21.29
कार किराया प्रभार	81.87	90.32
निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय (नोट 42)	22.07	15.34
माल भाड़ा व अग्रेषण	32.74	0.08
बीमा	50.38	39.12
श्रम उपकर	178.58	166.50
कानूनी व्यय	76.70	77.63
परामर्श शुल्क	93.61	59.37
विविध व्यय	119.27	123.63
लेखा परीक्षकों को भुगतान (नोट 34):	-	-
लेखा परीक्षा शुल्क	0.95	0.82
कर लेखा परीक्षा शुल्क	0.55	0.30
अन्य	1.04	0.60
डाक महसूल, दूरभाष और फैक्स	5.23	7.90
मुद्रण और लेखन सामग्री	12.52	13.14
वेतन(अनुबंध)	117.03	195.47
संयंत्र और क्रेन किराया प्रभार	28.83	31.26
शक्ति और ईंधन	349.93	223.49
दरें और कर	189.21	4.79
किराया	110.20	111.17
मरम्मत एवं रखरखाव :		
- इमारतें	0.05	-
- कार्यशाला एवं यंत्र	1.97	3.65
- अन्य	3.31	9.59
साइट स्थापना व्यय	0.25	23.07
सदस्यता और दान	0.80	2.29
परीक्षण शुल्क	14.50	17.77
यात्रा खर्च	49.40	49.66
	1,652.45	1,664.07



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
30 कर व्यय		
वर्तमान आयकर:		
वर्तमान आयकर प्रभार	730.29	398.27
एमएटी उधार पात्रता		
आस्थगित कर:		
अस्थायी मतभेदों की उत्पत्ति और उत्क्रमण से संबंधित	1.99	25.30
लाभ या हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त आयकर व्यय	732.29	423.57
वर्ष के दौरान ओसीआई में मानी गई मदों से संबंधित आस्थगित कर		
वस्तुएँ, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा	-	-
वस्तुएँ, जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा	-	-
ओसीआई को आयकर प्रभार	-	-
घरेलू कर दर से गुणा किए गए लेखांकन लाभ के साथ कर व्यय का समाधान:		
आयकर से पहले लेखांकन लाभ	2,795.32	1,309.43
वैधानिक आयकर दर पर लेखांकन लाभ पर कर 25.17% (मार्च 31, 2023 : 25.17%)	703.58	329.58
कर उद्देश्यों के लिए अनुमति दी गई इक्विटी खोलने के लिए ली गई वस्तुओं के संबंध में समायोजन	-	-
कम दरों पर आस्थगित कर के संबंध में समायोजन	1.99	25.30
अन्य	-	-
25.71% की प्रभावी कर दर पर कुल	705.58	354.88
लाभ और हानि के विवरण में सूचित कर व्यय	732.29	423.57

31 आकस्मिक देयताएँ और वचनबद्धताएँ:

विवरण		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
i)	आकस्मिक देयताएँ :		
	विवादित विक्रय-कर मांग	87.89	87.89
	विवादित आय-कर मांग	497.28	505.32
	विवादित सेवा-कर मांग	154.45	154.45
	अपील के तहत विवादित भविष्य निधि मांग	54.14	54.14
	बैंक गारंटी	5,960.21	6,523.41
	विवादित माल और सेवाकर मांग (लेनदेन – 1 ब्याज) - बिहार	12.55	12.55

** इसके अलावा, 34.29 लाख रुपये के आयकर से संबंधित विवादित ब्याज मांग है



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

*कंपनी कानूनी कार्यवाही और दावों के अधीन है, जो कर अधिकारियों के समक्ष मुकदमेबाजी और ऊपर उल्लिखित मामलों सहित व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में उत्पन्न हुए हैं। अनिश्चितताएं और संभावित प्रतिपूर्ति विभिन्न कानूनी प्रक्रियाओं के नतीजे पर निर्भर हैं जो दावेदारों या कंपनी द्वारा लागू की गई हैं, जैसा भी मामला हो, और इसलिए सटीक भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है। कंपनी अपने हितों की रक्षा के लिए प्रतिष्ठित पेशेवर सलाहकारों को नियुक्त करती है और उसे सलाह दी गई है कि ऐसे विवादों के खिलाफ उसके पास मजबूत कानूनी स्थिति है। प्रबंधन का मानना है कि कार्यवाही के बचाव में उसके पास उचित मामला है और तदनुसार किसी और प्रावधान की आवश्यकता नहीं है। अदालती मामलों का अधिक विवरण नोट 43 में दिया गया है।

32 संबंधित पक्ष के खुलासे

क) निम्नलिखित तालिका संबंधित पार्टियों का नाम और कंपनी के साथ अपने संबंध की प्रकृति प्रदान करती है

नाम	संबंध
कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि) 27.12.2022 से	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कमोडोर राकेश छीलर (सेवानि) 03.02.2023 से	निदेशक (वित्त), अतिरिक्त प्रभार
श्री राजीव कुमार सिंह 21.05.2022 से	निदेशक (तकनीकी)
श्री आदित्य कुमार घोष	अंशकालिक आधिकारिक निदेशक
श्रीमती सरला देवी	गैर आधिकारिक स्वतंत्र निदेशक

ख) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों के साथ सभी लेनदेन का विवरण :

विवरण		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
i)	प्रबंध / पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक :		
	निदेशक के रूप में वेतन एवं भत्ते	94.84	97.12
	निदेशक के रूप में भविष्य निधि में अंशदान (वेतन और भत्ते में छुट्टी नकदीकरण शामिल है)	8.69	5.20
ii)	गैर-आधिकारिक अंशकालिक निदेशकों को बैठक शुल्क	0.85	0.54

ग) संबंधित पार्टियों के साथ लेनदेन के नियम और शर्तें :

संबंधित पार्टियों के साथ लेनदेन उन समतुल्य शर्तों पर किये जाते हैं जो स्वहित लेन-देन में उपलब्ध है।

33 खंड जानकारी

भारतीय लेखांकन मानक 108 “ऑपरेटिंग सेगमेंट” (“इंड. ए एस 108”) परिचालन और भौगोलिक सेगमेंट एवं उत्पाद व सेवाएं, भौगोलिक क्षेत्र और प्रमुख ग्राहकों के बारे में प्रकटीकरणों से संबंधित सार्वजनिक व्यवसाय उद्यम रिपोर्ट सूचना हेतु मानक स्थापित करता है, भारतीय लेखांकन मानकों में यथा प्रतिभाषित “प्रबंधन पहल” पर आधारित, परिचालन सेगमेंट और भौगोलिक सेगमेंट मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सी.ओ.डी. एम.) को प्रावधानित आंतरिक रिपोर्टिंग से सुसंगत पद्धति में प्रतिवेदित किए जाते हैं। सी.ओ.डी.एम. कंपनी के कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन एवं समग्र आधार पर संसाधन प्रावधानित करता है।

कंपनी मुख्य रूप से फैब्रिकेशन सहित निर्माण के व्यवसाय में लगी हुई है, जिसे ‘ऑपरेटिंग सेगमेंट’ पर भारतीय लेखा मानक - 108 के अनुसार एकमात्र रिपोर्ट करने योग्य व्यवसाय सेगमेंट माना जाता है। कंपनी भारत में परिचालन कर रही है जिसे एकल भौगोलिक खंड माना जाता है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

34 लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक में शामिल हैं:

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
सांविधिक लेखा परीक्षा शुल्क	0.95	0.82
कर लेखा परीक्षा शुल्क	0.55	0.30
अन्य	1.04	0.60
कुल	2.53	1.72

35 भारतीय लेखांकन मानक 19 'कर्मचारी लाभ' के अनुसार प्रकटीकरण:

क) उपदान

कंपनी अपने कर्मचारियों को परिभाषित लाभ योजना के तहत लाभ प्रदान करती है जिसे "उपदान योजना" कहा जाता है। उपदान योजना उन कर्मचारियों के लिए है जिन्होंने कम से कम लगातार पांच वर्षों तक सेवा प्रदान की हो, को सेवा-निवृत्ति / सेवा छोड़ने के समय पूरी सेवा के प्रत्येक वर्ष हेतु 15 दिनों का वेतन प्रदान किया जाएगा जो रु. 20.00 लाख तक सीमित है।

कंपनी ने भारत के एलआईसी से ग्रुप ग्रेच्युटी पॉलिसी ली है और एलआईसी द्वारा निर्धारित परिणामी देनदारी कंपनी द्वारा हर साल चुकाई जाती है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी का ग्रेच्युटी व्यय एलआईसी (फंड प्रशासक) द्वारा निर्धारित 42.39 लाख रुपये (पिछले वर्ष 26.32 लाख रुपये) है।

बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार, निम्नलिखित तालिकाएँ बैलेंस शीट के अनुसार ग्रेच्युटी फंड के विभिन्न घटकों का सारांश प्रस्तुत करती हैं:

दायित्व के वर्तमान मूल्य के प्रारंभिक और समापन शेष का मिलान:

विवरण	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को
प्रारंभिक परिभाषित लाभ दायित्व	499.23	531.21
वर्तमान सेवा लागत	37.38	33.57
पिछली सेवा लागत		
ब्याज लागत	33.59	34.47
भुगतान किया गया लाभ	(34.66)	(100.79)
बीमांकिक लाभ	2.94	0.77
	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को
अर्जन समायोजन		
अंतिम शेष परिभाषित लाभ दायित्व	538.48	499.23
योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य में निम्नानुसार परिवर्तन:		
अवधि की शुरुआत में योजनागत संपत्ति का उचित मूल्य	484.04	481.19
ब्याज आय	33.74	34.50
नियोक्ता योगदान	21.45	70.28
भुगतान किया गया लाभ	(34.66)	(100.79)
ब्याज आय को छोड़कर योजनागत संपत्तियों पर प्रतिफल	4.67	(1.14)
मापन अवधि के अंत में योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	509.24	484.04



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

पूर्वधारण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
छूट दर (प्रति वर्ष)	6.97%	7.17%
योजना संपत्ति पर अपेक्षित प्रतिफल	6.97%	7.17%
मुआवजा वृद्धि की दर (वेतन मुद्रास्फीति)	7.00%	7.00%

महत्वपूर्ण पूर्वधारण के लिए मात्रात्मक संवेदनशीलता विश्लेषण और अनुमानित लाभ दायित्व पर प्रतिशत के संदर्भ में इसका प्रभाव निम्नानुसार है:

	31 मार्च, 2024 को	
	छूट की दर	वेतन वृद्धि दर
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की वृद्धि का प्रभाव	-3.00%	1.71%
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की कमी का प्रभाव	3.19%	-1.72%

	31 मार्च, 2023 को	
	छूट की दर	वेतन वृद्धि दर
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की वृद्धि का प्रभाव	-3.32%	2.03%
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की कमी का प्रभाव	3.53%	-1.98%

इन संवेदनाओं की गणना अनुमानित लाभ दायित्व में गति को अलग से दिखाने के लिए की गई है और यह मानते हुए कि बाजार की स्थितियों में कोई अन्य परिवर्तन नहीं है।

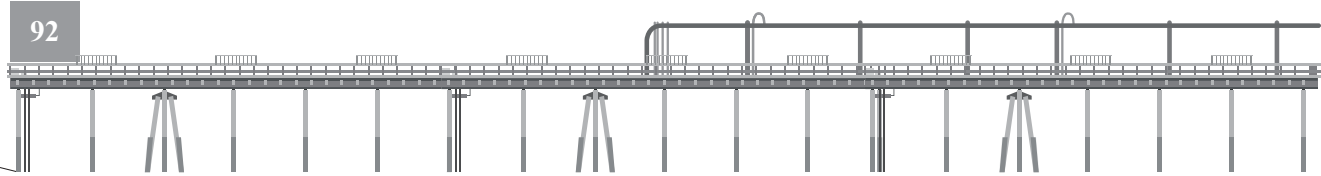
ख) अवकाश :

कंपनी अपने कर्मचारियों को अर्जित अवकाश लाभ (क्षतिपूर्ति अनुपस्थिति सहित) प्रदान करती है जो 30 दिनों की दर से सालाना जमा होता है। सेवा के दौरान अर्जित अवकाश (ईएल) भुनाया जा सकता है। हालांकि, सेवानिवृत्ति पर भुनाई जा सकने वाली छुट्टियों की कुल संख्या 300 दिनों तक सीमित होगी। यह योजना वित्त रहित है और इसके लिए दायित्व बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है। रुपये का प्रावधान, वित्तीय विवरण में वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर 472.69 लाख (31 मार्च 2023: 458.56 लाख रुपये) रुपये के प्रावधान किए गए हैं।

निम्नलिखित सारणियां लाभ या हानि के विवरण में प्रतिचिह्नित निवल लाभ व्यय के घटकों को सारांशित करती हैं तथा राशियां तुलन-पत्र में प्रतिचिह्नित हैं :

दायित्व के वर्तमान मूल्य के प्रारंभिक और समापन शेष का मिलान :

विवरण	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को
प्रारंभिक शेष	458.56	488.57
चालू सेवा लागत	23.22	15.22
गत सेवा लागत	-	-
ब्याज लागत	28.48	30.02
लाभ का भुगतान	(100.02)	(139.91)
बीमांकिक लाभ	62.45	64.66
अर्जन समायोजन	-	-



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

अन्त शेष	472.69	458.56
वर्ष के अंत में अनुमानित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	473.60	467.50
वर्ष के अंत में योजना संपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त शुद्ध देयता	473.60	467.50
वर्तमान प्रावधान	(81.26)	(18.89)
गैर वर्तमान प्रावधान	391.44	447.45

लाभ हानि खाते विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
सेवा लागत	23.22	15.22
ब्याज लागत	28.48	30.02
लाभ / (हानि) का पुनर्मूल्यांकन		
जनसांख्यिकी धारणा में बदलाव के कारण बीमांकिक लाभ / (हानि)	-	-
वित्तीय धारणा में बदलाव कारण बीमांकिक लाभ / (हानि)	-	-
अनुभव समायोजन के कारण वास्तविक लाभ / (हानि)	62.45	64.66
छूट दर से अधिक (कम) योजना संपत्ति पर लाभ	-	-
कुल लागत	114.15	109.90

पूर्वधारण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
छूट दर (प्रति वर्ष)	6.97%	7.17%
भविष्य में वेतन वृद्धि	7.00%	7.00%

महत्वपूर्ण पूर्वधारण के लिए मात्रात्मक संवेदनशीलता विश्लेषण और अनुमानित लाभ दायित्व पर प्रतिशत के संदर्भ में इसका प्रभाव निम्नानुसार है:

	31 मार्च, 2024 को	
	छूट की दर	वेतन वृद्धि दर
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की वृद्धि का प्रभाव	-3.80%	4.05%
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की कमी का प्रभाव	4.08%	-3.80%
	31 मार्च, 2023 को	
	छूट की दर	वेतन वृद्धि दर
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की वृद्धि का प्रभाव	-3.96%	4.21%
अनुमानित लाभ दायित्व पर 50 बीपीएस की कमी का प्रभाव	4.25%	-3.96%

इन संवेदनाओं की गणना अनुमानित लाभ दायित्व में गति को अलग से दिखाने के लिए की गई है और यह मानते हुए कि बाजार की स्थितियों में कोई अन्य परिवर्तन नहीं है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

36 सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों के बकाये:

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने 26 अगस्त 2008 को एक कार्यालय ज्ञापन जारी किया है, जो अनुशंसा करता है कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों को अपने ग्राहक के साथ उनके पत्राचार में ज्ञापन फाइलिंग करने के बाद यथा आबंटित उद्यमी ज्ञापन संख्या का उल्लेख किया जाना चाहिए। तदनुसार, 31 मार्च 2024 को ऐसे उद्यमियों को भुगतान राशि के संबंध में प्रकटीकरण कंपनी में किया गया है। आगे प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए, ब्याज का प्रभाव, अगर कोई, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एम.एस.एम.ई.डी. अधिनियम) के प्रावधानों के अनुसार भुगतान किये जाने के महत्वपूर्ण प्रभाव की उम्मीद नहीं की जाती है। कंपनी को किसी आपूर्तिकर्ता से ब्याज के लिए दावा नहीं मिला है।

विवरण		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
क)	प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में किसी आपूर्तिकर्ता को मूल राशि और उस पर देय ब्याज का भुगतान नहीं किया जाना।	शून्य	शून्य
ख)	एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि, साथ ही प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि;	शून्य	शून्य
ग)	भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान किया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियत दिन से परे) लेकिन इस एमएसएमईडी अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	शून्य	शून्य
घ)	प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित और अवैतनिक शेष ब्याज की राशि; और	शून्य	शून्य
ड)	एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय की अस्वीकृति के उद्देश्य से, अतिरिक्त ब्याज की राशि शेष है और आने वाले वर्षों में भी देय है, ऐसी तारीख तक जब ऊपर दिए गए ब्याज का भुगतान वास्तव में छोटे उद्यम को किया जाता है।	शून्य	शून्य

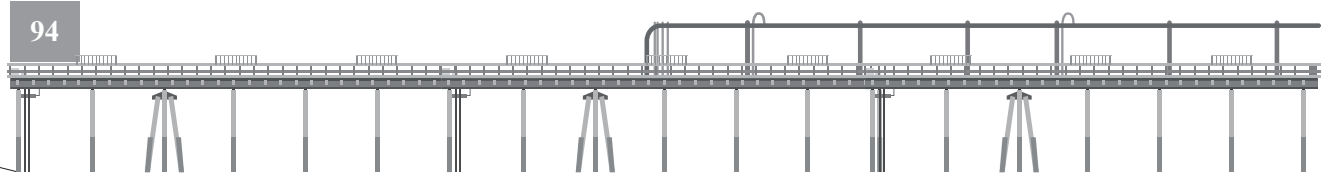
37 प्रति शेयर अर्जन

मूल ईपीएस राशि की गणना वर्ष के दौरान इक्विटी धारकों के लिए देय लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

तनुकृत ईपीएस राशि की गणना इक्विटी धारकों को होने वाले लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और सभी डाइल्यूटिव संभावित इक्विटी शेयरों को इक्विटी शेयरों में बदलने पर जारी किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

निम्न सारणी प्रति शेयर के मूल और तनुकृत अर्जन के गणना को दर्शाती है।

विवरण	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को
इक्विटी शेयर धारकों के लिए जिम्मेदार वर्ष का लाभ	206,303,499.26	88,585,452.18
शेयर		
वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या – मूल	1,208,605.00	1,208,605.00
वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या – तनुकृत	1,208,605.00	1,208,605.00
प्रति शेयर आय		
₹. 1000/- समान मूल्य के प्रति शेयर आय - मूल (₹.)	170.70	73.30
₹. 1000/- समान मूल्य के प्रति शेयर आय - तनुकृत (₹.)	170.70	73.30



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

38 उचित मूल्यांकन तकनीक

कंपनी उपलब्ध सर्वोत्तम और सबसे प्रासंगिक डेटा का उपयोग करके वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देनदारियों को महत्व देने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को बनाए रखती है। परिसंपत्तियों और देनदारियों के उचित मूल्यों को उस राशि में शामिल किया जाता है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने के लिए प्राप्त होगी या माप तिथि पर बाजार सहभागियों के बीच एक व्यवस्थित लेनदेन में देयता को स्थानांतरित करने के लिए भुगतान किया जाएगा। कुछ उचित मूल्यों का अनुमान लगाने के लिए निम्नलिखित विधियों और मान्यताओं का उपयोग किया गया था। नकद और जमा, व्यापार प्राप्य, व्यापार देय और अन्य वर्तमान वित्तीय संपत्ति और देनदारियों का उचित मूल्य मोटे तौर पर इन उपकरणों की अल्पकालिक परिपक्वता के कारण उनकी अग्रणीत राशि का अनुमान लगाता है।

उचित मूल्य पदानुक्रम

निम्न तालिकाएं कंपनी की परिसंपत्ति और देनदारियों का उचित मूल्य माप पदानुक्रम प्रदान करती हैं, जिन्हें नीचे वर्णित स्तर 1 से स्तर 3 में समूहीकृत किया गया है:

- समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (स्तर 1)। इसमें सक्रिय बाजारों में कारोबार किए गए वित्तीय साधनों का उचित मूल्य शामिल है और यह बैलेंस शीट की तारीख में उद्धृत बाजार कीमतों पर आधारित है।
- स्तर 1 में शामिल उद्धृत कीमतों के अलावा इनपुट, जो परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष रूप से (यानी कीमतों के रूप में) या परोक्ष रूप से (अर्थात् कीमतों से व्युत्पन्न) (स्तर 2) के लिए देखे जा सकते हैं। इसमें उन वित्तीय साधनों का उचित मूल्य शामिल है जिनका एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया जाता है (उदाहरण के लिए, ओवर-द-काउंटर डेरिवेटिव) और मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। ये मूल्यांकन तकनीक अवलोकन योग्य बाजार डेटा के उपयोग को अधिकतम करती हैं जहां यह उपलब्ध है और कंपनी के विशिष्ट अनुमानों पर जितना संभव हो उतना कम भरोसा करती है। यदि किसी उपकरण के उचित मूल्य के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण इनपुट देखे जा सकते हैं, तो उपकरण को स्तर 2 में शामिल किया जाता है।
- परिसंपत्ति या देयता के लिए इनपुट जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा पर आधारित नहीं हैं (अर्थात्, अप्राप्य इनपुट) (स्तर 3)। यदि एक या अधिक महत्वपूर्ण इनपुट बाजार के अवलोकन योग्य डेटा पर आधारित नहीं हैं, तो उपकरण को स्तर 3 में शामिल किया गया है।

विवरण	31 मार्च, 2024 को			31 मार्च, 2023 को		
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
वित्तीय परिसंपत्ति						
इक्विटी लिखतों में निवेश	-	3,086.51	-	-	3,086.81	-
ऋणपत्र या बांड में निवेश	-	87.95	-	-	83.48	-
कुल वित्तीय परिसंपत्ति	-	3,174.47	-	-	3,170.30	-
वित्तीय देनदारियाँ						
ऋण को शून्य दर ऋणपत्र में परिवर्तित किया गया लंबित आवंटन	-	217.92	-	-	241.15	-
कुल वित्तीय देयताएँ	-	217.92	-	-	241.15	-

31 मार्च, 2024 और 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान, स्तर 1 और स्तर 2 के उचित मूल्य माप के बीच कोई स्थानान्तरण नहीं हुआ और स्तर 3 के उचित मूल्य माप में और बाहर कोई हस्तांतरण नहीं हुआ। स्तर 3 के तहत कोई लेनदेन/बैलेंस नहीं है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

39 जोखिम प्रबंधन नीतियाँ

कम्पनी की प्रमुख वित्तीय देनदारियों में ऋण व उधार, व्यापार और अन्य भुगतान शामिल हैं। इन वित्तीय देयताओं का मुख्य उद्देश्य कम्पनी के प्रचालन में वित्तीय सहायता व मदद पहुंचाना है। कम्पनी की मूल वित्तीय सम्पत्तियों में सामान सूची, व्यापार और प्राप्य, नकद व नकद समतुल्य एवं वापसी योग्य जमा जो इसके प्रचालनों से सीधे प्राप्त होती हैं शामिल हैं।

कम्पनी बाजार जोखिम, साख जोखिम तथा नकदी जोखिम पर अनावृत है। कम्पनी के वरिष्ठ प्रबंधक इन जोखिमों के प्रबंधन का ध्यान रखते हैं। निदेशक मंडल इन प्रत्येक जोखिम को प्रबंधित करने के लिए समीक्षा व नीति सहमति प्रदान करते हैं जिनका सारांश नीचे दिया गया है।

क) बाजार जोखिम

ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है जो वित्तीय साधन के उचित मूल्य या भावी नकद प्रवाह में परिवर्तन के कारण उतार-चढ़ाव होगा, बाजार ब्याज दरों में परिवर्तन के जोखिम में कम्पनी का प्रकटीकरण मुख्य रूप से अस्थायी ब्याज सहित सम्पनी के लघु कालिक ऋण दायित्वों से संबंधित है।

कम्पनी परिवर्तनीय दर उधारों के संतुलित पोर्टफोलियों द्वारा अपना ब्याज दर जोखिम प्रबंधित करती है। कम्पनी किसी ब्याज दर विनिमय में प्रवेश नहीं करती है।

ब्याज दर संवेदनशीलता

निम्नलिखित सारणी ब्याज दरों पर उचित संभावित परिवर्तन में संवेदनशीलता दर्शाती है जिसने ऋणों के भाग और उधारी को प्रभावित किया है। स्थिर धारित सभी अन्य परिवर्तनों के साथ, कम्पनी का कर के पूर्व लाभ अस्थायी दर उधारी पर प्रभाव के माध्यम से प्रभावित करता है, जो निम्नानुसार है :

	ब्याज दर में वृद्धि / कमी
31 मार्च, 2024 को	
भारतीय रुपये	+1%
भारतीय रुपये	-1%
31 मार्च, 2023 को	
भारतीय रुपये	+1%
भारतीय रुपये	-1%

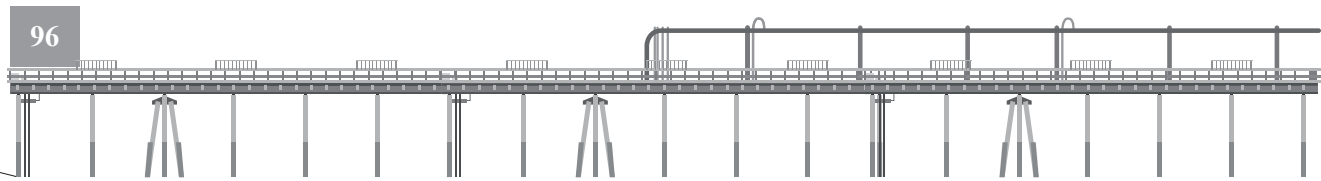
ख) साख जोखिम

साख जोखिम वह जोखिम है जो प्रतिलेखी रूप में वित्तीय साधन या ग्राहक ठेका के अधीन अपनी बाध्यता को पूरा नहीं करेगा, जिससे वित्तीय हानि हो। साख जोखिम मुख्य रूप से बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों एवं अन्य वित्तीय साधनों समेत अपने निवेशी क्रियाकलापों से तथा अपने परिचालन क्रियाकलापों (प्राथमिक तौर पर व्यापार प्राप्य) से उत्पन्न होता है।

साख जोखिम एक सतत आधार पर ग्राहकों की साख योग्यता तथा साख सीमा के विश्लेषण द्वारा नियंत्रित किया जाता है जिस पर साख हेतु आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद साख मंजूर की जाती है। व्यापार प्राप्य से संग्रह की निगरानी प्राप्य टीम द्वारा निरंतर आधार पर की जाती है।

कम्पनी साख हानि हेतु भत्ता स्थापित करती है जो विगत और हाल की संग्रहण प्रवृत्ति पर आधारित अन्य प्राप्तियों तथा व्यापार के संबंध में सम्भावित हानि का अपना अनुमान प्रस्तुत करती है। रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार ऋण जोखिम का अधिकतम जोखिम प्राथमिक रूप से व्यापार प्राप्य और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से है। वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्तियों के संबंध में साख हानि हेतु भत्ते में परिवर्तन निम्नानुसार थे :

साख हानि के लिए भत्ता	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
प्रारंभिक शेष	1,015.26	734.07
साख नुकसान दिया गया	89.10	281.19
साख नुकसान वापस किया	(41.68)	-
अन्त शेष	1,062.68	1,015.26



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

ग) नकदी जोखिम

कम्पनी का उद्देश्य बैंक जमा और ऋणों के व्यवहार के माध्यम से निधियन एवं नम्यता की निरंतरता के बीच एक संतुलन अनुरक्षित रखना है। यह सारणी संविदात्मक बिना छूट के भुगतानों पर आधारित कम्पनी की वित्तीय देयताओं का परिपक्वता स्वरूप सारांशित करती है:

	आगे ले जाने वाली राशि	12 महीने से कम	12 महीने के बाद	कुल
31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष				
उधारी	364.62	50.00	314.62	364.62
व्यापार देय	824.59	501.04	323.55	824.59
अन्य वित्तीय देयताएँ	4,474.36	4,352.87	121.49	4,474.36
31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष				
उधारी	414.62	50.00	364.62	414.62
व्यापार देय	2,895.27	2,573.56	321.70	2,895.27
अन्य वित्तीय देयताएँ	4,143.83	4,022.35	121.49	4,143.83

वित्तीय देनदारियों में भारत सरकार का 6589.00 लाख रुपये का बकाया ऋण और उसपर 34016.13 लाख रुपये का संचित ब्याज शामिल है, जो भारत सरकार द्वारा पूर्ववर्ती बीबीयूएनएल के माध्यम से अपनी सहायक कंपनियों अर्थात् बीपीएमईएल और डब्ल्यूआईएल को दिया गया था। बीपीएमईएल परिसमापन के अधीन है और डब्ल्यूआईएल का समापन (परिसमापन के बाद) हो रहा है। चूंकि उक्त ऋण और ब्याज की सहायक कंपनियों से वसूली अनिश्चित है, इसलिए इसे वित्तीय देनदारियों की परिपक्वता प्रोफाइल में नहीं दिखाया गया है।

40 पूंजीगत प्रबंधन

कम्पनी की नीति एक मजबूत पूंजी आधार अनुरक्षित करना है जिससे निवेशक, लेनदार तथा बाजार आत्मविश्वास अनुरक्षित एवं व्यापार का भावी विकास बनाये रखा जा सके। प्रबंधन नियोजित पूंजी पर प्राप्ति के आधार पूंजी एवं कुल इक्विटी अनुपात में ऋण प्रबोधित करता है। कुल इक्विटी अनुपात में ऋण के उद्देश्य हेतु, विचारित ऋण दीर्घकालिक और और अल्पकालिक उधारी है। कुल इक्विटी जारी शेयर पूंजी और सभी अन्य इक्विटी प्रारक्षित को मिलाकर है।

31 मार्च, 2024, 31 मार्च, 2023 को पूंजीगत संरचना निम्नानुसार था:

विवरण	31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
कंपनी के इक्विटी शेयर धारकों के कुल इक्विटी विशेषता	23,730.58	21,844.71
कुल पूंजी के प्रतिशत के रूप में	98.49%	98.14%
वर्तमान परिपक्वता समेत दीर्घकालिक उधारी	364.62	414.62
अल्पकालीन उधारी	-	-
कुल उधारी	364.62	414.62
कुल पूंजी के प्रतिशत के रूप में	1.51%	1.86%
कुल पूंजी (इक्विटी एवं उधारी)	24,095.20	22,259.33



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

- 41** भारतीय लेखांकन मानक 115 “ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व” के अनुसरण में प्रकटीकरण
- क** 1 अप्रैल, 2018 से प्रभावी, कंपनी इंड ए एस 115 “ग्राहक के साथ अनुबंध से राजस्व” को अपनाया और निर्माण और सेवा गतिविधियों से मान्यता “समय के साथ” पद्धति पर आधारित है और कंपनी डिलीवरी की प्रगति को मापने के लिए आउटपुट पद्धति का उपयोग करती है। प्रतिशत संकलन विधि, जो कंपनी द्वारा पहले इस्तेमाल की गई नीति के अनुरूप है। कंपनी की वित्तीय स्थिति पर कोई महत्वपूर्ण लेनदेन प्रभाव नहीं पड़ा है। वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अर्जित राजस्व इस प्रकार है:-

ख.		31 मार्च, 2024 को	31 मार्च, 2023 को
	संचालन से राजस्व (निर्माण अनुबंधों से सकल आय - रु.29,333.89 लाख (पिछले वर्ष- रु. 35,267.62 लाख)	24,859.23	30,140.10
	अन्य राजस्व	151.14	38.88
	कुल	25,010.37	30,178.97

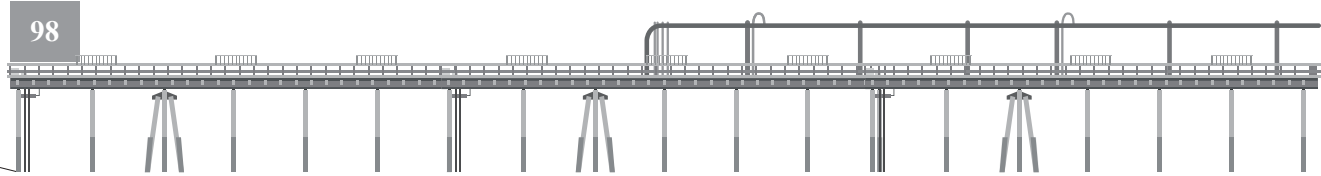
42 निगमित सामाजिक दायित्व व्यय (सीएसआर)

सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार, कंपनी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान अपनी सीएसआर नीति के अनुसार ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का कम से कम दो प्रतिशत खर्च करना आवश्यक है। वर्ष के लिए सीएसआर खर्चों का विवरण इस प्रकार है:

विवरण	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
क. वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि	22.07	14.86
ख. पिछले वर्ष की कमी राशि	-	0.48
ग. कुल (क+ख)	22.07	15.34
घ. वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि:		
- किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-
- उपरोक्त के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	22.07	15.34
कुल	22.07	15.34
कमी राशि	-	-

क) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि

विवरण	नकद में	नकदी में भुगतान किया जाना है	कुल
किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-	-
उपरोक्त के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	22.07	-	22.07



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

ख) 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि

विवरण	नकद में	नकदी में भुगतान किया जाना है	कुल
किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	-	-	-
उपरोक्त के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	15.34	-	15.34

ग) प्रमुख शीर्षों के अंतर्गत सीएसआर व्ययों का विवरण निम्नानुसार है

विवरण	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
1. स्वच्छ भारत कोष	-	-
2. स्वच्छ गंगा कोष	-	-
3. कौशल विकास प्रशिक्षण	14.98	-
4. शिक्षा	-	-
5. स्वास्थ्य	-	-
6. सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष	-	-
7. पीएम केयर्स फंड	7.09	15.34
कुल	22.07	15.34



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

43. कानूनी मामलों का विवरण :

बीबीजे / बीबीएनएल से संबंधित 31.03.2024 को लंबित कानूनी मामलों की वर्तमान स्थिति

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (₹ में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण मानिटरिंग रचनात्मक प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
1.	बेदखली सूट सिविल सूट (सी.एस.) संख्या - 1982 का 482 बीच में हिंदुस्तान कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज लिमिटेड (पहले मोदी बिल्डिंग लिमिटेड) -बनाम- बीबीजे	1982	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य: बेदखली का मामला जुलाई, 1982 में बिल्डिंग मालिक - प्रेशियस स्टॉक्स एंड बॉन्ड्स लिमिटेड (पीएसबीएल) द्वारा दायर किया गया था, जिसे बाद में बीबीजे को बेदखल करने के लिए मोदी बिल्डिंग लिमिटेड (अब हिंदुस्तान कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज लिमिटेड) का नाम दिया गया। वह परिसर जहां बीबीजे का प्रधान कार्यालय स्थित है। 	बेदखली सूट	लंबित है।	मामला सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय की वाद सूची में प्रदर्शित हो रहा है	माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता (मूल पक्ष)
2.	पैसे का मुकदमा (मनीसूट), स्वामित्व मुकदमा, टीएस सं. 2009 का 91 (टीएस सं. 2016 का 3827/2016 का 0001653) बीबीएनएल (अब बीबीजे)- बनाम- जेसप एण्ड कंपनी लि.	2009	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : यह मनी सूट बीबीएनएल (अब बीबीजे) द्वारा 27.11.2009 को जेसप एंड कंपनी लिमिटेड से सितंबर'01 से अगस्त'03 तक की अवधि के लिए कंपनी द्वारा 2005 में गलत तरीके से वापस किए गए 82,71,520 रुपये के सेवा शुल्क ब्याज, लागत आदि सहित की वसूली के लिए दायर किया गया था। 	82.71 लाख	लंबित है।	मामला सुनवाई हेतु लंबित है।	विद्वान न्यायालय, प्रथम सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिजीवन) अलीपुर, 24 पराना (दक्षिण)
3.	रिट याचिका, 2010 का डब्ल्यू. पी. 4224 (डब्ल्यू इंडो - वेगन - इंजी. लि. एवं अन्य बनाम (1)यूनियन ऑफ इंडिया (2) बीबीजे (पूर्ववर्ती बीबीएनएल) (3) स्टॉक होल्डिंग्स कांफ़िडेंस ऑफ इंडिया लिमिटेड	2010	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य: बीबीएनएल (अब बीबीजे) द्वारा याचिकाकर्ता के संग की गई एस्पचए के अनुसार हस्तांतरण की तारीख से 3 वर्ष के लिए 72% शेयरों को स्टॉक होल्डिंग्स कांफ़िडेंस ऑफ इंडिया लिमिटेड में डिमेट के रूप में स्थानांतरित कर धरोहर रखना था परंतु बीबीएनएल (अब बीबीजे)ने 3 वर्ष खतम हो जाने के बाद भी धरोहर वाले शेयरों के बारे में "गिरवी बंद करने की पुष्टि फॉर्म" निर्गत नहीं की। वर्तमान रिट याचिका इंडो वेगन इंजीनियरिंग लिमिटेड और अन्य द्वारा 24.02.2010 को दायर की गई थी 	रिट याचिका	लंबित है।	मामला लंबित है एवं माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता (अपीलीय पक्ष) के समक्ष अभी भी सूचीबद्ध किया जाना है।	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता (अपीलीय पक्ष)



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटरिंग रचनातंत्र की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
4(क)	मध्यस्थता अपील एपी नंबर - 2010 का 738 बीबीजे - बनाम - सिवटेक (श्री पार्थ चक्रवर्ती)	2010	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : मेसर्स सिवटेक (श्री पार्थ चक्रवर्ती द्वारा प्रतिनिधित्व) और बीबीजे के बीच डेहरी-ऑन-सीन और मुगलसराय के बीच छह अलग-अलग स्थानों पर समग्र गर्डर्स के निर्माण के लिए पूर्वी रेलवे की एक परियोजना से संबंधित विवादों के लिए मध्यस्थता की कार्यवाही आयोजित की गई थी। परियोजना वर्ष लगभग 1998 था। एकमात्र मध्यस्थ ने 14.09.2010 को प्रतिवादी - बीबीजे के खिलाफ दावेदार (मेसर्स सिवटेक) के पक्ष में आदेश पारित किया (जिसे 25.09.2010 के आदेश द्वारा सही किया गया था)। कुल मूल्य 17 लाख रुपये + ब्याज। असंतुष्ट होकर बीबीजे ने दिनांक 14.09.2010 के उक्त मध्यस्थता आदेश को रद्द करने के लिए कलकत्ता (मूल पक्ष) में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष 10.12.2010 को वर्तमान मध्यस्थता अपील दायर की। संक्षेप में तथ्य : 11 साल बीतने के बाद, मेसर्स सिवटेक (श्री पार्थ चक्रवर्ती द्वारा प्रतिनिधित्व) ने उपरोक्त उल्लिखित मध्यस्थता फैसला दिनांक 14.09.2010 को लागू करने के लिए कलकत्ता (मूल पक्ष) में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष बीबीजे के खिलाफ निष्पादन मामला दायर किया। दावा की गई कुल राशि 81 लाख रुपये है (जिसमें वर्तमान निष्पादन मामले को दाखिल करने की तारीख तक अर्जित ब्याज शामिल है)। उपस्थिति के लिए नोटिस प्राप्त करने के बाद बीबीजे, बीबीजे के सॉलिसिटर और काउंसिल के माध्यम से कलकत्ता में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष मामले का बचाव करने के लिए विधिवत उपस्थित हुए। उपस्थिति के लिए नोटिस प्राप्त करने के बाद बीबीजे, बीबीजे के सॉलिसिटर और काउंसिल के माध्यम से कलकत्ता में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष मामले का बचाव करने के लिए विधिवत उपस्थित हुए। 	17 लाख रुपये+ लंबित ब्याज	लंबित	इस मामले पर अभी कलकत्ता (मूल पक्ष) में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय लिया जाना बाकी है।	माननीय उच्च न्यायालय (मूल पक्ष)
4(ख)	निष्पादन मुकदमा उच्च न्यायालय, कलकत्ता 2022 का ई. सी. संख्या 142 बीबीजे (श्री पार्थ चक्रवर्ती) - बनाम - सिवटेक	2018	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : बीबीजे के पक्ष में शून्य दायित्व फैसला पारित किया गया। उत्तर मध्य रेलवे ने मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत उक्त फैसले को ग्वालियर जिला न्यायालय के समक्ष चुनौती दी। बीबीजे को कोई प्रति नहीं दी गई, इसलिए किसी को भी नहीं लगाया गया। हालांकि उक्त न्यायालय ने उत्तर मध्य रेलवे के दावों को खारिज कर दिया और दिनांक 09.11.2009 को आदेश पारित किया। असंतुष्ट होकर, उत्तर मध्य रेलवे ने माननीय मप्र उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ के समक्ष विद्वान जिला न्यायालय के उक्त आदेश को चुनौती दी। 	81 लाख रुपये (उपार्जित ब्याज सहित)	लंबित	इस मामले पर अभी कलकत्ता (मूल पक्ष) में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय लिया जाना बाकी है।	माननीय उच्च न्यायालय (मूल पक्ष)
5.	मध्यस्थता अपील ए. नं. 2010 का 1 (कुवरी प्रथम ब्रिज कंट्राक्ट मामला) नार्थ सेंट्रल रेलवे - बनाम- बीबीजे	2010	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : बीबीजे के पक्ष में शून्य दायित्व फैसला पारित किया गया। उत्तर मध्य रेलवे ने मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत उक्त फैसले को ग्वालियर जिला न्यायालय के समक्ष चुनौती दी। बीबीजे को कोई प्रति नहीं दी गई, इसलिए किसी को भी नहीं लगाया गया। हालांकि उक्त न्यायालय ने उत्तर मध्य रेलवे के दावों को खारिज कर दिया और दिनांक 09.11.2009 को आदेश पारित किया। असंतुष्ट होकर, उत्तर मध्य रेलवे ने माननीय मप्र उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ के समक्ष विद्वान जिला न्यायालय के उक्त आदेश को चुनौती दी। 	शून्य दायिता	लंबित	यह मामला माननीय उच्च न्यायालय म.प्र. की खण्डपीठ (ग्वालियर शाखा) के समक्ष विचारधीन है।	माननीय उच्च न्यायालय म.प्र. (ग्वालियर शाखा)



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटरिंग रचनातंत्र की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
6.	अपील मामला : विविध. 2021 का आवेदन क्रमांक 04 (2012 की नियमित अपील संख्या 118) बीच में युनियन ऑफ इंडिया-बनाम-युको बैंक एवं अन्य। उत्तरदाता: 1. युको बैंक 2. टीपीजी इक्विटी मैनेजमेंट एंड प्रा. लिमिटेड 3. बीएसपीएल (परिसमापन में) 4. बीबीजे (तत्कालीन बीबीएनएल)	2018	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : पहले भारत संघ (यूओआई) ने 01.08.2012 को केस संख्या 118/2012 के तहत वर्तमान अपील दायर की थी। दूसरी ओर टीपीजी इक्विटी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने विद्वान पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली न्यायाधिकरण-1, कोलकाता के बीपीएमईएल के शेषों की कुकी के आदेश दिनांक 23.02.2012 के खिलाफ, आदेश को रद्द करने के लिए 2012 की संख्या 138 के तहत क्रॉस अपील दायर की। हालांकि, उक्त आदेश में उन्होंने भारत संघ को अपने दायित्व के निर्वहन में या किसी अन्य तरीके से बीपीएमईएल के शेषों को टीपीजी इक्विटी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित करने पर विचार करने की सलाह दी। 	अपील मामला	लंबित	यह मामला विद्वान ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष 19.01.2024 को सुनवाई के लिए लंबित है।	विद्वान ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण
7.	बिजली मामला इलेक्ट्रीसिटी सर्विफिकेट मुकदमा सं. 01/13-14 बीएसईबी -बनाम- बीबीजे	2013	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : बिहार राज्य बिजली बोर्ड (बीएसईबी) जिसे अब बिहार राज्य पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएसीएल) कहा जाता है, ने गंगा ब्रिज परियोजना स्थल पर बिजली आपूर्ति के बदले बीबीजे से अवैध रूप से 54.36 लाख रुपये की मांग की। बीएसबी ने बीबीजे से 54.36 लाख रुपये की वसूली के लिए 2013-14 का यह इलेक्ट्रिक सर्विफिकेट केस नंबर 1 दायर किया। वर्तमान अपीलकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बिक्री की आश्रित कीमत बोलियां खुलने के बाद तय की गई थी। बीबीजे को बीएसईबी की उक्त जबरदस्ती कार्रवाई के खिलाफ माननीय पटना उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका (सीडब्ल्यूसी संख्या 17069/2019) दायर करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दिनांक 08.12.2022 के एक आदेश द्वारा, माननीय पटना उच्च न्यायालय ने बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएसीएल) के दावे को खारिज कर दिया। उक्त आदेश दिनांक 08.12.2022 के संदर्भ में, बीबीजे अब मुंगेर में वर्तमान बिजली मामले के निपटान के लिए कदम उठा रहा है। 	54.36 लाख रुपये	लंबित	यह मामला जिला नीलाम प्रमाणपत्र पदाधिकारी, मुंगेर के विद्वान न्यायालय में सुनवाई के लिए लंबित है।	विद्वान न्यायालय जिला नीलाम प्रमाणपत्र



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानदंडिंग रचनातंत्र की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
अपील मामला 2014 की नियमित अपील संख्या 129 (2014 की डायरी क्रमांक 9046) बीच में - ओएमडीसी- बनाम- यूको बैंक एवं अन्य [यहां यूनियन ऑफ इंडिया और बीबीजे (तत्कालीन बीबीयूनएल) प्रतिवादी हैं।]	2014	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : यूको बैंक ने 04.11.2003 को डीआरटी से, बीपीएमईएल से 1,92,12,957.92 रुपये (परिसमापन में) और यूओआई से 2,16,13,312.35 रुपये का संयुक्त रूप से, अलग-अलग और व्यक्तिगत रूप से कुल 4,08,26,270/- रुपये, 08.05.1991 से वसूली तक "उपरोक्त प्रमाणित राशियों" पर 19.5% की दर से ब्याज के साथ, का डिफ्रेंड किया था। जिसे यूको बैंक द्वारा टीपीजी इन्विटी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया था। बीबीजे ने बीबीजे से 54.36 लाख रुपये की वसूली के लिए 2013-14 का यह इलेक्ट्रिक सर्किट केस नंबर 1 दायर किया। उड़ीसा मिमल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओएमडीसी), आरआईएल की सहायक कंपनी ने पहले उड़ीसा राज्य में तीन खदानों का प्रचालन करती थी और जब 14.10.1980 को बीपीएमईएल सरकारी कंपनी के तौर पर निर्गमित हुई तो भारत सरकार ने खदानों के बीपीएमईएल के प्रशासनिक नियंत्रण में निहित करने की अधिसूचना जारी की। चूंकि ओएमडीसी उक्त खदानों का संचालन कर रहा था, इसलिए बीपीएमईएल ने पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) के माध्यम से अपने सभी अधिकार और स्वामित्व ओएमडीसी को सौंप दिए थे। अब टीपीजी, बीपीएमईएल का सुरक्षित ऋणदाता होने के नाते, वसूली अधिकारी से और उसके बाद पीठासीन अधिकारी, डीआरटी से उक्त खदानों के कब्जे का दावा कर रहा है। असंतुष्ट होकर ओएमडीसी ने पी.ओ./डीआरटी-1 द्वारा पारित सभी पूर्व आदेशों की समीक्षा/रद्द करने और टीपीजी आदि को यूको बैंक के असाइनमेंट को रद्द करने के लिए डीआरटी के समक्ष 09.05.2014 को वर्तमान अपील दायर की, जहां यूओआई और बीबीयूनएल (अब बीबीजे) प्रतिवादी हैं। 	अपील मामला [बीपीएमईएल (परिसमापन के अधीन) के विरुद्ध यूको बैंक की बकाया राशि के संबंध में]	लंबित है।	यह मामला विद्वान ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष 25.01.2024 को सुनवाई के लिए लंबित है।	विद्वान ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण
मध्यस्थता अपील 2016 का ए.पी. संख्या 9 2016 का जी.ए. संख्या 120 बीच में - इंडो वैगन इंजी. कंपनी लि. बनाम बीबीजे (तत्कालीन बीबीयूनएल)	2016	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : कंपनी और इंडो वैगन इंजीनियरिंग लिमिटेड (IWEL) के बीच जेसप एण्ड कंपनी लिमिटेड ("जेसप") के इक्विटी शेयरों और अन्य विवादों के लिए एक मध्यस्थता कार्यवाही की गई। एकमात्र मध्यस्थ ने 11.09.2015 को बीबीयूनएल के पक्ष में निर्णय पारित किया और आईडब्ल्यूएल को ब्याज सहित 41.02 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। असंतुष्ट होकर आई डब्ल्यू ई एल ने दिनांक 11.09.2015 के उक्त निर्णय को रद्द करने के लिए 04.01.2016 को माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष यह मध्यस्थता याचिका दायर की। 	41.02 करोड़ रुपये+ ब्याज	लंबित।	मामला लंबित है और अभी भी आगे की सुनवाई के लिए कलकत्ता (मूल पक्ष) में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध किया जाना है।	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता, (मूल पक्ष)



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटरिंग रचनातंत्र की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
9(ख)	निष्पादन का मामला 2018 का ई.सी. नंबर 458 बीच में - बीबीजे (तत्कालीन बीबीएनएल) -बनाम- इंडो वैनम इंजी. कंपनी लिमिटेड।	2018	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : एकमात्र मध्यस्थ के उपर्युक्त उल्लिखित फैसले को निष्पादित करने के लिए जो दिनांक 11.09.2015 को बीबीएनएल के पक्ष में पारित किया गया और जिसमें आईडब्ल्यूईएल द्वारा बीबीजे को ब्याज सहित 41.02 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया, बीबीजे (तत्कालीन बीबीएनएल) ने 41.02 करोड़ रुपये + ब्याज की प्रदान की गई राशि की वसूली के लिए 19.09.2018 को यह निष्पादन आवेदन दायर किया। 	41.02 करोड़ रुपये+ ब्याज	लंबित।	मामला कलकत्ता (मूल पक्ष) में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए लंबित है।	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता, (मूल पक्ष)
10.	मध्यस्थता अपील आबि. अपील 2019 का संख्या 2 (जोगीचोपा ब्रिज अनुबंध मामला) के बीच - एन.एफ. रेलवे - बनाम - बीबीजे	2016	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : मामला असम में निर्मित जोगीचोपा पुल से संबंधित है। मेसर्स बीबीजेके पक्ष में ट्रिब्यूनल द्वारा पारित फैसले के अनुपालन में हालांकि, उत्तरी सीमांत रेलवे द्वारा आंशिक भुगतान किया गया था और अन्य हिस्सा बिना किसी विवाद के एनएफ रेलवे के आदेश पर सुलह की प्रतीक्षा में रहा। एन एफ रेलवे ने गौहाटी में विद्वान जिला न्यायालय के समक्ष आदेश को चुनौती दी। 23.07.2014 को विद्वान जिला न्यायाधीश, कामरूप, गुआहाटी ने एन एफ रेलवे के दावों को खारिज कर दिया। 351 दिनों की देरी के बाद एनएफ रेलवे ने माननीय गौहाटी उच्च न्यायालय के समक्ष 17.10.2015 को वर्तमान मध्यस्थता अपील दायर की (जो कि 02.02.2019 को स्वीकार की गई)। 	शून्य दायिता	लंबित।	मामला माननीय उच्च न्यायालय, गौहाटी के समक्ष सुनवाई के लिए लंबित है।	माननीय उच्च न्यायालय, गुआहाटी, असम
11.	सिविल अपील 2017 की पीपी अपील संख्या 6 (विक्टोरिया हाउस मामला) के बीच - बीबीजे - बनाम - केओपीटी (अब श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट)	2017	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : यह मामला लोक भवन (अनधिकृत कब्जे से बेदखली) अधिनियम 1971 की धारा 7 (3) के तहत बीबीजे के खिलाफ 01.04.1988 से 31.03.1989 तक 'विक्टोरिया वर्क्स' के अनधिकृत रूप से कब्जा करने से हुई क्षति के लिए रु.10,57,872 भुगतान से संबंधित है। बीबीजे द्वारा विभिन्न आधारों पर संपदा ऑफिसर के समक्ष केओपीटी के दावे को चुनौती दी गई थी। 08.03.2017 को एक आक्षेपित आदेश द्वारा केओपीटी के विद्वान संपदा अधिकारी ने केओपीटीके दावों को सही ठहराया। उक्त आदेश से असंतुष्ट होकर, बीबीजे ने 23.03.2017 को अलीपुर में विद्वान जिला न्यायाधीश के समक्ष यह अपील दायर की। विद्वान तृतीय अतिरिक्त. जिला न्यायाधीश ने दिनांक 22.06.2017 के एक आदेश द्वारा केओपीटी के संपदा अधिकारी के दिनांक 08.03.2017 के विवादित भुगतान आदेश पर रोक लगा दी और रोक अभी भी जारी है। 	10.57 लाख रुपये + ब्याज	लंबित	मामला विद्वान तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश का न्यायालय, अलीपुर में सुनवाई के लिए लंबित है। सुनवाई के लिए लंबित है।	विद्वान तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश का न्यायालय, अलीपुर



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

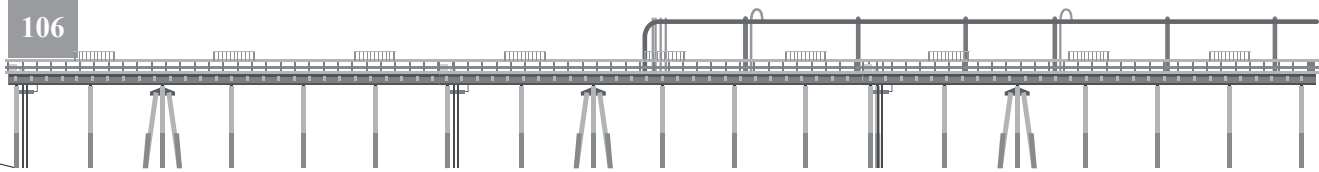
क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटर्सिंग रचनातंत्र की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
12(क)	मध्यस्थता अपील मध्यस्थता मामला संख्या 30 2022 (2017 का विविध सिविल केस नंबर 858) (चम्बल प्रथम ब्रिज टेका मामला) के बीच - एन.सी. रेलवे - बनाम - बीबीजे	2018	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : बीबीजे के पक्ष में दिनांक 31.10.2008 को एक शून्य दायित्व मध्यस्थता फैसला पारित किया गया था। उत्तर मध्य रेलवे ने उक्त फैसले को मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 (मध्यस्थता मामला संख्या - 2018 का 21) के तहत 17.11.2017 को जिला न्यायालय, इलाहाबाद, यूपी के विद्वान न्यायालय के समक्ष चुनौती दी। उक्त आदेश को कंपनी द्वारा कर्मचारी /भविष्य निधि अपील न्यायाधिकरण, नई दिल्ली के समक्ष चुनौती दी गई है। ● बाद में मामले को यूपी के इलाहाबाद में वाणिज्यिक न्यायालय के विद्वान न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया। ● बीबीजे को 12.09.2022 को समन प्राप्त हुआ और अब वह इलाहाबाद, यूपी में वाणिज्यिक न्यायालय के विद्वान न्यायालय के समक्ष उक्त मध्यस्थता अपील लड़ रहा है। 	शून्य दायिता	लंबित।	यह मामला उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में वाणिज्यिक न्यायालय के विद्वान न्यायालय में सुनवाई के लिए लंबित है।	वाणिज्यिक न्यायालय का विद्वान न्यायालय, इलाहाबाद, यूपी.
12(ख)	मध्यस्थता अपील 2018 का मध्यस्थता मामला संख्या 21 (चम्बल द्वितीय ब्रिज टेका मामला) के बीच - एन.सी. रेलवे - बनाम - बीबीजे	2018	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : बीबीजे के पक्ष में दिनांक 07.04.2018 को एक शून्य दायित्व मध्यस्थता फैसला पारित किया गया था। उत्तर मध्य रेलवे ने 10.07.2018 को जिला न्यायालय, इलाहाबाद, यूपी के विद्वान न्यायालय के समक्ष मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 (मध्यस्थता मामला संख्या - 21, 2018) की धारा 34 के तहत उक्त फैसले को चुनौती दी। ● बीबीजे ने 16.07.2018 को सम्मन प्राप्त किया और अब विद्वान जिला न्यायाधीश के कोर्ट, इलाहाबाद, यूपी के समक्ष उक्त मध्यस्थता अपील लड़ रहा है। ● वर्तमान में यह मामला उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में वाणिज्यिक न्यायालय के विद्वान न्यायालय में लंबित है। 	शून्य दायिता	लंबित	यह मामला उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में वाणिज्यिक न्यायालय के विद्वान न्यायालय में सुनवाई के लिए लंबित है।	वाणिज्यिक न्यायालय का विद्वान न्यायालय, इलाहाबाद, यूपी
13.	विशेष अनुमति याचिका (मध्यस्थता अपील मामला) 2020 का एसएलपी (सी) नंबर 8221 (संदर्भ - 2019 का ए.पी. क्रमांक 69) (मनोहरपुर-बंडा मुंडा मध्यस्थता मामला) बीबीजे - बनाम - बीबीजे - बनाम - दक्षिण पूर्वी रेलवे	2020	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : दक्षिण पूर्वी रेलवे के खिलाफ बीबीजे के लगभग 7.34 करोड़ रुपये के वैध दावे से संबंधित विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजा गया था, जो जीसीसी के अनुसार मध्यस्थ की नियुक्ति के बाद बहुत जल्द शुरू होने वाला है। ● वर्तमान एसएलपी बीबीजे द्वारा 16.03.2020 को भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विवाद को उचित और निष्पक्ष रूप से निपटाने के लिए मध्यस्थ के रूप में एक स्वतंत्र व्यक्ति की तत्काल नियुक्ति के लिए दायर की गई थी। 	7.34 करोड़ रुपये + ब्याज	लंबित	मामला भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए लंबित है।	भारत का माननीय सर्वोच्च न्यायालय



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटरिंग रचनांतर की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
14.	मध्यस्थता कार्यवाही (संदर्भ: 2019 का एपी नंबर 188 2018 के A.P.No.330 से उत्पन्न) (सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदा डिवीजन परियोजना बीच में - बीबीजे - बनाम - पूर्वी रेलवे और अन्य	2021	<ul style="list-style-type: none"> ● संक्षेप में तथ्य : वर्तमान मध्यस्थता कार्यवाही पूर्वी रेलवे के सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदा डिवीजन परियोजना में 36 पुलों के निष्पादन के दौरान उत्पन्न विवादों के लिए पूर्वी रेलवे के खिलाफ बीबीजे द्वारा दायर की गई थी। ● बीबीजे के अन्य दावों के अलावा, ई.रेलवे के खिलाफ बीबीजे का लगभग 1.20 करोड़ रुपये का एक बड़ा स्वीकृत दावा है और अन्य दावे भी हैं जिन पर मध्यस्थता में से फैसला सुनाया जाना आवश्यक है। ● दिनांक 07.04.2021 के एक आदेश द्वारा, कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय ने बीबीजे और पूर्वी रेलवे के बीच विवादों और मतभेदों का फैसला करने के लिए श्री न्यायमूर्ति इंद्रजीत चटर्जी (सेवानिवृत्त) को एकमात्र मध्यस्थ नियुक्त किया। ● 01.03.2022 को, एकमात्र विद्वान मध्यस्थ ने एक अंतरिम आदेश दिनांक 28.02.2022 पारित किया, जिसमें प्रतिवादी - पूर्वी रेलवे को दावेदार - बीबीजे को रु. 1,12,75,117.67p. की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। 20.05.2022 को, प्रतिवादी - पूर्वी रेलवे ने उक्त राशि रु.1,12,75,117.67p. का भुगतान बीबीजे को किया। ● बीबीजे के 12.46 करोड़ रुपये के दावों का पुनर्निर्धारण और 18% प्रति वर्ष की दर से अतिरिक्त मुआवजा और पूर्वी रेलवे का 3.63 करोड़ रुपये का जवाबी दावा अभी भी मध्यस्थता कार्यवाही के अधीन है। 	12.46 करोड़ रुपये + ब्याज	लंबित है।	मामला साक्ष्य के लिए लंबित है।	एकमात्र मध्यस्थ - माननीय श्री न्यायमूर्ति इंद्रजीत चटर्जी (सेवानिवृत्त)



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटर्सिंग रचनातंत्र की प्रभावोकारिता	किसके समक्ष लंबित है
15.	निष्पादन मामला 2022 का ईसी नंबर 2 बीच में बीबीजे - बनाम पूर्व मध्य रेलवे और अन्य	2022	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य: विवाद मुगलसराय में "3400 सी" श्रेणी और 10500 'बी' श्रेणी के अनलॉडिबल वैगनों की मरम्मत के अनुबंध से अवैध समाप्ति के लिए पूर्व मध्य रेलवे के खिलाफ बीबीजे के लगभग 40.77 करोड़ रुपये (+ 18% ब्याज) के वैध दावे के संबंध में है। एकमात्र मध्यस्थ - माननीय श्री न्यायमूर्ति धरणीधर झा (सेवानिवृत्त) ने बीबीजे के पक्ष में दिनांक 17.03.2021 को अंतिम आदेश पारित किया। माननीय एकमात्र मध्यस्थ ने बीबीजे के अधिकांश दावों को स्वीकार कर लिया और ई.सी. रेलवे को निर्देश दिया कि वह बीबीजे को 38,72,26,975.00 रुपये की सम्मानित राशि एवं आदेश की तारीख से भुगतान के तारीख तक कुल सम्मानित राशि पर 12.5% ब्याज के साथ, भुगतान करे। पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आज तक अवाई राशि 38,72,26,975.00 रुपये का भुगतान नहीं किया गया है। 03.01.2022 को बीबीजे ने उपरोक्त उल्लिखित मध्यस्थता आदेश दिनांक 17.03.2021 को लागू करने के लिए पटना सत्र में विद्वान जिला न्यायाधीश के समक्ष 2022 का वर्तमान निष्पादन मामला संख्या 2 दायर किया। 	रु. 38.72 करोड़ + ब्याज @12.5%	लंबित	मामला सुनवाई एवं पूर्व मध्य रेलवे की उपस्थिति के लिए निर्धारित है।	विद्वान जिला न्यायाधीश, पटना सत्र
16.	मध्यस्थता याचिका (संदर्भ - ओ.एम.पी. (टी) (कॉम.) 2022 का 73) (जौनपुर परियोजना मामला) बीच में - बीबीजे - बनाम - उत्तर रेलवे	2023	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : यह विवाद जौनपुर के पास लखनऊ-जफराबाद खंड में उत्तर रेलवे की परियोजना से संबंधित है। बीबीजे ने पिछले मध्यस्थ न्यायाधिकरण की मध्यस्थता को औपचारिक रूप से समाप्त करने और मामले को निष्पक्ष रूप से निपटाने के लिए नए मध्यस्थ न्यायाधिकरण की नियुक्ति के लिए दिल्ली में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष वर्तमान मध्यस्थता याचिका दायर की। 20.12.2023 को, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय श्री न्यायमूर्ति साचिन दत्ता ने माननीय सुश्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) दीपा शर्मा को एकमात्र मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करने का निर्णय सुनाते हुए प्रसन्नता व्यक्त की, जो जौनपुर मामले से संबंधित उत्तर रेलवे के खिलाफ बीबीजे द्वारा उठाए गए दावों के सम्बन्ध में सभी निर्णय लेंगे। 22.01.2024 को, माननीय एकमात्र मध्यस्थ के समक्ष बीबीजे-बनाम- उत्तर रेलवे के बीच वर्तमान मध्यस्थता कार्यवाही की पहली बैठक। 21.02.2024 को, दावेदार - बीबीजे ने माननीय एकमात्र मध्यस्थ के समक्ष दावे का विवरण दायर किया है। 	रु. 5.35 करोड़	लंबित	मामला सुनवाई के लिए लंबित है।	एकमात्र मध्यस्थ - माननीय एकमात्र मध्यस्थ सुश्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) दीपा शर्मा



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं	मामले की श्रेणी	आरंभिक वर्ष	विवरण	कितनी राशि शामिल है (रु में)	मामलों की वर्तमान स्थिति	लंबित होने / विद्यमान रहने का कारण। मानिटिंग रचनातंत्र की प्रभावकारिता	किसके समक्ष लंबित है
17.	निष्पादन मुकदमा (गैबन परियोजना मध्यस्थता मामला) कंसल्टेंट्स कंबाइन प्राइवेट लिमिटेड - बनाम - बीबीजे	2023	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य : विद्वान एकमात्र मध्यस्थ - न्यायमूर्ति रंजित कुमार बाग (सेवानिवृत्त) ने 20.05.2023 को अंतिम मध्यस्थता फैसला पारित किया, जिसमें सीसीपीएल और बीबीजे को कुछ राशि की अनुमति दी गई। 16.11.2023 को, सीसीपीएल ने अंतिम मध्यस्थता फैसला दिनांक 20.05.2023 को लागू करने के लिए बीबीजे के खिलाफ वर्तमान निष्पादन मामला दायर किया। 	रु. 26.11 करोड़ (ब्याज सहित)	लंबित है।	इस मामले पर अभी माननीय उच्च न्यायालय (मूल पक्ष), कलकत्ता में निर्णय लिया जाना बाकी है।	माननीय उच्च न्यायालय (मूल पक्ष), कलकत्ता
18.	रिट याचिका (सेवा मामला) 2024 का डब्ल्यू. पी. ए. 5789 बीच में बीबीजे - बनाम - 1. पश्चिम बंगाल राज्य 2. तरुण घोषाल	2024	<ul style="list-style-type: none"> संक्षेप में तथ्य: श्री तरुण घोषाल को 08.07.1996 को "जैन्ट्री ऑफेसर" के पद पर अस्थायी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया था। बीबीजे की 06.05.2000 के एक नोटिस द्वारा श्री घोष की सेवा समाप्त कर दी गई। उक्त समाप्ति के विरुद्ध श्री तरुण घोषाल ने उप सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार के समक्ष दिनांक 28.03.2001 को एक शिकायत पत्र दायर किया। मामला श्रम आयुक्त, पश्चिम बंगाल सरकार को स्थानांतरित कर दिया गया और आखिर में प्रथम औद्योगिक न्यायाधिकरण, पश्चिम बंगाल में स्थानांतरित कर दिया गया। 19.12.2023 को, प्रथम औद्योगिक न्यायाधिकरण, पश्चिम बंगाल ने एक अंतिम आदेश पारित किया, जिसमें श्री तरुण घोषाल की बर्खास्तगी को अनुचित और कानूनी रूप से खराब माना गया और बीबीजे के प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि वह कर्मचारी को बर्खास्तगी के तारीख से बहाली के तारीख तक, पूरे वेतन और लाभ के साथ बहाल करे। यदि वह सेवानिवृत्ति की आयु पूरी नहीं करता है। व्यथित होकर, बीबीजे ने कलकत्ता में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष दिनांक 19.12.2023 के आदेश के खिलाफ वर्तमान रिट याचिका दायर की है। 	सेवा मामला	लंबित है।	मामला सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय की कॉज लिस्ट में नहीं आ रहा है।	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता, (अपीलीय पक्ष)



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)
विभिन्न न्यायालयों के समक्ष लंबित बीबीजे के कानूनी मामलों की संख्या (31.03.2024 तक)

क्रम सं.	न्यायालय का नाम	लंबित कानूनी मामलों की संख्या
1.	भारत का सर्वोच्च न्यायालय	1
2.	उच्च न्यायालय	10
3.	निचले न्यायालय	8
4.	मध्यस्थ न्यायाधिकरण	2
	कुल	21



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

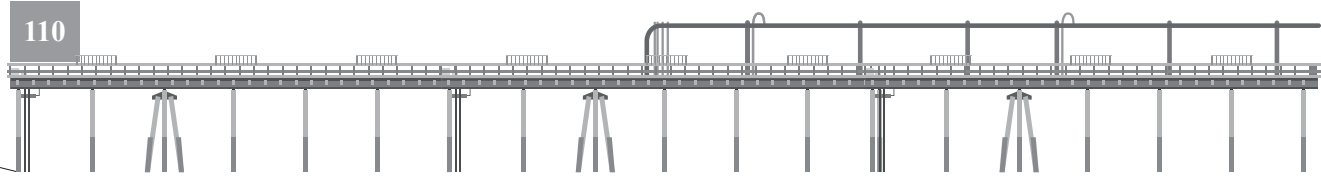
(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

44 विश्लेषणात्मक अनुपात के संबंध में प्रकटीकरण

अनुपात	अंश-गणक	भाजक	31 मार्च, 2024	31 मार्च 2023	% विचरण	भिन्नता का कारण
वर्तमान अनुपात (समय में)	वर्तमान संपत्ति	वर्तमान देनदारियाँ	1.40	1.32	5.57%	
ऋण-इक्विटी अनुपात (समय में)	कुल ऋण	शेयरधारकों की इक्विटी	0.29	0.31	-8.26%	
ऋण सेवा कवरेज अनुपात (समय में) - (शुद्ध लाभ + मूल्यहास + लंबी अवधि के ऋण पर ब्याज) / वर्ष के दौरान देय या भुगतान किए गए दीर्घकालिक ऋण की कुल ब्याज और मूलधन।	ऋण सेवा के लिए उपलब्ध आय	ऋण सेवा	0.07	0.04	81.32%	
इक्विटी अनुपात पर लाभ (%)	करों के बाद शुद्ध लाभ - वरीयता लाभांश (यदि कोई हो)	औसत शेयरधारक की इक्विटी	17.07%	7.33%	132.87%	
भंडार फेर अनुपात (समय में)	संचालन से राजस्व	औसत भंडार	5.87	6.27	-6.40%	
व्यापार प्राप्य कारोबार अनुपात (समय में)	शुद्ध ऋण बिक्री	प्राप्य औसत खाते	11.32	13.62	-16.90%	
व्यापार देय टर्नओवर अनुपात (गुना)	शुद्ध ऋण खरीद	औसत विविध लेनदार	0.00	14.98	-100.00%	
शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात (%)	संचालन से राजस्व	औसत कार्यशील पूंजी	142.71%	189.08%	-24.52%	
शुद्ध लाभ अनुपात (%)	कर के बाद शुद्ध लाभ	संचालन/शुद्ध बिक्री से राजस्व	8.25%	2.94%	181.01%	
नियोजित पूंजी पर लाभ (%)	ब्याज और करों से पहले कमाई	नियोजित पूंजी	11.10%	5.51%	101.36%	
निवेश पर प्रतिफल (%)	कर के बाद शुद्ध लाभ	कुल संपत्ति	2.7%	1.2%	131.56%	

45 संपत्ति संयंत्र और उपकरण में वे वस्तुएं शामिल हैं, जो बहुत पुरानी हैं और उनका उपयोगी जीवन समाप्त हो चुका है। ऐसी संपत्तियों को खातों की पुस्तकों में पूरी तरह से मूल्यहास किया गया है। 2023-24 के दौरान कंपनी ने शून्य रुपये (पिछले वर्ष 55.10 लाख रुपये (मुख्य लागत)) की ऐसी वस्तुओं की पहचान की और स्क्रेप के रूप में निपटाया। कंपनी ऐसी अन्य वस्तुओं की पहचान करने की प्रक्रिया में है जो स्क्रेपिंग/राइट-ऑफ के लिए अपना उपयोगी जीवन व्यतीत कर चुके हैं।

46 व्यापार प्राप्य में लकवा-परियोजना कार्य के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से गैर वर्तमान परिसंपत्तियों की 38.98 लाख रुपये (विगत वर्ष - 38.98 लाख) बकाया है, जो पूरा होने के पहले 2009-10 में बंद हो गया था एवं उपर्युक्त कार्य से संबंधित चालू वित्तीय परिसंपत्तियों में 42.29 लाख रुपये (विगत वर्ष - 42.29 लाख) की अवरोधन धन एवं प्रतिभूति जमा 37.49 लाख (पिछले वर्ष - 37.49 लाख) शामिल है। ठेकेदार मेसर्स फ्रंटियर इंजीनियरिंग कंपनी के खिलाफ किताबों में 126.46 लाख रुपये (पिछले वर्ष - 126.46 लाख रुपये) की कुल देयता के कारण राशि को अच्छा माना गया है। लकवा परियोजना के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से देय राशि के संबंध में 38.98 लाख (पिछले वर्ष 38.98 लाख) कंपनी पहले ही रुपये प्रदान कर चुकी है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

- 47 अन्य वित्तीय संपत्ति - वर्तमान में बयाना राशि और अन्य जमा राशि के रूप में 45.41 लाख रुपये (पिछले वर्ष- 45.41 लाख रुपये) शामिल हैं, जो बहुत पुरानी हैं, जिसके मुकाबले 40.78 लाख रुपये (पिछले वर्ष- 40.78 लाख रुपये) की राशि देय है और अन्य वित्तीय देनदारियों में शामिल है - वर्तमान, जिसकी पुष्टि सम्मानित पक्षों द्वारा नहीं की गई है, हालांकि कंपनी ने संबंधित देनदारियों के कारण इसे अच्छा माना है।
- 48 वर्ष के लिए भंडार में पुराने और अप्रयुक्त स्टॉक शामिल हैं, 119.85 लाख रुपये का कच्चा माल, 2.78 लाख रुपये स्टोर स्पेयर और उपभोग्य सामग्रियों में, जो 8 साल से अधिक समय से पड़े हैं; और 8.18 लाख रुपये लूज टूल्स में, जो 10 साल से अधिक समय से पड़े हैं। और वर्ष के दौरान खातों में इसके तहत 46.90 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।
- 49 अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां - वर्तमान में निम्नलिखित पार्टियों को अग्रिम के रूप में जमा की गई राशि शामिल है जो बहुत पुरानी हैं और कंपनी ने इसे चालू प्रकृति के समान माना है :

क्रम संख्या	विवरण	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
1	ग्राहक-बीबीयूएनएल से बिक्री कर वसूली योग्य	15.76	15.76
2	वेतन अग्रिम	10.45	10.45
कुल		26.21	26.21

ग्राहक-बीबीयूएनएल से वसूली योग्य बिक्री कर वर्ष 2010-11 और 2011-12 के लिए बिहार के वाणिज्यिक कर के संयुक्त आयुक्त के समक्ष की गई अपील के खिलाफ जमा की गई राशि का प्रतिनिधित्व करता है।

- 50 अन्य वर्तमान परिसंपत्तियों में निम्नलिखित पार्टियों को अग्रिम के रूप में जमा की गई राशियां शामिल हैं जिनकी कोई पुष्टि उपलब्ध नहीं है और वे बहुत पुरानी हैं। कंपनी इसे अच्छा और वसूली योग्य/समायोज्य मानती है और इसलिए इसे चालू प्रकृति का मानती है।

क्रम संख्या	विवरण	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
1	अनुबंधित कर्मचारी भविष्य निधि	15.02	15.02
2	कामगार भविष्य संस्था	6.82	6.82
कुल		21.84	21.84

- 51 व्यापार देय -- गैर वर्तमान और अन्य गैर वर्तमान देनदारियों में वे राशियां शामिल हैं जिनके मुकाबले पहले के वर्षों में सामान और सेवाएं प्राप्त हुई थीं, और कंपनी इन देनदारियों के प्रति लेनदारों की पहचान करने की प्रक्रिया में है। हालांकि, कंपनी इसे लंबी अवधि में देय मानती है और इसलिए इसे गैर वर्तमान प्रकृति का माना जाता है:

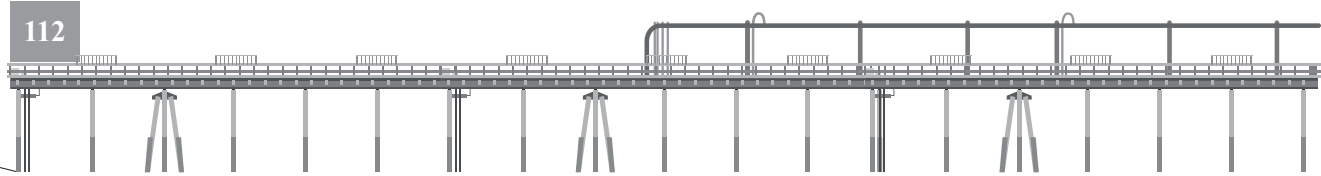


टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2024	31 मार्च, 2023
1	पूर्ण किए गए अनुबंधों पर देयताएं खाता	1493.35	1493.35
2	देयताएं खाता	698.01	698.01
3	भारत सरकार को देय खाता – बीबीवीएल परिसमापन एवं ब्याज	182.90	182.90
4	भारत सरकार को पी/ ई देय (सहायिकाएं) – बीडब्ल्यूईएल	69.60	69.60
5	पी/ ई निधि पर सहायिकाओं को ब्याज देय	357.65	357.65
6	विविध लेनदार – विविध (सहायिकाएं)	2.33	2.33
7	आईटी सस्पेंस (अन्य) (194) देय - ओसीएल	1.04	1.04
8	बिक्री कर देय – ओसीएल	1.54	1.54
9	बीबीसीसी को ब्याज देय	2.37	2.37
10	पुरानी अनसुलझा शेष	6.36	6.36
	कुल	2815.15	2815.15

- 52 कच्चे माल, भंडार, उपभोग्य सामग्रियों आदि की सूची का भौतिक सत्यापन वर्ष के अंत में किया गया है और भौतिक और बुक स्टॉक के बीच विसंगतियां, यदि कोई हैं, महत्वपूर्ण नहीं हैं, तो वर्ष के दौरान खातों की किताबों में उचित रूप से निपटाया गया है।
- 53 आयकर विभाग के आधिकारिक पोर्टल के अनुसार 15.08 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2022-23-11.04 लाख रुपये) की निर्विवाद आयकर मांग है, जिसका खंडन करने के लिए कंपनी के पास उचित दस्तावेज या सबूत नहीं हैं। हालांकि, कंपनी की राय है कि भुगतान करने के लिए कोई राशि बकाया नहीं है, जिसका विरोध नहीं किया गया है और आयकर पोर्टल में प्रदर्शित राशि गलत हो सकती है। कंपनी इसे ठीक कराने का प्रयास करेगी। तदनुसार, कोई देयता प्रदान नहीं की गई है।
- 54 प्रासंगिक सहायक रिकॉर्ड में दिखाई देने वाले शेष के अनुसार पुस्तकों में शामिल कुछ व्यापार प्राप्य, व्यापार देय, ऋण और अग्रिम आदि के शेष, संबंधित पक्षों से पुष्टि और समाधान से उत्पन्न होने वाले परिणामी समायोजन, यदि कोई हो, के अधीन हैं। हालांकि, कंपनी का मानना है कि इस संबंध में कोई महत्वपूर्ण विसंगतियाँ नहीं होंगी।
- 55 2015 में भारत सरकार (जीओआई) की मंजूरी के अनुसार, बीबीजे (ट्रांसफरर कंपनी) का कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 394 के साथ पठित धारा 391(2) के तहत बीबीयूएनएल (ट्रांसफेरी कंपनी) के साथ विलय हो गया। समामेलन से पहले ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे), भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) की सहायक कंपनी थी। आरओसी ने अपने आदेश दिनांक 18 नवंबर 2015 द्वारा कंपनी का नाम भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) से बदलकर द ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे) करने की मंजूरी दे दी, जो इस तरह के समामेलन के परिणामस्वरूप हुआ। इससे पहले बीबीयूएनएल की भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग लिमिटेड (बीपीएमईएल), बर्न स्टैंडर्ड एंड कंपनी लिमिटेड (बीएससीएल), ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड, भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड (बीडब्ल्यूईएल), जेसप एंड कंपनी लिमिटेड (जेसीएल), लगन जूट मशीनरी कंपनी लिमिटेड और द ब्रेथवेट बर्न एंड जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीजे) के नाम से सहायक कंपनियाँ थीं। ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड, बीएससीएल और बीडब्ल्यूईएल को रेलवे को सौंपा गया, लगन जूट मशीनरी कंपनी लिमिटेड और जेसप एंड कंपनी का विनिवेश किया गया, बीपीएमईएल परिसमापन के अधीन है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

- 56 रिपोर्टिंग की तारीख तक, बीपीएमईएल में रु. 5932.96 लाख (पिछले वर्ष रु. 5932.96 लाख), वेबर्ड इंडिया लिमिटेड (बीपीएमईएल की सहायक कंपनी) में रु. 656.03 लाख (पिछले वर्ष रु. 656.03 लाख) और भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (पूर्ववर्ती सहायक कंपनी) में ब्याज सहित रु. 207.25 लाख (पिछले वर्ष रु. 207.25 लाख), बीपीएमईएल से 33,656.29 लाख रुपये (पिछले वर्ष 33,656.29 लाख रुपये), डब्ल्यूआईएल से 350.26 लाख रुपये (पिछले वर्ष 350.26 लाख रुपये) के ऋण देय हैं। यह ऋण भारत सरकार द्वारा बीबीयूएनएल के माध्यम से अपनी सहायक कंपनियों बीपीएमईएल, डब्ल्यूआईएल और बीडब्ल्यूईएल को उनकी विभिन्न वित्तीय आवश्यकताओं के लिए दिया गया था। बीपीएमईएल अभी परिसमापन के अधीन है, डब्ल्यूआईएल का समापन (परिसमापन के बाद) हुआ और बीडब्ल्यूईएल को रेलवे को सौंपा गया था। उपरोक्त संस्थाओं की स्थिति के बावजूद, ऐसे ऋण लागत पर दिए जाते हैं।
- 57 कंपनी ने रिपोर्टिंग तिथि पर भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) में 486.30 लाख रुपये (पिछले वर्ष 486.30 लाख रुपये), जेसप एंड कंपनी लिमिटेड (जेसीएल) में 2558.01 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2558.01 लाख रुपये) का निवेश किया है। बीबीयूएनएल की पूर्व सहायक कंपनियां परिसमापन के अधीन हैं, और भागीरथी ब्रिज कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीसीसीएल, बीबीजे का एक संयुक्त उद्यम) में रु. 0.30 लाख (पिछले वर्ष रु. 0.30 लाख) और लगन जूट मशीनरी कंपनी लिमिटेड, (बीबीयूएनएल की सहायक कंपनियां) में रु. 42.20 लाख (पिछले वर्ष रु. 42.20 लाख) हैं। उपरोक्त संस्थाओं की स्थिति के बावजूद, ऐसे निवेश लागत पर किए जाते हैं। संदिग्ध वसूली के कारण बीबीसीसीएल में निवेश के लिए 0.30 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।
- 58 कंपनी ने सहायक कंपनी, भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड ('बीपीएमईएल') एवं वेबर्ड इंडिया लिमिटेड ('डब्ल्यूआईएल'), द्वितीय स्तर सहायक कंपनी ('सहायिकाएं') को 6,588.99 लाख रुपये की मंजूर किए ऋण और भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ('बीडब्ल्यूईएल') को 207.25 लाख रुपये के ऋण पर उपचित ब्याज को हिसाब में नहीं रखा है क्योंकि कंपनी की उपरोक्त सहायक कंपनियां समापन के अधीन हैं, इसलिए उनसे उगाही नहीं हो सकती है।
- कंपनी ने भारत सरकार से लिए गए 6588.99 लाख रुपये के ऋण पर, जिसका उपयोग उपरोक्त सहायक कंपनियों को ऋण देने के लिए किया गया था, वसूली योग्य न होने के कारण, चालू वित्तीय वर्ष के लिए देय किसी भी ब्याज पर विचार नहीं किया है,। यदि ऐसे ऋणों पर देय ब्याज प्रदान किया गया होता, तो चालू वित्तीय वर्ष के लिए वित्त लागत रुपये 2160.39 लाख (पिछले वर्ष 2185.42 लाख रुपये) से अधिक होती। और ब्याज के लिए भारत सरकार को देय राशि 24917.06 रुपये (पिछले वर्ष 22756.77 लाख) से अधिक होती। तदनुसार, चालू वित्तीय वर्ष के लिए लाभ रु. 2160.29 लाख (पिछले वर्ष रु. 2185.42 लाख) कम होता |
- 59 भारत सरकार के दिनांक 26.08.2003 के पत्रांक 17(12)/2000 पी.ई. III द्वारा अनुमति दिए जाने के पश्चात् कंपनी द्वारा जेसप एंड कंपनी लिमिटेड (जेसप) एवं इण्डो वैगन इंजीनियरिंग कंपनी लि. के बीच एवं उनके द्वारा निष्पादित शेरर खरीद समझौते की शर्तों के मुताबिक कंपनी ने 29.08.2003 को इंडो-वैगन इंजीनियरिंग लिमिटेड को रुपये 1818.00 लाख के एवज में, जेसप के 6,81,34,428 अदद (यानी 72 प्रतिशत) इक्विटी शेरर बेचे/हस्तांतरित किए | और 1818.00 लाख रुपये की संपूर्ण बिक्री आय भारत सरकार को हस्तांतरित कर दी गई थी।
- 60 वर्ष 2005-06 के दौरान, जेसप एंड कंपनी लिमिटेड ने अपने इक्विटी शेररों के अंकित मूल्य को 10 रुपये से घटाकर 1 रुपये करने के लिए औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआईएफआर) में आवेदन किया था। बीआईएफआर ने 31.08.2005 को जारी निर्देशों से जेसप एंड कंपनी लिमिटेड को कंपनी अधिनियम, 1956 की धाराएं 100, 101, 102 और 103 के तहत प्रावधानों की शर्तों के मुताबिक अपनी इक्विटी शेरर पूंजी में कमी करने के लिए अनुमति प्रदान की है।



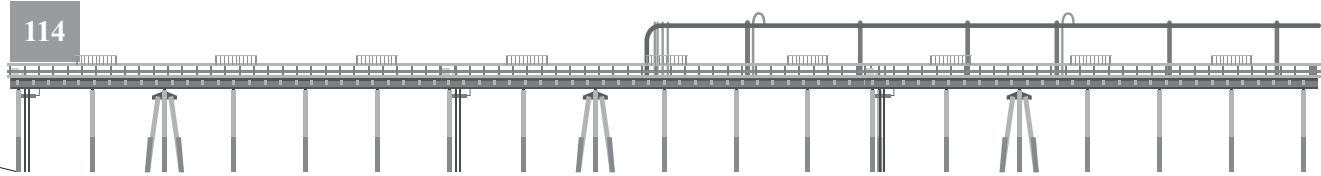
टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

कंपनी ने बीआईएफआर के उपरोक्त निर्देश के खिलाफ औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण अपीलीय प्राधिकरण (एआईएफआर) के समक्ष रूग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1985 की धारा 25 के तहत अपील की। कंपनी ने बीआईएफआर के उपरोक्त निर्देश के खिलाफ एआईएफआर के समक्ष दायर दो अन्य अपीलों में भी खुद को पक्षकार बनाते हुए आवेदन दायर किया। जबकि एक अपील पहले वापस ले ली गई थी, एआईएफआर ने आदेश दिनांक 28.02.2008 के माध्यम से कंपनी द्वारा की गई अपील के साथ-साथ अन्य अपील को भी खारिज कर दिया। कंपनी ने एआईएफआर के आदेश को चुनौती देते हुए कलकत्ता में माननीय उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, जो आज तक निपटान के लिए लंबित है। कंपनी ने 29.08.2003 को इंडो-वैगन इंजीनियरिंग लिमिटेड (जेसोप में रणनीतिक भागीदार) के साथ किए गए "शेयरधारक समझौते" में दिए गए प्रावधानों के अनुसार विवादों को मध्यस्थता के लिए भी संदर्भित किया है। लेखांकन मानकों और सरकारी निर्देशों का अनुपालन करते हुए अंतिम निर्णय के बाद परिणामी लेखांकन प्रभाव को खाते की पुस्तकों में दिखाया जाएगा।

- 61 वर्ष 2005-06 के दौरान, अक्टूबर 2001 से अगस्त 2003 तक की अवधि के लिए सेवा प्रभार के रूप में वसूल किया गया रुपये 82.72 लाख जेसप एण्ड कंपनी लिमिटेड को वापस किया गया था। कंपनी ने ब्याज एवं खर्च के साथ राशि की वसूली के लिए मामला दायर किया है, जो आज की तारीख तक निपटारा हेतु लंबित है।
- 62 वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान, कंपनी ने गैबॉन गणराज्य में बिकेल टाउनशिप में नेबरहुड यूनिट के निर्माण के लिए "बीसीडी आईएनजीएबी कंसोर्टियम" के नाम और शैली के तहत एक कंसोर्टियम व्यवस्था में प्रवेश किया था। कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का मूल्य (कंसोर्टियम पार्टनर के साथ समझौते के अनुसार) समुच्चयित किया गया और बैंक गारंटी शुल्क, यात्रा, स्थापना व्यय आदि जैसे विभिन्न मदों पर किए गए वास्तविक खर्चों को छोड़कर, रुपये 2.75 करोड़ तक सीमित कर दिया गया। अपनी परिभाषित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के हिस्से के रूप में, कंपनी ने कंसोर्टियम को जारी समतुल्य राशि के मोबिलाइजेशन एडवांस के एवज में गैबॉन सरकार के पक्ष में, 725,000 अमेरिकी डॉलर (परियोजना ऑर्डर मूल्य का 5%) की प्रदर्शन बैंक गारंटी प्रदान की है। कंपनी को कंसोर्टियम से ऐसी गारंटी (वैधता अवधि समाप्त हो चुकी है) के लिए मार्जिन मनी प्राप्त हो चुकी है।

परियोजना के कार्यान्वयन में प्रगति संतोषजनक नहीं होने के कारण कंपनी ने सम्मानजनक निकास की तलाश करने का निर्णय लिया, जिस पर काम किया जा रहा है। मौजूदा समझौते के अनुसार, कंपनी परियोजना से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान और/या घाटे की स्थिति में कंसोर्टियम भागीदार को मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी नहीं है। हालाँकि, एक मध्यस्थता कार्यवाही बीबीजे बनाम सीसीपीएल (कंसोर्टियम पार्टनर) माननीय मध्यस्थ के समक्ष लंबित है।



टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का हिस्सा

(सभी राशियां भारतीय रुपये लाख में, शेयर डेटा व जहां अन्यथा उल्लिखित को छोड़कर)

- 63 आज की तारीख में एक संयुक्त उद्यम कंपनी, भागीरथी ब्रिज कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (बीबीसीसीएल) और एक सहायक कंपनी भारत प्रोसेस एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड (बीपीएमईएल) है। दोनों कंपनियां निष्क्रिय हैं क्योंकि बीपीएमईएल 2004 से परिसमापन के अधीन है और बीबीसीसीएल का आधार उस उद्देश्य को पूरा करने के बाद खो गया है जिसके लिए इसे 1971 में शामिल किया गया था। आज तक दोनों कंपनियों में कोई व्यावसायिक गतिविधियां नहीं हैं और वित्तीय विवरण उपलब्ध नहीं होने के कारण निष्क्रिय जेवी/सहायक कंपनी, समेकित वित्तीय विवरण तैयार नहीं किया गया है।
- 64 भारतीय मानक 116 के तहत, वर्ष के दौरान कोई परिचालन पट्टा मौजूद नहीं है और इसलिए इस संबंध में कोई खुलासा आवश्यक नहीं है।
- 65 आवश्यकतानुसार पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.मुखर्जी एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म की पंजीकरण संख्या: 302096E

सीए एस. के. मुखर्जी
साझेदार
सदस्यता संख्या 006601

कमोडोर राकेश छीलर (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डी आई एन : 09832486

राजीव कुमार सिंह
निदेशक(तकनीकी)
डी आई एन : 09614219

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 28-06-2024

एसके घोष
निदेशक(वित्त)
डी आई एन : 10659781

एनके मिश्रा
कंपनी सचिव
पी ए एन : XXXXM3388P



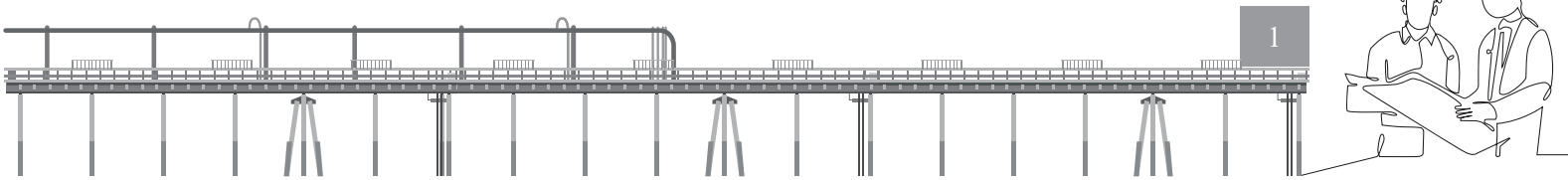
**Annual Report
(English)**

CONTENTS

Sl No.	Particulars	Page No.
1.	Board of Directors	1
2.	Notice to the Shareholders	2
3.	Chairman's Message	5
4.	Directors' Report	7
5.	Independent Auditor's Report	35
6.	Management's replies to the Auditor's Observations	49
7.	Comments of the Comptroller and Auditor General of India	53
8.	Balance Sheet	56
9.	Statement of Profit and Loss	58
10.	Statement of Cash Flows	59
11.	Statement of Changes in Equity	61
12	Company Information, Significant Accounting Policy & Notes to Financial Statement	62

UPTO DATE LIST OF DIRECTORS INCLUDING CHANGES DURING THE FINANCIAL YEAR 2023-24

	Name	Period
Baord of Directors	Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.) Chairman & Managing Director Director (Finance) - Additional Charge	Full Year Upto 06.06.2024
	Shri Rajiv Kumar Singh Director (Technical)	Full Year
	Shri Sujit Kumar Ghosh Director (Finance)	From 07.06.2024
	Shri Aditya Kumar Ghosh Govt. Nominee Director	Full Year
	Smt. Sarla Devi Independent Director	Full Year
Chief Vigilance Officer	Ms Chandrani Gupta	Full Year
Auditors	B. Mukherjee & Co. Chartered Accountants	
Solicitor	Fox & Mandal Kolkata	
	Fox Mandal & Associate LLP Kolkata	
	Fox & Mandal LLP New Delhi	
Bankers	State Bank of India Canara Bank HDFC Bank Axis Bank	
Registered Office	27, R. N. Mukherjee Road, Kolkata - 700001, West Bengal	



NOTICE OF 38th ANNUAL GENERAL MEETING TO THE MEMBERS / SHAREHOLDERS

Notice is hereby given that the 38th Annual General Meeting (AGM) of the Members / Shareholders of **The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited** shall be held on **Saturday, 31st August 2024** at 11.30 a.m. at the Registered Office of the Company at **27, R. N. Mukherjee Road, Kolkata - 700001, West Bengal** to transact the following business :-

Ordinary Business :

1. To receive, consider and adopt the Audited Financial Statements containing the Balance Sheet as at 31st March 2024, Statements of Profit and Loss, Cash Flows and Changes in Equity including Notes etc. forming part thereof for the financial year ended 31st March 2024 together with Report of the Board. Report of Independent Auditors & Comments of Comptroller and Auditor General of India thereon.
2. To Declare Dividend for the financial year 2023-24.
3. To authorize the Board of Directors of the Company to fix remuneration of the Independent Auditors, to be appointed by The Comptroller and Auditor General of India for the Financial Year 2024-25.
4. To take note of the Appointment of Directors made by Government Order.

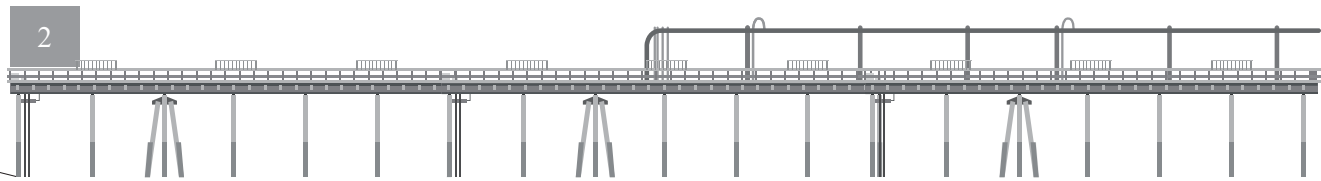
BY ORDER OF THE BOARD

(Navin Kumar Mishra)
COMPANY SECRETARY

Regd. Office :
27, R.N.Mukherjee Road .
Kolkata – 700001

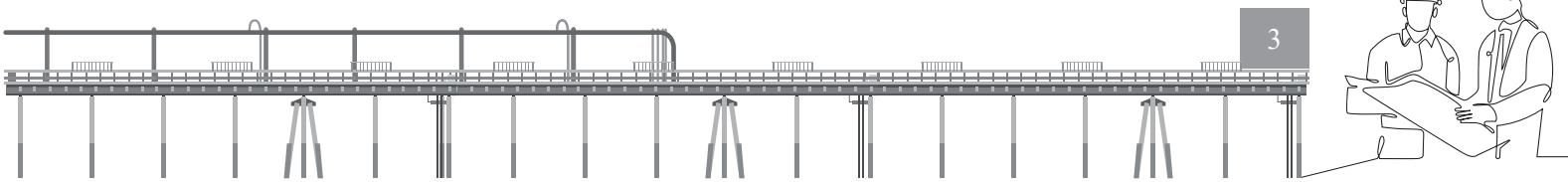
Date : 8th August 2024

Copy to : All the Directors and Statutory Auditors



NOTE :

1. **A Member entitled to attend and Vote at the Meeting is entitled to appoint a Proxy to attend and Vote instead of himself and such Proxy need not be a Member of the Company. Proxy Form is enclosed with this Notice.**
2. In compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and MCA Circulars, the Annual General Meeting will be held through Video Conferencing (VC) /Other Audio Visual Means (OAVM) and accordingly, the 38th AGM of the Company shall be conducted with option to Members to participate through VC/OAVM, if so required and the VC/OAVM link for this purpose shall be shared separately.
3. The deemed venue for 38th AGM shall be the Registered Office of the Company as stated in the Notice of the AGM.





PROXY FORM

[Pursuant to Section 105(6) of the Companies Act, 2013 and Rule 19(3) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

CIN : **U70100WB1986GOI041286**
Name of the Company : **THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION COMPANY LIMITED**
Registered office : **27, R. N. Mukherjee Road, Modi Building, Kolkata, WB - 700001. INDIA**

Name of the Member(s)	:	
Registered address	:	
E-mail Id	:	
Folio No/ Client Id	:	
DP ID	:	Not Applicable

I/ We being the member of the Company holding.....shares in the above named Company, hereby appoint

- Name: Address : E-mail Id:
Signature:, or failing him
- Name: Address : E-mail Id:
Signature:, or failing him
- Name: Address : E-mail Id:
Signature:

as my/our proxy to attend and vote (on a poll) for me/us and on my/our behalf at the 38th Annual General Meeting of members of the Company, to be held on ---day, ---, 2024 at the Registered Office of the Company at Kolkata and at any adjournment thereof in respect of such resolutions as are indicated below:

Resolution No.

- 1
- 2
- 3
- 4

Affix Revenue Stamp

Signed this day of..... 2024

Signature:(Signature of Member)

Note: This form of proxy in order to be effective should be duly completed and deposited at the Registered Office of the Company, before the commencement of the Meeting.



CHAIRMAN'S MESSAGE

Dear Shareholders,

On behalf of the Board of Directors, I have great pleasure welcoming you all to the 38th Annual General Meeting of the Members of the Company. A copy of the Annual Report containing the Audited Financial Statements for the year ended 31st March 2024 together with Directors' Report, Auditors' Report and Comments of Comptroller & Auditor General has already been circulated.

Before I proceed to take up the formal agenda of today's meeting, I would briefly share with you the performance of your company during the financial year 2023-24. During financial year 2023-24 the Company generated Total income of ₹ 26,074.99 Lakh as against ₹ 30,822.87 Lakh during FY 2022-23. Net Profit (Profit after Tax) for the said period is ₹ 2063.03 Lakh (Previous FY ₹ 885.85 Lakh).

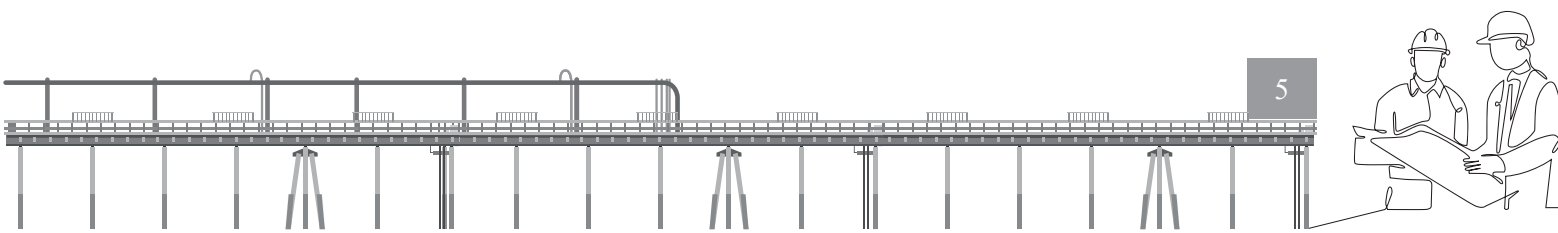
Industrial relations in the company remained cordial throughout the year.

The Company is committed to adhere to the corporate governance guidelines issued by DPE, Govt. of India. Quarterly & Annual compliance report under Corporate Governance guidelines are filed with DPE within the prescribed due date, without any delay. As per Grading Report of CPSEs issued by DPE, BBJ has consistently achieved 'Excellent' Grade for Corporate Governance Compliance.

Detailed Report on Corporate Governance has been given separately in the annexure to Directors' Report of the Company for the financial year 2023-24.

For a sustained development and future growth, Your Company is making best of efforts to consolidate business in the core segment (EPC/PMC) as well as endeavouring to explore opportunities in related sectors.

Stiff competition from Private Entities, introduction of Reverse Auction, large value EPC tenders, necessitating enhanced credentials (technical as well as financial capacity) etc. are the challenges which need to be overcome. Your Company is consistently exploring new Tie-ups / MoUs with reputed agencies to participate in high value EPC/other Contracts as well as leveraging its ability to undertake complex projects in difficult terrains of North / North East region of India. In addition, the Company is committed to enhancement of efficiencies in biddings, procurements, operations, execution and faster turnover of Project. We are very optimistic that these initiatives will make us 'Future Ready' for the existing / new challenges. We are confident of positive growth of the Company.





THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION COMPANY LIMITED

I take this opportunity to express my sincere thanks and gratitude to my colleagues on the Board of Directors for their valuable support and co-operation in the overall management of the company.

I am also thankful for the whole-hearted support received from Ministry of Heavy Industries, Ministry of Railway and other Ministries /Departments of Govt. of India, State Governments, Kolkata Port Trust, RVNL, IRCON, Financial Institutions, Banks, Regulatory & Statutory Authorities, Comptroller & Auditor General of India, Auditors, Legal Advisors & Consultants, Joint Venture Partners and all the stakeholders. We look forward for their continued support in Company's future endeavours.

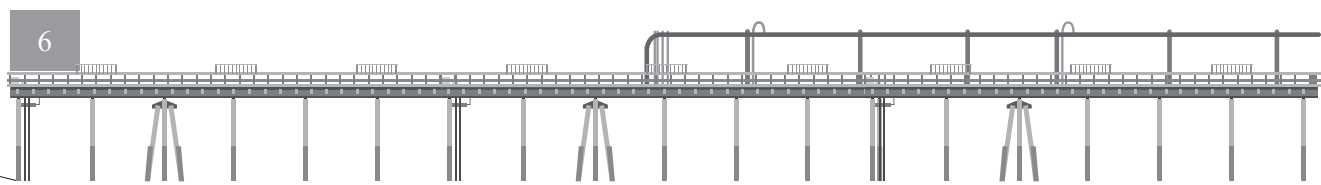
I, on behalf of the entire Board of Directors, sincerely thank the employees of BBJ at all levels and would like to place on record our appreciation for their commitment, hard work and dedication.

Thank you all.

JAI HIND

Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)
Chairman & Managing Director

Date : 8th August 2024
Place : Kolkata



DIRECTORS' REPORT

To
The Shareholders,
The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited.

Your Directors have pleasure in presenting the 38th Annual Report on the Company's Operation and Performance together with Audited Annual Financial Statements for the Financial Year (FY) ending 31st March 2024.

1 Financial Highlights

1.1 The Financial Statements of the Company are prepared on accrual basis of accounting in compliance with the Indian Accounting Standards (Ind AS) notified under the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 and subsequent amendments thereto to the extent notified and applicable provisions under Companies Act, 2013.

1.2 A summary of Financial Performance of the company for the FY 2023-24 vis-à-vis 2022-23 is given below:-

(₹ in Lakh)

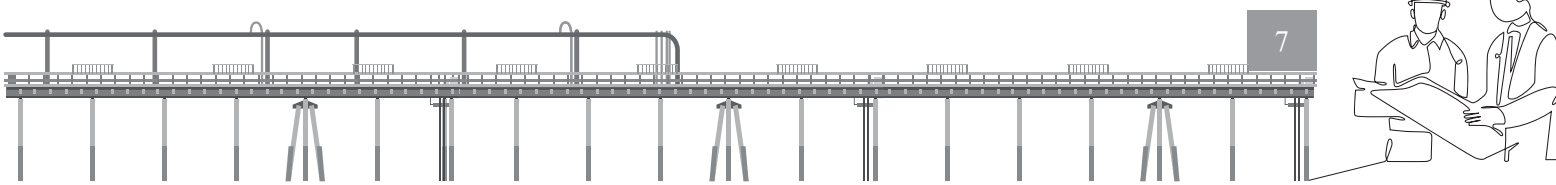
PARTICULARS	2023-24	2022-23
Revenue from Operation	25010.37	30178.97
Other Income	1064.61	643.90
Profit/loss before Depreciation, Finance Costs, Exceptional items and Tax Expense	3014.33	1522.20
Less: Depreciation/ Amortization/ Impairment	149.72	122.14
Profit /loss before Finance Costs, Exceptional items and Tax Expense	2864.61	1400.06
Less: Finance Costs	69.29	90.63
Profit /loss before Tax Expense	2795.32	1309.43
Less: Tax Expense (Current & Deferred)	732.29	423.57
Profit /loss for the year	2063.03	885.85

1.3 Total income of the Company for FY 2023-24 is ₹ 26074.99 Lak has against the ₹ 30822.87 Lakh during FY 2022-2023. Net Profit (Profit after Tax) for the said period is ₹2063.03 Lakh (Previous FY ₹ 885.85 Lakh).

1.4 Despite the constraints Your Company consciously targeted remunerative orders from Railways and other Clients, aiming impetus of growth both in terms of Operation and profitability. Your company has maintained the track record of a consistent profit making CPSE.

2 Capital Structure

2.1 There was no change in the capital structure of the Company during FY 2023-24. The Authorized Capital as on 31st March 2024 is ₹ 34810 Lakh and paid-up share capital was ₹ 12086.05 Lakh.



3 **General Reserves**

- 3.1 General Reserves (excluding Retained earnings) as on 31st March 2024 stands at ₹ 1473.65 Lakh (Previous FY 2022-23 - ₹ 1473.65 Lakh).

4 **Dividend**

- 4.1 Dividend would be payable to the Govt. of India post recommendations by the Board and subsequent approval by the Shareholders of the Company at the ensuing Annual General Meeting which shall be held as per the requirements under Companies Act, 2013. During FY 2023-24, your Company paid dividend of Rs. 1.78 Crore for the FY 2022-23.
- 4.2 The dividend pay-out shall be in accordance with the Guidelines on Capital Restructuring of Central Public Sector Enterprises (CPSEs) and as directed by the Govt. of India / Department of Investment and Public Asset Management (DIPAM) or exemption, if any, as may be given by DIPAM.

5 **Management Discussion and Analysis**

5.1 **Brief Profile of the Company**

- 5.1.1 Incorporated on 17th September, 1986 as a Central Public Sector Undertaking (CPSE), President of India through Ministry of Heavy Industries (MHI), Government of India holds its entire 100% equity share capital. The Company is a Schedule 'C' CPSE under MHI.
- 5.1.2 The Company is engaged in the business of:
- i Engineering Procurement & Construction (EPC) business – steel bridges for Railways,
 - ii Project Management Consultancy (PMC) business – civil construction,
 - iii Industrial Structures,
 - iv Company is also endeavouring to diversifying in other related sectors.
- 5.1.3 Projects undertaken by the company are spread in different parts of the country.
- 5.1.4 Quality Management System of BBJ is in accordance with requirements of Quality Policy and certified under ISO 9001:2015 certification.

5.2 **Defined Vision Mission & Objective of BBJ**

5.2.1 Vision

- To innovate, design and construct Bridges and other Engineering marvels with high Engineering standard through state of art technology and cost efficient practices.
- To remain profitable, productive, creative, compliant and financially sound with care and concern for all stake holders.

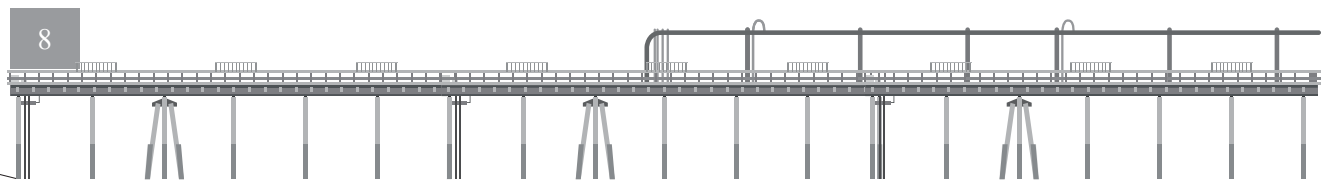
5.2.2 Mission & Objective

- To become a world class premier Engineering Project implementing organization.
- To construct signature Bridges and Engineering marvels with in and outside the country.
- To be innovative, entrepreneurial, constantly creating value and attaining global benchmarks.
- Committed to total customer satisfaction and continuously enhancing capabilities of the organization and employees through innovation and skill upgradation.

5.3 **Industry Structure and Developments**

5.3.1 State of the Economy-Global & Indian Economy

Assessment and Outlook as stated in the Minutes of the Monetary Policy Committee Meeting, Reserve Bank of India, June 5 to 7, 2024 is placed below:



“Assessment and Outlook

6. Global economic activity is rebalancing and is expected to grow at a stable pace in 2024. Inflation has been moderating unevenly, with services inflation staying elevated and slowing progress towards targets. Uncertainty on the pace and timing of policy pivots by central banks is keeping financial markets volatile. Equity markets have touched new highs in both advanced and emerging market economies. Non-energy commodity prices have firmed up, while the US dollar and bond yields are exhibiting two-way movement with spillovers to emerging market currencies. Gold prices have surged to record highs on safe haven demand.

7. According to the provisional estimates released by the National Statistical Office (NSO) on May 31, 2024, real gross domestic product (GDP) growth in Q4:2023-24 stood at 7.8 per cent as against 8.6 per cent in Q3. Real GDP growth for 2023-24 was placed at 8.2 per cent. On the supply side, real gross value added (GVA) rose by 6.3 per cent in Q4:2023-24. Real GVA recorded a growth of 7.2 per cent in 2023-24.”

5.3.2 Indian Infrastructure Sector & Government Initiatives

5.3.2.1 Government Initiatives shall significantly contribute to overall growth in the Infrastructure Sector through:

- Robust demand
- Attractive opportunities
- Policy support
- Increasing investments

Prospects for BBJ

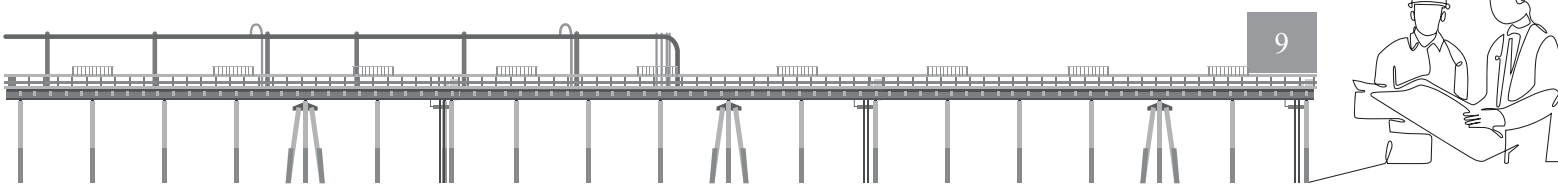
5.3.2.2 The vision of the Govt. for development of Infrastructure and Railways is expected to boost up the Construction sector with excellent growth opportunity. Your Company, with its experience, expertise and competence/capability in Bridge Construction, Civil Construction and Industrial Structures, is well placed to leverage its strength. Your Company’s strategy to consistently endeavor towards market development and enhance capability through tie-up with established entities while maintaining focus on sustainability and growth, will enable it to create long-term value for all the stakeholders. Your Company will continue to focus on being Purpose-led and Future Ready.

5.3.2.3 Your Company is also geared up to improve its financial strength through proliferation in Modern Infra Projects and exploring other business opportunities through diversification in PMC business besides exploring more out of the ambitious plan of Railways in the coming years.

5.3.2.4 Steps taken by your Company will significantly improve its performance from the conventional business trajectory to the Diversified area with promised growth rate.

5.3.2.5 Continuous emphasis on infrastructure by Govt. of India and the ability of Your Company to work in difficult areas like North East, Jammu & Kashmir etc. is expected to result in enhanced business in these areas.

5.3.2.6 Some of the noteworthy projects undertaken by Your Company in last 10 years and currently in progress are as follows:

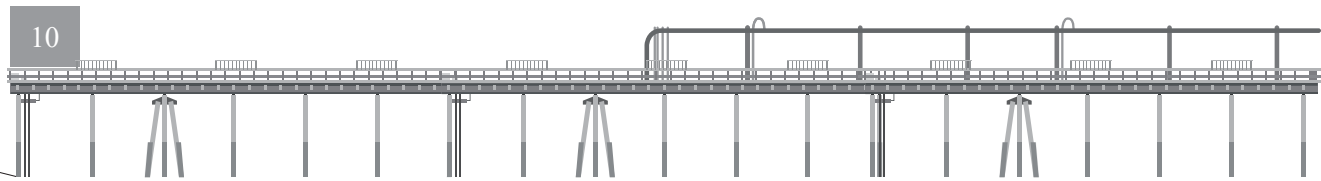


Sl.	Project Name	Location	Engg. details
1.	Munger Project: 4 KM long Rail-cum-Road Bridge	Munger, Bihar	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Span arrangement: 1x33.74m+29x125m+1x33.74m ➤ Steel requirement: 61,000MT (approx.)
2.	Jammu & Kashmir Bridge no. 1, 2, 3 & 61	Between Reasi & Banihal, Katra-Qazigund section, Udhampur-Srinagar-Baramulla	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Span arrangement: Br.no. 1 - 1 x 30m, Br.no. 2 - 11 x 40.8m, Br.no. 3 - 8 x 40.8m, Br.no. 61 - 2x30.5m + 1x24.4m ➤ Steel requirement: 5,500MT (approx.)
3.	Bridge no. 164 across river Iring, Manipur	Between Khongsang station to Noney station, Manipur	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Span arrangement: 1x69m + 5x103.5m + 1x69m + 1x28.5m ➤ Steel requirement: 5,600MT (approx.)
4.	Bridge no. 130 across river Irang, Manipur	Between Khongsang station to Noney station, Manipur	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Span arrangement: 1x69m + 5x103.5m + 1x69m ➤ Steel requirement: 5,500MT (approx.)
5.	Mizoram project: 07 nos. Bridges (Bridge no. 15, 19, 64, 78, 104, 161, 167)	Between Bairabi station and Sairang station, Mizoram	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Span arrangement: Br.no. 15 - 4 x 61m, Br.no. 19 - 4 x 61m, Br.no. 64 - 3 x 61m, Br.no. 78 - 6 x 78.8m Br.no. 104 - 1 x 61m, Br.no. 161 - 8 x 78.8m, Br.no. 167 - 6 x 78.8m ➤ Steel requirement: 15,000MT (approx.)
6.	Allahabad Project: Bridge no.111 across Ganga river at Prayagraj, U.P.	Between Jhusi and Daraganj station, Prayagraj, U.P.	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Span arrangement: 24 x 76.20m ➤ Steel requirement: 13,440MT (approx.)

5.4 Strength and Weakness

5.4.1 Strength

- Strong brand awareness and reputation, rich experience in important/ signature Bridges in India. Operates in Bridge, Civil Construction and Industrial Structure projects.
- Decades of experience and experience of working in remote & in-accessible area
- Track record of successfully completing complex projects
- Enduring relationships built on mutual trust and respect with our clients, sub-contractors, financial institutions and other stakeholders
- Lean Organization with highly qualified and experienced Engineers/Executives and other skilled employees
- Positive Net Worth.



- Having past of qualified and experienced man power capable of executing niche construction projects in difficult and remote areas.
- Having Credit rating facilities of A1+ in short term and A+ in long term instrument.

5.4.2 Weakness

- Depleting numbers of experienced employees due to superannuation at higher level and key position in the Company,
- As the company face financial constraint due to its small size, therefore, credential of major projects are not available for acquiring big works, thereby losing valuable business in Bridge, Road and Civil Constructions etc.,
- Inability to enter in to BOT/BOO and other major project execution, due to financial and other limitations.

5.5 Opportunities, Threats and Constraints

5.5.1 Opportunity

- Declared Policies of Govt. of India towards ‘Atma Nirbhar Bharat’, “Make in India”, “Smart Cities Mission” and various other initiative would result in demand inroad and civil construction etc. thus offering substantial opportunities for construction companies.
- Higher budgetary allocation for infrastructure sector by Govt. of India.
- Pro- industry policies and initiatives such as lowering of corporate tax, setting up of REITs and Infrastructure Investment Trusts would drive investment in infrastructure sector etc.
- Thrust in infrastructure work by the Govt. of India and development work in border area and North Eastern State’s development work.
- Thrust in infrastructure development for surface transport.
- Joint Ventures/Collaboration for major Indian projects.

5.5.2 Threat

- Huge investment in infrastructure has attracted large number of private sector players which has intensified competition.
- profit margins may shrink due to increased competition from Private Sector players.
- Restriction on nomination business.

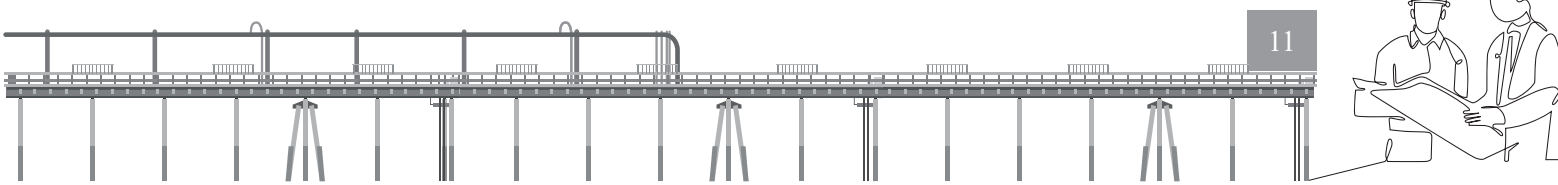
5.5.3 Constraints

Company being a public sector entity has lesser flexibility vis-à-vis Private Sector competitors. Notwithstanding and in spite of small size and financial limits, Your Company with its core competencies has maintained profitability and continuously paid Dividend to Govt. of India while making modest contribution to infrastructure initiatives including North & North East part of India.

5.5.3.1 Long gestation period of the major Projects in hand leading to locking of financial assets thereby limiting participation in new projects.

5.5.3.2 Lack of credential for high value civil project.

5.5.3.3 Lack of credential for high rise civil construction project.



5.5.4 Risks and Concerns

- 5.5.4.1 Restriction in business by nomination, stiff competition & aggressive bidding by Private Sector, large value EPC contracts vis-à-vis limited financial capacity/Turnover coupled with lesser operational flexibility vis-à-vis Private Sector competitions may affect future business opportunities.
- 5.5.4.2 The Company’s employees and projects have been exposed/are exposed to of risks of operating in difficult geographical terrain. It, however, takes pride in executing prestigious works in the national building task. The Company has taken measures to provide adequate safety.
- 5.5.4.3 Risk related details are also mentioned under Notes on Financial Statements.

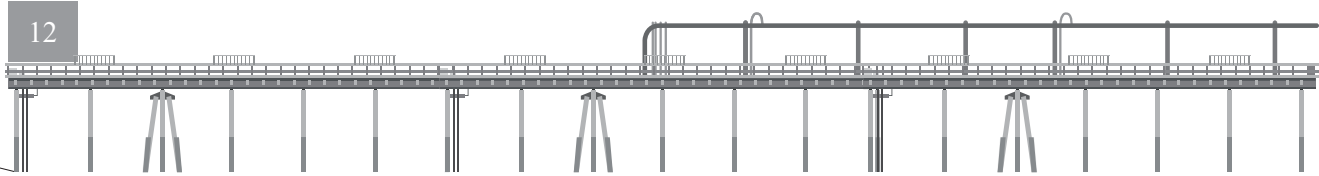
5.6 Present Operations, State of Affairs and Outlook for Future

- 5.6.1 The business environment is facing stiff competition from Private Sector where below margin bidding is usually encountered. In addition, introduction of Reverse Auction has also limited the opportunities. Large value EPC Tenders, necessitate enhanced credentials (Technical as well as Threshold Financial Capacity). In this changed scenario margins are reduced substantially.
- 5.6.2 As a result of above initiatives towards enhanced efficiencies, Your Company is very optimistic of securing and improving the Order Book substantially in near future. We are consistently looking towards enhancing our efficiencies in Bidding, Operations, procurements, executions and faster turnover of Projects.
- 5.6.3 Your Company is also exploring new Joint Ventures and Tie-ups with reputed entities to meet the challenges of higher value EPC & other Contract while leveraging its ability to undertake complex Projects in difficult terrains of North & North Eastern India.

5.7 Discussion on Financial Performance with Respect to Operational Performance

- 5.7.1 BBJ is engaged in Engineering, Procurement & Construction (EPC) jobs for Construction & Erection of Steel Bridges for the Railways; this single customer dependence has resulted in high variability in financial performance in the past.
- 5.7.2 Current business verticals of the Company are given hereunder:

SI No	Particulars	Products & Services	Customers / Clients
(a)	Engineering Procurement & Construction (EPC) business – steel bridges	Construction of: Steel Bridges, Cable Stayed Bridge, Rehabilitation of old bridges, Manufacturing & supply of bridge girders etc.	Indian Railway and other CPSEs
(b)	Project Management Consultancy (PMC) business – civil construction job	Construction of: Buildings, School Campuses, Road etc.	Kendriya Vidyalaya Sangathan, North Eastern Council (NEC)



SI No	Particulars	Products & Services	Customers / Clients
(c)	Industrial Structure	Fabrication & erection of steel structure	MECON and other CPSEs

5.7.3 Operational Performance

- 5.7.3.1 The order book position as on 31st March 2024 is ₹ 27028.97 Lakh from Railway Bridge projects and ₹ 2289.52 Lakh from Civil and Industrial Projects including Industrial Structure, aggregating to ₹ 29318.49 Lakh.
- 5.7.3.2 During FY 2023-24, order of ₹ 7260.31 Lakh secured for Road Overbridge under Amrit Bharat Station Scheme.

5.7.4 Diversification & Future Out Look

- 5.7.4.1 The outlook for the future is positive and Company is likely to excel in the forthcoming year.
- 5.7.4.2 Steps are taken by your Company for consolidation and diversification of Product line under two business model viz. Project Management Consultancy (PMC) and Engineering Procurement and Contract (EPC). Civil Engineering and Construction Projects, in addition to the existing product mix, are all that come within the business model of Your company and with the limited means and resources we have already executed Orders for Construction of Road, Bridge and Civil Construction works with level of experience, expertise and efficiency matching with the requirement for the job.

The Company is conscious of the need for enhancing its credentials (Technical and Financial) and be “future Ready” for high value PMC/EPC/Rate Contracts.

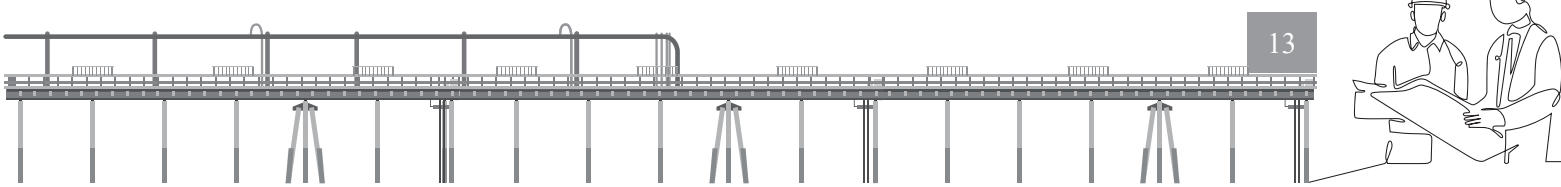
Steps are being taken by the Company for consolidation of the existing Product line as well as re-activation of wider Product line of the Company in the past.

Towards this, the Company is continuously exploring JV/Tie ups with reputed entities for higher value orders and more opportunities.

Diversification in related Sectors as Elevated Corridors, Cable Stayed Bridges, FOBs , ROB, Industrial Structures etc. are being pursued. Efficiencies in complete spectrum of activities are being enhanced.

Steps are being taken to complete the existing orders and release the financial assets and leveraging the same for future orders. Proactive approach and de- risking of potential challenges in being practiced Your Company is optimistic of significant improvements in Production and Profitability in future.

- 5.7.4.3 Strategic Tie-Up in the Form of MOU /Consortium is under consideration of your Company with other major players in Construction Industry to quote for the High Value Tenders . This policy initiative is primarily intended to explore the benefit of techno-economic synergy amongst the Companies through MOU process . Besides being technically compatible, the process would in course of time become beneficial for the Companies and the consortium and would result in value addition to the bottom line.



5.7.5 Company's plan to strengthen its core competence and venture into new verticals in the following manner :

- 1) Enhancement in Marketing efforts in EPC business
 - a) Through Joint Venture: Ties up/Joint venture (JV) with other agencies to participate in high value Govt. tenders.
For this purpose, Your Company has formed JVs with ITD Cementation and ABCI respectively which are presently in operation.
 - b) Regular participation in bids invited by Railways, RVNL, IRCON, etc. for Construction of Steel Bridges under State connectivity projects, construction of new line / doubling line projects of various sections of Railway etc.
- 2) Enhancement in Marketing efforts in PMC business:
To explore opportunities in PMC business for bagging & executing PMC contracts has been explored towards diversification. Project in PMC business has recently been undertaken by BBJ for execution. Competitors in this vertical are other CPSEs.

5.8 Internal Control Systems and their Adequacy

5.8.1 The Company has adequate system of Internal Control and Internal Audit System which helps the management to review the effectiveness of financial and operating controls. It also ensures that all transaction are authorized, recorded and reported correctly.

5.9 Developments in Human Resources, Industrial Relations

5.9.1 This section has been discussed separately in the Directors' Report.

5.10 Environmental Protection and Conservation, Technological conservation, Renewable energy developments, Foreign Exchange conservation

5.10.1 This section has been discussed separately in the Directors' Report.

5.11 Corporate Social Responsibility

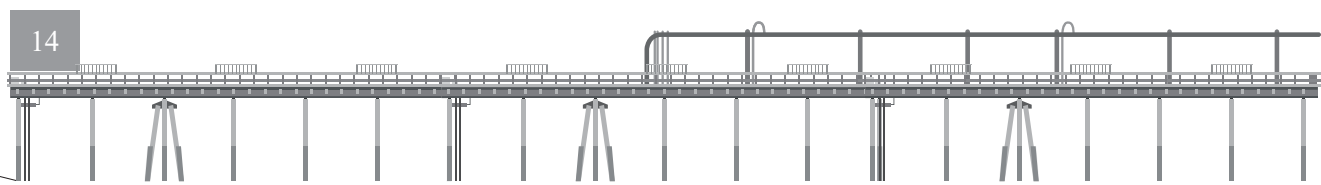
5.11.1 This section has been discussed separately in the Directors' Report.

5.12 Cautionary Statement

5.12.1 Statements in this Management Discussion and Analysis Report describing the Company's objectives, projections, and expectations may be 'forward looking statements' within the meaning of applicable laws and regulations. Actual results might differ substantially or materially from those expressed or implied. Important developments that could affect the Company's operations include a downtrend in the infrastructure sector, significant changes in economic environment in India and abroad, exchange rate fluctuations, tax laws, litigations and labor relations.

5.12.2 General Source of Information under this section has been as follows :

- Minutes of the RBI Monetary Policy Committee Meeting & India Brand Equity Foundation (IBEF) - Trust established by the Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.



6 Memorandum of Understanding (MoU)

6.1 Your Company has been exempted from MoU process vide OM No. M-03/0021/2022-23-DPE(MoU) dated 25-10-2022. However, an Internal MoU had been formulated following DPE Guidelines and ratified by the Board.

7 Board, Committees and Related Information/Disclosures

7.1 Board of Directors

7.1.1 Details of composition of the Board and other Committee Meetings, date of Meetings, number of Meetings during the period including presence of Directors/Members in the said Meetings and other required details, are covered separately under Corporate Governance Report, annexed to and forming part of this Report.

7.1.2 Smt. Sarla Devi has been appointed as an Independent Director on the Board of Directors of the Company with effect from 15th February, 2022. Out of 2 nos. of Sanctioned Strength, one position of Non-official Independent Director is yet to be filled and Order of MHI in this regard is awaited.

7.2 Key Managerial Personnel

7.2.1 Following were the Functional Directors and Key Managerial Personnel as on 31st March 2024:-

- i Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.) – Chairman & Managing Director and Director (Finance) Additional Charge
- ii Shri Rajiv Kumar Singh – Director (Technical)
- iii Shri Navin Kumar Mishra – Company Secretary (CS).

Shri Sujit Kumar Ghosh joined as Director (Finance) with effect from 07th June 2024 vide MHI Order Ref. No. 12 (2) / 2022.PE.III dated 06th June 2024.

7.3 Board Evaluation & Training of Board Members

7.3.1 Ministry of Corporate Affairs vide notification bearing no. G.S.R. 463(E) exempted Government Companies from annual evaluation of its Directors.

7.3.2 The non-executive Board members are appointed by Govt. of India into the Board are of eminent personalities having wide experience in the field of industry, commerce and administration. Their presence on the Board has been advantageous and fruitful in taking business decisions. Directors are given presentation on the overview of the company with the object to familiarize them with the Company’s business and other activities. The Board is kept up-to-date about the overall affairs of the Company through Agenda papers and briefings by senior officials with respect to the Financial Performance, status of ongoing Projects and other important business operation related matters.

7.4 Directors’ Responsibility Statement

7.4.1 Pursuant to Section 134 of the Act, the Directors certify that:

- (a) In the preparation of the annual accounts, the applicable accounting standards as per Companies Act, 2013 have been followed along with proper explanation relating to material departures, if any;
- (b) Appropriate accounting policies have been selected and applied consistently and have made judgments and estimates that are reasonable and prudent, so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Company as at March 31 2024 and of the profit and loss of the Company for the year ended March 31 2024;



- (c) Proper and sufficient care has been taken for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting fraud and other irregularities;
- (d) The annual accounts have been prepared on a going concern basis;
- (e) Proper systems are devised to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems are adequate and operating effectively.

7.5 Declaration by Independent Directors

7.5.1 Declaration as prescribed under Companies Act, 2013 including declaration under Section 149 has been obtained from Independent Director.

7.6 Audit Committee, Remuneration Committee and CSR Committee

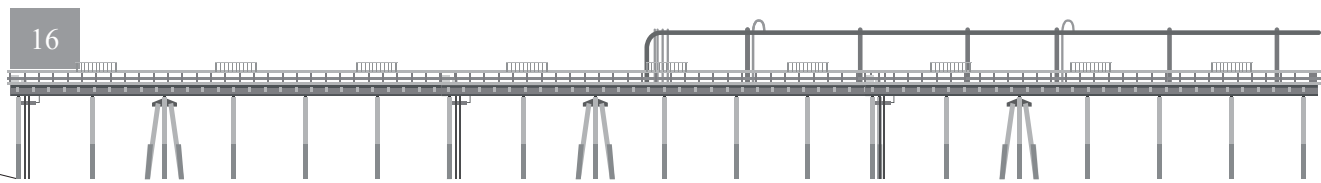
- 7.6.1 Your Company continues to hold Meeting of Audit and other Board level Committee at regular intervals to ensure transparency, accountability, integrity as prescribed in DPE Guidelines on Corporate Governance.
- 7.6.2 Details of Constitution, Meetings, Attendance and other details relating to various Committees constituted by the Board are covered under Corporate Governance Report, annexed to and forming part of this Report.
- 7.6.3 Audit Committee of the Board has been constituted as required under the Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises 2010 by Department of Public Enterprise (DPE Guidelines on Corporate Governance).
- 7.6.4 Terms of Reference for the Audit Committee are governed under Section 177 of the Companies Act, 2013 and Clause 4.2 on 'Role of Audit Committee' under DPE Guidelines on Corporate Governance.
- 7.6.5 Smt. Sarla Devi has been appointed as an Independent Director on the Board of Directors of the Company with effect from 15th February, 2022. Out of 2 nos. of Sanctioned Strength, one position of Non-official Independent Director is yet to be filled by MHI, Non-official Independent Director is the Chairperson of Board level Committees. The other two Members are Government Nominee Director and one Functional Director from BBJ.

7.7 Related Party Transactions

- 7.7.1 During the year under review, the company had not entered into any contract/ arrangement/transaction with related parties which could be considered material in accordance with provisions of related party transaction referred to in section 188(1) of the Companies Act, 2013.
- 7.7.2 Routine transactions covered under Related Party, if any, are disclosed & explained in the Financial Statement Section of this Report.

7.8 Disclosures as per Companies (Appointment & Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014

- 7.8.1 The Company, being a Government of India Enterprise, is exempt from disclosure requirements pertaining to remuneration and other details as prescribed under Section 197(12) of the Companies Act, 2013 read with Rule 5(1) of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014.
- 7.8.2 Your Company has not paid any remuneration attracting the provisions of Rule 5(2) & 5(3) of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014.



8 Information & Vigilance Framework, Policies, Procedures

8.1 Quality Assurance/Quality Control & Safety

8.1.1 Your Company is committed to follow the quality norms and standardized specific process as specified in the contract to maintain the desired quality. As part of the continuous apprising and to facilitate the functional requirements, a Quality Assurance/Quality Control process is followed as practice. Safety in construction is not a matter to be taken lightly. In fact, safety needs to be the top most priority in every aspect of construction at all times. The Quality Management System of the Company is Certified under ISO 9001:2015, being in accordance with the requirements of Quality Policy.

8.1.2 On annual basis, National Safety week is celebrated at Head Office, organized by Quality Cell & General Guidelines for Safety is read out for awareness on this occasion to facilitate the requirements of Safety at project sites.

8.2 Statement indicating Development and Implementation of a Risk Management Policy for the Company including identification therein of Elements of Risk, if any, which in the opinion of the Board may threaten the existence of the Company

8.2.1 The risk management system is an integrated and aligned system with the corporate and operational objectives. Risk management is undertaken as part of normal business practice and not as a separate task at set time. Being an integral part, policy initiatives were taken to secure Risk Management wherever required and necessitated in the process of functioning.

8.3 Corporate Governance

8.3.1 Your Company constantly endeavors to adopt best practices of Corporate Governance to ensure transparency, integrity and accountability in it’s overall functioning. The Corporate Governance Report is submitted along with Certificate on Compliance of conditions of Corporate Governance, duly certified by the Statutory Auditors in terms of the DPE Corporate Governance Guidelines.

8.3.2 Your company has adequate Internal Financial Control in place and such controls are tested from time to time through the process of Audit Committee constituted by Members nominated by the Board.

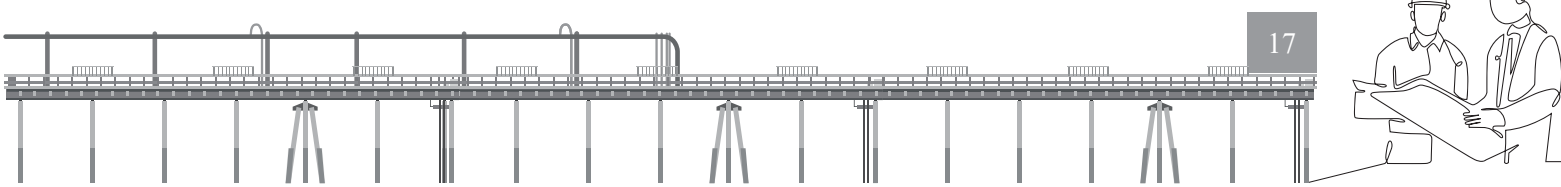
8.4 Vigil Mechanism / Whistle Blower Policy

8.4.1 The Company has well placed vigil mechanism for directors and employees to report genuine concerns about unethical behavior, actual or suspected fraud or violation to the Company’s Code of conduct which includes the duly adopted Whistle Blower Policy to conduct of the affairs in a fair and transparent manner, by adopting the highest standards of professionalism, honesty, integrity and ethical behavior.

8.4.2 Focus of the policy is to create a fearless environment. The Whistle Blower Policy is posted on the website of the Company and available at <https://www.bbjconst.com/rti/bbj-whistle-blower-policy.pdf>.

8.5 Right To Information

8.5.1 Company has appropriate mechanism to provide information to citizens under the provisions of Right to Information (RTI) Act, 2005.



8.5.2 Total 21 applications under RTI Act were received during the FY 2023-2024. 20 Applications were replied within the prescribed time limit under the said Act and there was 1 application pending for reply at the end of FY 2023-2024 which was replied within the prescribed time limit subsequently.

8.6 Vigilance

8.6.1 Ms. Chandrani Gupta, IES, is the Chief Vigilance Officer, BBJ. During the Financial Year 2023-2024, vigilance activities were managed effectively.

8.7 Adherence to the Accounting Policy /Standard

8.7.1 Financial Statements of the Company was drawn in accordance with the applicable Accounting Standards and Rules as per Companies Act, 2013 and are being followed since its adoption.

8.7.2 Details of significant accounting policies are adequately explained under Notes forming part of the Financial Statements.

8.7.3 Maintenance of cost records as specified by the Central Government under sub-section (1) of section 148 of the Companies Act, 2013, are made and maintained continuously.

8.8 Internal Audit and Internal Controls

8.8.1 The Company has adequate internal financial controls system for ensuring orderly and efficient conduct of its business including adherence to the Company's policies, safeguarding of its assets and prevention of frauds, accurate and prompt financial reporting, for compliances and improve the effectiveness of risk management towards good corporate governance.

8.8.2 Company ensures that business is conducted in accordance with the legal, statutory and regulatory compliance requirements.

8.8.3 Firm of Chartered Accountants are appointed by the Board of the company to carry out Internal Audit Function and Reporting thereon. The Reports of Internal Audit findings are periodically submitted to management and Audit Committee of the company. Corrective action in respective areas are undertaken and thereby strengthen the overall control system as per suggestions by Internal Auditors.

8.8.4 The company has adequate internal control measures in the form of established office procedures issued by the management covering all important activities i.e., Marketing, Purchase and Works, Material, Stores, Accounts and Personal Manual etc.

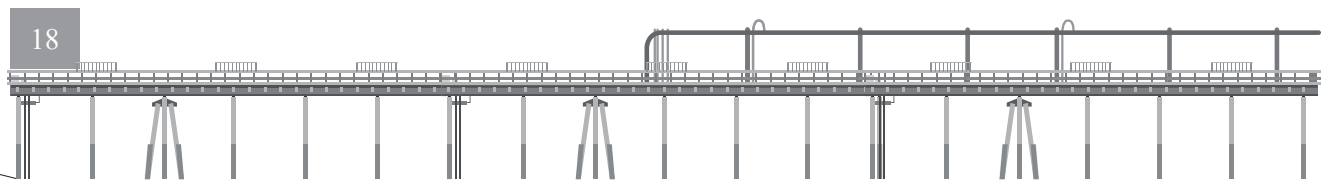
8.8.5 The Internal Audit Scope, Plan, Internal control mechanism and issues of financial and operational system are made more structured to take on all kinds of future challenges.

8.8.6 The Management takes reasonable care and ensures safeguard of assets, prevention and detection of fraud and error, accuracy and completeness of accounting records and timely preparation of reliable financial information.

9 Auditors

9.1 Report of the Statutory Auditors on the Accounts of 2023-2024

9.1.1 M/s B. Mukherjee & Co., Chartered Accountants (FRN 302096E), Kolkata were appointed as the Statutory Auditors of the Company for the FY 2023-24 by the Order of Comptroller and Auditor General of India under section 139 of the Companies Act, 2013.



9.1.2 Observation in the Report of the Statutory Auditors on the Annual Audited Financial Statement for the FY 2023-24 have been adequately explained in the notes on accounts. Management Reply on the Auditors' Observation has also been placed along with the Report of Statutory Auditors in the Audited Financial Statement section of this Annual Report.

9.1.3 As required under Section 134 (3) (ca) of the Companies Act, 2013, there is no adverse reporting by the auditors under sub-section (12) of section 143 in respect of frauds.

9.2 Comments of the Comptroller and Auditor General of India (C&AG)

9.2.1 C&AG vide their Comments dated 31 July 2024 have stated that they have decided not to conduct the supplementary audit of the financial statements of the Company for the year ended 31 March 2024 under section 143 (6) (a) of the Act. Copy of the Comments of C&AG forms part of the Annual Report of the Company for FY 2023-24.

9.3 Secretarial Auditor and Audit Report

9.3.1 Provisions of Section 204 of the Companies Act, 2013 and the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014 regarding Secretarial Audit is not applicable to the Company.

9.3.2 The Company has secured compliance of applicable / mandatory Secretarial Standards issued by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI).

10 Human Resources, CSR, Women Empowerment & Welfare Activities

10.1 Human Resources

10.1.1 With a view to attain the operational excellence, rigorous and constant efforts are being carried out to meet the organization expectations as well as keeping pace with the changing industrial scenario.

10.1.2 Old policies were modified focusing on recognizing employees as an important resources in the Organization through Employee Centric Approach. Many initiatives were taken towards creation of proficient HR Systems leading to increased transparency and effective communication system in the Company and MoU parameters were properly addressed through proper system in place.

10.1.3 Any grievances related the employee are to be taken up by Grievance Committee for resolving in time. In keeping with the functional and behavioral skills of the employees, training under different modules were arranged at various levels to enhance proficiency and to encourage the self-learning among employees.

10.1.4 Furthermore, in view of the present innovative & challenging market, complying with Covid-19 protocols, your Company arranged need based Online Training Programs to make officials / employees to make them aware of latest trends / techniques & changes that are taking place in their respective functional areas and to enhance their knowledge base so that they work with improved potential & zeal to achieve the overall organizational Goal as a team. Industrial Relation remained cordial throughout the year under review.

10.2 Corporate Social Responsibilities; details about the policy developed and implemented by the Company on Corporate Social Responsibility initiatives taken during the year



10.2.1 Annual Report on CSR as required under The Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 is placed as Annexure to this Report, elaborating the CSR fund and its utilization during reporting period.

10.2.2 CSR Policy of the Company is available at the Web-site of the Company at <https://www.bbjconst.com/rti/bbj-csr-policy.pdf>

10.3 Empowerment of Women

10.3.1 The Company continues to accord due importance to gender equality. All necessary measures/ statutory provisions for safeguarding the interests of women employees in issues like payment of wages, hours of work, health, safety, welfare aspects and maternity benefits etc. are being followed by the Company in its letter and spirit.

10.4 Welfare of Weaker Sections of The Society

10.4.1 Statutory welfare facilities as incorporated in extant Labour Laws and Rules made thereunder are administered by the company for welfare of the employees apart from the provisions of welfare and social justice towards reservation policy for SC, ST, OBC, EWS and Differently Abled respectively in line with the Govt. Policies and Guidelines.

10.5 Encouragement / Assistance to MSME

10.5.1 Out of total purchase for the period under review, most were made through MSMEs. Nothing remains unpaid to the MSME suppliers at the end of the financial year 2023-2024 for a period of over 45 days.

10.5.2 Aids and Supports were extended to the Social Welfare Organizations through selective sourcing / procurement of materials and services from them in need in phased manner.

11 Other Disclosures

11.1 Legal Compliances

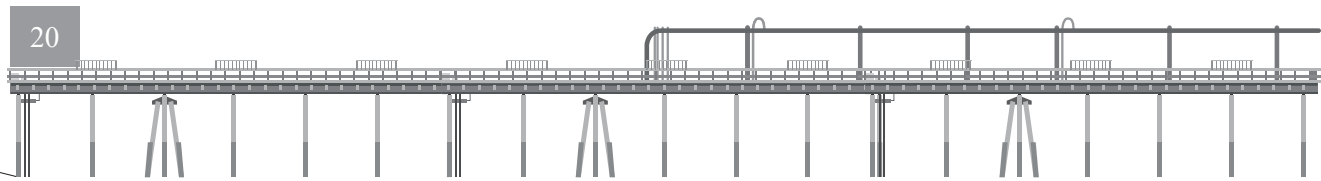
11.1.1 Board is apprised of the statutory and other mandatory legal compliances on regular basis through Agenda Notes including notices, if any, received from statutory authorities and the remedial action taken by the Company to meet those requirements.

11.2 Disclosures under Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition & Redressal) Act 2013

11.2.1 The company has complied with the provision relating to the constitution of Internal Complaints Committee under the Sexual Harassment of Women at the Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. The Internal Complaints Committee is empowered to look into all complaints of sexual harassment and facilitate free and fair enquiry process with clear timelines.

11.2.2 Details of cases as required under the Sexual Harassment of Women at the Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 is given hereunder :

- (i) number of complaints filed during the financial year : Nil
- (ii) number of complaints disposed of during the financial year : Nil
- (iii) number of complaints pending as at the end of the financial year : Nil



11.3 Particulars of Loans, Guarantees or Investments

11.3.1 For the period under review, no Loans, Guarantees and Investments was made by the Company which requires approval under Section 186 of the Companies Act, 2013. Details of Loans, Guarantees and Investments are covered under financial statements and Notes forming part thereof.

11.4 Code of conduct for Board Members and Senior Management Personnel

11.4.1 Your Company has well defined policy framework which lays down procedures to be adhered to by all Board Members and Senior Management for ethical professional conduct with the objective to conduct the Company's business ethically and with responsibility, integrity, fairness, transparency and honesty. The Code is available on the Company's website <https://www.bbjconst.com/rti/bbj-code-of-conduct.pdf>. All Directors and senior management personnel have complied with the Code of Conduct for the period under review.

11.4.2 Declaration by Chairman & Managing Director on compliance with the Code of Conduct in line with Guidelines on Corporate Governance for CPSEs by DPE

Declaration on Code of Conduct

In terms of Clause 3.4.2 of the Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises 2010 dated 14th May, 2010 issued by the DPE, I hereby declare that all Board members and senior management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct as prescribed under said Guidelines on an annual basis for the FY 2023-2024.

Signature :

Cmde.Rakesh Chhillar (Retd.)
Chairman & Managing Director
DIN: - 09832486

11.5 Progressive use of Hindi

11.5.1 Measures taken for effective implementation of Hindi in the Company

During the period under review, the Company continued its effort for proper implementation and compliance of the Official Language Policy of the Rajbhasha Vibhag, Government of India. Few major compliances are as follows :

- Quarterly meetings of Official Language Implementation Committee of the company were held under the Chairmanship of the C&MD, BBJ regularly.
- Quarterly Hindi Workshops were also organized.
- The company ensured participation in various competitions held by TOLIC in Hindi Language.
- Participation in meeting called by TOLIC for their review.
- Senior officials of the company participated in the 7th Meeting of Hindi Advisory Committee, under the aegis of Ministry of Heavy Industries, held in Mussoorie.
- Competitions in poetry recitation and other topics were organized during May 2023 between the employees of the company and participants were also rewarded to encourage.



- Participated in Hindi Diwas and Third All India Official Language Conference organized in Pune, Maharashtra on 14-15 September under the aegis of Ministry of Heavy Industries.
- “Hindi Pakhwada” during 14-29 Sept, 2023 was organised in the Company and during the said fortnight various hindi workshops and competitions between the employees of the company were held. To encourage the employees, prizes were also distributed among the winners of these competitions.

11.6 Extract of Annual Return

11.6.1 Web link of annual return duly filed with the Ministry of Corporate Affairs are available at following web-link - <https://www.bbjconst.com/financials.html>. In view of the provisions stated in above first para, ‘Extract of the annual return’ in Form No. MGT-9 does not form part of Board Report for the period under review.

11.7 Performance Of Subsidiaries, Associates And Joint Venture Companies During The Year

11.7.1 Bhagirathi Bridge Construction Company Private Limited (BBCCPL) is the Joint Venture Company, jointly promoted by BBJ and Gammon India Limited (GIL). After status of nominee Director as ‘Inactive’, request was made by BBJ for either rectifying the defect for its Director or make fresh nomination of Directors in terms of Articles of Association and the Joint Venture Agreement for formation of BBCCPL. Despite several reminders, no rectification or fresh nomination of Directors are made by GIL. Due to this reason, there is deadlock in holding Meetings of Directors or Shareholders since there is no quorum for holding the said Meetings of Board or Shareholders. There has been no new development in this regard.

11.7.2 Form No. 22A, Active could not be filed due to said deadlock and therefore, the present status of the Company is inactive, non-compliant.

11.7.3 BBCCPL is virtually defunct Joint Venture Company, with its substratum lost after completion of the purpose of Construction of Second Hooghly Bridge, for which it was incorporated. Presently, there are no employees on the roll of BBCCPL.

11.7.4 Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. (BPMEL) a subsidiary is under liquidation upon passing of winding-up order by Hon’ble High Court at Kolkata. The Process of liquidation is yet to complete.

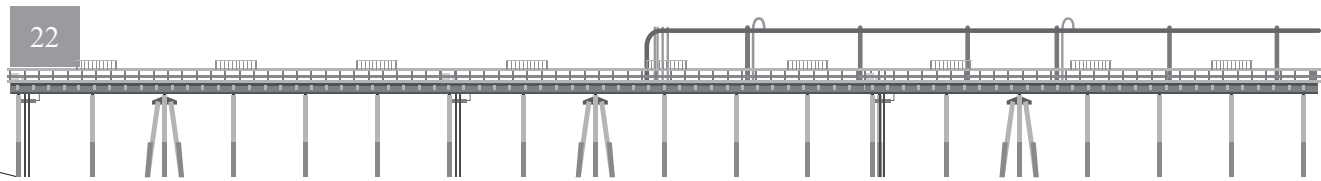
11.7.5 Due to non availability of Financial Statement of the defunct JV/subsidiary consolidated Financial Statement is not prepared.

11.8 Environment and Pollution Control, Conservation of Energy and Technology & Foreign Exchange Earnings and Outgo

11.8.1 Conservation of Energy, Environment And Pollution Control :

11.8.1.1 Environment and Pollution Control continued to receive specific attention during the year under review. Through internal mechanism, steps are being taken for conservation of energy through periodical checking of system & its policy to monitor the level of emission of Carbon and other gases from the Plants in use at its Project sites at various locations.

11.8.1.2 With limited deployment of its resources, nature of contracts & short duration of its Projects going on at various sites, use of alternate source through capital investment in energy



conservation equipment at said sites and is not feasible for the time being. However, avenues are explored for utilizing alternate sources of energy in feasible manner in future.

11.8.1.3 The stress is given to minimize the energy consumption in all new construction projects by adopting to the best available power saving technologies switching over from LCDs to LED lightings has already been accomplished. Besides most of the projects executed are in line with the Energy norms, the equipment used are all energy efficient.

11.8.1.4 Your Company remained eco-friendly to the Community and it's people at large. No Notice or Show Cause was ever received from the Authorities or Regulators for any non compliance of relevant Laws.

11.8.2 Technology Absorption:

11.8.2.1 During the last three years reckoned backward from the beginning of the financial year 2023-2024 there was no import of technology by the Company.

11.8.2.2 Awareness about the new technologies and products is being imparted to the senior management for utilizing the same. Presentations on the new and innovative technologies are being organized. Due to various factors viz. conventional nature of job, cost and size constraints etc., Research & Development activities are not presently taken up by the Company.

11.8.3 Foreign Exchange Earnings and Outgo

11.8.3.1 During the period under review there was no foreign transaction undertaken by the company.

12 Other Disclosures as Prescribed under Companies Act 2013

Sl. No.	Particulars	Comments
1)	Material changes and commitments, if any, affecting the financial position of the company which have occurred between the end of the financial year of the company to which the financial statements relate and the date of the report	Nil
2)	A statement indicating the manner in which formal annual evaluation has been made by the Board of its own performance and that of its committees and individual directors	Not Applicable. BBJ is a Private Limited Company, with 100% Government shareholding. Moreover, on account of exemption given to specified Government Companies, these provision are not applicable to BBJ.
3)	Company's Policy on Directors' appointment and remuneration	Not Applicable. BBJ is a Private Limited Company, with 100% Government shareholding. Moreover, on account of exemption given to specified Government Companies, these provision are not applicable to BBJ.
4)	Any changes in the capital structure of the company during the year	Nil
5)	Issue of shares or other convertible securities	Nil



Sl. No.	Particulars	Comments
6)	Issue of Employee Stock Options or Sweat Equity Shares	Nil
7)	Issue of debentures, bonds or any non-convertible securities	Nil
8)	Issue of warrants	Nil
9)	Details of Deposits	Nil
10)	Investor Education And Protection Fund (IEPF)	There is no unpaid Dividend in respect of the last seven years.
11)	the change in the nature of business, if any;	Nil
12)	the names of companies which have become or ceased to be its Subsidiaries, joint ventures or associate companies during the year;	Nil
13)	the details relating to deposits, covered under Chapter V of the Act	Nil
14)	the details of deposits which are not in compliance with the requirements of Chapter V of the Act;	Nil
15)	the details of significant and material orders passed by the regulators or courts or tribunals impacting the going concern status and company's operations in future;	Nil

ACKNOWLEDGEMENT

The Directors commend the indefatigable efforts of the employees at all levels which has contributed immensely to the growth of the Company during Reported period. Their dedication and commitment will stand the organization in good stead to meet the challenges in future.

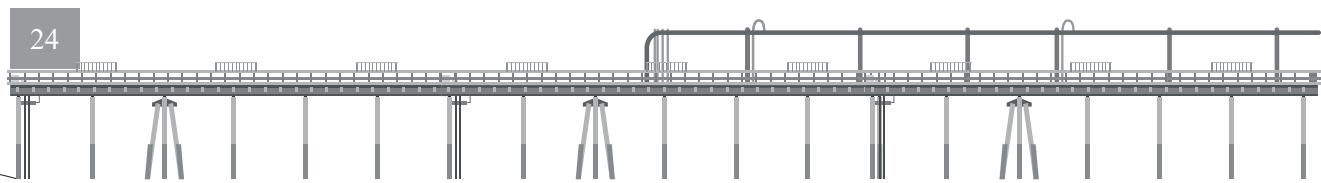
BBJ has also enjoyed unstinting support and guidance from all the Ministries of the Government of India, particularly the Ministry of Heavy Industries , State Governments etc. All the stakeholders, especially the suppliers, customers and business partners, have extended tremendous support towards the success of the Organization.

The Directors assure of their unwavering focus on the strategic plans of your Company to steer it responsibly to stellar heights.

For and on behalf of the Board of Directors,
The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited

Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)
Chairman & Managing Director
DIN: -09832486

Date: 8th August, 2024
Kolkata



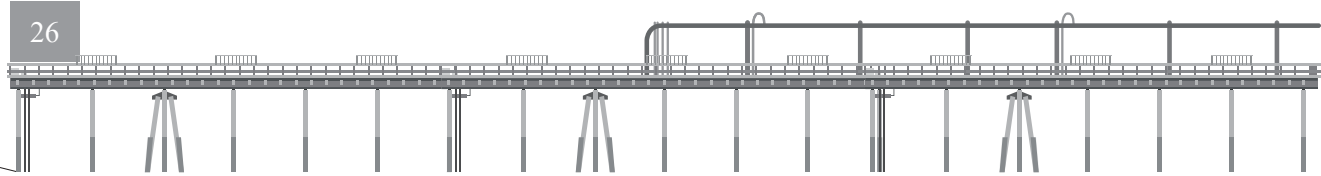
REPORT ON CORPORATE GOVERNANCE

This Report is in accordance with the Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises issued by the Department of Public Enterprises, Govt. of India.

<p>Company's Philosophy on Guidelines on Corporate Governance</p>	<p>The Company's Philosophy on Corporate Governance is aimed at enhancing long term Shareholders value and capacity of the Company to generate wealth through :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Assisting top Management in taking sound business decisions and prudent Financial Management ● Achieving transparency and professionalism in all decisions and activities of the Company ● Adhering to Compliances of disclosure requirement ● Achieving excellence in Corporate Governance by : <ol style="list-style-type: none"> 1. Conforming to the prevalent guidelines on Corporate Governance and excelling in wherever possible 2. Setting high ethical standards in conduct of business complying with laws and regulations 3. Reviewing periodically the existing system and controls for further improvements 																	
<p>Board of Directors</p>	<p>All Directors of the Board of the Company are appointed on behalf of the President of India by the Ministry of Heavy Industries, Govt. of India.</p> <p>The details of Directors on the Board of the Company during the Financial Year ended 31st March 2024 are given hereunder :</p>																	
<p>Board Composition</p>	<table border="1" data-bbox="447 1122 1498 1437"> <thead> <tr> <th>DIN of Directors</th> <th>Name</th> <th>Category</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>09832486</td> <td>Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)</td> <td>Chairman & Managing Director and Director (Finance)/ Additional Charge</td> </tr> <tr> <td>09222808</td> <td>Shri Aditya Kumar Ghosh,</td> <td>Deputy Secretary – MHI (Govt. Nominee Director)</td> </tr> <tr> <td>09614219</td> <td>Shri Rajiv Kumar Singh</td> <td>Director (Technical)-Functional Director</td> </tr> <tr> <td>09299169</td> <td>Smt. Sarla Devi</td> <td>Non-official Independent Director</td> </tr> </tbody> </table> <p>Following changes occurred in the Board of Directors during FY 2023-24 including period after 31st March, 2024 till the date of Report:</p> <p>Ministry of Heavy Industries, Government of India vide its Order Ref. No. 12 (2) / 2022. PE.III dated 06th June 2024, appointed Shri Sujit Kumar Ghosh as Director (Finance) on the Board of The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited for a period of five years from the date of assumption of the charge of the post or till the date of his superannuation, whichever is earlier. Shri Sujit Kumar Ghosh joined as Director (Finance) with effect from 07/06/2024.</p> <p>Out of 2 nos. of Sanctioned Strength for Non-official Independent Director in the Board of Directors of the Company, one position of Non-official Independent Director is yet to be filled as on date.</p>			DIN of Directors	Name	Category	09832486	Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)	Chairman & Managing Director and Director (Finance)/ Additional Charge	09222808	Shri Aditya Kumar Ghosh,	Deputy Secretary – MHI (Govt. Nominee Director)	09614219	Shri Rajiv Kumar Singh	Director (Technical)-Functional Director	09299169	Smt. Sarla Devi	Non-official Independent Director
DIN of Directors	Name	Category																
09832486	Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)	Chairman & Managing Director and Director (Finance)/ Additional Charge																
09222808	Shri Aditya Kumar Ghosh,	Deputy Secretary – MHI (Govt. Nominee Director)																
09614219	Shri Rajiv Kumar Singh	Director (Technical)-Functional Director																
09299169	Smt. Sarla Devi	Non-official Independent Director																



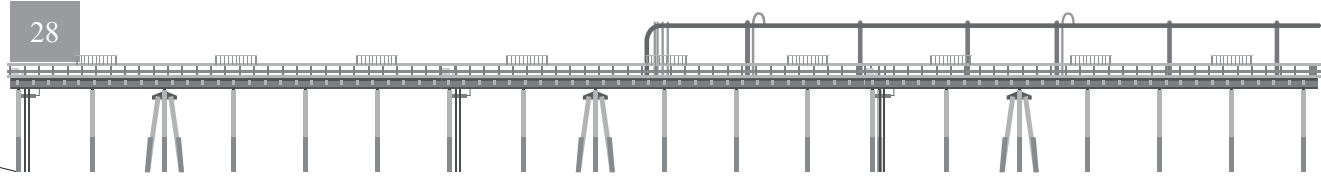
Meetings Held (Board & Audit Committee)	Board Meetings held during the Financial Year 2023-24	Meeting No. & Date of Meeting	Directors' / Members Attendance
		162nd Board Meeting on 27-06-2023	Attended by all except Shri Aditya Kumar Ghosh
		163rd Board Meeting on 12-07-2023	Attended by all
		164th Board Meeting on 30-09-2023	Attended by all
		165th Board Meeting on 16-12-2023	Attended by all
	166th Board Meeting on 22-03-2024	Attended by all	
	Audit Committee Meetings held During financial year 2023-24	68th Meeting on 27-06-2023	Attended by all except Shri Aditya Kumar Ghosh
		69th Meeting on 12-07- 2023	Attended by all
		70th Meeting on 30-09-2023	Attended by all
		71st Meeting on 16-12-2023	Attended by all
72nd Meeting on 22-03-2024	Attended by all		
	Board has Re-constituted Audit Committee of total 3 Members comprising of 1 Non-official Independent Director as Chairperson. Other 2 Members are Government Nominee Director & Functional Director. This re-constitution shall continue till nomination of 1 more Independent Director is received from MHI.		
Audit Committee	Role and the Terms of Reference :	<ul style="list-style-type: none"> To attend to the Matters specified under para 4.2 of the Guideline on Corporate Governance for Public Enterprises and Section 177 of the Companies Act, 2013. To act as link between the Management ,the Statutory and Internal Auditors and the Board of Directors To assess financial reporting system and Risk related matters 	
Composition , Board Meetings & Attendance	Name of Directors	Board Meetings attendance during FY 2023-24	
	Cmde. Rakesh Chhillar	Meeting held -05	Attended - 05
	Shri Aditya Kumar Ghosh	Meeting held -05	Attended – 04
	Shri Rajiv Kumar Singh	Meeting held -05	Attended – 05
	Smt. Sarla Devi	Meeting held -05	Attended – 05



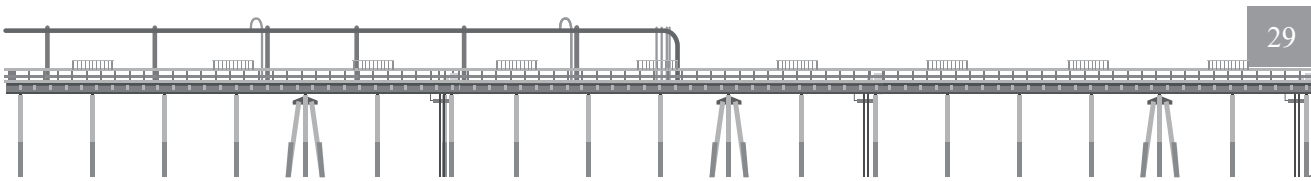
Composition , Audit Committee Meetings & Attendance	Name of Directors	Audit Committee Meetings attendance during FY 2023-24	
	Shri Rajiv Kumar Singh	Meeting held -05	Attended – 05
	Shri Aditya Kumar Ghosh	Meeting held -05	Attended – 04
	Smt. Sarla Devi	Meeting held -05	Attended – 05
	All the recommendations in the financial year 2023-24, made by Audit Committee of the Board, which were mandatorily required, were accepted by the Board of Directors.		
	<p>Out of 2 nos. of Sanctioned Strength for Non-official Independent Director, one position of Non-official Independent Director is yet to be filled.</p> <p>Board has Re-constituted Audit Committee of total 3 Members comprising of 1 Non-official Independent Director as Chairperson. Other 2 Members are Government Nominee Director & a Functional Director, BBJ.</p> <p>This re-constitution shall continue till nomination of 1 more Independent Director is received from MHI.</p>		
CSR and other Committee Meetings	During Financial Year 2023-24, one Meeting i.e. 12th CSR Committee Meeting was held on 16th December, 2023. All the Members were present in this Meeting.		
Independent Directors	<p>Independent Directors are appointed by the Govt. Orders, having expertise/experience in their respective field/profession. The Independent Directors are neither connected nor related to the Promoters and do not have pecuniary relationship with the Company and further do not hold two percent or more of the total voting power of the Company.</p> <p>Declaration from the Independent Directors that she meets the criteria of independence as per the requirement under Section 149 of the Companies Act, 2013 has been received.</p> <p>The sitting Fees of Independent Directors are fixed by the Board and the same is within the limits prescribed under the Companies Act, 2013.</p>		
Code of Conduct	<p>The Draft Code of Conduct for Members of the Board and Senior Management as laid down has been Implemented.</p> <p>In terms of Clause 3.4.2 of the Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises 2010 issued by the DPE, the declaration by C&MD that all Board members and senior management personnel have affirmed compliance with the code on an annual basis for the FY 2023-24 is given under relevant portion of the Directors’ Report.</p>		



General Body Meetings Particulars of last three Annual General Meetings (AGM)	Fin. Year	Meeting No. and Date	Time & Venue	Special Resolution
	2020-2021	35th AGM, September 28, 2021	15:30 Hours at the Registered Office of the Company at 27, R. N. Mukherjee Road, Kolkata – 700 001, W. Bengal	Nil
	2021-2022	36th AGM, September 30, 2022	15:30 Hours at the Registered Office of the Company at 27, R. N. Mukherjee Road, Kolkata – 700 001, W. Bengal	Nil
	2022-2023	37th AGM, September 30, 2023	11:00 Hours at the Registered Office of the Company at 27, R. N. Mukherjee Road, Kolkata – 700 001, W. Bengal	Nil
All AGMs were held within the prescribed time limit under the Companies Act, 2013.				
Annual General Meeting – 2024	38th Annual General Meeting of the Members of the Company is scheduled to be held within the prescribed period as per the requirement of the Companies Act 2013 i.e. within the month of September 2024.			
Other Disclosures	Transactions of material nature with Directors or their relatives that may have potential conflict with the Interest of the Company		Nil	
	Related Party Transactions		Disclosed under Note attached to Accounts for the year ended March 31, 2024	
	Details of non-compliances by Company or strictures imposed on it		Nil	
	Whistle Blower Policy and affirmation that no personnel has been denied access to Audit Committee		It is affirmed that none was denied access to the Audit Committee	
	Details of Compliance of the requirements of these Guidelines		Complied. Out of 2 nos. of Sanctioned Strength for Non-official Independent Director in the Board of Directors of the Company, one position of Non-official Independent Director is yet to be filled as on date.	
	Details of Presidential Directives issued by Central Govt. & their Compliance during the year & last three years		No Directives are pending for compliance	
	Items of Expenses debited in Books of Accounts not for business purposes		Nil	
	Expenditure incurred which are personal in nature and incurred for the Board of Directors & Top Management		Nil	



<p>Means of Communications</p>	<p>Being an Unlisted Government Company, quarterly Results are not required to be published in the News Papers. Annual Audited Financial Results are displayed on the Company’s website Address for Correspondence: The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited, 27, Rajendra Nath Mukherjee Road. Kolkata – 700001, West Bengal. Web-site : www.bbjconst.com e-mail : info@bbjconst.com Telephone : 91 33 2248 5841-44 (EPBX) 91 33 2210 3961 (FAX)</p>
<p>Audit Qualifications</p>	<p>Management Reply on the Auditors’ Observation has also been placed along with the Report of Statutory Auditors in the Audited Financial Statement section of this Annual Report.</p>
<p>Training</p>	<p>Policy for Training of Board Members is approved by the Board and is being followed by the Company.</p>
<p>Corporate Governance Audit</p>	<p>Certificate of the Statutory Auditors on Corporate Governance is received and annexed to the Directors’ Report.</p>



AUDITORS' CERTIFICATE ON CORPORATE GOVERNANCE

To ,
The Members,
The Braithwaite Burn and Jessop Construction Co. Ltd.,
27, R.N.Mukherjee Road,
Kolkata-700001, West Bengal

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by The Braithwaite Burn and Jessop Construction Co. Ltd. (hereinafter referred to as “the Company”) for the financial year ended March 31, 2024 as stipulated in Clause 8.2.1 of Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises (CPSEs), 2010 issued by the Department of Public Enterprises (DPE), Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises, Government of India(hereinafter referred to as “the Guidelines”).

Compliance of the conditions of Corporate Governance is the responsibility of the Management. Our examination has been limited to review of the procedures and implementation thereof, adopted by the Company, for ensuring the compliance with the conditions of Corporate Governance as stipulated in the Guidelines. It is neither an Audit nor an expression of opinion of financial statements of the Company.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we hereby certify that the Company has complied with the conditions of Corporate Governance during Financial Year 2023-24, as stipulated in Guidelines.

We further state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Company nor the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Company.

For B. MUKHERJEE & CO

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 302096E

CA S. K. MUKHERJEE

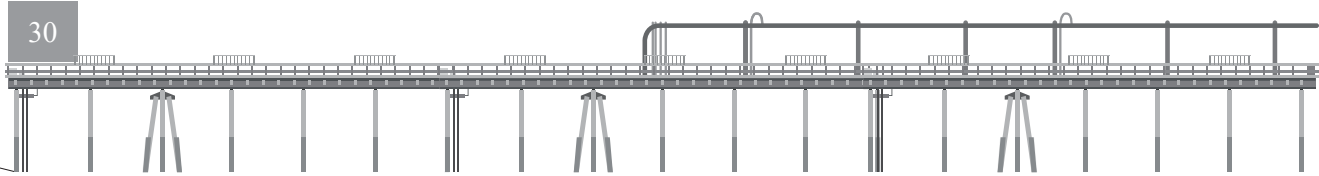
Partner

Membership No. 006601

UDIN: 24006601BJZXPX3256

Place: **Kolkata**

Date: 28.06.2024



ANNEXURE TO THE DIRECTORS' REPORT

Format For The Annual Report on CSR Activities to be Included in the Board's Report For Financial Year Commencing on or After 1st Day of April, 2020

[Annexure –II as prescribed under Rule 8 of The Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014]

1. Brief outline on CSR Policy of the Company.

In alignment with the vision of the Company, BBJ through its CSR initiatives, approved CSR Policy in the Board Meeting held on Sept., 2012 for the first time and made subsequent amendments thereafter to keep pace with dynamic changes made from time to time in the CSR related matters under the Companies Act, 2013 read with Rules framed thereunder, addressing various areas which inter-alia included the following:

- Planning of the CSR Project
- Baseline Survey
- Process of Implementation
- Funding, Monitoring and Qualifying Criteria for executing agency
- In the areas of Health, Education, Sanitation and Public Health etc. including contribution to the Fund notified under the provisions of the Companies Act, 2013.

CSR Guidelines of the Department of Public Enterprises read with guidelines as prescribed under the provisions of the Companies Act, 2013 have been complied.

2. Composition of CSR Committee:

Composition of CSR Committee is as under :-

Sl. No.	Name of Director	Designation / Nature of Directorship
1.	Smt. Sarla Devi	Independent Director - Chairperson
2.	Shri Aditya Kumar Ghosh	Government Nominee Director - Member
3.	Shri Rajiv Kumar Singh	Director (Technical) - Member

Number of meetings of CSR Committee held during the year: 1 (One) CSR Committee Meeting was held in the FY 2023-24

Number of meetings of CSR Committee attended during the year: Attendance in CSR Committee Meeting is given hereunder:

12th CSR Committee Meeting held on 16-12-2023 was attended by all the Members as follows:

S.No.	Name	Designation / Nature of Directorship
1.	Smt. Sarla Devi	Independent Director - Chairperson
2.	Shri Aditya Kumar Ghosh	Government Nominee Director - Member
3.	Shri Rajiv Kumar Singh	Director (Technical) - Member

3. Provide the web-link where Composition of CSR committee, CSR Policy and CSR projects approved by the board are disclosed on the website of the company.

- Weblink: <https://bbjconst.com/rti.html>

4. Provide the details of Impact assessment of CSR projects carried out in pursuance of sub-rule (3) of rule 8 of the Companies (Corporate Social responsibility Policy) Rules, 2014, if applicable (attach the report).

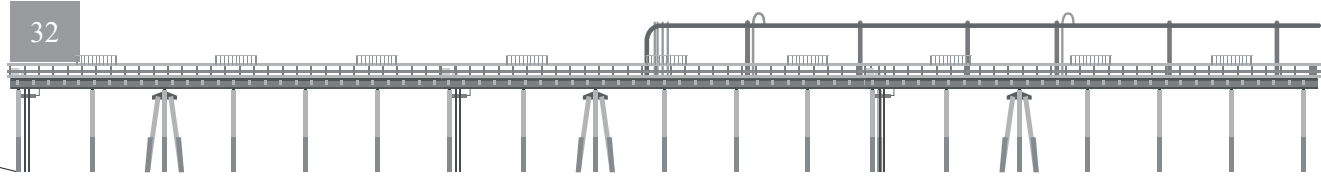


- Not Applicable.
5. Details of the amount available for set off in pursuance of sub-rule (3) of rule 7 of the Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 and amount required for set off for the financial year, if any
- Not applicable
6. Average net profit of the company as per section 135(5).
The average net profit of the company as per section 135(5) for immediately preceding three Financial Years is as follows:

Financial Year	Profit Before Tax (Rupees Lakhs)
2020-21	1507
2021-22	494
2022-23	1309
Average Net Profit	1103

7. (a) Two percent of average net profit of the company as per section 135(5)
Rs. 22.07 Lakhs (which is 2% of Average Net Profit of FY 2020-21 , 2021-22 & 2022-23)
- (b) Surplus arising out of the CSR projects or programmes or activities of the previous financial years.
None
- (c) Amount required to be set off for the financial year, if any
None
- (d) Total CSR obligation for the financial year (7a+7b-7c).
Total CSR obligation for the financial year 2023-24 is **Rs.22.07 Lakhs**
8. (a) CSR amount spent or unspent for the financial year:

Total Amount Spent for the Financial Year. (in Rs.)	Amount Unspent (in Rs.)				
	Total Amount transferred to Unspent CSR Account as per section 135(6). (in Rs.)		Amount transferred to any fund specified under Schedule VII as per second proviso to section 135(5). (in Rs.)		
	Amount.	Date of transfer.	Name of the Fund	Amount.	Date of transfer.
22.07 Lakhs* (FY 2023-24)	<i>Nil</i>		PM Cares Fund	07.09 Lakhs	02.02.2024
			PM Cares Fund		(FY 2023-24)



(b) Details of CSR amount spent against **ongoing projects** for the financial year:

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
Sl. No.	Name of the Project	Item from the list of activities in Schedule VII to the Act.	Local area (Yes/ No)	Location of the project		Project duration.	Amount allocated for the project (in Rs.)	Amount spent in the current financial Year (in Rs.)	Amount transferred to Unspent CSR Account for the project as per Section 135(6) (in Rs.)	Mode of Implementation - Direct (Yes/ No)	Mode of Implementation - Through Implementing Agency	
				State	District						Name	CSR Registration number
1.	Empowering Women & Youth with Livelihood Generation by Training them in Beauty & Wellness domain	Promoting employment enhancing vocational skills especially among women	Yes	U.P.	Luc-know		14,98,000/-	14,98,000/-	N.A.	No	Beauty & Wellness Sector Skill Council	CSR00002449

- (c) Details of CSR amount spent against **other than ongoing projects** for the financial year: **N.A.**
 (d) Amount spent in Administrative Overheads- **N.A.**
 (e) Amount spent on Impact Assessment, if applicable- **N.A.**
 (f) Total amount spent for the Financial Year (8b+8c+8d+8e)- **Rs.14.98 Lakhs**
 (g) Excess amount for set off, if any- **N.A.**

Sl. No.	Particular	Amount (in Rs.)
(i)	Two percent of average net profit of the company as per section 135(5)	Rs.22.07 Lakhs (FY 2023-24)
(ii)	Total amount spent for the Financial Year	Rs.22.07 Lakhs (FY 2023-24)
(iii)	Excess amount spent for the financial year [(ii)-(i)]	Nil
(iv)	Surplus arising out of the CSR projects or programmes or activities of the previous financial years, if any	Nil
(v)	Amount available for set off in succeeding financial years [(iii)-(iv)]	Nil



9. (a) Details of Unspent CSR amount for the preceding three financial years:

Sl. No.	Preceding Financial Year.	Amount transferred to Unspent CSR Account under section 135 (6) (in Rs.)	Amount spent in the reporting Financial Year (in Rs.).	Amount transferred to any fund specified under Schedule VII as per section 135(6), if any.			Amount remaining to be spent in succeeding financial years. (in Rs.)
				Name of the Fund	Amount (in Rs.).	Date of transfer.	
1.	2020-21	Nil	29 Lakhs	PM Cares Fund	29 Lakhs	23.09.2020	Nil
2.	2021-22	Nil	12.15 Lakhs	Nil			0.48 Lakhs
3.	2022-23	Nil	15.34 Lakhs	PM Cares Fund 0.48 Lakhs 18.05.2022 PM Cares Fund 14.86 Lakhs 30.03.2023			Nil

(b) Details of CSR amount spent in the financial year for ongoing projects of the preceding financial year(s)- Not Applicable

10. In case of creation or acquisition of capital asset, furnish the details relating to the asset so created or acquired through CSR spent in the financial year **(asset-wise details)- NIL**

- (a) Date of creation or acquisition of the capital asset(s)- Nil
- (b) Amount of CSR spent for creation or acquisition of capital asset- Nil
- (c) Details of the entity or public authority or beneficiary under whose name such capital asset is registered, their address etc-Nil
- (d) Provide details of the capital asset(s) created or acquired (including complete address and location of the capital asset)-Nil

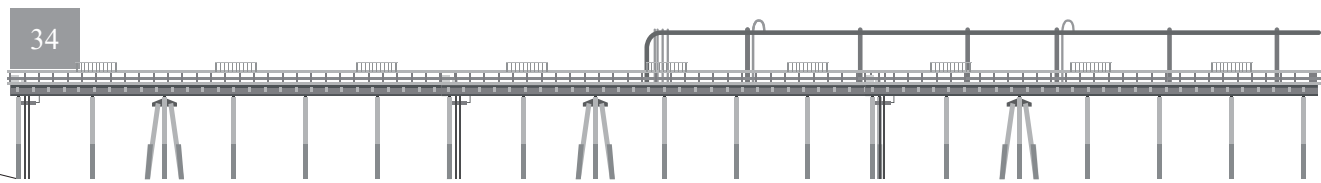
11. Specify the reason(s), if the company has failed to spend two per cent of the average net profit as per section 135(5).

- Not Applicable in view of point 6 above.

(Charman & Managing Director).

(Chairperson, CSR Committee).

Date : 8th August 2024



INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To the Members of
THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION CO. LTD.

Report on the Audit of the Ind AS Standalone Financial Statements

Qualified Opinion

We have audited the accompanying standalone Ind AS Financial statements of **THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION CO. LTD** (“Company”), which comprise the Balance sheet as at March 31, 2024, the Statement of Profit and Loss (including other comprehensive income), Statement of changes in Equity and the Statement of cash flows for the year then ended, and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid standalone Ind AS financial statements give the information required by the Companies Act, 2013, as amended (“the Act”) in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at March 31, 2024, its profits and total comprehensive income, change in equity, and its cash flows for the year ended on that date.

Basis for qualified opinion

1. *Note No.7 current assets (Loans and Advances) include loan of Rs.207.25 lakhs (Previous year Rs.207.25 lakhs) to Bharat Wagon & Engineering Company Limited (BWEL), an erstwhile subsidiary, whose recoverability is doubtful as the Cabinet Committee of Economic Affairs (CCEA) approved its closure in August,2017, post its transfer to Railways. Based on internal assessment made by the company said loan is carried at cost. A loss allowance of Rs.138.16 lakhs (Previous year Rs.69.08 lakhs) provided in the accounts till March,2024, as per board's decision on March,2023 to write off the loan in three equal proportions up to 2025. Thus short provisions of Rs.69.09 lakhs (Previous year Rs.138.16 lakhs) towards doubtful loan to BWEL till date resulted in overstatement of Profits and overstatement of current assets (loans and advances) by that amount.*
2. *Note No.7 current assets include loan of Rs.5932.96 lakhs (Previous year Rs.5932.96 lakhs) and interest accrued Rs.33656.29 lakhs (Previous year Rs.33656.29 lakhs) to Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd (BPMEL), a subsidiary company and loan of Rs.656.03 lakhs (Previous year Rs.656.03 lakhs) and interest accrued Rs.350.26 lakhs (Previous year Rs.350.26 lakhs) to Weighbird India Ltd (WIL), a subsidiary of subsidiary of the company. Note No-16, Borrowings includes loan from GOI Rs.6588.99 lakhs (Previous year Rs.6588.99 lakhs) and Note No.20, Other Financial Liabilities, includes interest payable Rs.34006.55*



lakhs (Previous year Rs.34006.55 lakhs) on said GOI loans. BPMEL is under liquidation since 2004 with company's admitted claims of Rs. 39898.01 lakhs (Previous year Rs.39898.01 lakhs) and WIL dissolved in 2020 after completion of all liquidation proceedings.

Notwithstanding the status of above subsidiaries, based on facts that loans due to said subsidiaries along with interest and loans from GOI along with accrued interest representing same, as per internal assessment made by the company same have been carried at cost. No assessment and consequent provision for loss allowance of loans and accrued interest have been made in the financial statement for the year.

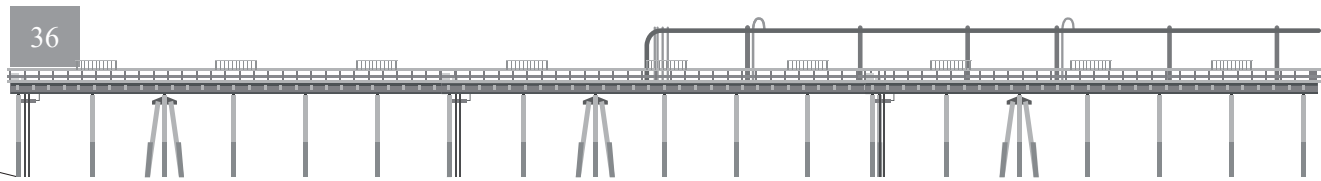
3. Note No.7 Other Financial Assets, Advance to Creditors comprises Rs.571.56 lakhs (Previous year Rs.571.56 lakhs) to different parties against which a corresponding liability of Rs.885.25 lakhs (Previous year Rs.885.25 lakhs) stands on date. Company considered the same as good and no adjustments have been made during the year. Due to pending such adjustments, with advance to creditors and corresponding liabilities, specific financial implication on company's profitability and liabilities/assets for the year is unascertained.
4. Note no.5 Investments includes Rs.486.30 lakhs (Previous year Rs.486.30 lakhs) in Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd (BPMEL), an erstwhile subsidiary company, Rs.2558.01 lakhs (Previous year Rs.2558.01 lakhs) in Jessop & Co. Ltd, both are under liquidation and Rs.42.20 lakhs (Previous year Rs.42.20 lakhs) in Lagan Jute Machinery Co Limited. Based on internal assessment made by the management, notwithstanding the status of above entities as at the reporting date, said investments have been carried at cost. No assessment and consequent provisions for impairment in the value of such investments have been made in the financial statement during the year.

We conducted our audit in accordance with the Standard of Auditing (SAs) specified under section 143(10) of the Act. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditors Responsibilities for the Audit of Financial Statement section of our report. We are independent of the company in accordance with the code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the Financial Statement under the provisions of the Act, and the Rules there under, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion on the Financial Statement.

Emphasis of Matter

We draw attention to the following matters in the Notes to the financial statements:

1. Note No.7 Other Financial Assets-Current includes other advances for Rs.26.21 lakhs (Previous year Rs.26.21 lakhs) issued to different authorities/parties which are very old. Neither, company could provide any records and documents regarding said advances nor any steps are taken to recover said advances during the year.



2. Note No.13 Other Current Assets includes deposits as advance with Government and Statutory Authorities Rs.21.84 lakhs (Previous year Rs.21.84 lakhs) which are very old. Neither, company could provide any records and documents regarding said advances nor any steps are taken to recover said advances during the year.
3. Note No,58, the company has not considered any interest accrued for current financial year on loans of Rs.6588.99 lakhs (Previous year Rs.6588.99 lakhs) granted both to Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. a subsidiary, which is under liquidation and to Weighbird India Ltd. (WIL) a subsidiary, closed as per Calcutta High court Order dated 07th February, 2020 in view of non-recoverability thereof and also on loans of Rs.207.25 lakhs (Previous year Rs.207.25 lakhs) to Bharat Wagon and Engineering Company Limited (BWEL) the erstwhile subsidiary, closed post transfer to Railways .

Also, the company has not considered any interest payable for current financial year on loans of Rs.6588.99 lakhs (Previous year Rs.6588.99 lakhs) from the Government of India, which was used for granting loans to the aforesaid subsidiary companies.

4. Note No.54, balances of some trade receivables, trade payables, loans and advances etc. incorporated in the books as per balances appearing in the relevant subsidiary records, are subject to confirmation from the respective parties and consequential adjustments arising from reconciliation, if any. The Company however is of the view that there will be no material discrepancies in this regard.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

“Other Information”

The Company’s Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises of information included in the Annual Report but does not include the standalone Ind AS financial statements and our auditor’s report thereon.

Our opinion on the standalone Ind AS Financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the standalone Ind AS Financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether such other information is materially inconsistent with the financial statements, or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated. If, based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management for the financial statements

The Company’s Board of Directors is responsible for the matters stated in section 134(5) of the Act with respect to the preparation of these standalone Ind AS Financial statements that give a true and fair view of the standalone Ind AS Financial position, financial performance, changes in equity and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under



section 133 of the Act. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the standalone Ind AS financial statements, management is responsible for assessing the Company's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Company or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

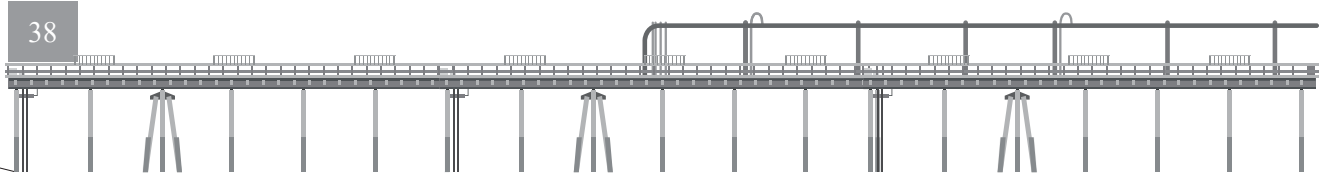
The Board of Directors are also responsible for overseeing the Company's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the financial statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the standalone Ind AS financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the standalone Ind AS financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3)(i) of the Act, we are also responsible for expressing our opinion on whether the Company has adequate internal financial control system in place and the operating effectiveness of such controls.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a



material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the standalone Ind AS Financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the standalone Ind AS Financial statements, including the disclosures, and whether the standalone Ind AS Financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements :-

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2020 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of section 143 of the Act, we give in the "Annexure A", a statement on the matters specified in the paragraph 3 and 4 of the Order, to the extent applicable.
2. We are enclosing our report in terms of Section 143(5) of the Act, on the basis of such checks of the books and records of the Company as we considered appropriate and according to the information and explanations given to us, in the "Annexure B" on the directions and sub-directions issued by the Comptroller and Auditor General of India.
3. As required by Section 143(3) of the Act, we report that:
 - (a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;
 - (b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books;
 - (c) The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss, the Cash Flow Statement and the statement of changes in equity dealt with by this Report are in agreement with the books of account;
 - (d) In our opinion, the aforesaid standalone Ind AS Financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended;
 - (e) On the basis of the written representations received from the directors as on March 31, 2023 taken on record by the Board of Directors, none of the directors is disqualified as on March 31, 2024 from being appointed as a director in terms of Section 164 (2) of the Act;

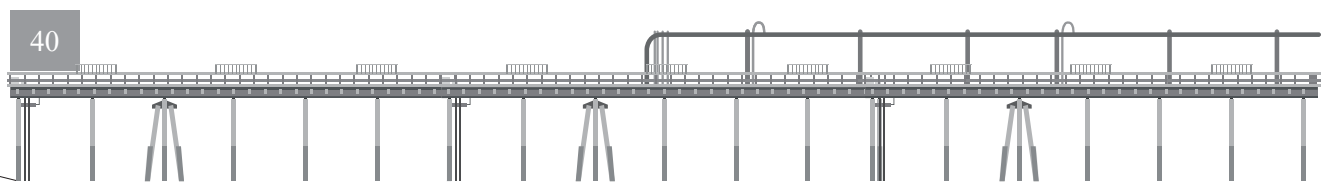


- (f) With respect to the adequacy of the Internal Financial Control with reference to Financial Statements of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate Report in Annexure 'C'.
- (g) With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, as amended in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:
- i. The Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its standalone financial statements – Refer Note 31 and Note 43 to the standalone financial statements
 - ii. The Company has entered into long term construction contracts and has accounted for foreseeable loss of Rs.Nil lakhs (Previous Year Rs.57.03 lakhs) as at the end of financial year on unexecuted portion of long-term contracts. The company has not entered into any derivative contract.
 - iii. There are no such amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Company.
 - iv. Based on our examination which included test checks, the company has used accounting software for maintaining its books of accounts which has a feature of recording audit trail (edit log) facility and the same has operated during the year for all relevant transactions recorded in the application. During the course of our audit, we have not come across any instance of audit trail feature being tampered with respect to the accounting software.

For B. MUKHERJEE & CO
Chartered Accountants
Firm's Registration Number: 302096E

CA S. K. MUKHERJEE
Partner
Membership No. 006601
UDIN: 24006601BJZXPS7518

Place: **Kolkata**
Date: 28.06.2024



ANNEXURE "A" TO THE AUDITORS' REPORT

The Annexure A referred to in our Independent Auditors' Report to the members of **THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION CO. LTD.** on the standalone Ind AS financial statements for the year ended 31st March 2024.

On the basis of such checks as we considered appropriate and according to the information and explanation given to us during the course of our audit, we report that:

- I. (a) The Company has maintained proper records showing full particulars, including quantitative details and situation of Fixed Assets.
- (b) The Plant property & equipment were physically verified by the management during the year and according to the information and explanation given to us no material discrepancies were noticed on such verification. It has been observed during our audit that the locations of the Plant, Property & Equipment are not mentioned in the Fixed Assets Register Excepts in cases of new Purchase during the year.
- (c) Building includes permanent structures amounting to Rs. 131.46 lakh (Previous year Rs. 131.46 lakh) on land at Circular Garden Reach Road, Kolkata obtained under License/Rent Agreement from Shyma Prasad Mukherjee Port Trust (Earlier Kolkata Port Trust). The company is regular in payment of rental but copy of the deed/agreement has not been furnished to us for our verification.
- (d) There is no revaluation of any Property Plant and Equipment or Intangible Assets or both during the year made by the company.
- (e) There is no Benami Property held by the company during the year as reported.
- II. (a) According to the information and explanations given to us, the management has conducted physical verification of inventory at regular intervals and no material discrepancies were noticed on such physical verification.
- (b) According to the information and explanation given to us, the company has been sanctioned/renewed working capital limit in excess of R.s 5.00 cores in aggregate during the year from bank on the basis of security of current assets. The quarterly returns and statements filed by the company with such banks are in agreement with the books of accounts.
- III. According to the information and explanation given to us during the year, the Company has not granted any secured or unsecured loans or advances or stood guarantee to any companies or any subsidiary companies, which are currently under liquidation. Hence, the provisions of Clause 3(iii) (a) to (f) of the order are not applicable to the company.
- IV. In our opinion and According to the information and explanation given to us, the Company has not given any loans, made any investment, provided any guarantees and given any security to which the provision of section 185 and 186 of The Company Act 2013 are applicable. Hence clause 3 (iv) of the order is not applicable.
- V. In our opinion and According to the information and explanation given to us, the company has not accepted any deposits within the meaning of Section 73 to 76 of the act or any other relevant provisions of The Companies Act 2013 and the companies (acceptance of deposit) rules 2014 and accordingly para 3(v) of the order is not applicable.



VI. In our opinion and According to the information and explanation given to us the Government of India has not prescribed for maintenance of cost records under section 148(1) of The Company Act for any of the services rendered by the company.

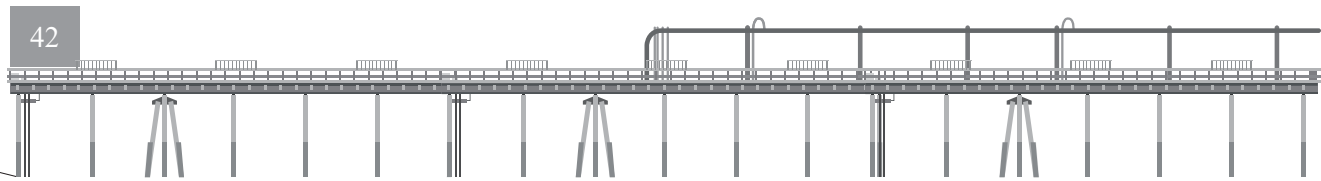
VII. (a) According to the information and explanations given to us and the books and records examined by us, the company is regular in depositing with the appropriate authorities the undisputed statutory dues relating to Provident Fund, Employees State Insurance, Income tax, Sales Tax, Wealth Tax, Service Tax, Duty of Customs, Duty of Excise, Value Added Tax, Goods and Services Tax, Cess and other statutory dues as applicable to it have been regularly deposited during the year by the Company with the appropriate authorities *except for delay in few cases*.

According to the information and explanations given to us, no undisputed amounts payable in respect of Income tax, Service Tax, Goods and Services Tax, Cess and other material statutory dues were in arrears as at 31 March 2024 for a period of more than six months from the date they became payable except as stated below:

S. No	Nature of Dues	Amount (Rs. in Lakh)	Period to which it Relates (FY)
1	Professional Tax	0.66	Old Dues
2	Tax Collected on Source	0.16	
3	Service Tax Payable (BBUNL)	1.94	
4	Tax Deducted at Source	1.45	
5	Sales Tax	1.54	
6	Income Tax	4.57	2006-07
7	Income Tax	2.35	2008-09
8	Income Tax	0.08	2012-13

(b) According to the information and explanations given to us and on the basis of the books and records examined by us, as may be applicable, given herein below are the details of dues of income tax, sales tax, service tax, provident fund which have not been deposited on account of disputes and the forum where the dispute is pending:

Sl. No.	Name of the Statute	Nature of Dues	Period of which relates (F.Y)	Forum where dispute is pending/dismissed	Amount (in Rs. Lakh)
1	W.B. Value Added Tax Act, 2003	Works Contract Tax	2011-12	Joint Commissioner of Commercial Taxes	4.30
2	Bihar Value added Tax Act, 2005	Works Contract Tax	2010-11	Joint Commissioner of Commercial Taxes	33.25
3	Bihar Value added Tax Act, 2005	Works Contract Tax	2011-12	Joint Commissioner of Commercial Taxes	30.98
4	Finance Act, 1994	Service tax Demand, Interest thereon under section 75 (amount not qualified) and penalty imposed	2007-08 to 2011-12	The Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal	154.45



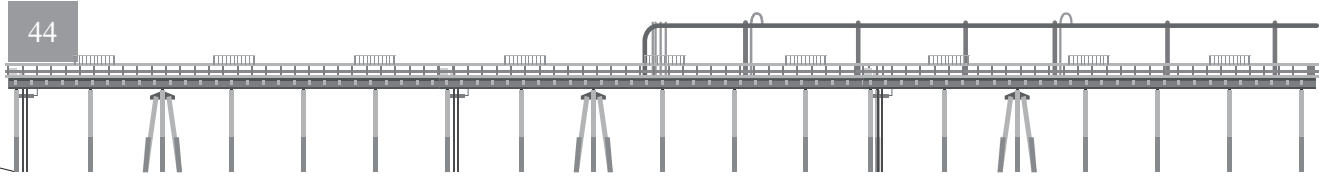
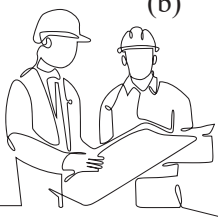
Sl. No.	Name of the Statute	Nature of Dues	Period of which relates (F.Y)	Forum where dispute is pending/dismissed	Amount (in Rs. Lakh)
5	Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952	Damages/ Interest payable	03/2000 to 04/2008	Provident Fund Commissioner, RO, Kolkata, West Bengal has raised the demand. The Company has preferred an appeal before Employees Provident Fund Appellate Tribunal New Delhi and before Hon'ble High Court, Calcutta. Demand amount is Rs. 96.10 lakhs & fund with BBUNL Provident Fund Trust Organisation Rs. 41.96 lakhs	54.14
6	Delhi Value Added Tax Act, 2004	Works Contract Tax	2004-05	Commercial Tax Department	19.36
7	Bihar GST	TRAN 1 Interest	2017-18	Appellate Tribunal	12.55
8	W.B. Value Added Tax Act, 2003	Works Contract Tax	2016-17	Appellate Authority	0.21
9	Jharkhand GST	Excess ITC claimed	01/07/ 2017 to 30/11/ 2018	Deputy Commissioner (Chaibasa Jurisdiction)	11.55
10	Income Tax	Income Tax Demand	2009-10	Commissioner of Income Tax (Appeal)	10.65
11	Income Tax	Income Tax Demand	2010-11	Jurisdiction Assessing Officer	0.96
12	Income Tax	Income Tax Demand	2011-12	Commissioner of Income Tax (Appeal)	69.95
13	Income Tax	Income Tax Demand	2012-13	Jurisdiction Assessing Officer	285.31
14	Income Tax	Income Tax Demand	2013-14	Jurisdiction Assessing Officer	66.80
15	Income Tax	Income Tax Demand	1999-2000	Income Tax Appellate Tribunal	58.67
16	Income Tax	Income Tax Demand	2014-15	Jurisdiction Assessing Officer	4.94

VIII. In our opinion and According to the information and explanation given to us, no transactions has been recorded in the books of the company, which have been surrendered or disclosed as income during the year in the tax assessments under The Income Tax Act, 1961.

IX. (a) In our opinion and According to the information and explanation given to us, the Company has not defaulted in the repayment of loans or other borrowings or in the payment of interest thereon to any lender during the year.



- (b) In our opinion and According to the information and explanation given to us, the company has not been declared willful defaulter by any bank or financial institution or government or government authority during the year.
 - (c) In our opinion and According to the information and explanation given to us, the Company has not taken any term loan during the year and there are no outstanding term loans at the beginning of the year and hence, reporting under clause 3 (ix)(c) of the Order is not applicable.
 - (d) In our opinion and According to the information and explanation given to us, and on an overall examination of the financial statements of the Company, funds raised on short-term basis have not been used for long-term purposes by the Company.
 - (e) In our opinion and According to the information and explanation given to us, an overall examination of the financial statements of the Company, the Company has not taken any funds from any entity or person on account of or to meet the obligations of its subsidiary, joint venture or associates companies.
 - (f) In our opinion and According to the information and explanation given to us, the Company has not raised loans during the year on the pledge of securities held in its subsidiary, joint venture or associates companies.
- X. (a) According to the information and explanation given to us, the Company has not raised money by way of initial or further public offer or term loans. Accordingly, reporting under clause 3(ix) of The Companies (Auditor’s Report) Order, 2020 is not applicable.
- (b) According to the information and explanation given to us, the company has not made any preferential allotment or private placement of shares or convertible debentures (fully or partly or optionally convertible) during the year. Accordingly reporting under clause 3(x) (b) of the Order is not applicable to the Company.
- XI. (a) According to the information and explanation given to us, no fraud on or by the Company has been noticed or reported during the course of our audit.
- (b) According to the information and explanation given to us and to the best of our knowledge, no report under subsection (12) of section 143 of The Companies Act 2013 has been filed in Form ADT-4 as prescribed under rule 13 of Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014 with the Central Government, during the year.
- (c) As represented to us by the Management, there were no whistle blower complaints received by the Company during the year.
- XII. In our Opinion and according to the information and explanations given to us, the Company is not a Nidhi company. Accordingly, reporting under clause 3(xii) of the Order is not applicable.3
- XIII. According to the information and explanation given to us and based on the examination of records of the company all transactions with the related parties held in the Company are in compliance with section 177 and 188 of The Companies Act, 2013 where applicable and the details have been disclosed in the Financial Statements etc., as required by the applicable Indian accounting standards.
- XIV. (a) According to the information and explanation given to us and based on our examination of records, the Company has an adequate internal audit system commensurate with the size and the nature of its business.
- (b) We have considered the internal audit reports issued till date for the period under Audit.



- XV. According to the information and explanation given to us and based on our examination of the records of the Company, the Company has not entered into any non-cash transactions with directors or persons connected with him during the year. Accordingly, clause 3(xv) of the Order is not applicable.
- XVI. As per information and explanation given to us and based on examination of records the company, the company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934. Hence, reporting under clause (xvi) (a), (b), (c) & (d) of the Order is not applicable.
- XVII. According to the information and explanation given to us and based on the examination of the records the Company, has not incurred any cash losses in the financial year and the immediately preceding financial year.
- XVIII. There has been no resignation of the statutory auditors of the Company during the year.
- XIX. On the basis of the financial ratios, ageing and expected dates of realization of financial assets and payment of financial liabilities, other information accompanying the financial statements and our knowledge of the Board of Directors and Management plans and based on our examination of the evidence supporting the assumptions, nothing has come to our attention, which causes us to believe that any material uncertainty exists as on the date of the audit report indicating that Company is not capable of meeting its liabilities existing at the date of balance sheet as and when they fall due within a period of one year from the balance sheet date. We, however, state that this is not an assurance as to the future viability of the Company. We further state that our reporting is based on the facts up to the date of the audit report and we neither give any guarantee nor any assurance that all liabilities falling due within a period of one year from the balance sheet date, will get discharged by the Company as and when they fall due.
- XX (a) According to the information and explanation given to us and based on the examination of records of the company there is no unspent amounts toward corporate social responsibility (CSR) on other than ongoing project requiring transfer to a fund specified in Schedule VII of The Companies Act 2013, in compliance with second proviso to sub section 5 of section 135 of the said Act. Accordingly, clause 3(xx) (a) of the Order is not applicable.
- (b) As the Company do not have any ongoing CSR projects, accordingly Clause 3 (xx) (b) of the order is not applicable in respect of transfer of unspent amount to special account, in compliance with sub section (6) of section 135 of Companies Act 2013.
- XXI. According to the information and explanation given to us, there is no qualification or adverse remarks by the respective auditor in CARO 2020 including in the consolidated financial statement. Hence reporting under clause 3 (xxi) of the Order is not applicable.

For B. MUKHERJEE & CO

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 302096E

Place: **Kolkata**

Date: 28.06.2024

CAS. K. MUKHERJEE

Partner

Membership No. 006601

UDIN: 24006601BJZXPS7518



Annexure - B to the Auditors' Report

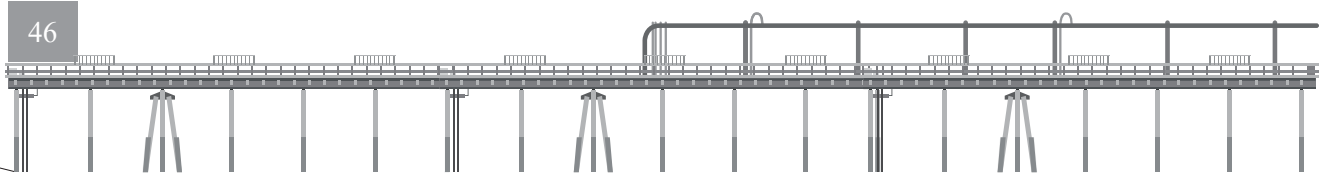
General Directions under Section 143(5) of the Companies Act, 2013

Directions u/s 143(5) of the Companies Act, 2013	Auditor's reply on action taken on the directions	Impact on Financial statements
<p>(I) Accounting software Whether the company has system in place to process all the accounting transaction through IT system? If yes, the implication of processing of accounting transaction outside IT system on the integrity of the accounts along with the financial implication, if any, may be stated.</p>	<p>The company is using accounting software named Tally Prime and processes all the accounting transactions through it excepting Stock which is being accounted for manually. According to information and explanation given to us, no accounting transactions are processed outside the aforesaid accounting software, which is currently in use by the company.</p>	<p>Not applicable.</p>
<p>(II) Debt restructuring Whether there is any restructuring of an existing loans or cases of waiver/ write off of debts/ loans / interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated.</p>	<p>The company doesn't have any borrowing except for loans from Government of India, which is the Promoter of the Company hence this clause is not applicable.</p>	<p>Nil</p>
<p>(III) Treatment of Govt. Fund/ Grant Whether funds received/ receivable for specific scheme from central/ state agencies were properly accounted for/ utilized as per its terms and condition? List the cases of deviation.</p>	<p>According to information and explanation given to us, no funds received/receivable for specific scheme from central/state agencies during the year.</p>	<p>Nil</p>

For B. MUKHERJEE & CO
Chartered Accountants
Firm's Registration Number: 302096E

CA S. K. MUKHERJEE
Partner
Membership No. 006601
UDIN: 24006601BJZXPS7518

Place: **Kolkata**
Date: 28.06.2024



Annexure –“C” to the Auditors’ Report

Report on the Internal Financial Controls under Clause (i) of Sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 (“the Act”)

We have audited the internal financial controls over financial reporting of **THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION CO. LTD.** (“the Company”) as of March 31, 2024 in conjunction with our audit of the standalone IndAS financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management’s Responsibility for Internal Financial Controls

The Company’s management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on “the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India”. These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to company’s policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under The Companies Act, 2013.

Auditor’s Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company’s internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the “Guidance Note”) and the Standards on Auditing, issued by ICAI and deemed to be prescribed under section 143(10) of the Companies Act, 2013, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and, both issued by The Institute of Chartered Accountants of India.

Those Standards and the Guidance Note require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial control over financial reporting with reference to these Financial Statements was established and maintained and if such controls operated effectively in all material respects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting with reference to these financial statements and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting with reference to these Financial Statements, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control bases on the assessed risks. The procedure selected depend on the auditor’s judgment, including the assessment of the risk of material misstatement of the financial statement, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company’s internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A company’s internal financial control over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A company’s internal financial control over financial reporting includes those policies and procedures that



- (1) pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company;
- (2) provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorisations of management and directors of the company; and
- (3) provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorised acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting with Reference To These Financial Statements

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting with reference to these Financial Statements, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial control over financial reporting with reference to these Financial Statements to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting with reference to these Financial Statements may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Opinion

In our opinion, to the best of our information and according to the explanations given to us the Company has, in all material respects, an adequate internal financial controls system over financial reporting with reference to these Financial Statements and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at March 31, 2024, based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by The Institute of Chartered Accountants of India.

For B. MUKHERJEE & CO

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 302096E

CA S. K. MUKHERJEE

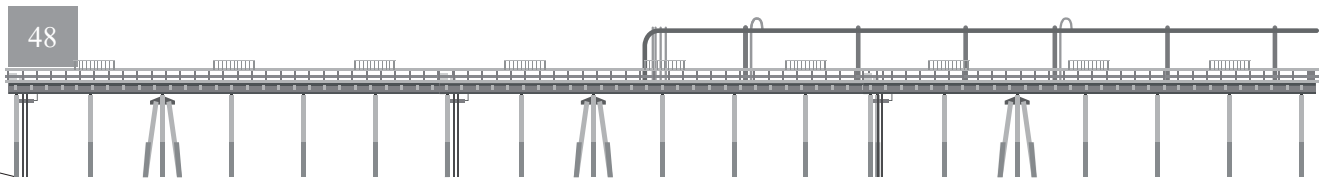
Partner

Membership No. 006601

UDIN: 24006601BJZXPS7518

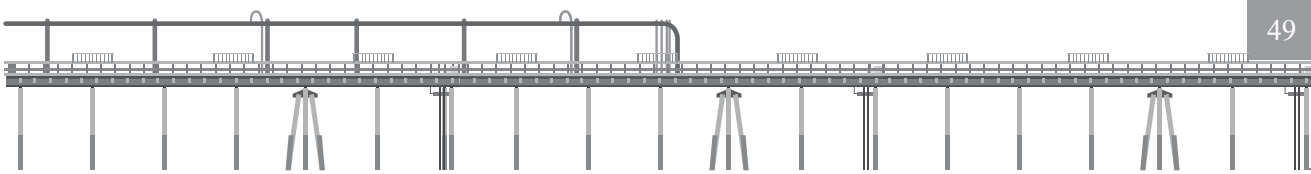
Place: **Kolkata**

Date: 28.06.2024

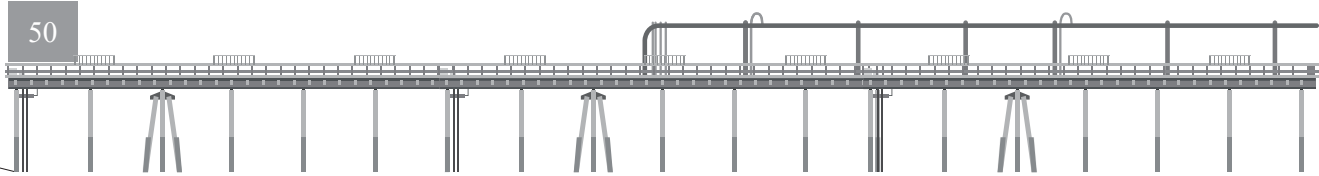


MANAGEMENT’S REPLIES TO THE AUDITOR’S OBSERVATIONS

SL NO	Audit Observations	Management Replies
	Qualified Opinions	
1	<p>Note No.7 current assets (Loans and Advances) include loan of Rs.207.25 lakhs (Previous year Rs.207.25 lakhs) to Bharat Wagon & Engineering Company Limited (BWEL), an erstwhile subsidiary, whose recoverability is doubtful as the Cabinet Committee of Economic Affairs (CCEA) approved its closure in August,2017, post its transfer to Railways. Based on internal assessment made by the company said loan is carried at cost. A loss allowance of Rs.138.16 lakhs (Previous year Rs.69.08 lakhs) provided in the accounts till March, 2024, as per Board’s decision on March, 2023 to write off the loan in three equal proportions up to 2025. Thus short provisions of Rs.69.09 lakhs (Previous year Rs.138.16lakhs) towards doubtful loan to BWEL till date resulted in overstatement of Profits and overstatement of current assets (loans and advances) by that amount.</p>	<p>Bharat Wagon & Engineering Co Limited (BWEL) was a Public Sector Undertaking (PSU) of the Government of India and was a subsidiary of erstwhile Bharat Bhari Udyog Nigam Ltd(BBUNL). The administrative control of Bharat Wagon & Egg Co Ltd (BWEL), was transferred from the Department of Heavy Industry, Ministry of Heavy Industries to the Ministry of Railways w.e.f August 2008. In August 2017, on recommendation of NITI Aayog, the Cabinet Committee on Economic Affairs announced the closure of loss-making BWEL and finally it was dissolved in June,2022.</p> <p>The Current Assets of BBJ includes loan provided to BWEL by BBUNL (now BBJ) amounting to Rs.207.25 lakhs. Out of the said amount, the Govt. of India (GOI) provided loan of Rs. 167.39 lakh to BWEL through BBUNL during the period 1989 to 1995 and Rs. 39.86 lakh provided directly by BBUNL to BWEL during 2008-09 to 2014-15, BBUNL repaid the loan of Rs. 167.39 Lakh to GOI in November 2000, but BWEL repaid neither the loan of GOI received through BBUNL nor the loan directly received from the BBUNL.As the BWEL was dissolved in June,2022 upon its transfer to MOR from MHI in 2008, said loan became irrecoverable and based on C&AG recommendation to write-off the said loan of Rs.207.25 lakh from the books of BBJ. Loss allowance of Rs.138.06 lakhs provided till 2023-24 in accounts as per Board’s decision on March,2023, to write off the entire loan in three equal proportions up to 2025.</p>



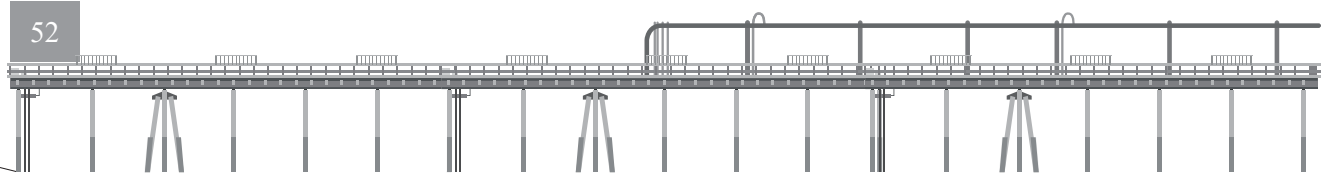
SL NO	Audit Observations	Management Replies
2	<p>Note No.7 current assets include loan of Rs.5932.96 lakhs (Previous year Rs.5932.96 lakhs) and interest accrued Rs.33656.29 lakhs (Previous year Rs.33656.29 lakhs) to Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd (BPMEL), a subsidiary company and loan of Rs.656.03 lakhs (Previous year Rs.656.03 lakhs) and interest accrued Rs.350.26 lakhs (Previous year Rs.350.26 lakhs) to Weigh bird India Ltd (WIL), a subsidiary of subsidiary of the company. Note No-16, Borrowings includes loan from GOI Rs.6588.99 lakhs (Previous year Rs.6588.99 lakhs) and Note No.20, Other Financial Liabilities, includes interest payable Rs.34006.55 lakhs (Previous year Rs.34006.55 lakhs) on said GOI loans. BPMEL is under liquidation since 2004 with company's admitted claims of Rs. 39898.01 lakhs (Previous year Rs.39898.01 lakhs) and WIL dissolved in 2020 after completion of all liquidation proceedings.</p> <p>Notwithstanding the status of above subsidiaries, based on facts that loans due to said subsidiaries alongwith interest and loans from GOI along with accrued interest representing same, as per internal assessment made by the company same have been carried at cost. No assessment and consequent provision for loss allowance of loans and accrued interest have been made in the financial statement for the year.</p>	<p>GOI loans to erstwhile subsidiaries of BBUNL (now BBJ) towards Plan and Non-Plan purposes were routed through BBUNL (then Holding Company) for disbursement to respective subsidiaries. Irrespective of status of subsidiaries, in case of any eventuality of non-realizability of such loan and interest thereon, same to be adjusted with the corresponding amount of loan and interest payable to GOI, with appropriate directives from GOI. Regarding carrying of such loans to subsidiaries at cost is based on company's Significant Accounting Policies at Para.17 and the same is being followed consistently over the years.</p>
3	<p>Note No.7 Other Financial Assets, Advance to Creditors comprises Rs.571.56 lakhs (Previous year Rs.571.56 lakhs) to different parties against which a corresponding liability of Rs.885.25 lakhs (Previous year Rs.885.25 lakhs) stands on date. Company considered the same as good and no adjustments have been made during the year. Due to pending such adjustments, with advance to creditors and corresponding liabilities, specific financial implication on company's profitability and liabilities/assets for the year is unascertained.</p>	<p>Such advances were given to different parties for executing projects and their bills remain unadjusted till date. For cases where credit balances are lying unadjusted against the contracts same to be adjusted accordingly and for rest, necessary follow-up to be made for their recoveries. In case of any non-recovery or any pending adjustment, appropriate provision to be made on case-to-case basis.</p>



SL NO	Audit Observations	Management Replies
4	<p>Note no.5 Investments includes Rs.486.30 lakhs (Previous year Rs.486.30 lakhs) in Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd (BPMEL), an erstwhile subsidiary company, Rs.2558.01 lakhs (Previous year Rs.2558.01 lakhs) in Jessop & Co. Ltd, both are under liquidation and Rs.42.20 lakhs (Previous year Rs.42.20 lakhs) in Lagan Jute Machinery Co Limited. Based on internal assessment made by the management, notwithstanding the status of above entities as at the reporting date, said investments have been carried at cost. No assessment and consequent provisions for impairment in the value of such investments have been made in the financial statement during the year.</p>	<p>Investments in equity instruments of subsidiaries, associates and joint venture are carries at cost as per company’s Significant Accounting Policies Para.17. Erstwhile BBUNL (now BBJ) made investments into such subsidiaries out of equity fund released by GOI for corresponding investments into specified subsidiary. Irrespective of status of subsidiaries, in case of any differences in realizable value of such investments, with appropriate directives from GOI, the company will make necessary adjustments into its books of accounts in respective year.</p>
Emphasis of Matters		
1	<p>Note No.7 Other Financial Assets-Current includes other advances for Rs.26.21 lakhs (Previous year Rs.26.21 lakhs) issued to different authorities/ parties which are very old. Neither, company could provide any records and documents regarding said advances nor any steps are taken to recover said advances during the year.</p>	<p>A list of such advances is given to Note No.49 of Notes forming part of Financial Statements. Company will thoroughly inquire into all such advances and wherever appropriate necessary follow-up be made for its recovery/adjustment.</p>
2	<p>Note No.13 Other Current Assets includes deposits as advance with Government and Statutory Authorities Rs.21.84 lakhs (Previous year Rs.21.84 lakhs) which are very old. Neither, company could provide any records and documents regarding said advances nor any steps are taken to recover said advances during the year.</p>	<p>A list of such deposits is given to Note No.50 of Notes forming part of Financial Statements. Company will thoroughly inquire into all such deposits and wherever appropriate necessary follow-up be made for their recovery/adjustment.</p>



SL NO	Audit Observations	Management Replies
3	<p>Note No. 58, the company has not considered any interest accrued for current financial year on loans of Rs.6588.99 lakhs (Previous year Rs.6588.99 lakhs) granted both to Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. a subsidiary, which is under liquidation and to Weighbird India Ltd. (WIL) a subsidiary, closed as per Calcutta High Court Order dated 07th February, 2020 in view of non-recoverability thereof and also on loans of Rs.207.25 lakhs (Previous year Rs.207.25 lakhs) to Bharat Wagon and Engineering Company Limited (BWEL) the erstwhile subsidiary, closed post transfer to Railways.</p> <p>Also, the company has not considered any interest payable for current financial year on loans of Rs.6588.99 lakhs (Previous year Rs.6588.99 lakhs) from the Government of India, which was used for granting loans to the aforesaid subsidiary companies.</p>	<p>GOI loans to erstwhile subsidiaries of BBUNL (now BBJ) towards Plan and Non-Plan purpose were routed through BBUNL (then Holding Company) for disbursement to respective subsidiaries. Irrespective of status of subsidiaries, in case of any eventuality of non-realizability of such loan and interest thereon, same to be adjusted with the corresponding amount of loan and interest payable to GOI, with their appropriate directives. As the subsidiaries are under liquidation/ closed, interest on such loan and advances have not been provided into books. Since, realization of interest is uncertain from subsidiary companies.</p>
4	<p>Note No.54, balances of some trade receivables, trade payables, loans and advances etc. incorporated in the books as per balances appearing in the relevant subsidiary records are subject to confirmation from the respective parties and consequential adjustments arising from reconciliation, if any. The Company however is of the view that there will be no material discrepancies in this regard.</p>	<p>Confirmation from some parties have since been received and shown to the Auditors. However, said observation of the auditors is noted for further compliance.</p>



**COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE
COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS
OF THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP CONSTRUCTION
COMPANY LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2024**

The preparation of financial statements of The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited for the year ended 31 March 2024 in accordance with the financial reporting frame work prescribed under the Companies Act, 2013(Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on these financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 28 June 2024.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have decided not to conduct the supplementary audit of the financial statements of The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited for the year ended 31 March 2024 under section 143(6)(a) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Audit General of India

(Bibhudutta Basantia)
Director General of Audit (Mines)
Kolkata

Place: Kolkata
Date: 31st July 2024

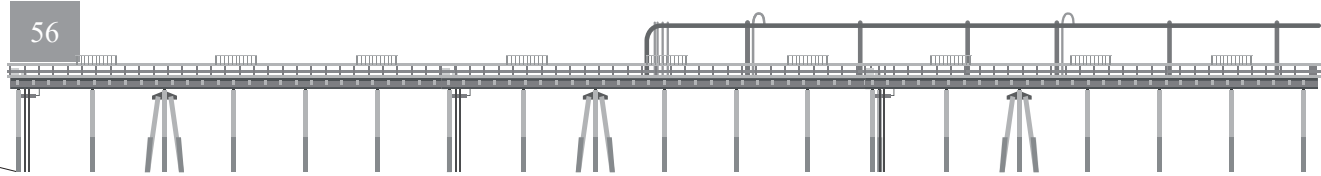


**Audited
Financial
Statements**

Balance Sheet as at 31st March '2024

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	Note	As at 31 March 2024	As at 31 March 2023
Assets			
Non-current assets			
Property, plant and equipment	2	572.94	667.67
Intangible assets	3	8.47	15.85
Capital work-in-progress	4	-	-
Financial assets			
Investments	5	3,174.47	3,170.30
Trade receivables	6	-	-
Others	7	5,457.91	7,155.62
Deferred tax assets, net	8	639.15	621.85
		9,852.93	11,631.29
Current assets			
Inventories	9	3,853.50	4,669.71
Financial assets			
Trade receivables	6	2,343.28	2,776.63
Cash and cash equivalents	10	2,280.41	3,107.15
Other bank balances	11	13,695.70	8,244.11
Others	7	43,769.24	44,338.89
Current Tax Assets	12	456.29	593.05
Other Current Assets	13	982.49	1,433.57
		67,380.91	65,163.12
Total assets		77,233.83	76,794.41
Equity and Liabilities			
Equity			
Equity share capital	14	12,086.05	12,086.05
Other equity	15	11,644.53	9,758.66
Total equity		23,730.58	21,844.71
Non-current liabilities			
Financial Liabilities			
Borrowings	16	217.92	241.15
Other financial liabilities	20	121.49	121.49



	Note	As at 31 March 2024	As at 31 March 2023
Trade payables	19		
Total outstanding dues of creditors other than micro enterprises and small enterprises		323.55	321.70
Total outstanding dues of micro enterprises and small enterprises (refer note 36)		-	-
Provisions	17	441.98	466.85
Other non-current liabilities	18	4,156.89	4,545.65
		5,261.82	5,696.84
Current liabilities			
Financial Liabilities			
Borrowings	16	6,589.00	6,589.00
Lease Liabilities		-	-
Trade payables	19		
Total outstanding dues of creditors other than micro enterprises and small enterprises		501.04	2,573.56
Total outstanding dues of micro enterprises and small enterprises (refer note 36)		-	-
Other financial liabilities	20	38,369.00	38,038.47
Other current liabilities	18	2,701.14	2,028.62
Current tax liabilities	21	-	-
Provisions	17	81.26	23.20
		48,241.43	49,252.85
		53,503.26	54,949.69
		77,233.83	76,794.41
Significant accounting policies	1		

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.

As per our report of even date

For B.MUKHERJEE & CO

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 302096E

for and on behalf of the Board of Directors of
**The Braithwaite Burn and Jessop Construction
Company Limited**

CIN: U70100WB1986GOI041286

S. K. Mukherjee

Partner

Membership No. 006601

UDIN - 24006601BJZXPS7518

Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)

Chairman & Managing Director

DIN - 09832486

R.K.Singh

Director (Technical)

DIN - 09614219

Place: Kolkata

Date: 28.06.2024

S K Ghosh

Director (Finance)

DIN - 10659781

N K Mishra

Company Secretary

PAN - AIQPM3388P



Statement of Profit and Loss for the year ended 31st March 2024

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	Note	For the year ended 31 March 2024	For the year ended 31 March 2023
Revenue from operations	22	25,010.37	30,178.97
Other income	23	1,064.61	643.90
Total income		26,074.99	30,822.87
Expenses			
Cost of materials consumed	24	6,449.10	8,091.78
Changes in inventories and work in progress	25	536.78	500.63
Sub Contract & other conversion charges	25A	10,644.07	15,605.90
Consumption of Stores, Spares & Loose Tools	25B	453.02	632.69
Employee's benefit expenses	26	3,325.23	2,805.60
Finance costs	27	69.29	90.63
Depreciation and amortisation expense	28	149.72	122.14
Other expenses	29	1,652.45	1,664.07
Total expense		23,279.67	29,513.44
Profit before tax		2,795.32	1,309.43
Tax expenses			
Current tax	30	730.29	398.27
Deferred tax	30	1.99	25.30
Total tax expense		732.29	423.57
Profit for the year		2,063.03	885.85
Other comprehensive income			
Items that will not be reclassified to profit or loss		-	-
Items that will be reclassified to profit or loss		-	-
Income-tax effect	30	-	-
Other comprehensive income for the year, net of tax		-	-
Total comprehensive income for the year		2,063.03	885.85
Earnings per equity share (nominal value of INR 1,000) in INR	37		
Basic		170.70	73.30
Diluted		170.70	73.30
Significant accounting policies	1		

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.

As per our report of even date

For B.MUKHERJEE & CO

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 302096E

for and on behalf of the Board of Directors of
**The Braithwaite Burn and Jessop Construction
Company Limited**

CIN: U70100WB1986GOI041286

S. K. Mukherjee
Partner
Membership No. 006601
UDIN - 24006601BJZXPS7518

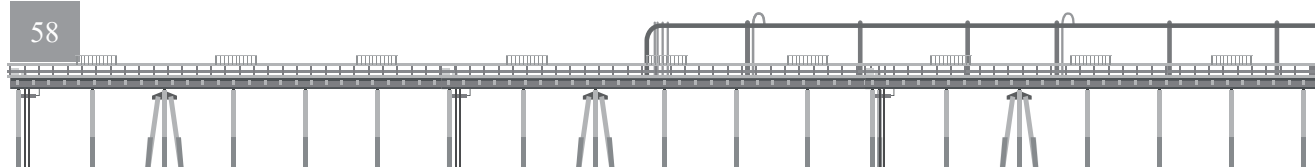
Cmdr. Rakesh Chhillar (Retd.)
Chairman & Managing Director
DIN - 09832486

R.K.Singh
Director (Technical)
DIN - 09614219

Place: Kolkata
Date: 28.06.2024

S K Ghosh
Director (Finance)
DIN - 10659781

N K Mishra
Company Secretary
PAN - AIQPM3388P



Statement of Cash Flows for the year ended 31st March 2024

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	For the year ended 31 March 2024	For the year ended 31 March 2023
I. Cash flows from operating activities		
Profit before tax	2,795.32	1,309.43
<i>Adjustments to reconcile profit before tax to net cash flows:</i>		-
Depreciation of tangible assets	142.33	117.57
Amoritsation of intangible assets	7.38	4.57
Profit on sale Property, Plant & Equipment (Net)	(2.03)	(51.96)
Interest income on bank and Security Deposits	(962.73)	(541.06)
Deferred Assets	(19.29)	-
Investment impairment	0.30	-
Finance costs	69.29	90.63
Apportioned Income from Government Grant	-	-
Interest income	(4.47)	(4.23)
Operating profit before working capital changes	2,026.11	924.95
<i>Changes in working capital:</i>		
Adjustment for (increase)/decrease in operating assets		
Trade receivables	433.35	(431.04)
Inventories	816.21	293.77
Other financial assets - current	569.66	1,175.94
Other current assets	451.08	256.21
Adjustment for (increase)/decrease in operating liabilities		-
Trade payables	(2,070.67)	1,693.95
Other financial liabilities	330.53	(237.09)
Other current liabilities	672.52	296.03
Provisions	33.18	(83.72)
Cash generated from operations	3,261.97	3,897.64
Income taxes paid	(593.53)	(666.27)
Net cash generated from/(used in) operating activities	2,668.44	3,231.37
II. Cash flows from investing activities		
Purchase of property, plant and equipment and intangibles (including capital work in progress)	(47.64)	(352.26)
Disposal of property, plant and equipment and intangibles (including capital work in progress)	2.06	82.50
(Investments in)/ redemption of term deposits with Banks with original maturities of more than 3 months	(5,451.59)	(3,131.83)
Interest received	962.73	541.06
Deposits with Bank having maturity if more than one year from the balance sheet date	1,697.71	(760.73)
Net cash used in investing activities	(2,836.72)	(3,621.26)



III. Cash flows from financing activities

	For the year ended 31 March 2024	For the year ended 31 March 2023
Proceeds from/(repayment of) long-term borrowings, net	(411.99)	472.35
Proceeds from/(repayment of) short-term borrowings, net	-	-
Interest paid	(69.29)	(90.63)
Final dividend	(177.17)	(94.63)
Tax on final dividend	-	-
Net cash provided by financing activities	(658.46)	287.10
Net increase in cash and cash equivalents (I+II+III)	(826.74)	(111.43)
Cash and cash equivalents at the beginning of the year	3,107.15	3,218.58
Cash and cash equivalents at the end of the year (refer note below)	2,280.41	3,107.15

Note:
Cash and cash equivalents comprise:

Cash on hand	2.57	3.80
Balances with banks:		-
- On current accounts	229.65	1,065.79
- In deposit accounts with Original Maturity of less than three months	2,048.19	2,037.56
Overdraft from Canara Bank	-	-
	2,280.41	3,107.15

Significant accounting policies 1

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.

As per our report of even date
For B.MUKHERJEE & CO
Chartered Accountants
 Firm's Registration Number: 302096E

for and on behalf of the Board of Directors of
**The Braithwaite Burn and Jessop Construction
 Company Limited**
 CIN: U70100WB1986GOI041286

S. K. Mukherjee
 Partner
 Membership No. 006601
 UDIN - 24006601BJZXPS7518

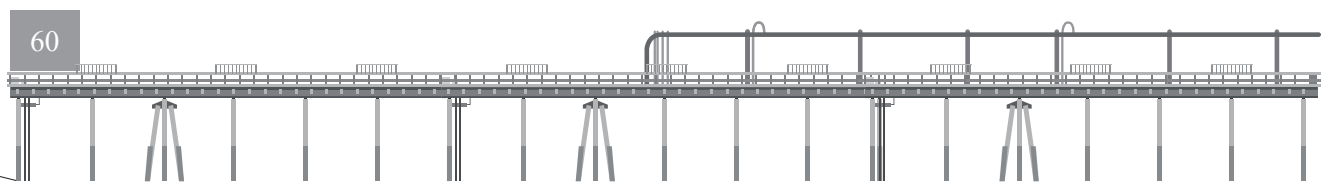
Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)
 Chairman & Managing Director
 DIN - 09832486

R.K.Singh
 Director (Technical)
 DIN - 09614219

Place: Kolkata
Date: 28.06.2024

S K Ghosh
 Director (Finance)
 DIN - 10659781

N K Mishra
 Company Secretary
 PAN - AIQPM3388P



Statement of Changes in Equity for the year ended March 31, 2024

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

a. Equity Share Capital

	No. of shares	Amount
Balance as at April 1, 2022	1,208,605	12,086.05
Balance as at March 31, 2023	1,208,605	12,086.05
Add: Issued during the year	-	-
Balance as at March 31, 2024	1,208,605	12,086.05

b. Other equity

Particulars	Share application money pending allotment	Restructuring Equity Share Deposit	Reserves and Surplus				Total
			Capital Reserve	General reserve	Retained earnings	Debenture Redemption Reserve	
As at 31 March 2022			0.06	1,473.65	7,377.57	116.16	8,967.43
Profit for the year					885.85	-	885.85
Transfer to retained earnings					12.50	(12.50)	-
Final dividend					(94.63)	-	(94.63)
Tax on final dividend							-
Other comprehensive income							
Re-measurement gains/ (losses) on defined benefit plans							-
Income-tax effect							-
As at 31 March 2023	-	-	0.06	1,473.65	8,181.29	103.66	9,758.66
Profit for the year					2,063.03	-	2,063.03
Final dividend					(177.17)	-	(177.17)
Tax on final dividend					-	-	-
Transfer to retained earnings					12.50	(12.50)	-
Other comprehensive income							
Re-measurement gains/ (losses) on defined benefit plans, net of tax							-
Income-tax effect							-
Balance as of 31 March 2024	-	-	0.06	1,473.65	10,079.66	91.16	11,644.53

Significant accounting policies

1

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.

As per our report of even date

For B.MUKHERJEE & CO

Chartered Accountants

Firm's Registration Number: 302096E

for and on behalf of the Board of Directors of
**The Braithwaite Burn and Jessop Construction
Company Limited**

CIN: U70100WB1986GOI041286

S. K. Mukherjee

Partner

Membership No. 006601

UDIN - 24006601BJZXPS7518

Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)

Chairman & Managing Director

DIN - 09832486

R.K.Singh

Director (Technical)

DIN - 09614219

Place: Kolkata

Date: 28.06.2024

S K Ghosh

Director (Finance)

DIN - 10659781

N K Mishra

Company Secretary

PAN - AIQPM3388P



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

1 Company Information and Significant Accounting Policies

A. Company Overview

The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Limited (“the Company”) is a Company domiciled in India and limited by shares (CIN: U70100WB1986GOI041286). The address of the Company’s registered office is 27, R. N. Mukherjee Road, Modi Building, Kolkata - 700001. The Company is primarily involved in business of construction engineering including fabrication work.

B. Basis of preparation of financial statements

1 Statement of Compliance

These financial statements are prepared on accrual basis of accounting and comply with the Indian Accounting Standards (Ind AS) notified under the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 and subsequent amendments thereto, the Companies Act, 2013 (to the extent notified and applicable) and applicable provisions of the Companies Act, 1956.

2 Basis of preparation

These financial statements have been prepared in accordance with Indian Accounting Standard (Ind AS), under historical cost convention on accrual basis as per provision of the Companies Act, except as otherwise as mentioned

3 Presentation of financial statements

The Balance Sheet and the Statement of Profit and Loss are prepared and presented in the format prescribed in the Schedule III to the Companies Act, 2013 (“the Act”). The Statement of Cash Flows has been prepared and presented as per the requirements of Ind AS 7 “Statement of Cash Flows”. The disclosure requirements with respect to items in the Balance Sheet and Statement of Profit and Loss, as prescribed in the Schedule III to the Act, are presented by way of notes forming part of the financial statements.

4 Functional currency

The financial statements are presented in Indian rupees, which is the functional currency of the Company. Functional currency of an entity is the currency of the primary economic environment in which the entity operates. All financial information presented in INR has been rounded to the nearest lakhs (upto two decimals), except as stated otherwise.

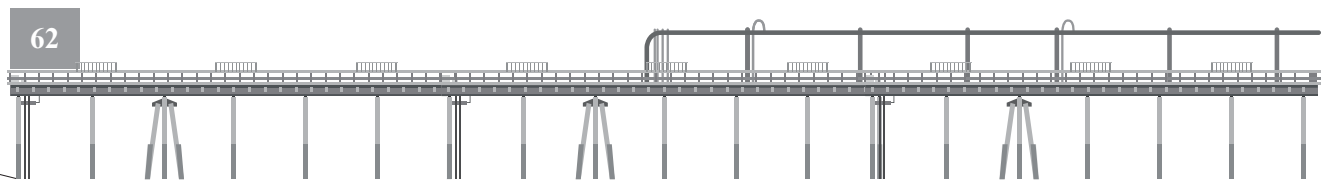
5 Operating cycle

All the assets and liabilities have been classified as current or non-current as per the Company’s normal operating cycle and other criteria set out in the Schedule III to the Companies Act, 2013.

Assets:

An asset is classified as current when it satisfies any of the following criteria:

- a) it is expected to be realized in, or is intended for sale or consumption in, the Company’s normal operating cycle;
- b) it is held primarily for the purpose of being traded;
- c) it is expected to be realized within twelve months after the reporting date; or



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

- d) it is cash or cash equivalent unless it is restricted from being exchanged or used to settle a liability for at least twelve months after the reporting date.

Liabilities:

A liability is classified as current when it satisfies any of the following criteria:

- it is expected to be settled in the Company's normal operating cycle;
- it is held primarily for the purpose of being traded;
- it is due to be settled within twelve months after the reporting date; or
- the Company does not have an unconditional right to defer settlement of the liability for at least twelve months after the reporting date. Terms of a liability that could, at the option of the counterparty, result in its settlement by the issue of equity instruments do not affect its classification.

Current assets/ liabilities include the current portion of non-current assets/ liabilities respectively. All other assets/ liabilities are classified as non-current. Deferred tax assets/liabilities are classified as non-current.

6 Critical accounting judgements and key sources of estimation uncertainty

The preparation of financial statements in conformity with Ind AS requires the management to make judgements, estimates and assumptions that affect the application of accounting policies and the reported amounts of assets, liabilities, income and expenses and disclosure of contingent liabilities and contingent assets at the date of financial statement and the results of operation during the reporting period. Actual results may differ from these estimates. Estimates and underlying assumptions are reviewed on an ongoing basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which the estimates are revised and in any future period affected. Information about critical judgements in applying accounting policies that have the most significant effect on the amounts recognised in the financial statements is included in the accounting policies and/or the notes to the financial statements.

In order to enhance understanding of the financial statements, information about significant areas of estimation, uncertainty and critical judgments in applying accounting policies that have the most significant effect on the amounts recognised in the financial statements is as under:

Recognition of deferred tax assets – The extent to which deferred tax assets can be recognized is based on an assessment of the probability of the future taxable income against which the deferred tax assets can be utilized.

Evaluation of indicators for impairment of assets – The evaluation of applicability of indicators of impairment of assets requires assessment of several external and internal factors which could result in deterioration of recoverable amount of the assets.

Impairment of financial assets – At each balance sheet date, based on historical default rates observed over expected life, the management assesses the expected credit loss on outstanding financial assets.

Provisions – At each balance sheet date the management judgment, changes in facts and legal aspects, the Company assesses the requirement of provisions against the outstanding contingent liabilities. However, the actual future outcome may be different from this judgement.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Useful lives of depreciable/ amortisable assets – Management reviews its estimate of the useful lives of depreciable/amortisable assets at each reporting date, based on the expected utility of the assets. Uncertainties in these estimates relate to technical and economic obsolescence that may change the utility of assets.

Defined benefit obligation (DBO) – Management’s estimate of the DBO is based on a number of underlying assumptions such as standard rates of inflation, mortality, discount rate and anticipation of future salary increases. Variation in these assumptions may significantly impact the DBO amount and the annual defined benefit expenses.

Fair value measurements – Management applies valuation techniques to determine the fair value of financial instruments (where active market quotes are not available). This involves developing estimates and assumptions consistent with how market participants would price the instrument.

7 Measurement of fair values

A number of the Company’s accounting policies and disclosures require the measurement of fair values, for both financial and non-financial assets and liabilities.

Fair values are categorised into different levels in a fair value hierarchy based on the inputs used in the valuation techniques as follows:

- Level 1: quoted prices (unadjusted) in active markets for identical assets or liabilities.
- Level 2: inputs other than quoted prices included in Level 1 that are observable for the asset or liability, either directly (i.e. as prices) or indirectly (i.e. derived from prices).
- Level 3: inputs for the asset or liability that are not based on observable market data (unobservable inputs).

When measuring the fair value of an asset or a liability, the Company uses observable market data as far as possible. If the inputs used to measure the fair value of an asset or a liability fall into different levels of the fair value hierarchy, then the fair value measurement is categorised in its entirety in the same level of the fair value hierarchy as the lowest level input that is significant to the entire measurement. The Company recognises transfers between levels of the fair value hierarchy at the end of the reporting period during which the change has occurred.

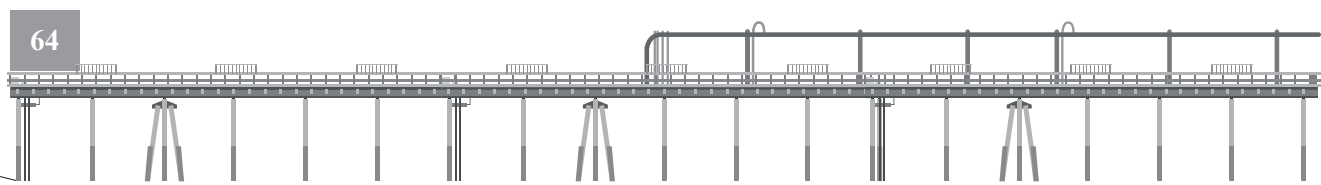
C. Significant accounting policies

1 Revenue recognition

a) Revenue from construction contract is recognised as follows

In accordance with IndAS 115 “Revenue from Contracts with customers”, Revenue is recognised from construction and service activities is based on “over time” method and the company uses the output method to measure progress of delivery.

When the outcome of individual contracts can be estimated reliably, contract revenue and contract cost are recognised as revenue and expenses respectively by reference to the stage of completion at the reporting date. Costs are recognised as incurred and revenue is recognised on the basis of proportion of total cost at the reporting date to the estimated total cost of the contract.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

The estimated outcome of a contract is considered reliable when all the following conditions are satisfied:

- i. the amount of revenue can be measured reliably;
- ii. it is probable that the economic benefits associated with the contract will flow to the Company;
- iii. the stage of completion of the contract at the end of the reporting period can be measured reliably; and
- iv. the costs incurred or to be incurred in respect of the contract can be measured reliably.

Expected loss, if any, on a contract is recognised as expense in the period in which it is foreseen, irrespective of the stage of completion of the contract.

Amounts billed for work performed but yet to be paid by the customer are disclosed in the Balance Sheet as trade receivables. The amount of retention money held by the customers is disclosed as part of other current assets and is reclassified as trade receivables when it becomes due for payment.

- b) **Sale of Goods:** Revenue from sale of goods is recognised when the Company has transferred to the buyer the significant risks and rewards of ownership of the goods, it no longer retains control over the goods sold, the amount of revenue can be measured reliably, it is probable that the economic benefits associated with the transaction will flow to the Company and the costs incurred or to be incurred in respect of the transaction can be measured reliably.
- c) **Rendering of services:** Revenue from rendering services is recognised when the outcome of a transaction can be estimated reliably by reference to the stage of completion of the transaction. The outcome of a transaction can be estimated reliably when all the following conditions are satisfied:
 1. the amount of revenue can be measured reliably;
 2. it is probable that the economic benefits associated with the transaction will flow to the Company;
 3. the stage of completion of the transaction at the end of the reporting period can be measured reliably; and
 4. the costs incurred or to be incurred in respect of the transaction can be measured reliably.

Stage of completion is determined by the proportion of actual costs incurred to-date, to the estimated total costs of the transaction.

Unbilled revenue represents value of services performed in accordance with the contract terms but not billed

- d) **Interest Income:** Interest income from a financial asset is recognised when it is probable that the economic benefits will flow to the Company and the amount of income can be measured reliably. Interest income is accrued on a time proportion basis, by reference to the principal outstanding and the effective interest rate applicable, which is the rate that exactly discounts estimated future cash receipts through the expected life of the financial assets to that asset's net carrying amount on initial recognition.
- e) **Dividend Income:** Dividend income is recognised when the Company's right to receive the dividend is established.

2 Leases

Leases are accounted as per Ind AS 116 which has become mandatory from April 1, 2019.

Assets taken on lease are accounted as right-of-use assets and the corresponding lease liability is accounted at the lease commencement date.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Initially the right-of-use asset is measured at cost which comprises the initial amount of the lease liability adjusted for any lease payments made at or before the commencement date, plus any initial direct costs incurred and an estimate of costs to dismantle and remove the underlying asset or to restore the underlying asset or the site on which it is located, less any lease incentives received.

The lease liability is initially measured at the present value of the lease payments, discounted using the Company's incremental borrowing rate. It is remeasured when there is a change in future lease payments arising from a change in an index or a rate, or a change in the estimate of the guaranteed residual value, or a change in the assessment of purchase, extension or termination option. When the lease liability is remeasured in this way, a corresponding adjustment is made to the carrying amount of the right-of-use asset, or is recorded in the Statement of Profit and Loss if the carrying amount of the right-of-use asset has been reduced to zero.

The right-of-use asset is measured by applying cost model i.e. right-of-use asset at cost less accumulated depreciation and cumulative impairment, if any. The right-of-use asset is depreciated using the straight-line method from the commencement date to the end of the lease term or useful life of the underlying asset whichever is earlier. Carrying amount of lease liability is increased by interest on lease liability and reduced by lease payments made.

Lease payments associated with following leases are recognised as expense on straight-line basis: (i) Low value leases; and (ii) Leases which are short-term.

Assets given on lease are classified either as operating lease or as finance lease. A lease is classified as a finance lease if it transfers substantially all the risks and rewards incidental to ownership of an underlying asset. Initially asset held under finance lease is recognised in balance sheet and presented as a receivable at an amount equal to the net investment in the lease. Finance income is recognised over the lease term, based on a pattern reflecting a constant periodic rate of return on Company's net investment in the lease. A lease which is not classified as a finance lease is an operating lease.

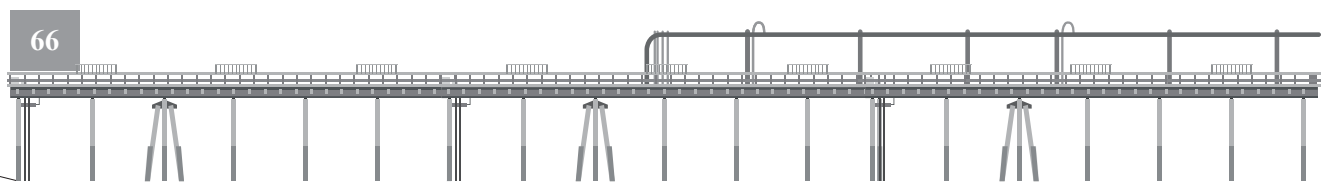
The Company recognises lease receipts in case of assets given on operating leases as income on a straight-line basis. The Company presents underlying assets subject to operating lease in its balance sheet under the respective class of asset.

3 Foreign currencies

In preparing the financial statements of the Company, transactions in currencies other than the company's functional currency (foreign currencies) are recognised at the rates of exchange prevailing at the dates of the transactions. At the end of each reporting period, monetary items denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing at that date. Non-monetary items that are measured in terms of historical cost in a foreign currency are not retranslated. Exchange differences on monetary items are recognised in profit or loss in the period in which they arise.

4 Borrowing costs

Specific borrowing costs that are attributable to the acquisition, construction or production of a qualifying asset are capitalized as part of the cost of such asset till such time the asset is ready for its intended use and borrowing costs are being incurred. A qualifying asset is an asset that necessarily takes a substantial period of



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

time to get ready for its intended use. All other borrowing costs are recognised as an expense in the period in which they are incurred.

Borrowing cost includes interest expense, amortization of discounts, ancillary costs incurred in connection with borrowing of funds and exchange difference arising from foreign currency borrowings to the extent they are regarded as an adjustment to the Interest cost.

5 Income Tax

Income tax expense consists of current and deferred tax. Income tax expense is recognized in the income statement except to the extent that it relates to items recognized directly in equity, in which case it is recognized in equity.

Current tax

Current tax is the expected tax payable on the taxable income for the year, using tax rates enacted or substantively enacted at the reporting date, and any adjustment to tax payable in respect of previous years

Deferred tax

Deferred tax is recognized using the balance sheet method, providing for temporary differences between the carrying amounts of assets and liabilities for financial reporting purposes and the amounts used for taxation purposes. Deferred tax is not recognized for the following temporary differences: the initial recognition of assets or liabilities in a transaction that is not a business combination and that affects neither accounting nor taxable profit; differences relating to investments in subsidiaries and jointly controlled entities to the extent that it is probable that they will not reverse in the foreseeable future; and taxable temporary differences arising upon the initial recognition of goodwill. Deferred tax is measured at the tax rates that are expected to be applied to the temporary differences when they reverse, based on the laws that have been enacted or substantively enacted by the reporting date. Deferred tax assets and liabilities are offset if there is a legally enforceable right to offset current tax liabilities and assets, and they relate to income taxes levied by the same tax authority on the same taxable entity, or on different tax entities, but they intend to settle current tax liabilities and assets on a net basis or their tax assets and liabilities will be realized simultaneously.

A deferred tax asset is recognized to the extent that it is probable that future taxable profits will be available against which the temporary difference can be utilized. Deferred tax assets are reviewed at each reporting date and are reduced to the extent that it is no longer probable that the related tax benefit will be realized.

6 Earnings per share

The Company presents basic and diluted earnings per share (“EPS”) data for its ordinary shares. The basic earnings per share is computed by dividing the net profit attributable to equity shareholders for the period by the weighted average number of equity shares outstanding during the year.

Diluted earnings per share is computed by dividing the net profit attributable to equity shareholders for the year relating to the dilutive potential equity shares, by the weighted average number of equity shares considered for deriving basic earnings per share and the weighted average number of equity shares which could have been issued on the conversion of all dilutive potential equity shares. Potential equity shares are deemed to be dilutive only if their conversion to equity shares would decrease the net profit per share.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

7 Property, plant and equipment

The initial cost of PPE comprises its purchase price, including import duties and non-refundable purchase taxes, and any directly attributable costs of bringing an asset to working condition and location for its intended use, including relevant borrowing costs and any expected costs of decommissioning, less accumulated depreciation and accumulated impairment losses, if any. Expenditure incurred after the PPE have been put into operation, such as repairs and maintenance, are charged to the Statement of Profit and Loss in the period in which the costs are incurred.

If significant parts of an item of PPE have different useful lives, then they are accounted for as separate items (major components) of PPE.

Material items such as spare parts, stand-by equipment and service equipment are classified as PPE when they meet the definition of PPE as specified in Ind AS 16 – Property, Plant and Equipment. Property, Plant and Equipment costing Rs.10,000/- or less are fully depreciated in the year of acquisition

7.1 Expenditure during construction period

Expenditure during construction period (including financing cost related to borrowed funds for construction or acquisition of qualifying PPE) is included under Capital Work-in-Progress, and the same is allocated to the respective PPE on the completion of their construction. Advances given towards acquisition or construction of PPE outstanding at each reporting date are disclosed as Capital Advances under “Other non-current Assets”.

7.2 Depreciation

Depreciation is the systematic allocation of the depreciable amount of PPE over its useful life and is provided as per the Written Down Value Method over the useful lives as prescribed in Schedule II to the Act.

Depreciable amount for PPE is the cost of PPE less its estimated residual value. The useful life of PPE is the period over which PPE is expected to be available for use by the Company, or the number of production or similar units expected to be obtained from the asset by the Company.

Depreciation on additions is provided on a pro-rata basis from the date of installation or acquisition. Depreciation on deductions/disposals is provided on a pro-rata basis up to the date of deduction/disposal.

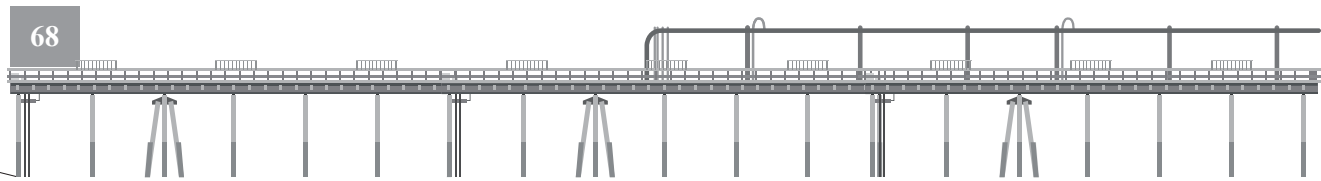
Gains and losses on disposals are determined by comparing proceeds with carrying amount. These are included in the Statement of Profit & Loss.

8 Intangible assets and amortisation

Intangible assets are stated at cost less accumulated amortization and impairment. Intangible assets are amortized over their respective estimated useful lives on a straight-line basis, from the date that they are available for use.

Amortization

The estimated useful life of an identifiable intangible asset is based on a number of factors including the effects of obsolescence, demand, competition and other economic factors (such as the stability of the industry and known technological advances) and the level of maintenance expenditures required to obtain the expected



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

future cash flows from the asset.

The Company amortizes computer software using the straight-line method over the period of 3 years.

9 Inventories

Inventories are valued after providing for obsolescence, as under:

- (i) Raw materials, components, construction materials, stores, spares and loose tools at lower of weighted average cost or net realisable value. However, these items are considered to be realisable at cost if the finished products in which they will be used, are expected to be sold at or above cost.
- (ii) Completed property/work-in-progress in respect of construction activity at lower of specifically identifiable cost or net realisable value.

Assessment of net realisable value (NRV) is made at the end of each reporting period and when the circumstances that previously caused inventories to be written-down below cost no longer exist or when there is clear evidence of an increase in net realisable value because of changed economic circumstances, the write-down, if any, in the past period is reversed to the extent of the original amount written-down so that the resultant carrying amount is the lower of the cost and the revised net realisable value.

10 Cash and cash equivalents

Cash and cash equivalents in the Balance Sheet comprise cash at bank and in hand and short-term deposits with banks that are readily convertible into cash which are subject to insignificant risk of changes in value and are held for the purpose of meeting short-term cash commitments.

11 Statement of Cash Flows

Statement of Cash Flows is prepared segregating the cash flows into operating, investing and financing activities. Cash flow from operating activities is reported using indirect method, adjusting the profit before tax excluding exceptional items for the effects of:

- (i) changes during the period in inventories and operating receivables and payables transactions of a non-cash nature;
- (ii) non-cash items such as depreciation, provisions, unrealised foreign currency gains and losses; and
- (iii) all other items for which the cash effects are investing or financing cash flows.

Cash and cash equivalents (including bank balances) shown in the Statement of Cash Flows exclude items which are not available for general use as at the date of Balance Sheet.

12 Government grants

Government grants are recognised where there is reasonable assurance that the grant will be received and all attached conditions will be complied with.

Where the Company receives non-monetary grants, the asset and the grant are accounted at fair value and recognised in the statement of profit and loss over the expected useful life of the asset.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

13 Impairment of non financial assets

The carrying amounts of the Company's non-financial assets, inventories and deferred tax assets are reviewed at each reporting date to determine whether there is any indication of impairment. If any such indication exists, then the asset's recoverable amount is estimated. The recoverable amount of an asset or cash-generating unit (as defined below) is the greater of its value in use and its fair value less costs to sell. In assessing value in use, the estimated future cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and the risks specific to the asset or the cash-generating unit. For the purpose of impairment testing, assets are grouped together into the smallest group of assets that generates cash inflows from continuing use that are largely independent of the cash inflows of other assets or groups of assets (the "cash-generating unit").

An impairment loss is recognized in the income statement if the estimated recoverable amount of an asset or its cash-generating unit is lower than its carrying amount. Impairment losses recognized in prior periods are assessed at each reporting date for any indications that the loss has decreased or no longer exists. An impairment loss is reversed if there has been a change in the estimates used to determine the recoverable amount. An impairment loss is reversed only to the extent that the asset's carrying amount does not exceed the carrying amount that would have been determined, net of depreciation or amortization, if no impairment loss had been recognized. Goodwill that forms part of the carrying amount of an investment in an associate is not recognized separately, and therefore is not tested for impairment separately. Instead, the entire amount of the investment in an associate is tested for impairment as a single asset when there is objective evidence that the investment in an associate may be impaired.

An impairment loss in respect of equity accounted investee is measured by comparing the recoverable amount of investment with its carrying amount. An impairment loss is recognized in the income statement, and reversed if there has been a favorable change in the estimates used to determine the recoverable amount.

14 Employee benefits

Short-term employee benefits

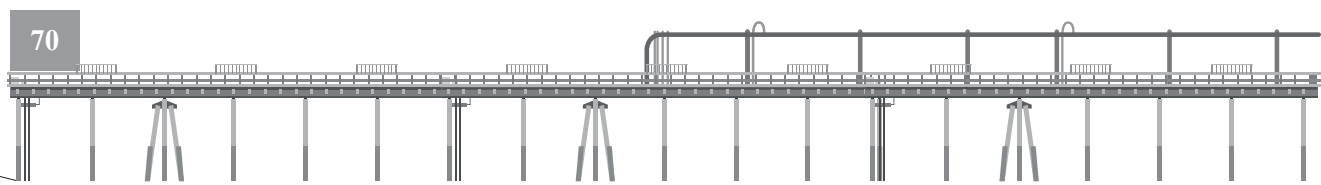
Short-term employee benefits are expensed as the related service is provided. A liability is recognized for the amount expected to be paid if the Company has a present legal or constructive obligation to pay this amount as a result of past service provided by the employee and the obligation can be estimated reliably.

Defined contribution plans

The Company's contributions to defined contribution plans are charged to the income statement as and when the services are received from the employees.

Defined benefit plans

The liability in respect of defined benefit plans and other post-employment benefits is calculated using the projected unit credit method consistent with the advice of qualified actuaries. The present value of the defined benefit obligation is determined by discounting the estimated future cash outflows using interest rates of high-quality corporate bonds that are denominated in the currency in which the benefits will be paid, and that have terms to maturity approximating to the terms of the related defined benefit obligation. The current service



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

cost of the defined benefit plan, recognized in the income statement in employee benefit expense, reflects the increase in the defined benefit obligation resulting from employee service in the current year, benefit changes, curtailments and settlements. Past service costs are recognized immediately in income. The net interest cost is calculated by applying the discount rate to the net balance of the defined benefit obligation and the fair value of plan assets. This cost is included in employee benefit expense in the income statement. Actuarial gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are charged or credited to equity in other comprehensive income in the period in which they arise.

Termination benefits

Termination benefits are recognized as an expense when the Company is demonstrably committed, without realistic possibility of withdrawal, to a formal detailed plan to either terminate employment before the normal retirement date, or to provide termination benefits as a result of an offer made to encourage voluntary redundancy. Termination benefits for voluntary redundancies are recognized as an expense if the Company has made an offer encouraging voluntary redundancy, it is probable that the offer will be accepted, and the number of acceptances can be estimated reliably.

Other long-term employee benefits

The Company's net obligation in respect of other long term employee benefits is the amount of future benefit that employees have earned in return for their service in the current and previous periods. That benefit is discounted to determine its present value. Re-measurements are recognized in the statement of profit and loss in the period in which they arise.

15 Provisions

A provision is recognized if, as a result of a past event, the Company has a present legal or constructive obligation that can be estimated reliably, and it is probable that an outflow of economic benefits will be required to settle the obligation. If the effect of the time value of money is material, provisions are determined by discounting the expected future cash flows at a pre-tax rate that reflects current market assessments of the time value of money and the risks specific to the liability. Where discounting is used, the increase in the provision due to the passage of time is recognized as a finance cost.

16 Contingent liabilities & contingent assets

A disclosure for a contingent liability is made when there is a possible obligation or a present obligation that may, but probably will not, require an outflow of resources. Where there is a possible obligation or a present obligation in respect of which the likelihood of outflow of resources is remote, no provision or disclosure is made.

Contingent assets are not recognised in the financial statements. However, contingent assets are assessed continually and if it is virtually certain that an inflow of economic benefits will arise, the asset and related income are recognised in the period in which the change occurs.

17 Financial instruments

Financial assets and/or financial liabilities are recognised when the company becomes party to a contract embodying the related financial instruments. All financial assets, financial liabilities and financial guarantee



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

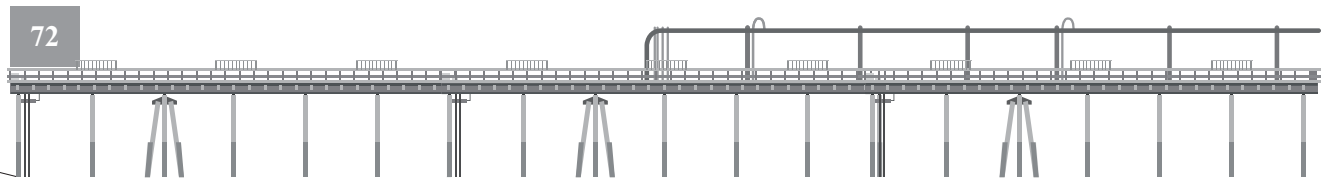
contracts are initially measured at transaction values and where such values are different from the fair value, at fair value. Transaction costs that are attributable to the acquisition or issue of financial assets and financial liabilities (other than financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss) are added to or deducted from as the case may be, the fair value of such financial assets or liabilities, on initial recognition. Transaction costs directly attributable to the acquisition of financial assets or financial liabilities at fair value through profit or loss are recognised immediately in the statement of Profit or Loss.

In case of funding to subsidiary companies in the form of interest free or concession loans and preference shares, the excess of the actual amount of the funding over initially measured fair value is accounted as an equity investment.

(i) Financial assets:

All recognised financial assets are subsequently measured in their entirety either at amortised cost or at fair value depending on the classification of the financial assets as follows:

1. Investments in debt instruments that are designated as fair value through profit or loss (FVTPL) - at fair value.
2. Investments in debt instruments that meet the following conditions are subsequently measured at - at amortised cost (unless the same designated as fair value through profit or loss):
 - i) The asset is held within a business model whose objective is to hold assets in order to collect contractual cash flows; and
 - ii) The contractual terms of instrument give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.
3. Investment in debt instruments that meet the following conditions are subsequently measured at fair value through other comprehensive income [FVTOCI] (unless the same are designated as fair value through profit or loss)
 - i) The asset is held within a business model whose objective is achieved both by collecting contractual cash flows and selling financial assets; and
 - ii) The contractual terms of instrument give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.
4. Debt instruments at FVTPL is a residual category for debt instruments, if any, and all changes are recognised in profit or loss.
5. Investment in equity instruments issued by subsidiary, associate and joint venture companies are measured at cost less impairment.
6. Investment in preference shares of the subsidiary companies are treated as equity instruments if the same are convertible into equity shares or are redeemable out of the proceeds of equity instruments issued for the purpose of redemption of such investments. Investment in preference shares not meeting the aforesaid conditions are classified as debt instruments at FVTPL.
7. Investments in equity instruments are classified as at FVTPL, unless the related instruments are not held for trading and the Company irrevocably elects on initial recognition to present subsequent changes in fair value in Other Comprehensive Income.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

8. For financial assets that are measured at FVTOCI, income by way of interest and dividend, provision for impairment and exchange difference, if any, (on debt instrument) are recognised in profit or loss and changes in fair value (other than on account of above income or expense) are recognised in other comprehensive income and accumulated in other equity. On disposal of debt instruments at FVTOCI, the cumulative gain or loss previously accumulated in other equity is reclassified to profit or loss. In case of equity instruments at FVTOCI, such cumulative gain or loss is not reclassified to profit or loss on disposal of investments.
9. A financial asset is primarily derecognised when:
- the right to receive cash flows from the asset has expired, or
 - the company has transferred its rights to receive cash flows from the asset or has assumed an obligation to pay the received cash flows in full without material delay to a third party under a pass-through arrangement; and
 - the company has transferred substantially all the risks and rewards of the asset, or
 - the company has neither transferred nor retained substantially all the risks and rewards of the asset, but has transferred control of the asset.

On derecognition of a financial asset in its entirety, the difference between the carrying amount measured at the date of derecognition and the consideration received is recognised in Profit or Loss.

10. Impairment of financial assets: The company recognises impairment loss on trade receivables using expected credit loss model, which involves use of a provision matrix constructed on the basis of historical credit loss experience as permitted under Ind AS 109. Impairment loss on investments is recognised when the carrying amount exceeds its recoverable amount.

(ii) Financial liabilities:

1. Financial liabilities, including derivatives and embedded derivatives, which are designated for measurement at FVTPL are subsequently measured at fair value. Financial guarantee contracts are subsequently measured at the amount of impairment loss allowance or the amount recognised at inception net of cumulative amortisation, whichever is higher.

All other financial liabilities including loans and borrowings are measured at amortised cost using Effective Interest Rate (EIR) method.

2. A financial liability is derecognised when the related obligation expires or is discharged or cancelled. A financial asset and a financial liability is offset and presented on net basis in the balance sheet when there is a current legally enforceable right to set-off the recognised amounts and it is intended to either settle on net basis or to realise the asset and settle the liability simultaneously.

18 Dividends

Dividends and interim dividends payable to a Company's shareholders are recognized as changes in equity in the period in which they are approved by the shareholders' meeting and the Board of Directors respectively.

19 Material prior period errors

Material prior period errors are corrected retrospectively by restating the comparative amounts for the prior



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

periods presented in which the error occurred. If the error occurred before the earliest period presented, the opening balances of assets, liabilities and equity for the earliest period presented, are restated.

20 Operating segments

In accordance with Ind AS 108, the operating segments used to present segment information are identified on the basis of internal reports used by the Company’s Management to allocate resources to the segments and assess their performance. The Board of Directors is collectively the Company’s ‘Chief Operating Decision Maker’ or ‘CODM’ within the meaning of Ind AS 108. The indicators used for internal reporting purposes may evolve in connection with performance assessment measures put in place.

Segment results that are reported to the CODM include items directly attributable to a segment as well as those that can be allocated on a reasonable basis. Unallocated items comprise mainly corporate expenses, finance expenses and income tax expenses.

Revenue directly attributable to the segments is considered as segment revenue. Expenses directly attributable to the segments and common expenses allocated on a reasonable basis are considered as segment expenses.

Segment capital expenditure is the total cost incurred during the period to acquire property, plant and equipment, and intangible assets other than goodwill.

Segment assets comprise property, plant and equipment, intangible assets, trade and other receivables, inventories and other assets that can be directly or reasonably allocated to segments. For the purpose of segment reporting for the year, property, plant and equipment have been allocated to segments based on the extent of usage of assets for operations attributable to the respective segments. Segment assets do not include investments, income tax assets, capital work in progress, capital advances, corporate assets and other current assets that cannot reasonably be allocated to segments.

Segment liabilities include all operating liabilities in respect of a segment and consist principally of trade and other payables, employee benefits and provisions. Segment liabilities do not include equity, income tax liabilities, loans and borrowings and other liabilities and provisions that cannot reasonably be allocated to segments.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

2 Property, plant and equipment

Particulars	Buildings	Plant and Machinery	Ship (Speed Boat)	Computers	Furniture and Fixtures	Vehicles	Total
Cost or Deemed Cost (Gross Carrying Amount)							
As at March 31, 2022	132.63	2,073.25	2.32	81.18	69.03	3.72	2,362.11
Additions	-	318.58	-	11.52	6.39	-	336.48
Less: Disposal / Adjustments	-	(55.10)	-	-	-	-	(55.10)
As at March 31, 2023	132.63	2,336.73	2.32	92.69	75.41	3.72	2,643.49
	132.63	2,336.73	2.32	92.69	75.41	3.72	2,643.49
Additions	-	45.54	-	0.38	1.72	-	47.64
Less: Disposal / Adjustments	-	(1.46)	-	-	-	-	(1.46)
As at March 31, 2024	132.63	2,380.80	2.32	93.07	77.13	3.72	2,689.67
Accumulated depreciation							
As at March 31, 2022	84.34	1,685.87	2.29	75.81	60.25	3.68	1,912.24
Additions	5.07	100.77	-	7.04	4.69	0.00	117.57
Less: Disposal / Adjustments	-	(53.99)	-	-	-	-	(53.99)
As at March 31, 2023	89.40	1,732.64	2.29	82.85	64.95	3.68	1,975.82
	89.40	1,732.64	2.29	82.85	64.95	3.68	1,975.82
Additions	4.41	129.83	-	4.43	3.67	0.00	142.33
Less: Disposal / Adjustments	-	(1.43)	-	-	-	-	(1.43)
As at March 31, 2024	93.81	1,861.04	2.29	87.29	68.62	3.68	2,116.73
Net Book Value							
As at March 31, 2024	38.82	519.76	0.02	5.78	8.52	0.04	572.94
As at March 31, 2023	43.22	604.08	0.02	9.84	10.46	0.04	667.67
Note:							
a) Building includes Rs. 131.46 lakhs (Previous Year - Rs. 131.46 lakhs) in respect of permanent structures on lease/ rented land from Syama Prasad Mukherjee Port at Circular Garden Reach Road, Kolkata.							



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

3 Intangible assets

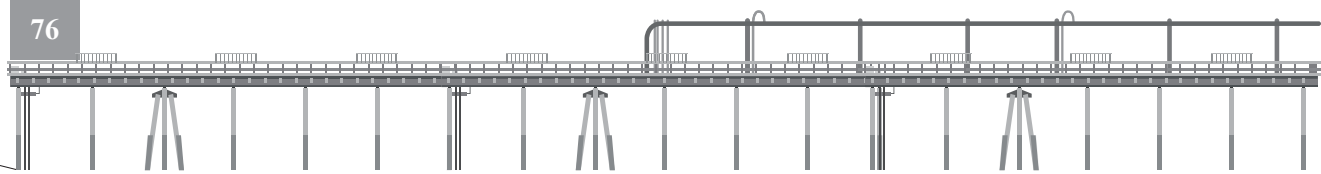
Particulars	Computer Software
Cost or Deemed Cost (Gross Carrying Amount)	
As at March 31, 2022	30.56
Additions	15.77
As at March 31, 2023	46.33
Additions	-
As at March 31, 2024	46.33
Accumulated amortisation	
As at March 31, 2022	25.91
Charge for the year	4.57
As at March 31, 2023	30.48
Charge for the year	30.48
As at March 31, 2024	37.87
Net Book Value	
As at March 31, 2024	8.47
As at March 31, 2023	15.85

4 a. Capital Work in Progress (CWIP)

Particulars	CWIP
As at March 31, 2023	-
Additions	-
(Transfer)	-
As at March 31, 2024	-

b. Capital Work in Progress (CWIP) ageing schedule

CWIP	Amount in CWIP for a period of				Total
	Less than 1 year	1-2 years	2-3 years	More than 3 years	
As at 31.03.2024					
Projects in progress	-	-	-	-	-
Projects temporarily suspended	-	-	-	-	-
Total	-	-	-	-	-
As at 31.03.2023					
Projects in progress	-	-	-	-	-
Projects temporarily suspended	-	-	-	-	-
Total	-	-	-	-	-



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

5 Investments	As at 31 March 2024	As at 31 March 2023
Non-current investments		
(A) Investments in Equity Instruments		
(a) Subsidiary companies (Unquoted, Valued at Cost)		
Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd*	486.30	486.30
48,630 Equity Shares of Rs 1000/- each fully paid-up		
(b) Joint Venture companies		
Bhagirathi Bridge Construction Company Limited (Unquoted, Valued at Cost)	0.30	0.30
300 Equity Shares of Rs 100/- each fully paid-up		
Less: Provision	(0.30)	-
(c) Other companies		
Lagan Jute Machinery Co Ltd. (Unquoted, Valued at Cost)	42.20	42.20
4,22,000 Equity Shares of Rs 10/- each fully paid-up		
Jessop & Co. Ltd. (unquoted, Valued at Cost)*	2,558.01	2,558.01
2,55,80,122 Equity Shares of Rs 10/- each fully paid-up		
(Unquoted, Valued at Cost)		
3015 fully paid Equity share of Woodlands Multispeciality Hospital Ltd. (earlier "5% Non-Redeemable Registered Debenture Stock of East India Clinic Ltd.")	0.16	0.16
(B) Investments in debentures or bonds		
99 No. ICICI Redeemable Money Multiplier Bond-2026	87.79	83.32
Total investments	3,174.47	3,170.30
Aggregate book value of		
- quoted investments	-	-
- unquoted investments	3,174.47	3,170.30
Aggregate market value of quoted investments	N/A	N/A

* Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. (BPMEL) and Jessop & Co. Ltd, earstwhile subsidiaries of Bharat Bhari Udyog Nigam Ltd (BBUNL), are under liquidation.

6 Trade receivables (Unsecured)	31 March 2024	31 March 2023
Non-current		
Long Term Trade Receivables, considered good	1,108.42	1,108.42
Less: Allowances for doubtful receivables	(1,108.42)	(1,108.42)
	-	-
Current		
Considered good	3,263.01	3,738.04
Considered doubtful	-	-
	3,263.01	3,738.04
Less: Allowance for doubtful receivables	(919.72)	(961.40)
	-	-
Total trade receivables	2,343.28	2,776.63

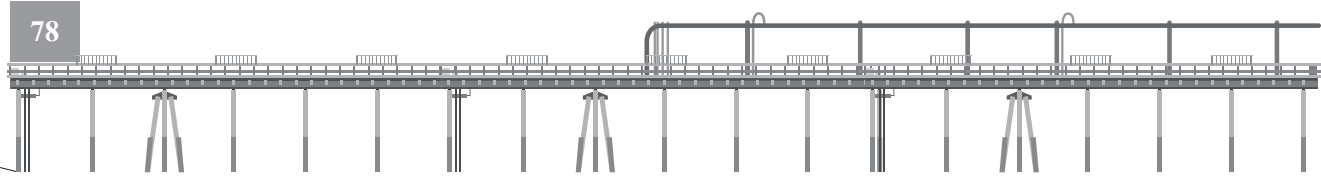


Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

6 Trade receivables (contd.)

Trade receivable ageing schedule		Outstanding for following periods from due date of payment							
Sl. No	Particulars	Not due	Unbilled amount	< 6 months	6month-1 year	1-2 years	2-3 years	> 3 years	Total
	As at March 31,2024								
i)	Undisputed Trade Receivables – considered good	-	-	2,162.46	147.92	111.44	42.99	798.19	3,263.00
ii)	Undisputed Trade Receivables – which have significant increase in credit risk	-	-	-	-	-	-	1,108.42	1,108.42
iii)	Undisputed Trade Receivables – Credit Impaired	-	-	-	6.39	37.03	22.99	1,906.61	1,973.02
iv)	Disputed Trade Receivables – considered good	-	-	-	-	-	-	-	-
v)	Disputed Trade Receivables – which have significant increase in credit risk	-	-	-	-	-	-	-	-
vi)	Disputed Trade Receivables – Credit Impaired	-	-	-	-	-	-	-	-
	As at March 31,2023								
i)	Undisputed Trade Receivables – considered good	-	-	2,032.23	520.27	360.52	135.27	689.75	3,738.04
ii)	Undisputed Trade Receivables – which have significant increase in credit risk	-	-	-	-	-	-	1,108.42	1,108.42
iii)	Undisputed Trade Receivables – Credit Impaired	-	-	-	27.21	148.28	96.16	1,798.17	2,069.82
iv)	Disputed Trade Receivables – considered good	-	-	-	-	-	-	-	-
v)	Disputed Trade Receivables – which have significant increase in credit risk	-	-	-	-	-	-	-	-
vi)	Disputed Trade Receivables – Credit Impaired	-	-	-	-	-	-	-	-



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

7 Other Financial Assets

	31 March 2024	31 March 2023
Non-current		
Deposits with Bank having maturity of more than one year from the balance sheet date	591.00	2,288.60
Others		
Security Deposit/EMD/Other Deposits	4,920.06	4,920.17
Less: Allowance for doubtful deposits	(53.15)	(53.15)
	<u>5,457.91</u>	<u>7,155.62</u>
Current		
Loans & Advances		
GOI Loan receivable on loan to subsidiary company and others	6,796.31	6,796.31
Advances to Creditors	1,079.22	1,315.20
Other advances	145.46	600.46
Less: Provisions	(138.16)	(69.08)
Interest Receivable/Accrued		
On loans to subsidiary company	34,006.55	34,006.55
Accrued Interest on Investment, Deposit & Term Deposits	625.96	382.07
Others		
Security Deposit/EMD/Other Deposits	1,262.31	1,307.35
Less: Allowance for doubtful deposits	(8.44)	(0.71)
Receivables - Others	0.04	0.74
	<u>43,769.24</u>	<u>44,338.89</u>

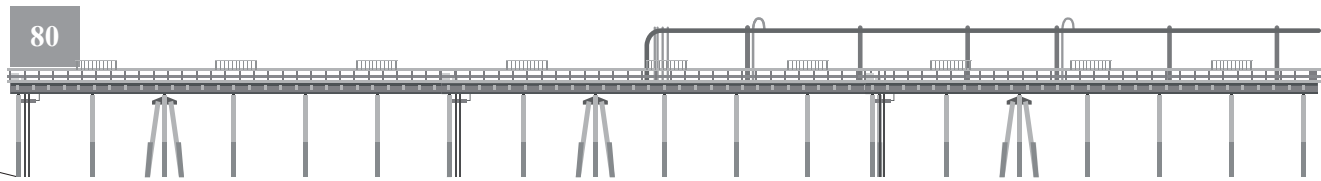


Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	31 March 2024	31 March 2023
8 Deferred tax asset, net		
Deferred tax asset		
- Expected credit loss on financial assets	506.54	534.31
- Provision for employee benefits	118.17	115.41
Total	624.71	649.72
Deferred tax liability		
- Tangible and Intangible assets	23.13	(20.24)
- Financial assets at amortised cost	(8.70)	(7.63)
Deferred tax asset, net	639.15	621.85
 9 Inventories		
Raw materials	669.76	892.13
Stores, Spare Parts & Consumables	23.74	70.61
Loose Tools	12.82	11.02
Work in progress	3,201.84	3,738.62
Less: Provisions	(54.65)	(42.67)
Total inventories	3,853.50	4,669.71
 10 Cash and cash equivalents		
Balances with banks:		
- On current accounts	229.65	1,065.79
- In deposit accounts with Original Maturity of less than three months*	2,048.19	2,037.56
Cash in hand	2.57	3.80
Total cash and cash equivalents	2,280.41	3,107.15

*Includes deposits marked lien in favour Bank Rs.139.15 Lakhs (PY- Rs.133.18 Lakhs).



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	31 March 2024	31 March 2023
11 Other Bank balances		
Term deposits with Banks with original maturities of more than 3 months*	14,286.70	10,532.72
Less: Deposits with Bank disclosed under 'other financial assets' having maturity of more than 12 months	(591.00)	(2,288.60)
Total other Bank balances	13,695.70	8,244.11
*Includes deposits marked lien in favour Bank Rs.6924.87 lakhs (PY-Rs.5984.32 lakhs).		
12 Current tax assets		
Current tax assets (Net of provision)	456.29	593.05
	456.29	593.05
13 Other Current Assets		
GST A/C - (INPUT) - ASSETS	960.27	1,411.36
Others Balance with Government and Statutory Authorities	22.22	22.22
	982.49	1,433.57
14 Share Capital		
Authorised Share Capital		
Equity Share Capital		
34,81,000 (March 31, 2023: 34,81,000) equity shares of Rs.1000/- each	34810.00	34810.00
Issued Share Capital		
Equity Share Capital		
12,08,605 (March 31, 2023: 12,08,605) equity shares of Rs.1000/- each	12086.05	12086.05
Subscribed and fully paid-up Share Capital		
Equity Share Capital		
12,08,605 (March 31, 2023: 12,08,605) equity shares of Rs.1000/- each	12086.05	12086.05
	12,086.05	12,086.05



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

(a) Reconciliation of shares outstanding at the beginning and end of the reporting year

Particulars	31 March 2024 No. of equity shares	31 March 2023 No. of equity shares
Outstanding at the beginning of the year	1,208,605	1,208,605
Issued during the year	-	
Outstanding at the end of the year	1,208,605	1,208,605

(b) Terms / rights attached to the equity shares

Equity shares of the Company have a par value of ₹ 1000 per share. Each holder of equity shares is entitled to one vote per share. The Company declares and pays dividend in Indian rupees. The dividend proposed by the Board of Directors (except interim dividend) is subject to the approval of the shareholders in the Annual General Meetings. In the event of liquidation of the Company, the holders of equity shares will be entitled to receive remaining assets of the Company, after distribution of all preferential amounts. The distribution will be in proportion to the number of equity shares held by the shareholders.

(c) Shareholding Pattern with respect of Holding or Ultimate Holding Company

The Company does not have any Holding Company or Ultimate Holding Company.

(d) Details of shareholders holding more than 5% shares in the Company

Particulars	31 March 2024 No. of equity shares held	31 March 2023 No. of equity shares held
President of India and its nominees	1,208,605	1,208,605
	1,208,605	1,208,605

(e) No ordinary shares have been reserved for issue under options and contracts/ commitments for the sale of shares/ disinvestment as at the Balance Sheet date.

(f) Consequent to Capital Restructuring Schemes sanctioned by Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) in respect of Braithwaite & Co. Ltd. ('BCL'), Burn Standard Co. Ltd. ('BSCL'), Bharat Brakes & Valves Ltd. ('BBVL') and RBL Ltd. ('RBL') and pursuant to approval of the Government of India for financial restructuring allowing conversion of loans & interest into equity share capital & Zero Rated Debentures in respect of BSCL, BCL and BBJ and in consideration of the direction of Department of Investment and Public Asset Management for the aforesaid amount, the company has issued equity shares to President of India on 28th April, 2017.

(g) No securities convertible into Equity/ Preference shares have been issued by the Company during the year.

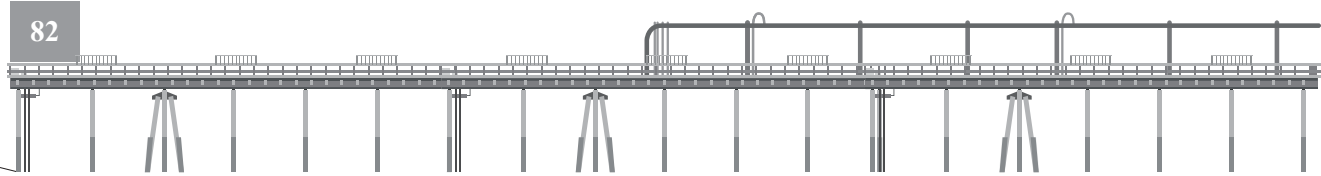
(h) No calls are unpaid by any Director or Officer of the Company during the year.

15 Other equity

	31 March 2024	31 March 2023
Capital Reserve	0.06	0.06
General Reserve	1,473.65	1,473.65
Debenture Redemption Reserve	91.16	103.66
Retained Earnings	10,079.66	8,181.29
	11,644.53	9,758.66

(a) Capital Reserve

Opening balance	0.06	0.06
Additions during the year	-	-
Closing balance	0.06	0.06



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	31 March 2024	31 March 2023
(b) General Reserve		
Opening balance	1,473.65	1,473.65
Add: Transfers during the year	-	-
Closing balance	1,473.65	1,473.65
General Reserve are free reserves of the company which are kept aside out of company's profits to meet the future requirements as and when they arise.		
(c) Debenture Redemption Reserve*		
Opening balance	103.66	116.16
Add: Transfers during the year	(12.50)	(12.50)
Closing balance	91.16	103.66
* The Company had created Debenture Redemption Reserve (DRR) on the basis of outstanding amount of Debentures in terms of the applicable provision under Companies Act'2013.		
(d) Retained Earnings		
Opening balance	8,181.29	7,377.57
Profit/(loss) for the year	2,063.03	885.85
Other comprehensive income	-	-
Final dividend	(177.17)	(94.63)
Tax on final dividend	-	-
Add: Transferred from Debenture redemption Reserve	12.50	12.50
Less: Transfers to general reserve	-	-
Closing balance	10,079.66	8,181.29
Total other equity	11,644.53	9,758.66

16 Borrowings

Non-current Borrowings

Unsecured loans

Restructuring Debenture Deposit (ZRD)*	217.92	241.15
Total non-current borrowings	217.92	241.15

Current Borrowings

Secured loans repayable on demand

- Overdraft from Canara Bank **	-	-
Other Loans and advances from the Government of India	6,589.00	6,589.00
Total current borrowings	6,589.00	6,589.00



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

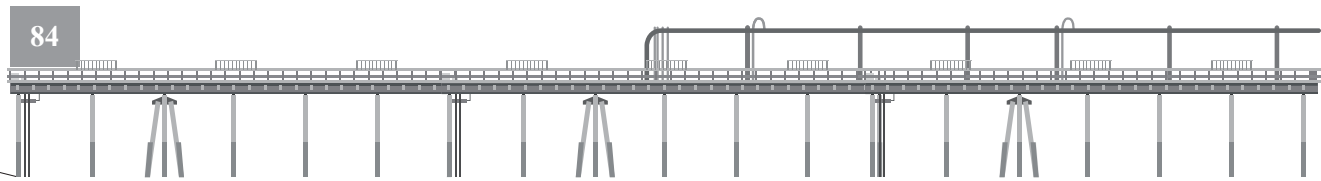
*** Restructuring Debenture Deposit (ZRD) :**

As per approved scheme of Financial restructuring of The Braithwaite Burn and Jessop Construction Company Ltd (BBJ) by GOI in 2005, allowed conversion of GOI loan amounting to Rs.3.88 crore into Equity, conversion of interest outstanding on GOI loan amounting to Rs.10.00 crore into Equity and conversion of interest outstanding on GOI loan amounting to Rs.10.00 crore to Zero Rate Debenture (ZRD). In pursuance company is repaying Zero Rated Debentures (ZRD) in equal yearly installments of Rs.0.50 crore since 2007-08 and has issued Equity shares to President of India on 28th April,2017.

**** Overdraft from Canara Bank:**

Overdraft from Canara Bank is primarily secured by hypothecation of stock and book debts and collaterally secured by hypothecation of Fixed assets including Plant and Machinery, Furniture and Fixtures and Vehicles and Equitable mortgage of the Company's Flat at 22, Lee Road, Kolkata - 700020. The overdraft having interest rate 9.75% p.a.is repayable on demand.

	31 March 2024	31 March 2023
17 Provisions		
Non-Current		
Provision for employee benefits		
- Gratuity	50.54	31.49
- Leave Encashment	391.44	435.36
	441.98	466.85
Current		
Provision for employee benefits		
- Gratuity	-	-
- Leave Encashment	81.26	23.20
	81.26	23.20
18 Other liabilities		
Non-current		
Restructuring Debenture Deposits (ZRD)	69.94	94.38
Other Non Current Liabilities	4,086.95	4,451.26
	4,156.89	4,545.65
Current		
Statutory Dues	130.11	373.57
Restructuring Debenture Deposits (ZRD)	26.77	29.09
Advance from customers	247.23	561.01
Other Current Liabilities	2,297.03	1,064.95
	2,701.14	2,028.62



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

31 March 2024 31 March 2023

19 Trade payables

Non-current

Trade payables

- Total outstanding dues of creditors other than micro enterprises and small enterprises

323.55 321.70

- Total outstanding dues of micro enterprises and small enterprises (refer note 36)

- -

323.55 321.70

Current

Trade payables

- Total outstanding dues of creditors other than micro enterprises and small enterprises

501.04 2,573.56

- Total outstanding dues of micro enterprises and small enterprises (refer note 36)

- -

501.04 2,573.56

19 Trade payable

Trade payable ageing schedule

As on March 31, 2024

Outstanding for following periods from due date of payment

S.no	Particulars	Not due	Unbilled amount	< 1 year	1-2 years	2-3 years	> 3 years	Total
i)	MSME							-
ii)	Others			501.04			323.55	824.59
iii)	Disputed dues-MSME							-
iv)	Disputed dues-Other							-
	Total	-	-	501.04	-	-	323.55	824.59

As on March 31, 2023

Outstanding for following periods from due date of payment

S.no	Particulars	Not due	Unbilled amount	< 1 year	1-2 years	2-3 years	> 3 years	Total
i)	MSME	-	-	-	-	-	-	-
ii)	Others			2,573.57			321.70	2,895.27
iii)	Disputed dues-MSME	-	-	-	-	-	-	-
iv)	Disputed dues-Other	-	-	-	-	-	-	-
	Total	-	-	2,573.57	-	-	321.70	2,895.27



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

20 Other financial liabilities

	31 March 2024	31 March 2023
Non-current		
Trade and Security Deposits	121.49	121.49
	121.49	121.49
Current		
Employee Benefits Payable	121.48	112.39
Interest accrued & due on borrowing from GOI	34,016.12	34,016.12
Restructuring Debenture Deposit (ZRD):	50.00	50.00
Trade and Security Deposits	4,181.39	3,859.96
	38,369.00	38,038.47

21 Current tax liabilities

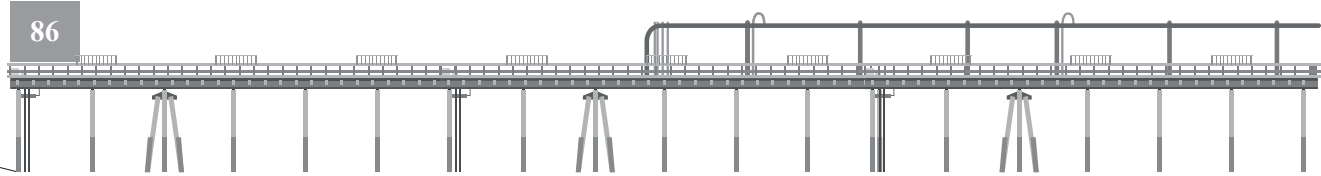
Current tax liabilities (Net of advance tax)	-	-
	-	-

22 Revenue from operations

Income from Construction Contracts	24,859.23	30,140.10
Gross Income from Construction Contracts - Rs.29,333.89 Lakhs (Previous Year-Rs.35,267.62 Lakhs)		
	24,859.23	30,140.10
Other Operating income:		
Project Management Consultancy	-	-
Sale of Scrap	151.14	38.88
	25,010.37	30,178.97

23 Other income

Interest income		
- on bank and Security Deposits	962.73	541.06
- on bonds	4.47	4.23
Other Non-operating income	18.53	29.33
Prior Period Adjustment	21.97	12.06
Profit on sale Property, Plant & Equipment (Net)	2.03	51.96
Allowance for doubtful receivables written back	41.68	-
Encashment of B.G / Forfeiture of S.D. & E.M.D.	13.21	5.25
	1,064.61	643.90



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

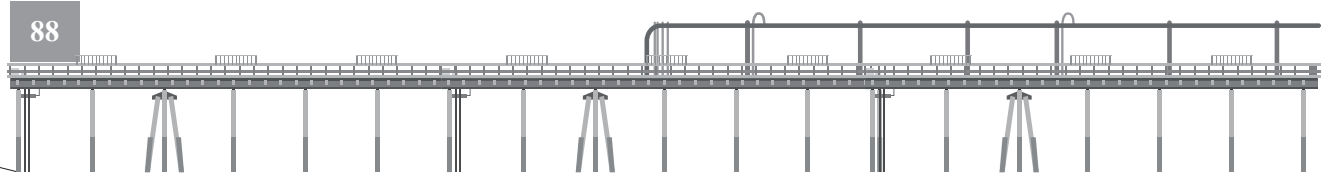
	31 March 2024	31 March 2023
24 Cost of materials consumed		
Opening Stock of Raw Materials and Consumables	892.13	732.13
Add : Purchases during the year	6,117.46	8,007.77
	<u>7,009.59</u>	<u>8,739.91</u>
Less : Closing Stock of Raw Materials and Consumables	669.76	892.13
	<u>6,339.83</u>	<u>7,847.78</u>
Add : Other expenses during the year	109.27	244.00
	<u>6,449.10</u>	<u>8,091.78</u>
25 Changes in inventories and Work in progress		
Work in progress		
Inventories at the beginning of the year	3,738.62	4,239.24
Less : Inventories at the end of the year	3,201.84	3,738.62
	<u>536.78</u>	<u>500.63</u>
25A Sub Contract & other conversion charges		
Sub Contracting Expenses	8,579.54	13,564.75
Fabrication Work Expenses	2,064.53	2,041.15
	<u>10,644.07</u>	<u>15,605.90</u>
25B Consumption of Stores, Spares & Loose Tools		
Consumption of Stores, Spares & Loose Tools	453.02	632.69
	<u>453.02</u>	<u>632.69</u>
26 Employee benefits expense		
Salaries, wages and bonus	3,007.82	2,541.13
Contribution to provident and other funds	270.74	213.47
Staff welfare expenses	46.67	51.00
	<u>3,325.23</u>	<u>2,805.60</u>
27 Finance costs		
Bank interest and commissions	69.29	90.63
	<u>69.29</u>	<u>90.63</u>
28 Depreciation and Amortisation expense		
Depreciation	142.33	117.57
Amortization	7.38	4.57
	<u>149.72</u>	<u>122.14</u>



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

	31 March 2024	31 March 2023
29 Other expenses		
Advertisement	7.14	11.68
Allowance for doubtful debts, receivables & others	89.10	364.12
Bank Charges	15.20	21.29
Car Hire Charges	81.87	90.32
Corporate Social Responsibility Expenses (Note 42)	22.07	15.34
Freight & forwarding	32.74	0.08
Insurance	50.38	39.12
Labour Cess	178.58	166.50
Legal Expenses	76.70	77.63
Consultancy Fees	93.61	59.37
Miscellaneous Expenses	119.27	123.63
Payment to Auditors (Note 34) :	-	-
<i>Audit Fee</i>	0.95	0.82
<i>Tax Audit Fee</i>	0.55	0.30
<i>Others</i>	1.04	0.60
Postage, Telephone & Fax	5.23	7.90
Printing and stationery	12.52	13.14
Wages (Con)	117.03	195.47
Plant & Crane Hire Charge	28.83	31.26
Power & Fuel	349.93	223.49
Rates and taxes	189.21	4.79
Rent	110.20	111.17
Repair & Maintenance :	-	-
- Buildings	0.05	-
- Plant & Machinery	1.97	3.65
- Others	3.31	9.59
Site Establishment expenses	0.25	23.07
Subscription & Donation	0.80	2.29
Testing Charges	14.50	17.77
Travelling Expenses	49.40	49.66
	1,652.45	1,664.07



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

31 March 2024 31 March 2023

30 Tax expenses

Current income tax:

Current income tax charge	730.29	398.27
MAT credit entitlement		

Deferred tax:

Relating to originating and reversal of temporary differences	1.99	25.30
Income tax expense recognised in the statement of profit or loss	732.29	423.57

Deferred tax related to items considered in OCI during the year

Items that will not be reclassified to profit or loss	-	-
Items that will be reclassified to profit or loss	-	-
Income tax charge to OCI	-	-

Reconciliation of tax expense with the accounting profit multiplied by domestic tax rate:

Accounting profit before income tax	2,795.32	1,309.43
Tax on accounting profit at statutory income tax rate 25.17% (March 31, 2023: 25.17%)	703.58	329.58
Adjustments in respect of items taken to opening equity allowed for tax purposes	-	-
Adjustments in respect of deferred tax at lower rates	1.99	25.30
Others	-	-
Total at the effective tax rate of 25.17%	705.58	354.88
Tax expense reported in the statement of profit and loss	732.29	423.57

31 Contingent liabilities and commitments

Particulars		As at 31-Mar-2024	As at 31-Mar-2023
i)	Contingent liabilities:		
-	Disputed Sales Tax demand	87.89	87.89
-	Disputed Income Tax demand	497.28	505.32
-	Disputed Service Tax demand	154.45	154.45
-	Disputed PF demand under appeal	54.14	54.14
-	Bank Guarantee	5,960.21	6,523.41
-	Disputed Goods and Service Tax demand (TRAN 1 Interest) - BIHAR	12.55	12.55



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

** In addition, there is disputed interest demand pertaining to Income tax of Rs.34.29 Lakhs

* The Company is subject to legal proceedings and claims, which have arisen in the ordinary course of business including litigation before tax authorities and including matters mentioned above. The uncertainties and possible reimbursements are dependent on the outcome of the different legal processes which have been invoked by the claimants or the Company, as the case may be, and therefore cannot be predicted accurately. The Company engages reputed professional advisors to protect its interests and has been advised that it has strong legal positions against such disputes. The Management believes that it has a reasonable case in its defense of the proceedings and accordingly no further provision is required. Further details of court cases is provided in note 43.

32 Related party disclosures

a) The following table provides the name of the related party and the nature of its relationship with the Company:

Name	
Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.) from 27.12.2022	Chairman & Managing Director
Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.) from 03.02.2023	Director (Finance) - Additional Charge
Shri Rajiv Kr. Singh from 21.05.2022	Director (Technical)
Shri Aditya Kumar Ghosh	Part time Official Director
Smt. Sarala Devi	Non-Official Independent Director

b) Details of all transactions with related parties during the year:

Particulars	31-Mar-24	31-Mar-23
i) Remuneration of Managing/Whole-time Directors: -		
Salaries and Allowances as Director	94.84	97.12
Contribution to provident fund as Director	8.69	5.20
(Salaries and allowances include leave encashment payment)		
ii) Sitting Fees & Other Fees to Non-Official Independent Directors	0.85	0.54

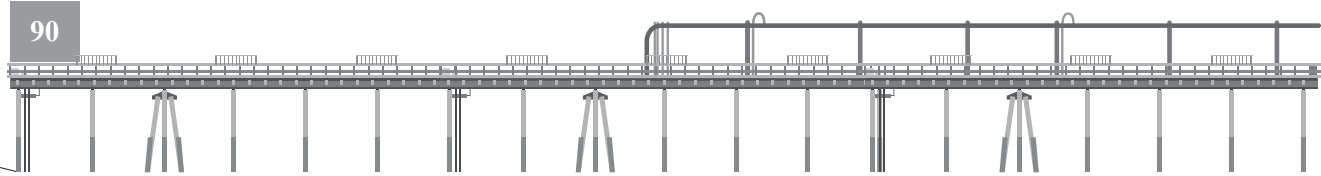
c) Terms and conditions of transactions with related parties:

The transactions with related parties are made on terms equivalent to those that prevail in arm's length transactions.

33 Segment information

Ind AS 108 "Operating Segment" ("Ind AS 108") establishes standards for the way that business enterprises report information about operating and geographical segments and related disclosures about products and services, geographic areas, and major customers. Based on the "management approach" as defined in Ind AS 108, Operating segments and geographical segments are to be reported in a manner consistent with the internal reporting provided to the Chief Operating Decision Maker (CODM). The CODM evaluates the Company's performance and allocates resources on overall basis.

The Company is primarily engaged in the business of construction including fabrication, which as per Indian Accounting Standard - 108 on 'Operating Segments' is considered to be the only reportable business segment. The Company is operating in India which is considered as a single geographical segment.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

34 Auditors' remuneration include:

Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Statutory audit fee	0.95	0.82
Tax audit fee	0.55	0.30
Others	1.04	0.60
Total	2.53	1.72

35 Disclosure as per Ind AS 19 'Employee benefits'

a) Gratuity

The Company provides its employees with benefits under a defined contribution plan, referred to as the "Gratuity Plan". The Gratuity Plan entitles an employee, who has rendered at least five years of continuous service, to receive 15 days salary for each year of completed service as Gratuity at the time of retirement/exit, restricted to a sum of Rs.20.00 lakhs.

The Company has taken a Group Gratuity Policy from LIC of India and the resultant liability as determined by LIC has been remitted by the Company every year.

Gratuity expenditure of the Company for the financial year 2023-24 amounts to Rs.42.39 Lakhs (previous year Rs.26.32 Lakhs) determined by LIC(the Fund Administrator).

As per actuarial valuation, following tables summarize the different components of Gratuity fund as on balance sheet:

Reconciliation of opening and closing balances of the present value of the obligation:

Particulars	As at 31-Mar-2024	As at 31-Mar-2023
Opening defined benefit obligation	499.23	531.21
Current service cost	37.38	33.57
Past service cost		
Interest cost	33.59	34.47
Benefits paid	(34.66)	(100.79)
Actuarial gain	2.94	0.77
Particulars	As at 31-Mar-2024	As at 31-Mar-2023
Acquisition Adjustment		
Closing balance defined benefit obligation	538.48	499.23
Changes in Fair Value of Plan Assets as at :		
Fair value of Plan Assets at Beginning of period	484.04	481.19
Interest Income	33.74	34.50
Employer Contributions	21.45	70.28
Benefits Paid	(34.66)	(100.79)
Return on Plan Assets excluding Interest Income	4.67	(1.14)
Fair value of Plan Assets at End of measurement period	509.24	484.04



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Assumptions	As at 31-Mar-2024	As at 31-Mar-2023
Discount rate (per annum)	6.97%	7.17%
Expected Return on Plan Asset	6.97%	7.17%
Rate of Compensation Increase(Salary Inflation)	7.00%	7.00%

A quantitative sensitivity analysis for significant assumption and its impact in percentage terms on projected benefit obligation are as follows:

	As at 31-Mar-2024	
	Discount rate	Salary escalation rate
Impact of increase in 50 bps on projected benefit obligation	-3.00%	1.71%
Impact of decrease in 50 bps on projected benefit obligation	3.19%	-1.72%

	As at 31-Mar-2023	
	Discount rate	Salary escalation rate
Impact of increase in 50 bps on projected benefit obligation	-3.32%	2.03%
Impact of decrease in 50 bps on projected benefit obligation	3.53%	-1.98%

These sensitivities have been calculated to show the movement in projected benefit obligation in isolation and assuming there are no other changes in market conditions.

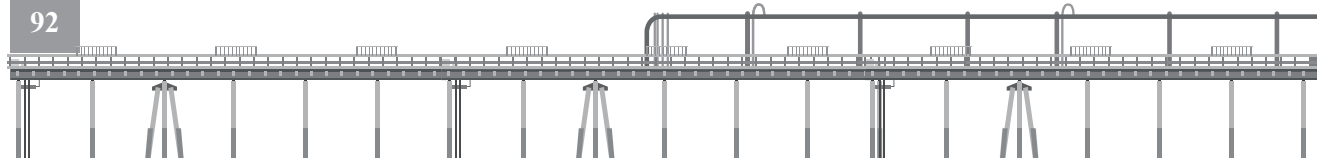
b) Leave

The Company provides for earned leave benefit (including compensated absences) to the employees of the Company which accrue annually at the rate of 30 days. Earned leave (EL) is en-cashable while in service. However, total number of leave that can be encashed on superannuation shall be restricted to 300 days. The scheme is unfunded and liability for the same is recognised on the basis of actuarial valuation. Accumulated provision of Rs. 472.69 Lakhs (31 March 2023: Rs. Rs. 458.56 Lakhs) have been made on the basis of actuarial valuation at the year end in the Financial Statements.

The following tables summarize the components of net benefit expense recognised in the statement of profit or loss and the amounts recognised in the balance sheet:

Reconciliation of opening and closing balances of the present value of the obligation:

Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Opening balance	458.56	488.57
Current service cost	23.22	15.22
Past service cost	-	-
Interest cost	28.48	30.02
Benefits paid	(100.02)	(139.91)
Actuarial gain	62.45	64.66
Acquisition Adjustment	-	-



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Closing balance	472.69	458.56
Accrued leave Encashment	473.60	467.50
Fair value of plan assets at the end of the year	-	-
Net liability recognised in the balance sheet	473.60	467.50
Current provision	(81.26)	(18.89)
Non current provision	391.44	447.45

Expenses recognised in statement of profit and loss	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Service cost	23.22	15.22
Interest cost	28.48	30.02
Re-measurement gains/ (losses)		
Actuarial gain / (loss) due to demographic assumption changes	-	-
Actuarial gain / (loss) due to financial assumption changes	-	-
Actuarial gain / (loss) due to experience adjustments	62.45	64.66
Return on plan assets greater (less) than discount rate	-	-
Total cost	114.15	109.90

Assumptions	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Discount rate (per annum)	6.97%	7.17%
Future salary increases	7.00%	7.00%

A quantitative sensitivity analysis for significant assumption and its impact in percentage terms on projected benefit obligation are as follows:

	31-Mar-2024	
	Discount rate	Salary escalation rate
Impact of increase in 50 bps on projected benefit obligation	-3.80%	4.05%
Impact of decrease in 50 bps on projected benefit obligation	4.08%	-3.80%
	31-Mar-2023	
	Discount rate	Salary escalation rate
Impact of increase in 50 bps on projected benefit obligation	-3.96%	4.21%
Impact of decrease in 50 bps on projected benefit obligation	4.25%	-3.96%

These sensitivities have been calculated to show the movement in projected benefit obligation in isolation and assuming there are no other changes in market conditions.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

36 Dues to Micro, small and medium enterprises

The Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises has issued an office memorandum dated 26 August 2008 which recommends that the Micro and Small Enterprises should mention in their correspondence with its customers the Entrepreneurs Memorandum Number as allocated after filing of the Memorandum. Accordingly, the disclosure in respect of the amounts payable to such enterprises as at March 31, 2024 has been made in the financial statements based on information received and available with the Company. Further in view of the management, the impact of interest, if any, that may be payable in accordance with the provisions of the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 ('The MSMED Act') is not expected to be material. The Company has not received any claim for interest from any supplier.

Particulars		31-Mar-2024	31-Mar-2023
a)	the principal amount and the interest due thereon remaining unpaid to any supplier at the end of each accounting year.	Nil	Nil
b)	the amount of interest paid by the buyer in terms of section 16 of the MSMED Act, along with the amount of the payment made to the supplier beyond the appointed day during each accounting year;	Nil	Nil
c)	the amount of interest due and payable for the period of delay in making payment (which have been paid but beyond the appointed day during the year) but without adding the interest specified under this MSMED Act	Nil	Nil
d)	the amount of interest accrued and remaining unpaid at the end of each accounting year; and	Nil	Nil
e)	the amount of further interest remaining due and payable even in the succeeding years, until such date when the interest dues above are actually paid to the small enterprise, for the purpose of disallowance of a deductible expenditure under section 23 of the MSMED Act.	Nil	Nil

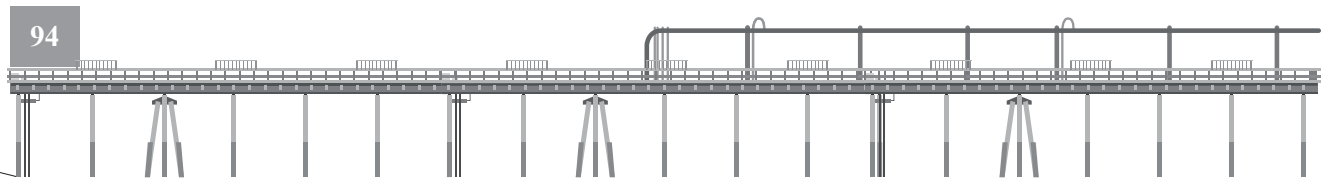
37 Earnings per share

Basic EPS amounts are calculated by dividing the profit for the year attributable to equity holders by the weighted average number of equity shares outstanding during the year.

Diluted EPS amounts are calculated by dividing the profit attributable to equity holders by the weighted average number of equity shares outstanding during the year plus the weighted average number of equity shares that would be issued on conversion of all the dilutive potential equity shares into equity Shares.

The following table sets out the computation of basic and diluted earnings per share:

Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Profit for the year attributable to equity share holders (₹)	206,303,499.26	88,585,452.18
Shares		
Weighted average number of equity shares outstanding during the year – basic	1,208,605.00	1,208,605.00
Weighted average number of equity shares outstanding during the year – diluted	1,208,605.00	1,208,605.00
Earnings per share		
Earnings per share of par value ₹ 1000 – basic (₹)	170.70	73.30
Earnings per share of par value ₹ 1000 – diluted (₹)	170.70	73.30



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

38 Fair valuation techniques

The Company maintains policies and procedures to value financial assets or financial liabilities using the best and most relevant data available. The fair values of assets and liabilities are included at the amount that would be received to sell an asset or paid to transfer a liability in an orderly transaction between market participants at the measurement date. The following methods and assumptions were used to estimate certain fair values:

- i) Fair value of cash and deposits, trade receivables, trade payables and other current financial assets and liabilities approximate their carrying amounts largely due to the short-term maturities of these instruments.

Fair Value hierarchy

The following tables provide the fair value measurement hierarchy of Company's asset and liabilities, grouped into Level 1 to Level 3 as described below:

- i) Quoted prices in active markets for identical assets or liabilities (level 1). It includes fair value of financial instruments traded in active markets and are based on quoted market prices at the balance sheet date.
- ii) Inputs, other than quoted prices included within level 1, that are observable for the asset or liability, either directly (that is, as prices) or indirectly (that is, derived from prices) (level 2). It includes fair value of the financial instruments that are not traded in an active market (for example, over-the-counter derivatives) and are determined by using valuation techniques. These valuation techniques maximise the use of observable market data where it is available and rely as little as possible on the company specific estimates. If all significant inputs required to fair value of an instrument are observable, then the instrument is included in level 2.
- iii) Inputs for the asset or liability that are not based on observable market data (that is, unobservable inputs) (level 3). If one or more of the significant inputs is not based on observable market data, the instrument is included in level 3.

Particulars	As at 31st March, 2024			As at 31st March, 2023		
	Level 1	Level 2	Level 3	Level 1	Level 2	Level 3
Financial Assets						
Investment in equity instruments	-	3,086.51	-	-	3,086.81	-
Investments in debentures or bonds	-	87.95	-	-	83.48	-
Total Financial Assets	-	3,174.47	-	-	3,170.30	-
Financial Liabilities						
Loan converted to Zero Rate Debenture	-	217.92	-	-	241.15	-
Total Financial Liabilities	-	217.92	-	-	241.15	-

During the year ended 31st March, 2024 and 31st March, 2023, there were no transfers between Level 1 and Level 2 fair value measurements and no transfer into and out of Level 3 fair value measurements. There is no transaction / balance under Level 3.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

39 Risk management policies

The Company’s principal financial liabilities comprise loans and borrowings, trade and other payables. The main purpose of these financial liabilities is to finance and support Company’s operations. The Company’s principal financial assets include inventory, trade and other receivables, cash and cash equivalents and refundable deposits that derive directly from its operations.

The Company is exposed to market risk, credit risk and liquidity risk. The Company’s senior management oversees the management of these risks. The Board of Directors reviews and agrees policies for managing each of these risks, which are summarized below.

a) Market risk

Interest rate risk

Interest rate risk is the risk that the fair value or future cash flows of a financial instrument will fluctuate because of changes in market interest rates. The Company’s exposure to the risk of changes in market interest rates relates primarily to the Company’s short-term debt obligations with floating interest rates.

The Company manages its interest rate risk by having a balanced portfolio of variable rate borrowings. The Company does not enter into any interest rate swaps.

Interest rate sensitivity

The following table demonstrates the sensitivity to a reasonably possible change in interest rates on that portion of loans and borrowings affected. With all other variables held constant, the Company’s profit before tax is affected through the impact on floating rate borrowings, as follows:

	Increase/decrease in interest rate
March 31, 2024	
INR	+1%
INR	-1%
March 31, 2023	
INR	+1%
INR	-1%

b) Credit risk

Credit risk is the risk that counterparty will not meet its obligations under a financial instrument or customer contract, leading to a financial loss. The credit risk arises principally from its operating activities (primarily trade receivables) and from its investing activities, including deposits with banks and financial institutions and other financial instruments.

Credit risk is controlled by analysing credit limits and creditworthiness of customers on a continuous basis to whom credit has been granted after obtaining necessary approvals for credit. The collection from the trade receivables are monitored on a continuous basis by the receivables team.

The Company establishes an allowance for credit loss that represents its estimate of expected losses in respect of trade and other receivables based on the past and the recent collection trend. The maximum exposure to credit risk as at reporting date is primarily from trade receivables and other financial assets. The movement in allowance for credit loss in respect of trade receivables during the year was as follows::



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Allowance for credit loss	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Opening balance	1,015.26	734.07
Credit loss provided	89.10	281.19
Credit loss reversed	(41.68)	-
Closing balance	1,062.68	1,015.26

c) Liquidity risk

The Company's objective is to maintain a balance between continuity of funding and flexibility through the use of bank deposits and loans.

The table below summarises the maturity profile of the Company's financial liabilities based on contractual undiscounted payments:

	Carrying Amount	Less than 12 months	After 12 Month	Total
Year ended March 31, 2024				
Borrowings	364.62	50.00	314.62	364.62
Trade payables	824.59	501.04	323.55	824.59
Other Financial Liabilities	4,474.36	4,352.87	121.49	4,474.36
Year ended March 31, 2023				
Borrowings	414.62	50.00	364.62	414.62
Trade payables	2,895.27	2,573.56	321.70	2,895.27
Other Financial Liabilities	4,143.83	4,022.35	121.49	4,143.83

There is outstanding GOI loan of Rs.6589.00 Lakhs and accumulated interest of Rs. 34016.13 Lakhs on such loan included in financial liabilities which were given by GOI through erstwhile BBUNL to its subsidiaries namely BPMEL and WIL. BPMEL is under liquidation and WIL wound up (post liquidation). As the recoverability of the said loan and interest is uncertain from subsidiaries, has not been shown into the maturity profile of financial liabilities.

40 Capital management

The Company's policy is to maintain a stable capital base so as to maintain investor, creditor and market confidence and to sustain future development of the business. Management monitors capital on the basis of return on capital employed as well as the debt to total equity ratio.

For the purpose of debt to total equity ratio, debt considered is long-term and short-term borrowings. Total equity comprise of issued share capital and all other equity reserves.

The capital structure as of March 31, 2024, March 31, 2023 was as follows:



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Total equity attributable to the equity shareholders of the Company	23,730.58	21,844.71
As a percentage of total capital	98.49%	98.14%
Long term borrowings including current maturities	364.62	414.62
Short term borrowings	-	-
Total borrowings	364.62	414.62
As a percentage of total capital	1.51%	1.86%
Total capital (equity and borrowings)	24,095.20	22,259.33

41 Disclosure pursuant to IndAS 115 “Revenue from Contracts with Customers”

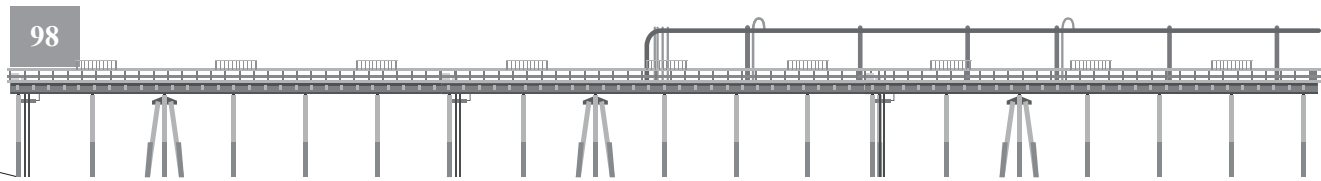
A Effective 1 April, 2018, the company adopted Ind AS 115 “Revenue from contracts with customer” and recognition from construction and service activities is based on “over time” method and the company uses the output method to measure progress of delivery using the Percentage Completion method, which is in line with the policy used by the company earlier. There is no significant transaction impact on the financials of the company. During the year revenues earned by the Company are as follows:-

B	31-Mar-2024	31-Mar-2023
Revenue from operations (Gross Income from Construction Contracts - Rs.29,333.89 Lakhs (Previous Year-Rs.35,267.62 Lakhs)	24,859.23	30,140.10
Other Revenue	151.14	38.88
TOTAL	25,010.37	30,178.97

42 Corporate Social Responsibility Expenses (CSR)

As per Section 135 of the Companies Act, 2013 read with guidelines issued by Department of Public Enterprises, GOI, the Company is required to spend, in every financial year, at least two per cent of the average net profits of the Company made during the three immediately preceding financial years in accordance with its CSR Policy. The details of CSR expenses for the year are as under:

Particulars	31st March 2024	31st March 2023
A. Amount required to be spent during the year	22.07	14.86
B. Shortfall amount of previous year	-	0.48
C. Total(A+B)	22.07	15.34
D. Amount spent during the year on:		
- Construction/acquisition of any asset	-	-
- On purposes other than above	22.07	15.34
Total	22.07	15.34
Shortfall amount	-	-



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

a) Amount spent during the year ended 31 March 2024:

Particulars	In cash	Yet to be paid in cash	Total
Construction/acquisition of any asset	-	-	-
On purposes other than above	22.07	-	22.07

b) Amount spent during the year ended 31 March 2023:

Particulars	In cash	Yet to be paid in cash	Total
Construction/acquisition of any asset	-	-	-
On purposes other than above	15.34	-	15.34

c) Break-up of the CSR expenses under major heads is as under:

Particulars	31st March 2024	31st March 2023
1. Swachh Bharat Kosh	-	-
2. Clean Ganga Fund	-	-
3. Skill Development Training	14.98	-
4. Education	-	-
5. Health	-	-
6. Armed Forces Flag Day Fund	-	-
7. PM CARES FUND	7.09	15.34
Total	22.07	15.34



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

43. Details of Court Cases

Present status of pending Legal Cases concerning BBJ/BBUNL as on 31.03.2024

Sl. No.	Case Details	Year of Comment	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
1.	Eviction Suit Civil Suit (C.S.) No. – 482 of 1982 Between Hindustan Consultancy And Services Ltd. (previously Modi Building Ltd.) –Versus – BBJ	1982	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : Eviction case as was filed in July, 1982 by the Building Owner – Precious Stocks & Bonds Ltd. (PSBL) later on renamed as Modi Building Ltd. (now Hindustan Consultancy And Services Ltd.) for eviction of BBJ from the premise where the Head Office of BBJ is located. 	Eviction Suit	Pending	The matter is appearing in the Cause List of the Hon'ble Court for hearing.	The Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).
2.	Money Suit Title Suit T. S. No. 91 of 2009 (T. S. No 3827 of 2016/ T. S. No. 0001653 of 2016) Between – BBUNL (now BBJ) – Versus – Jessop & Co. Ltd.	2009	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : This Money Suit was filed by BBUNL (now BBJ) on 27.11.2009 for recovery of service charges from Jessop & Co. Ltd. for the period from Sept'01 to Aug'03 of Rs.82,71,520 wrongly refunded by the Company in 2005 along with interest, costs, etc. 	Rs.82.71 Lakhs	Pending	Matter is pending for hearing.	The Learned Court of First Civil Judge (Senior Division), at Alipore, 24 PGs (S).
3.	Writ Petition W. P. 4224 (W) of 2010 Between – Indo Wagon Engineering Ltd. & Another – Versus – (1) Union of India (2) BBUNL (now BBJ) (3) Stock Holding Corporation of India Ltd.	2010	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : As per the Share Holding Agreement entered by BBUNL (now BBJ) with the Petitioners, was required to pledge the 72% shares transferred for 3 years from the date of transfer which are deposited within the custody of Stock Holding Corporation of India Ltd. in 'Demat' form, but upon expiry of 3 years, BBUNL (now BBUNL) did not issue the 'pledge closure confirmation form' in respect of the pledged shares. The present Writ Petition was filed by Indo Wagon Engineering Ltd. and other on 24.02.2010. 	Writ Petition	Pending	The matter is pending and yet to be listed before the Hon'ble High Court at Calcutta (Appellate Side)	The Hon'ble High Court at Calcutta (Appellate Side).



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

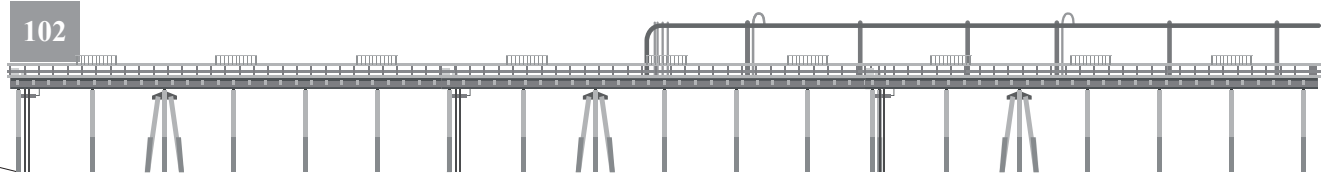
Sl. No.	Case Details	Year of Comment	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
4(a).	Arbitration Appeal AP No. – 738 of 2010 Between – BBJ – Versus – M/s. Civitech (Mr. Partha Chakraborty)	2010	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : An Arbitration proceedings were held between one M/s. Civitech (represented by Mr.Partha Chakraborty) and BBJ for the disputes relating to one Project of Eastern Railway for construction of composite girders at six different locations between Dehri-on-Sone and Mughalsarai. The project year was about 1998. The Sole Arbitrator passed the Award on 14.09.2010 (which had been corrected by an Order dated 25.09.2010) in favour of the Claimant (M/s.Civitech) against the respondent - BBJ. Total value of Award was Rs.17 Lakhs + interest. Being aggrieved BBJ filed the present Arbitration Appeal on 10.12.2010 before the Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side) for setting aside the said Arbitration Award dated 14.09.2010. 	Rs.17 Lakhs + interest	Pending	The matter is yet to be fixed by the Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).	The Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).
4(b).	Execution Case High Court, Calcutta E.C No. 142 of 2022 Between – M/s. Civitech (Mr. Partha Chakraborty) – Versus – BBJ	2018	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : After passing of 11 years, M/s.Civitech (represented by Mr.Partha Chakraborty) filed the present Execution Case against BB before the Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side) for enforcing the above mentioned Arbitration Award dated 14.09.2010. The total claimed amount is Rs.81 Lakhs (which includes interest accrued till the date of filing of the present Execution Case). BBJ after receiving the notice for appearance, duly appeared before the Hon'ble High Court at Calcutta through BBJ's Solicitors & Counsels and defending the matter. 	Rs.81 Lakhs (including Interest accrued)	Pending	The matter is yet to be fixed by the Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).	The Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).
5.	Arbitration Appeal AA No. – 1 of 2010 (Kunwari 1 st Bridge Contract matter) Between – N.C. Railway – Versus – BBJ	2010	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : A zero liability Award was passed in favour of BBJ. North Central Railways challenged the said Award u/s.34 of the Arbitration & Conciliation Act, 1996 before the Learned Gwalior District Court. No copy was served upon BBJ, hence none was engaged. The said Court however rejected Claims of North Central Railways and passed Order dated 09.11.2009. Being aggrieved, North Central Railways challenged the said Order of the Learned District Court before the Gwalior Bench of the Hon'ble MP High Court. 	Zero liability	Pending	The matter is pending before the Division Bench of Hon'ble High Court of M.P. (Gwalior Bench).	The Hon'ble High Court of M.P. (Gwalior Bench)



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Sl. No.	Case Details	Year of Common Cement	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
6.	<p>Appeal matter – Misc. Application No. 04 of 2021 (Regular Appeal No. 118 of 2012) Between – Union of India – Versus – UCO Bank & Ors. Respondents:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. UCO Bank 2. TPG Equity Management & Pvt. Ltd. 3. BPMEL (in Liquidation) 4. BBUNL (now BBJ) 	2018	<p>Facts in brief : Earlier Union of India (UoI) filed the present Appeal vide Case No. 118 of 2012 on 01.08.2012. On the other hand TPG Equity Management Pvt Ltd filed cross Appeal vide No.138 of 2012 against the Order dated 23.02.2012 of the Ld. Presiding Officer, Debts Recovery Tribunal-I, Kolkata for setting aside the order of attachment of the shares of BPMEL. However, in the said order he advised Union of India to consider transfer of the shares of BPMEL to TPG Equity Management Pvt. Ltd., in discharge of their liability or by any other way.</p>	Appeal Matter	Pending	The matter is pending for hearing on 19.01.2024 before the Learned Debt Recovery Appellate Tribunal.	The Learned Debt Recovery Appellate Tribunal.
7.	<p>Electricity Matter Electricity Certificate Case No. 01/13-14 Between BSEB – Versus – BBJ</p>	2013	<p>Facts in brief : The Bihar State Electricity Board (BSEB) now called as the Bihar State Power Holding Company Ltd. (BSPHCL) illegally demanded Rs.54.36 Lakhs from BBJ against supply electricity at Ganga Bridge Project Site.</p> <ul style="list-style-type: none"> • BSEB filed this Electric Certificate Case No. 1 of 2013-14 for recovery of Rs.54.36 Lakhs from BBJ. • BBJ was compelled to file a Writ Petition (CWJC No. 17069 of 2019) before the Hon'ble Patna High Court against the said coercive action of BSEB. By an Order dated 08.12.2022, the Hon'ble High Court at Patna set aside the claim of the Bihar State Power Holding Company Ltd. (BSPHCL). In terms of the said Order dated 08.12.2022, BBJ is now taking steps to dispose of the present Electricity Case at Munger. 	Rs.54.36 Lakhs	Pending	The matter is pending for hearing before the Learned Court of District Auction Certificate Officer, Munger	The Learned Court of District Auction Certificate Officer, Munger.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

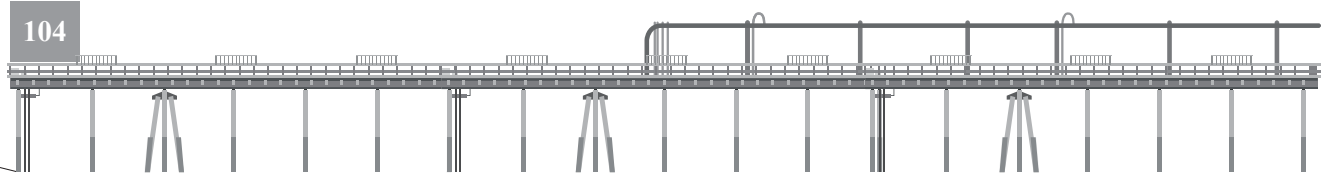
Sl. No.	Case Details	Year of Comment	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
8.	<p>Appeal Matter Regular Appeal No. 129 of 2014 (Diary No. 9046 of 2014)</p> <p>Between – 1. UCO Bank 2. TPG Equity Management & Pvt. Ltd. 3. BPMEL (in Liquidation) 4. The Secretary of Government of India, Ministry of Heavy Industries 5. BBUNL (now BBJ) [Here Union of India and BBJ (erstwhile BBUNL) are Respondents.]</p>	2014	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : UCO Bank had obtained a decree from DRT on 04.11.2003 for Rs.1,92,12,957.92 from BPMEL (in Liquidation) and Rs.2,16,13,312.35 from UOI jointly, severally and personally totalling Rs.4,08,26,270/- with interest @ 19.5% on the “aforesaid certified amounts” from 08.05.1991 till realization which was assigned by UCO Bank to TPG Equity Management Pvt. Ltd. Orissa Mineral Development Co. Ltd. (OMDC), the subsidiary of RINL, earlier maintained the operations of three mines in Orissa State and when BPMEL was incorporated on 14.10.1980 as Govt. Company, Govt. Of India issued the notification to vest the mines under administrative control of BPMEL. Since OMDC was operating the said mines, BPMEL had vested all their rights and title to OMDC through a Power of Attorney (POA). Now TPG being the secured creditor of BPMEL, is claiming the possession of the said mines from the Recovery Officer and thereafter from Presiding Officer, DRT. Being aggrieved OMDC filed the present Appeal on 09.05.2014 before the DRAT for reviewing/ cancelling all earlier orders passed by P.O./DRT-I and cancelling of assignment of UCO Bank to TPG etc., where UOI and BBUNL (now BBJ) are Respondents. 	<p>Appeal Matter [regarding dues of UCO Bank against BPMEL (under Liquidation)]</p>	Pending	The matter is pending for hearing on 25.01.2024 before the Learned Debt Recovery Appellate Tribunal.	The Learned Debt Recovery Appellate Tribunal.
9(a).	<p>Arbitration Appeal A.P.No. 9 of 2016 G.A No:120 of 2016</p> <p>Between – Indo Wagon Engineering Ltd. – Versus – BBJ (erstwhile BBUNL)</p>	2016	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : An Arbitration proceedings were held between the Company and Indo Wagon Engineering Ltd (IWEL) for the disputes relating to equity shares of Jessop & Co. Ltd. (“Jessop”) and others. The Hon’ble Sole Arbitrator - Justice Aloke Chakrabarti (Retired) passed the Award on 11.09.2015 in favour of BBUNL and directed IWEL to pay a sum of Rs.41.02 Crore along interest. Being aggrieved IWEL filed this Arbitration Petition before the Hon’ble High Court on 04.01.2016 challenging the said final Arbitration Award dated 11.09.2015. 	Rs.41.02 Crores + interest	Pending	The matter is pending and yet to be listed before the Hon’ble High Court at Calcutta (Original Side) for further hearing.	The Hon’ble High Court at Calcutta (Original Side).



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Sl. No.	Case Details	Year of Comment	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
9(b).	Execution Case E.C No. 458 of 2018 Between – BBJ (erstwhile BBUNL) – Versus – Indo Wagon Engg. Co. Ltd.	2018	<p>Particulars</p> <ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : To execute the above mentioned the Hon'ble Sole Arbitrator - Justice Aloke Chakrabarti (Retired)'s Final Award dated 11.09.2015 passed in favour of BBUNL (now BBJ) and directed IWEL to pay a sum of Rs.41.02 Crore along interest. BBJ (erstwhile BBUNL) filed this Execution Application on 19.09.2018 for recovery of awarded sum of Rs.41.02 Crores + interest. 	Rs.41.02 Crores + interest	Pending	The matter is pending for hearing before the Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).	The Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).
10.	Arbitration Appeal Arb. Appeal No.2 of 2019 (Jogighopa Bridge Contract matter) Between – N.F. Railway – Versus – BBJ	2016	<p>Particulars</p> <ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : The matter is related to Jogighopa Bridge constructed at Assam. In compliance with the Award passed by Tribunal in favour of M/s.BBJ, although part payment was made by North Frontiers Railways and the other part remained due awaiting for reconciliation at the behest of NF Railways with no disputes. NF Railways, concurrently challenged the Award before the Learned District Court at Gwahati. On 23.07.2014, the Learned District Court, Kamrup, Gwahati dismissed the claims of NF Railway. After delay of 351 days NF Railway filed the present Arbitration Appeal on 17.10.2015 (admitted on 02.02.2019) before the Hon'ble Gauhati High Court. 	Zero liability	Pending	The matter is pending for hearing before the Hon'ble Gauhati High Court	The Hon'ble Gauhati High Court, Assam.
11.	Civil Appeal PP Appeal No. 6 of 2017 (Victoria House matter) Between – BBJ – Versus – KoPT (now Syama Prasad Mookerjee Port)	2017	<p>Particulars</p> <ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : This matter is relating to a claim by KoPT under the provision of Section 7(3) of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971, against BBJ regarding payment of damages amounting to Rs.10,57,872/- for unauthorized occupation from 01.04.1988 to 31.03.1989 at 'Victoria Works'. The claim of KoPT was challenged by BBJ before the Estate Officer on different grounds. By an impugned Order dated 08.03.2017 the Learned Estate Officer of KoPT upheld the claims of KoPT. Being aggrieved by the said Order dated 08.03.2017, BBJ filed this Appeal before the Learned District Judge at Alipore on 23.03.2017. The Learned 3rd Addl. District Judge by an Order dated 22.06.2017 stayed the impugned payment Order dated 08.03.2017 of the Estate Officer of KoPT and the stay is still continuing. 	Rs.10.57 Lakhs + interest	Pending	The matter is pending for hearing before the Learned Court of 3 rd Addl. District Judge at Alipore.	The Learned Court of 3 rd Addl. District Judge at Alipore.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

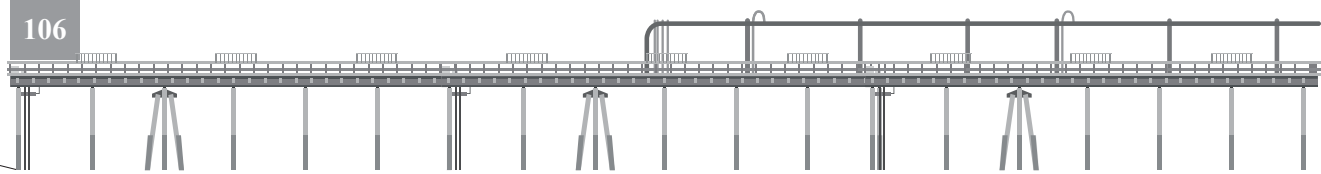
Sl. No.	Case Details	Year of Commencement	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
12(a).	Arbitration Appeal Arbitration Case No. 30 of 2022 (Misc. Civil Case No. 858 of 2017) (Chambal 1 st Bridge Contract matter) Between – N.C. Railway – Versus – BBJ	2018	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : A zero liability Arbitration Award dated 31.10.2008 was passed in favour of BBJ. North Central Railways challenged the said Award u/s.34 of the Arbitration & Conciliation Act, 1996 (Misc. Civil Case No. 858 of 2017) on 17.11.2017 before the Learned Court of the District Court, Allahabad, U.P. Later on the matter was transferred to the Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P. BBJ received the summons on 12.09.2022 and now contesting the said Arbitration Appeal before the Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P. 	Zero liability	Pending	The matter is pending for hearing before the Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P.	The Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P.
12(b).	Arbitration Appeal Arbitration Case No. 21 of 2018 (Chambal 2 nd Bridge Contract matter) Between – N.C. Railway – Versus – BBJ	2018	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : A zero liability Arbitration Award dated 07.04.2015 was passed in favour of BBJ. North Central Railways challenged the said Award u/s.34 of the Arbitration & Conciliation Act, 1996 (Arbitration Case No. - 21 of 2018) on 10.07.2018 before the Learned Court of the District Court, Allahabad, U.P. BBJ received the summons on 16.07.2018 and now contesting the said Arbitration Appeal before the Learned Court of the District Court, Allahabad, U.P. Presently the matter is pending before the Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P. 	Zero liability	Pending	The matter is pending for hearing before the Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P.	The Learned Court of Commercial Court at Allahabad, U.P.
13.	Special Leave Petition (Arbitration Appeal Matter) SLP(C) No. 8221 of 2020 (Ref. - A.P. No. 69 of 2019) (Manoharpur – Bondamunda Arbitration matter) Between – BBJ – Versus – South Eastern Railway	2020	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : The dispute regarding BBJ's legitimate claim of about Rs7.34 Crore against S.E.Railway was referred for Arbitration which is going to be initiated very soon after appointment of Arbitrator(s) as per GCC. The present SLP was filed on 16.03.2020 by BBJ before Hon'ble Supreme Court of India on for immediate appointment of an independent person as an Arbitrator to adjudicate the dispute properly & impartially. 	Rs.7.34 Crore + interest	Pending	The matter is pending for hearing before the Hon'ble Supreme Court of India.	The Hon'ble Supreme Court of India.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Sl. No.	Case Details	Year of Common Cement	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
14.	<p>Arbitration Proceeding (Ref. : A.P. No. 188 of 2019 Arising out of A.P.No.330 of 2018) (Sealdah, Howrah, Asansol and Malda Division Project</p> <p>Between – BBJ – Versus – Eastern Railway & other</p>	2021	<ul style="list-style-type: none"> • Facts in brief : The present Arbitration proceeding was filed by BBJ against Eastern Railway for the disputes aroused during the execution of 36 number of Bridges at Sealdah, Howrah, Asansol and Malda Division Project of Eastern Railway. • Apart from other Claims of BBJ, there is a huge admitted claim of BBJ about Rs.1.20 Crore against E.Railway and also other claims which are required to be adjudicated in Arbitration. • By an Order dated 07.04.2021, the Hon'ble High Court at Calcutta appointed Mr.Justice Indrajit Chatterjee (Retired) as the Sole Arbitrator to adjudicate the disputes and differences between BBJ and Eastern Railway. • On 01.03.2022, the Learned Sole Arbitrator passed an Interim Order dated 28.02.2022 directing the Respondent - Eastern Railway to pay a sum of Rs.1,12,75,117.67p to the Claimant – BBJ. On 20.05.2022, the Respondent – Eastern Railway paid the said Amount of Rs. 1,12,75,117.67p to BBJ. • The reset of BBJ's Claims of Rs.12.46 Crore and further compensation @18% p.a. and Eastern Railway's Counter Claim of Rs.3.63 Crore are still under adjudication of the Arbitration Proceedings. 	Rs.12.46 Crore + interest	Pending	The matter is pending for evidence.	The Sole Arbitrator – Hon'ble Mr. Justice Indrajit Chatterjee (Retired).



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

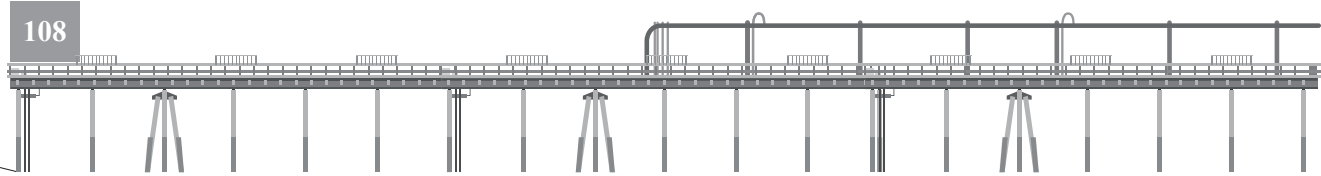
Sl. No.	Case Details	Year of Comment	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
15.	Execution case E.C. No.2 of 2022 Between BBJ – Versus – East Central Railways and Others	2022	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : The dispute regarding BBJ's legitimate claim of about Rs 40.77 Crore (+ 18% Interest) against East Central Railway for illegal termination from contract for "repairing of 3400 'C' Category & 10500 'B' Category Unloadable wagons at Mughalsarai." The Sole Arbitrator – Hon'ble Mr. Justice Dharmidhar Jha (Retired) passed a Final Award dated 17.03.2021 in favour of BBJ. The Hon'ble Sole Arbitrator allowed most of the claims of BBJ and directed the E.C.Railways to pay a total awarded amount of Rs.38,72,26,975.00 to BBJ along with interest @12.5% on the total awarded amount from the date of Award to the realization of the same. Till date the payment of Awarded amount of Rs.38,72,26,975.00 has not been made by East Central Railway. On 03.01.2022 BBJ filed the present Execution case No.2 of 2022 before the Learned District Judge at Patna Sadar for enforcement of the above mentioned Arbitration Award dated 17.03.2021. 	Rs.38.72 Crores + interest @12.5%	Pending	The matter is fixed for hearing and appearance of East Central Railways.	The Learned District Judge at Patna Sadar
16.	Arbitration Proceeding (Ref. - O.M.P. (T) (COMM.) 73 of 2022) (Jaunpur Project matter) Between – BBJ – Versus – Northern Railway	2023	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : The dispute is related to the Project of Northern Railway in Lucknow – Zafrabad Section near Jaunpur. BBJ filed the present Arbitration Petition before the Hon'ble High Court at Delhi for formal termination of previous Arbitral Tribunal and appointment of new Arbitral Tribunal to adjudicate the matter neutrally. On 20.12.2023, Hon'ble Mr. Justice Sachin Datta of Hon'ble High Court of Delhi was pleased to pronounce the judgment to appoint Hon'ble Ms. Justice (Retd.) Deepa Sharma as the sole Arbitrator who will adjudicate all the claims raised by BBJ against Northern Railways relating to Jaunpur matter. On 22.01.2024, the first sitting of the present Arbitration proceedings between BBJ -Vs.- Northern Railway, before Hon'ble Sole Arbitrator. On 21.02.2024, the Claimant – BBJ has filed 'Statement of Claim' before the Hon'ble Sole Arbitrator. 	Rs.5.35 Crore	Pending	The matter is pending for hearing.	The Sole Arbitrator – Hon'ble Sole Arbitrator Ms Justice (Retd.) Deepa Sharma.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Sl. No.	Case Details	Year of Comment	Particulars	Amount Involved (In Rs.)	Present Status of The Case	Reasons of Pendency	Pending Before
17.	Execution Case (Gabon Project Arbitration matter) Consultants Combine Private Limited. - Versus - BBJ	2023	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : The Learned Sole Arbitrator – Justice Ranjit Kumar Bag (Retired) passed a Final Arbitration award on 20.05.2023 allowing some amount to CCPL and BBJ. On 16.11.2023, CCPL filed the present Execution Case against BBJ for enforcing the final Arbitration Award dated 20.05.2023. 	Rs.3.64 Crore + Interest @9%	Pending	The matter is yet to be fixed by the Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).	The Hon'ble High Court at Calcutta (Original Side).
18.	Writ Petition (Service Matter) W.P.A. 5789 of 2024 Between BBJ – Versus – 1. State of West Bengal, 2. Shri Tarun Ghosal.	2024	<ul style="list-style-type: none"> Facts in brief : One Shri Tarun Ghosal was appointed as temporary employee in the post of "Gantry Operator" from 08.07.1996. By a notice dated 06.05.2000 of BBJ, the service of Shri Tarun Ghosal was terminated. Against the said termination the Shri Tarun Ghosal filed a complaint Letter dated 28.03.2001 before the Deputy Secretary, Govt. of W.B. The matter was transferred to Labour Commissioner, Govt. of W.B. and lastly transferred to First Industrial Tribunal, West Bengal. On 19.12.2023, the First Industrial Tribunal, West Bengal passed a final Order considering the termination of Shri Tarun Ghosal was unjustified and bad in law and the management of BBJ was directed to reinstate the workman with full back wages and benefit from the date of termination to the date of reinstatement if he does not attend the age of superannuation. Being aggrieved, BBJ has filed the present Writ Petition against the Order dated 19.12.2023 before the Hon'ble High Court at Calcutta. 	Service matter	Pending	The matter is not appearing in the Cause List of the Hon'ble Court for hearing.	The Hon'ble High Court at Calcutta (Appellate Side).



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

Sub.: Total number of pending legal cases of BBJ (As on 31.03.2024)

Sl. No.	Name of the Court / Forum / Tribunal	Total Number of Cases Pending
1.	Supreme Court of India	1
2.	High Courts	10
3.	Lower Courts	8
4.	Arbitral Tribunal	2
	Total	21



Notes forming part of the financial statements

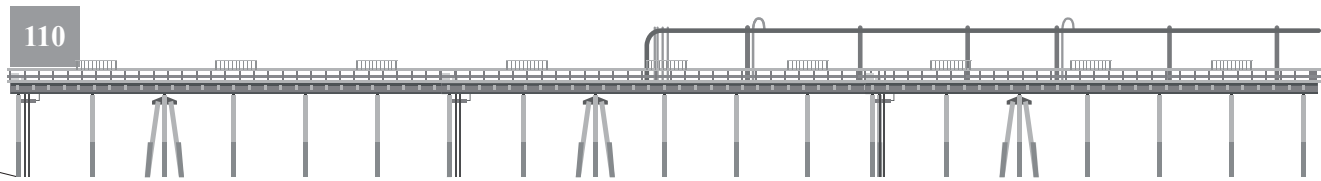
(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

44 Disclosure Regarding analytical ratios:

Ratio	Numerator	Denominator	31st March 2024	31st March 2023	% Variance	Reason for variance
Current Ratio (in times)	Current Assets	Current Liabilities	1.40	1.32	5.57%	
Debt-equity ratio (in times)	Total Debt	Shareholder's Equity	0.29	0.31	-8.26%	
Debt service coverage ratio (in times) - (Net Profit + Depreciation + Interest on long term loans) / Total amount of interest & principal of long term loan payable or paid during the year.	Earnings available for debt service	Debt Service	0.07	0.04	81.32%	
Return on equity ratio (%)	Net Profits after taxes – Preference Dividend (if any)	Average Shareholder's Equity	17.07%	7.33%	132.87%	
Inventory turnover ratio (in times)	Revenue from Operation	Average Inventory	5.87	6.27	-6.40%	
Trade receivables turnover ratio (in times)	Net Credit Sales	Average Accounts Receivable	11.32	13.62	-16.90%	
Trade payables turnover ratio (times)	Net Credit Purchases	Average Sundry Creditors	0.00	14.98	-100.00%	
Net capital turnover ratio (%)	Revenue from Operation	Average Working Capital	142.71%	189.08%	-24.52%	
Net profit ratio (%)	Net Profit after tax	Revenue from operation/Net Sales	8.25%	2.94%	181.01%	
Return on capital employed (%)	Earning before interest and taxes	Capital Employed	11.10%	5.51%	101.36%	
Return on investment (%)	Net Profit after tax	Total Assets	2.7%	1.2%	131.56%	

45 The Property Plant and Equipment includes items, which are very old and have outlived their useful lives. Such assets have been fully depreciated in the books of accounts. During 2023-24 Company identified such items of Rs.NIL (Previous Year 2022-23 Rs. 55.10 Lakhs (Prime cost) and disposed as scrap. The Company is in process to identify further such items which have outlives their useful lives for scrapping / writing-off.

46 Trade Receivable – non-current assets of Rs.38.98 Lakhs (Previous year - Rs.38.98 Lakhs) represents amount due from Bharat Heavy Electrical Ltd (BHEL) for Lakwa Project, which was closed in 2009-10 and Other current financial assets includes Retention Deposit Rs. 42.29 Lakhs (Previous year - 42.29 Lakhs) and Security Deposit Rs.37.49 Lakhs (Previous year - 37.49 Lakhs) relating to above work. The amount has been considered as good because of corresponding aggregate liability of Rs.126.46 Lakhs (Previous Year - Rs.126.46 Lakhs) lying in the books against the contractor M/S Frontier Engineering Co. For Lakwa Project company has already provided Rs. 38.98 Lakhs (Previous year 38.98 Lakhs) with respect to amount due from Bharat Heavy Electrical Ltd (BHEL).



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

- 47 Other Financial Assets – Current includes amounts Rs.45.41 Lakhs (previous year- Rs.45.41 Lakhs) as Earnest Money and Other deposits, which are very old against which an amount of Rs.40.78 Lakhs (previous year- Rs.40.78 Lakhs) is payable and is included in Other financial liabilities - Current, which have not been confirmed by the respected parties, however company has considered it as good because of corresponding liabilities.
- 48 Inventories for the year includes old and unused stocks Rs 119.85 Lakhs in Raw Material, Rs 2.78 Lakhs in Stores Spares and Cosumables which are lying for more than 8 years, and Rs 8.18 Lakhs in Loose Tools, which are lying for more than 10 years and accumulated provision of Rs.46.90 Lakhs against the same has been made in the accounts during the year.
- 49 Other Financial Assets – Current includes amount deposited as advance to the following parties which are very old and the Company considered the same as current in nature.

SL. No.	Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
1	Sales Tax Recoverable from client-BBUNL	15.76	15.76
2	Salary Advance	10.45	10.45
Total		26.21	26.21

Sales Tax Recoverable from client-BBUNL represent amount deposited against appeals made before Joint commissioner of Commercial taxes Bihar for the year 2010-11 and 2011-12.

- 50 Other Current Assets includes amounts deposited as advance to the following parties for which no confirmation is available and are very old. The Company considers the same as good and realizable/adjustable and hence considered the same to be current in nature.

SL. No.	Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
1	Family Pension Scheme- Contract Labour	15.02	15.02
2	Workmen's Providend Institution	6.82	6.82
Total		21.84	21.84

- 51 Trade Payables – Non current and other non current liabilities includes following amounts against which goods and services were received in earlier years, and the Company is in the process of identifying the creditors against these liabilities. However, Company considered the same as payable in long term and Non current in nature:

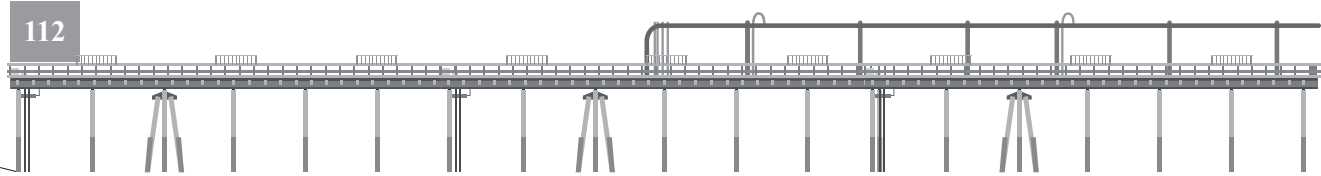


Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

SL. No.	Particulars	31-Mar-2024	31-Mar-2023
1	Liabilities A/C-on completed contracts	1493.35	1493.35
2	Liabilities A/C	698.01	698.01
3	GOI Payable A/c - BBVL Liquid. & Interest	182.90	182.90
4	GOI P/E Payable (SUBS.) - BWEL	69.60	69.60
5	Interest on P/E Fund Payable to Subs.	357.65	357.65
6	Sundry Creditors - Misc. (Subsidiary)	2.33	2.33
7	<i>IT Suspance (Others) (194) Payable - OCL</i>	1.04	1.04
8	<i>Sale Tax Payable -OCL</i>	1.54	1.54
9	Interest payable to BBCC	2.37	2.37
10	Old Un-Reconciled Balance	6.36	6.36
Total		2815.15	2815.15

- 52 Physical verification of Inventories of Raw materials, stores, Consumables etc. have been carried out at the year end and discrepancies between physical and book stock, if any, not being significant, have been properly dealt with in the Books of Accounts during the year.
- 53 There is an uncontested Income-tax demand of Rs.15.08 Lakhs (Previous Year Rs. 2022-23 Rs.11.04 Lakhs)as per the official portal of the Income-tax Department for which the company does not have appropriate documents or evidences for rebuttal. However, the company is of the opinion that no amounts are outstanding to be paid, which have not been contested and the amounts as displayed in the Income-tax portal may be erroneous. The Company will take effort in getting the same rectified. Accordingly, no liability has been provided for.
- 54 Balances of some of the trade receivables, trade payables, loans and advances etc. incorporated in the books as per balances appearing in the relevant subsidiary records, are subject to confirmation from the respective parties and consequential adjustments arising from reconciliation, if any. The Company however is of the view that there will be no material discrepancies in this regard.
- 55 As per sanction of Govt.of India (GOI) in 2015, BBJ (Transferor company) amalgamated with BBUNL (Transferee company) under section 391(2) read with section 394 of the companies Act 1956. Before amalgamation The Braithwaite Burn & Jessop Construction Co Ltd (BBJ) was a subsidiary of Bharat Bhari Udyog Nigam Ltd (BBUNL). ROC, by its order dated 18th Nov'2015 conveyed approval for change of name of the Company from Bharat Bhari Udyog Nigam Ltd (BBUNL) to The Braithwaite Burn & Jessop Construction Co Ltd (BBJ), resultant from such amalgamation. Earlier BBUNL had subsidiaries in names Bharat Process and Mechanical Engineering Ltd (BPMEL), Burn Standard & Co Ltd (BSCL), Braithwaite & Co Ltd, Bharat Wagon and Engineering Ltd (BWEL), Jessop & Co Ltd.(JCL), Lagan Jute Machinery Co Ltd and The Braithw aite Burn and Jessop Construction Co Ltd (BBJ). Braithwaite & Co Ltd, BSCL and BWEL were assigned to Railways, Lagan Jute Machinery Co Ltd and Jessop & Co. were disinvested, BPMEL is under Liquidation.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

- 56 Other Financial assets (Current) included Loans of Rs.5932.96 Lakhs (Previous Year Rs.5932.96 Lakhs) in BPMEL, Rs.656.03 Lakhs (Previous Year Rs.656.03 Lakhs) in Weighbird India Limited (subsidiary of BPMEL) and Rs.207.25 Lakhs (Previous Year Rs.207.25 Lakhs) in Bharat Wagon and Engineering Company Ltd (earstwhile subsidiary) with interest receivable, Rs.33,656.29 Lakhs from BPMEL (Previous Year Rs.33,656.29 Lakhs), Rs.350.26 Lakhs from WIL (Previous Year Rs.350.26 Lakhs) are due as at the reporting date. Said loan were given by GOI through BBUNL to its subsidiaries BPMEL, WIL and BWEL for their different financial requirements. On date BPMEL under liquidation, WIL winded up (post liquidation) and BWEL was assigned to Railways. Notwithstanding the status of above entities, such loans are carried at cost.
- 57 The Company has investments of Rs.486.30 Lakhs (Previous Year Rs.486.30 Lakhs) in Bharat Process and Mechanical Engineers Limited (BPMEL), Rs.2558.01 Lakhs (Previous Year Rs.2558.01 Lakhs) in Jessop & Co Ltd (JCL), earstwhile subsidiaries of BBUNL, are under liquidation, and Rs.0.30 Lakhs (Previous Year Rs.0.30 Lakhs) in Bhagirathi Bridge Construction Company Limited (BBCCL, a joint venture of BBJ) and Rs.42.20 Lakhs (Previous Year Rs.42.20 Lakhs) in Lagan Jute Machinery Co Ltd, (subsidiaries of BBUNL) at the reporting date. Notwithstanding the status of the above entities, such investments are carried at cost. A provision of Rs.0.30 Lakhs for investment in BBCCL has been made due to doubtful recovery.
- 58 The company has not considered any interest accrued for current financial year on loans of Rs. 6,588.99 Lakhs granted to Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. ('BPMEL') and Weighbird India Ltd. ('WIL') a second layer subsidiary ('subsidiaries') in view of non-recoverability thereof as the aforesaid subsidiaries are under liquidation. Also Interest on loans of Rs.207.25 Lakhs to Bharat Wagon and Engineering Company Limited ('BWEL') not accounted for as the same was closed post transfer to Railways.
- The company has not considered any interest payable for current financial year on loans of Rs.6588.99 Lakhs taken from the Government of India, which was used for granting loans to the aforesaid subsidiaries, because of non recoverability. Had the interest payable on such loans been provided for the finance cost for the current financial year would have been higher by Rs. 2160.39 Lakhs (Previous Year Rs.2185.42 Lakhs) and the amounts payable to the Government of India towards the interest would have been higher by Rs.24917.06 (Previous Year 22756.77 Lakhs). Accordingly, the profit for the current financial year would have been lower by Rs.2160.29 Lakhs, (Previous year Rs. 2185.42 Lakhs).
- 59 Consequent to clearance of GOI vide letter No.17(12)/2000-PE.III dated 26.08.2003 and in terms of the "Share Purchase Agreement" executed by and amongst the Company, Jessop & Co. Ltd. (Jessop) and Indo-Wagon Engineering Ltd., the Company sold/transferred 6,81,34,428 equity shares of Jessop & Co. (i.e. 72%) for a consideration of Rs. 1818.00 Lakhs to Indo-Wagon Engineering Ltd. on 29.08.2003 and the entire sale proceeds of Rs. 1818.00 Lakhs as realised had been transferred to Government of India.
- 60 During the year 2005-06, Jessop & Co. Ltd applied to Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) for de-rating (reducing) the nominal value of its equity shares from Rs.10 to Re.1. BIFR vide directions issued on 31.08.2005 permitted Jessop & Co. Ltd. to proceed with reduction of their equity share capital in terms of the provisions under Sections 100, 101, 102 & 103 of the Companies Act, 1956.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

The Company preferred an appeal under Section 25 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 before the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (AAIFR) against the aforesaid direction of BIFR. The Company also filed applications impleading itself in two other appeals preferred before AAIFR against the aforesaid direction of BIFR. While one of the appeals was earlier withdrawn, AAIFR vide Order dated 28.02.2008 dismissed the appeal preferred by the Company as well as the other appeal.

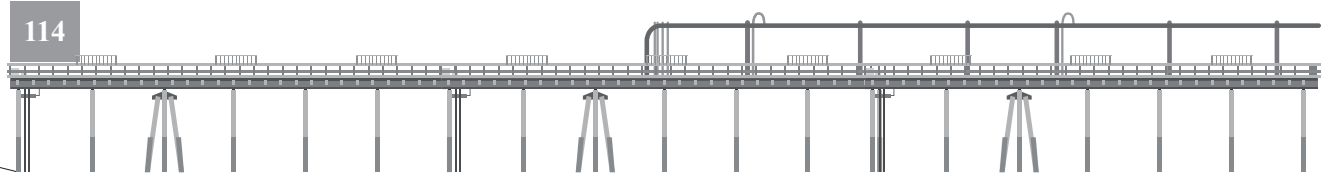
The Company has filed a writ petition in the Hon'ble High Court at Calcutta challenging AAIFR's Order, which is pending disposal as on date. The Company has also referred the disputes to arbitration as provided in the "Shareholders Agreement" entered into by it with Indo-Wagon Engineering Ltd. (strategic partner in Jessop) on 29.08.2003. The resultant accounting effect will be considered in the books of account after final adjudication complying with the Accounting Standards and Government directives.

- 61 In the financial year 2005-06, an amount of Rs. 82.72 Lakhs was refunded to Jessop & Co. Ltd. on account of 'Service Charges' recovered in respect of the period October 2001 to August 2003. The Company has filed a suit for recovery of the amount together with interest and cost, which is pending disposal as on date.
- 62 During financial year 2008-09, the Company had entered into a consortium arrangement under the name and style of "BCD INGAB Consortium" for construction of Neighbourhood Unit at Bikele township in the Republic of Gabon. The value of services to be rendered by the Company (as per agreement with the consortium partner) was aggregated and limited to Rs. 2.75 crores, excluding actual expenses incurred on various heads such as on bank guarantee charges, travelling, establishment expenses, etc. As part of its defined roles & responsibilities, the Company has provided a performance bank guarantee of US\$ 725,000 (5% of project order value) in favour of Government of Gabon against Mobilisation Advance of an equivalent amount released to the Consortium. The Company has received margin money for such guarantee (validity period since expired) from the Consortium.

The progress in execution of the project not being satisfactory, the Company decided to seek an honourable exit there from, which is being pursued. In terms of extant agreement, the Company is not liable to compensate the Consortium partner in the event of any loss and/or deficit arising out of the project.

An Arbitration proceeding between BBJ and CCPL (Consortium Partner) was initiated before Hon'ble Arbitrator, appointed by Hon'ble High Court at Calcutta to resolve the various claim raised by both the parties against each other for the payment made from Consortium along with interest.

Award of the Arbitration proceedings, has been received in 2023-24 and advised BBJ to refund Rs. 3.64 Crore, the equivalent INR of US\$ 7,25,000 to the consortium and in turn to CCPL and ordered BBJ to retain the accumulated interest on the said amount. The Company has refunded the same as per direction of Hon'ble High Court to BCD INGAB Consortium. However, CCPL filed an execution suit claiming post award interest which is pending before Hon'ble High Court at Calcutta.



Notes forming part of the financial statements

(All amounts in Indian Rupees Lakhs, except share data and where otherwise stated)

- 63 There is a joint venture company, Bhagirathi Bridge Construction Company Limited (BBCCL) and a subsidiary Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd (BPMEL) on date. Both the Companies are defunct as BPMEL is under liquidation since 2004 and BBCCL substratum lost after completion of the purpose for which it was incorporated in 1971. As on date there is no business activities in both the companies and due to non availability of financial statements of defunct JV / subsidiary, consolidated financial statement is not prepared.
- 64 As per IND AS 116, there is no Operating Lease exist during the year and hence no disclosure is required in this respect.
- 65 Previous year's figures have been regrouped/rearranged, whenever necessary.

The accompanying notes are an integral part of the financial statements.

As per our report of even date
For B.MUKHERJEE & CO
 Chartered Accountants
 Firm's Registration Number: 302096E

for and on behalf of the Board of Directors of
**The Braithwaite Burn and Jessop Construction
 Company Limited**
 CIN: U70100WB1986GOI041286

S. K. Mukherjee
 Partner
 Membership No. 006601
 UDIN - 24006601BJZXPS7518

Cmde. Rakesh Chhillar (Retd.)
 Chairman & Managing Director
 DIN - 09832486

R.K.Singh
 Director (Technical)
 DIN - 09614219

Place: Kolkata
Date: 28.06.2024

S K Ghosh
 Director (Finance)
 DIN - 10659781

N K Mishra
 Company Secretary
 PAN - AIQPM3388P





संगलदान खंड पर यूएसबीआरएल परियोजना के तहत,
जम्मू और कश्मीर जिले के रामबन में पुल नंबर 2
Bridge no.2 at Jammu & Kashmir in district Ramban,
under the USBRL project at Sangaldan section,



खोंगसांग स्टेशन से नोनी स्टेशन, मणिपुर के बीच इरिंग नदी पर रेलवे ब्रिज नंबर 164
Railway Bridge no.164 over river Iring in between
Khongsang Station to Noney Station, Manipur



बैराबी - सैरांग, मिजोरम के बीच रेलवे ब्रिज नंबर 64
Railway Bridge no.64 between Bairabi - Sairang, Mizoram



दि ब्रेथवेट बर्न एण्ड
जेसप कंस्ट्रक्शन कंम्पनी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

THE BRAITHWAITE BURN AND JESSOP
CONSTRUCTION COMPANY LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

27, आर.एन. मुखर्जी रोड, कोलकाता – 700001, पश्चिम बंगाल, भारत
दूरभाष : +91 33 22485841 – 44,
ईमेल : info.bbjconst@bbjconst.com, वेबसाइट : www.bbjconst.com
27, R. N. Mukherjee Road, Kolkata – 700001, West Bengal, India.
Phone : +91 33 22485841 – 44,
email : info.bbjconst@bbjconst.com, Website : www.bbjconst.com